महानगर नई दिल्ली रविवार 22 सितंबर, 2019, रु. 5.00 (12+4 पेज) दिल्ली, कोलकाता, लखनऊ और चंडीगढ़ से प्रकाशित

जनसत्ता

jansatta.com epaper.jansatta.com facebook.com/jansatta twitter.com/jansatta

हरियाणा और महाराष्ट्र में 21 अक्तूबर को होंगे चुनाव

24 अक्तूबर को वोटों की गिनती

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 21 सितंबर।

चुनाव आयोग ने महाराष्ट्र और हरियाणा में विधानसभा चुनाव की तारीखों का एलान कर दिया है। दोनों राज्यों में 21 अक्तूबर को एक ही चरण में मतदान कराए जाएंगे। वोटों की गिनती 24 अक्तूबर को होगी। मुख्य चुनाव आयुक्त सुनील अरोड़ा ने बताया कि दोनों राज्यों में 27 सितंबर को अधिसूचना जारी की जाएगी।

चुनाव की घोषणा के साथ ही दोनों राज्यों में आदर्श आचार संहिता भी लागू हो गई। दोनों राज्यों में कोई नई घोषणा नहीं की जा सकेगी। महाराष्ट्र की सभी 288 विधानसभा सीटों और हरियाणा की सभी 90 सीटों के लिए चुनाव कराए जाएंगे। लोकसभा चुनावों की तर्ज पर आयोग ने इस बार भी महाराष्ट्र और हरियाणा में हर विधानसभा के पांच मतदान केंद्रों पर वीवीपीएटी पर्चियों की गणना का इंतजाम किया है। महाराष्ट्र में आठ करोड़ 95 लाख मतदाताओं के लिए 95,473 मतदान केंद्र बनाए जाएंगे, जबकि हरियाणा में करीब एक करोड़ 83 लाख मतदाताओं के लिए 19,425 मतदान केंद्र बनाए जाएंगे।

मुख्य चुनाव आयुक्त सुनील अरोड़ा के मुताबिक, दोनों राज्यों में 27 सितंबर को अधिसूचना जारी की जाएगी और नामांकन प्रक्रिया भी उसी दिन शुरू होगी। चार अक्तूबर तक नामांकन किया जा सकता है और सात अक्तूबर तक नामांकन वापस लिए जा सकते हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मई में भाजपा को केंद्र में दूसरी बार मिली सत्ता के बाद पहली बार विधानसभा चुनाव हो रहे हैं। महाराष्ट्र में भाजपा और शिवसेना की गठबंधन सरकार चल रही है। हरियाणा में भाजपा बहुमत में है।

दोनों राज्यों में विधानसभा चुनाव में भाजपा के प्रचार के प्रमुख मुद्दों में जम्मू कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को रद्द करने का फैसला भी हो सकता है। भाजपा नेता जहां दोनों राज्यों में सत्ता में वापसी को लेकर आश्वस्त दिख रहे हैं, वहीं हाल के हफ्तों में विरोधी खेमे के कई नेताओं के भगवा पार्टी का दामन थामने से विपक्ष की स्थिति कमजोर हुई है।

महाराष्ट्र में भाजपा और शिवसेना के बीच गठबंधन को अभी अंतिम रूप नहीं दिया जा सका है, लेकिन दोनों के बीच कुछ समय से इस विषय पर बातचीत चल रही है। भाजपा महाराष्ट्र में 288 सदस्यीय बाकी पेज 8 पर

28 लाख तक खर्च की इजाजत, प्लास्टिक से परहेज : चुनाव आयोग

मुख्य चुनाव आयुक्त सुनील अरोड़ा ने बताया कि आपराधिक रिकॉर्ड की जानकारी न देने पर उम्मीदवार का पर्चा रद्द होगा। आयोग ने उम्मीदवार के लिए खर्च की सीमा 28 लाख रुपए तय की है। चुनावी खर्च की निगरानी के लिए पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की जाएगी। चुनाव में हिस्सा ले रहे उम्मीदवारों को अपने हथियार जमा कराने होंगे। इसके अलावा आयोग ने प्रचार में पर्यावरण का ध्यान रखते हुए प्लास्टिक का इस्तेमाल न करने की अपील की है।

आयोग का एलान

- 27 सितंबर को जारी की जाएगी अधिसूचना दोनों राज्यों में
- 4 अक्तूबर तक नामांकन, सात अक्तूबर तक नाम वापसी
- हर विधानसभा के पांच मतदान केंद्रों पर वीवीपीएटी पर्चियों की गणना होगी

हरियाणा

- 90 विधानसभा सीटें
- एक करोड़ 83 लाख मतदाता
- 19,425 मतदान केंद्र
- 1.3 लाख ईवीएम
- विधानसभा कार्यकाल दो नवंबर तक

महाराष्ट्र

- 288 विधानसभा सीटें
- आठ करोड़ 95 लाख मतदाता
- 95,473 मतदान केंद्र
- 1.8 लाख ईवीएम
- विधानसभा कार्यकाल नौ नवंबर तक

64 विधानसभा सीटों पर भी उपचुनावों का एलान

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 21 सितंबर।

चुनाव आयोग ने शनिवार को 18 राज्यों की 64 विधानसभा सीटों और बिहार की समस्तीपुर लोकसभा सीट पर 21 अक्तूबर को उपचुनाव कराने की घोषणा की। मतगणना 24 अक्तूबर को होगी। उपचुनाव वाली विधानसभा सीटों में 15 सीटें कर्नाटक और 11 सीटें उत्तर प्रदेश की हैं। लोकसभा की समस्तीपुर सीट लोक जनशक्ति पार्टी के नेता और सांसद रामचंद्र पासवान के जुलाई में हुए निधन से खाली हुई है।

कर्नाटक और उत्तर प्रदेश समेत 18 राज्यों की 64 विधानसभा सीटों पर होंगे उपचुनाव

बिहार की समस्तीपुर लोकसभा सीट पर उपचुनाव भी 21 अक्तूबर को

मुख्य चुनाव आयुक्त सुनील अरोड़ा ने बताया कि कर्नाटक में जिन सीटों पर उपचुनाव होंगे, उनमें वे सीटें भी शामिल हैं जहां के विधायकों को हाल में अयोग्य करार दिया गया है। उत्तर प्रदेश की 11 सीटों में अधिकतर वे हैं, जहां के विधायकों ने लोकसभा चुनाव जीतने के कारण इस्तीफा दिया है। चुनाव आयोग के मुताबिक अरुणाचल बाकी पेज 8 पर

शिवसेना-भाजपा का दावा 220 से ज्यादा सीटें जीतेंगे

मुंबई, 21 सितंबर (भाषा)।

निर्वाचन आयोग द्वारा महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के लिए तारीखों की घोषणा करने के कुछ ही घंटे बाद शिवसेना और भाजपा के नेताओं ने शनिवार को राज्य में लगातार दूसरी बार चुनाव जीतने का भरोसा जताया।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष चंद्रकांत पाटील ने कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की 'महाजनादेश यात्रा' को मिली शानदार प्रतिक्रिया को देखते हुए भाजपा गठबंधन को 220 से ज्यादा सीटें मिलने की उम्मीद है। शिवसेना प्रवक्ता संजय राउत ने कहा, 'दिवाली से एक दिन पहले बाकी पेज 8 पर

मैं दोबारा मुख्यमंत्री बनूंगा : फडणवीस

मुंबई, 21 सितंबर (भाषा)।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को कहा कि भाजपा और शिवसेना विधानसभा चुनाव मिलकर लड़ेंगे और चुनाव बाद वे दोबारा मुख्यमंत्री बनेंगे। फडणवीस ने मीडिया में आई उन खबरों को बाकी पेज 8 पर

पटाखा कारखाने में विस्फोट, महिला सहित छह की मौत

एटा, 21 सितंबर (जनसत्ता)।

उत्तर प्रदेश के एटा जिले के थाना मिरहची क्षेत्र के मोहल्ला तकिया के एक मकान में पटाखे बनाते समय हुए विस्फोट में एक महिला समेत छह लोगों की मौत हो गई। धमाका इतना तेज था कि इससे तीन मंजिला मकान पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और पड़ोसियों के मकानों में भी दरारें पड़ गईं। धमाके से पांच ने मौके पर ही दम तोड़ दिया जबकि एक महिला की जिला अस्पताल पहुंचकर मौत हुई। हादसे में दर्जनभर लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें जिला अस्पताल से सैफई रेफर किया गया है। मरने वालों में पटाखा बनाने वाले परिवार के ही लोग शामिल हैं।

घटना की सूचना पर जिलाधिकारी सुखलाल, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सुनील कुमार सिंह सहित भारी पुलिस बल और दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं और बचाव कार्य जारी है। पुलिस ने इलाके को पूरी तरह सील कर दिया है। घटना के बाद से मौके पर भारी भीड़ जुट गई है।

जिलाधिकारी सुखलाल भारती ने बताया कि मृतकों की पहचान अंजलि (8), राधा (12), खुशी (6), शीतल (18), मुन्नी देवी (35) और रजनी (14) के रूप में की गई है। उन्होंने बताया कि विस्फोट संभवतः खाना पकाने के दौरान हुआ। यह पूछे जाने पर कि क्या पटाखा फैक्टरी अवैध रूप से चल रही थी, तो जिलाधिकारी ने कहा कि फैक्टरी अवैध नहीं थी। उसके पास पुराना लाइसेंस था। कुछ लापरवाही हुई है, जिसकी वजह से विस्फोट हुआ।

मिरहची के थानाध्यक्ष नारायण दत्त तिवारी के अनुसार थाने के मोहल्ला तकिया में नीरेश व मुन्नी देवी पटाखे का काम कर रहे थे कि अचानक विस्फोट हो बाकी पेज 8 पर

हादसे में कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें इलाज के लिए सैफई भेजा गया।

मरने वालों में पटाखा बनाने वाले परिवार के ही लोग शामिल हैं।

सेवानिवृत्त जज पर बहू को पीटने का आरोप

हैदराबाद, 21 सितंबर (भाषा)।

मद्रास हाई कोर्ट से सेवानिवृत्त एक न्यायाधीश और उनके परिवार का एक वीडियो वायरल हुआ है जिसमे वे लोग कथित तौर पर अपनी बहू की पिटाई कर रहे हैं। वीडियो के सामने आने से कुछ ही महीने पहले सिंधू शर्मा की शिकायत पर न्यायाधीश और उनके परिवार के खिलाफ घरेलू हिंसा का मामला दर्ज किया गया है।

हैदराबाद और मद्रास हाई कोर्ट में न्यायाधीश रह चुके एन राममोहन राव की बहू सिंधू का कहना है कि उसने सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर इसलिए साझा की है क्योंकि इसे देखे बिना कोई उसका यकीन नहीं करता। महिला का कहना है कि अपने दोनों बच्चों के कारण वह अभी तक पति के वापस लौटने का इंतजार कर रही थीं।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि सिंधू को उक्त सीसीटीवी फुटेज पुलिस के साथ साझा करने को कहा गया है। इस वीडियो में दो व्यक्ति एक महिला को पीटते और कमरे के भीतर खींचते नजर आ रहे हैं, वहीं एक अन्य महिला उसपर बुरी तरह चिल्ला रही है। शर्मा का आरोप है बाकी पेज 8 पर

वायरल वीडियो का एक अंश।

हैदराबाद और मद्रास हाई कोर्ट में न्यायाधीश रह चुके हैं एन राममोहन राव

बहू ने सबूत के तौर पर सोशल मीडिया पर साझा किए सीसीटीवी फुटेज

स्टेंस हत्याकांड

बीस साल बाद एक और आरोपी गिरफ्तार

बारीपदा (ओड़ीशा), 21 सितंबर (भाषा)।

आस्ट्रेलियाई मिशनरी ग्राहम स्टुअर्ट स्टेंस और उनके दो नाबालिग बच्चों की जलाकर हत्या किए जाने के करीब 20 साल बाद सीबीआइ ने मामले के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

करंजिया के सब-डिविजनल पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) नारायण चंद्र नायक ने बताया कि तिहरे हत्याकांड के मुख्य आरोपी दारा सिंह के करीबी सहयोगी बुद्धदेब नाइक (45) को सीबीआइ के अधिकारियों ने मयूरभंज जिले के ठाकुरमुंडा थाना क्षेत्र स्थित उसके आवास से गिरफ्तार बाकी पेज 8 पर

मद्रास हाई कोर्ट की मुख्य न्यायाधीश का इस्तीफा मंजूर

नई दिल्ली, 21 सितंबर (भाषा)।

वीके ताहिलरमाणी

मद्रास हाई कोर्ट की मुख्य न्यायाधीश वीके ताहिलरमाणी का इस्तीफा स्वीकार कर लिया लिया गया है। एक सरकारी अधिसूचना में यह जानकारी दी गई। अधिसूचना में बताया गया है कि उनका बाकी पेज 8 पर

चार हाई कोर्ट में कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश नियुक्त - *खबर पेज 8 पर*

न्यायमूर्ति कुरैशी को अब त्रिपुरा का मुख्य न्यायाधीश बनाने की सिफारिश

नई दिल्ली, 21 सितंबर (भाषा)।

सुप्रीम कोर्ट कॉलिजियम ने अपने पूर्व के निर्णय में संशोधन करते हुए न्यायमूर्ति अकील कुरैशी को अब त्रिपुरा हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के तौर पर पदोन्नत किए जाने की सिफारिश की है। इससे पहले कॉलिजियम ने उन्हें मध्य प्रदेश हाई बाकी पेज 8 पर

ऑस्कर के लिए भारत ने भेजा 'गली बॉय' का नाम

नई दिल्ली, 21 सितंबर (भाषा)।

अभिनेता रणवीर सिंह की मुख्य भूमिका वाली जोया अख्तर की फिल्म 'गली बॉय' को 92वें अकादमी पुरस्कार में अंतरराष्ट्रीय फीचर फिल्म वर्ग में भारत की आधिकारिक प्रविष्टि के तौर पर चयनित किया गया है। फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया (एफएफआइ) ने शनिवार को इसकी घोषणा की।

फिल्म को इस साल फरवरी में समूचे देश में व्यावसायिक तौर पर रिलीज किया गया था, जिसमें आलिया भट्ट, विजयराज, कल्कि कोचलिन, सिद्धांत चतुर्वेदी, विजय वर्मा और अमृता सुभाष ने अभिनय किया है। एफएफआइ के महासचिव सुपर्ण सेन ने बताया, 'इस साल करीब 27 फिल्में दौड़ में थीं लेकिन सर्वसम्मति से गली बॉय को चुना गया।' जानीमानी अभिनेत्री एवं फिल्मकार अपर्णा सेन इस साल की चयन समिति की अध्यक्ष थीं। रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर ने 'गली बॉय' का निर्माण किया है जिसमें रणवीर ने एक उभरते हुए रैपर की भूमिका निभाई है।

दरअसल

50 हजार से अधिक भारतीय करेंगे शिरकत | **उत्साह** | हिंदी, अंग्रेजी और स्पेनिश भाषा में प्रसारण

'नमो' के स्वागत के लिए ह्यूसटन तैयार

ह्यूस्टन, 21 सितंबर (भाषा)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'हाउडी मोदी' कार्यक्रम के लिए ह्यूस्टन तैयार है। यहां अंतिम दौर तक जोर-शोर से तैयारियां चलीं। भारतीय-अमेरिकी इसके लिए खासे उत्साही हैं। पोप के अलावा अन्य किसी विदेशी नेता के लिए यहां आयोजित किया जा रहा यह सबसे बड़ा कार्यक्रम है। एनआरजी फुटबॉल स्टेडियम में रविवार को आयोजित होने जा रहे इस कार्यक्रम में 50 हजार से अधिक भारतीय शिरकत करेंगे।

तीन घंटे तक चलने वाले 'हाउडी-मोदी' समारोह में प्रधानमंत्री मोदी के साथ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी शिरकत करेंगे।

अमेरिका में भारतीय राजदूत हर्ष वी श्रृंगला ने अपनी टीम के साथ शुक्रवार सुबह एनआरजी स्टेडियम में जारी तैयारियों का मुआयना किया था। इस समारोह को यादगार बनाने के लिए 15,000 से अधिक स्वयंसेवक दिन-रात काम कर रहे हैं। स्टेडियम में शुक्रवार को एक कार रैली का आयोजन भी किया गया था, जिसमें 200 से अधिक कारों ने हिस्सा लिया।

आयोजकों और स्वयंसेवकों ने 'नमो अगेन' की शर्ट पहन रखी थी और 'नमो अगेन' (नरेंद्र मोदी फिर से) के नारे लगा रहे थे। उन्होंने कहा कि वे दिल से प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत करने को तैयार हैं।

'टेक्सस इंडिया फोरम' (टीआइएफ) के प्रवक्ता प्रीति डावरा, गितेश देसाई और ऋषि भुटाडा ने शुक्रवार बाकी पेज 8 पर

ह्यूस्टन जाने के दौरान प्रधानमंत्री मोदी का विमान दो घंटे के तकनीकी ठहराव के लिए फ्रैंकफर्ट में रुका, जहां जर्मनी में भारतीय दूत मुक्ता तोमर और महावाणिज्य दूत प्रतिभा पारकर ने उनकी अगवानी की।

रविवारी

22 सितंबर, 2019

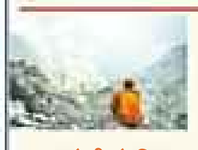

पिघलते हिमनद

जलवायु परिवर्तन के कारण दुनिया भर के हिमनद यानी ग्लेशियर बहुत तेजी से पिघल रहे हैं। इसके चलते अनेक समस्याएं पैदा हो रही हैं। आने वाले समय में इससे क्या दुश्वारियां हो सकती हैं बता रहे हैं अभिषेक कुमार सिंह।

• कहानी/ अमरेंद्र मिश्र • ललित प्रसंग/ सुरेश सेठ • योग दर्शन/ डॉ. वरुण वीर • शख्सियत/ एमएस सुब्बुलक्ष्मी • दाना-पानी/ मानस मनोहर • सेहत/ रविवारी डेस्क

छोटा घर बड़ी सजावट • रवि डे

• कविता/ प्रभुदयाल श्रीवास्तव
• कहानी/ दीप्ति मित्तल

जनसत्ता क्लासीफाइड

व्यक्तिगत

It is for general information that I,Anita Devi,w/o shri.Dina nath,Residing at-N-25 B-136 Lalbagh, Azadpur,Delhi-110033.,declare that name of mine/my husband has been wrongly-written as Sunita,Harkesh in my minor daughter's shalu 14years educational-documents.The actual-name of mine and my husband Anita Devi,Dina nath respectively which may be amended accordingly. 0040513354-6

It is for General information that I,Pradeep Kumar Das,S/o Bholanath Das R/o-7/108 Geeta-Colony Delhi-110031, Inform that name of mine has been wrongly-written as Pradeep Das in my minor son Harsh Das(14-Years)T.C.,the actual-name of mine is Pradeep Kumar Das which may be Amended Accordingly. 0040513373-9

It is General Information that I,Sharmila,W/o Sanjay Singh R/o-H.No.634 Habuda-Mohalla Rangpuri-Malikpur kohi.Delhi-110037,inform that name of mine has been wrongly-written as Sharmila Sehrawat in my minor daughter Kanan (14-Years)Educational-Documents the actual name of mine is Sharmila which may be amended accordingly. 0040513373-7

It is General Information that I,Savita,W/o Manjeet Singh,R/o-H.No.634, Rangpuri-Malikpur kohi. Mahipal pur, Delhi-110037,inform that name of mine has been wrongly-written as Savita Sehrawat in my minor-daughter Khushi(14-Years) Educational-Documents the actual name of mine is Savita which may be amended accordingly. 0040513373-8

I,Vikas S/o Late.Rajender Kumar,R/o-301,Sigret wala Bagh Model-Town Dr.Mukherjee-Nagar Delhi-110009,inform that my father name wrongly-Written Mahesh Yadav in my School Record but Correct-name is Rajender Kumar.Mahesh Yadav and Rajender Kumar is a same Person. 0040513373-5

I,Raghuvansh Yadav,S/o Moti Lal R/o-151, T-Huts, G.T.Karnal - Road Azadpur,Delhi-110033, have changed my son name, from Vishal to Vishal Yadav, for all purposes. 0040513352-10

I,Abu Shahma S/o.Abdul Rab R/o.10-B,West Laxmi Market, Near.Aram-Park, Krishan Nagar,Delhi-110051 do hereby inform that in my educational certificates, my father's name is wrongly mentionedas Abdul Rub,The Correct Name is Abdul Rab for allpurposes. 0040513420-2

I, Tara Datt Tiwari,S/o Late.Kavi Dutt Tiwari R/o-B-161,5th-Floor,Gali.No.16,Near-Gurudwara,Mandawali-Fazalpur,Delhi-110092.,have changed my name,from Tara Datt Tiwari to Tara Dutt Tiwari,for all purposes. 0040513352-5

I,Tarang Krishna S/o Hari Krishna R/o.361, Greater-Kailash Colony,Delhi-110048 have changed my minor son name Aryaman Agarwal to Aryaman Krishna Aggarwal. 0040513400-6

I, Sunil Mathur S/O - Ram Karan R/O-308a-Mohammad Pur Majri,Karala,Delhi-81 Have Changed My Name To Sunil Kumar,For All Future Purposes. 0040513353-4

I, Sumitra Devi W/o Sh Ranbir Singh R/o A-63, U Block, New Roshanpura, Najafgarh, New Delhi-110043 do hereby solemnly inform that Sumitra, Sumitra Devi, Mitra Devi Khanda are one and same person and hereby known as Sumitra Devi for all future purposes. 0040513319-1

I, Shri Mohd. Ikram R/o F-12/34, Jogabai Extn., Okhla, ND-25, have changed my minor son's name from Mohd. Izaan Ikram to Mohammad Izaan Ikram. 0040513372-1

I, Satyawati Kumari W/o Vikram Singh Yadav R/o D-G02, Mahindra Aura, Sector-110A, New Palam Vihar, Gurgaon (HR)-122017, have changed my name to Satyawati Yadav. 0040513375-1

I, Satish Kumar Munjal S/o Des Raj Munjal R/o B1703, Ardee City, Sec-52, Gurgaon, have changed my name to Satish Munjal for all purposes. 0040513391-1

I, Santosh Yadram w/o Late Yad Ram r/o 30/6, Uri Enclave, Delhi Cantt, Delhi-110010, have changed my name to Santosh Devi. 0040513337-1

I Inder Jit Kaur W/O Rajinder Pal Singh R/O-L-2/56, New Mahavir-Nagar, New-Delhi-110018., Changed My Name To Inder Jeet Kaur. 0040513353-7

I Dushyant Arya S/o Sh. Ratan Prakash R/o 8/84, Punjabi Bagh, West Delhi-110026 have changed my name to Dusshyant Arya for all purposes. 0040513321-1

I Dharam Das S/O Shri.Satgur R/O-A-11, Block-A, Shiv-Vihar, Vikas-Nagar, Delhi-110059 Have Changed My Name To Dharam Dass. 0040513373-10

व्यक्तिगत

I, Santosh W/o Lt. Rontash R/o HN-613, Gali No-13, Swami Shradhanand Colony, Delhi-110042, have changed my name to Shanti Devi for all purposes. 0040513411-1

I, Sanjay Bansal S/o Ishwar Chand Bansal R/o.346/28, Onkar Nagar-B,Tri Nagar, Delhi-110035,Have changed my name from Sanjay Bansal to Sanjay Kumar for all future purposes. 0040513345-1

I, Saloni D/O Jagdev Yadav R/O-G-1/122, Sector-16, Rohini, Delhi-110085, Changed my name to Saloni Yadav.for all Purposes. 0040513353-9

I, Reena Malik W/o.Rajesh Malik R/o-C-120,Ground-Floor, Surajmal Vihar,Delhi-92,have Changed the Name of my Minor Son Kaavya Malik to Kyansh Malik Age-13years 0040513317-1

I, Ravi Gupta S/O-Chunni Lal Gupta R/O 552, F-Block, Sector-9,New Vijay-Nagar, Ghaziabad,U.P-201009, Changed my name to Ravi Kumar Gupta. 0040513373-4

I, Rajender S/O Om Prakash R/O-House No.M-36, Vijay-Nagar Colony,Bawana, Delhi-39.Have Changed My Name To Rajender Kumar. 0040513353-5

I, Puran Chand S/O Vasu Dev R/O-F-124, Madipur-Colony, Paschim-Vihar, Delhi-110063. Changed My Name To Puran Umria. 0040513353-6

I, Prerana Singh W/o-Jay Kumar R/o-77/2,New Pinto Park,13Brd Palam,New Delhi-110010,have changed,my name,from Prerana Singh to Prerana Kumari vide affi-davit,dated-20/09/2019, before,Notary Public,Delhi. 0040513376-5

I, Pramod Kumar S/o Rohan Lal Gulati R/o 113, Paschim Vihar Extension, New Delhi-110063, have changed my name to Parmod Gulati for all purposes. 0040513333-1

I, Pramod Kumar S/o Govind Singh R/o FF-A, A-137, Sec-02, Vaishali, Ghaziabad, have changed my name to Pramod Bisht. 0040513400-2

I, Guru Prasad S/o Ishwar Prasad Gupta R/o-Neelmani-Colony, Hindan-Vihar,Arthala, Mohan-Nagar,Ghaziabad (U.P)have changed my name to Prince Gupta,for all future purposes. 0040513352-8

I, Prakash Singh,S/O Thakur Singh,Residing At-C-92A, Sangam-Park,Opp Rana-Partap-Bagh,Delhi-110007. Have Changed The Name Of My Minor Son Charanjeet Aged 17-Years And Shall Hereafter Be Khown As Charanjeet Singh. 0040513352-4

I, Poonam Mishra W/o-Abhay Nandan Mishra R/o-Vpo-Dumariya Buzurag, Khagaria, Bihar-851216,have changed, my name,from Poonam Mishra to Poonam Kumari vide,affidavit dated-20/09/2019,before,Notary Public,Delhi. 0040513376-6

I, Parteek Kumar R/O F-206, Vishnu Garden, Street NO.05, New Delhi-110018 have changed my name to Parteek Singla. 0070675431-1

I, Pankaj Kumar Yadav S/o Sadho Singh Yadav R/o C-2/11, Lodhi Colony, Lodhi Road, New Delhi-110003, informs that name of mine and my father has been wrongly written as Pankaj Yadav S/o Sadhu Singh Yadav, in my Xth School Certificate. But my actual name is Pankaj Kumar Yadav and father's name Sadho Singh Yadav which may be corrected accordingly, for all future purposes. 0040513320-1

I, Nidhi Agarwal W/O Rajeev Aggarwal R/O-H.No.44/42, West-Punjabi-Bagh, New-Delhi-110026,Have Changed My Name To Nidhi Aggarwal, For All Purposes. 0040513373-1

I, Matur Malakajappa Virappa S/o Sh. Virappa Matur Inform that Matur Mallikarjun Virappa is incorrect name,I am R/o 1083, Venzia Tower, Mahagun Moderne, Sector-78 Noida-201301 U.P. 0040513336-1

I, Lalit Kumar,S/O Shri.Ramchander Yadav R/O-H.NO-129, East-Part of outer ring-road, Badli-Village,Delhi-110042,have changed my name to Lalit Yadav. 0040513373-3

I, Kunsang Palzar Tshering S/O-Thendup Palzar Tshering R/O-House.No-6143, Sector-B-8,Vasant Kunj, Delhi-110070, have Changed My Name To Kunsang Palzer For All,Future Purpose. 0040513400-4

I, Hitherto known as Mitthu S/O Sh. Sajjan Kumar residing at A-40/1, Street No. 6, Chander Vihar, I. P. Extention, Delhi-110092, have changed my name and shall hereafter be known as Yash Kumar. 0070675472-1

I Lakhvinder Singh Walia S/O-Sewak Singh Walia R/O-1/10557 Gali.No-2 Mohan-Park Naveen-Shahdara Delhi-110032.Have Changed Name To Lakhwinder Singh Walia. 0040513352-2

I Javed Akhtar,S/o Sh.Abdul Hakeem R/o-I-38, FF.Thokar.No-4, Abul-Fazal-Enclave, Jamia-Nagar, Delhi-110025,inform that my name is wrongly-written as Javed Akhtar Siddiqui in my daugh-ter's Jazbia Sandleen in docu-ments.That the correct-name of mine is Javed Akhtar. 0040513352-7

I, Hafiz Mohammad Juber S/o Md. Shafi R/o B-692, Resettlement-Colony, Khyala, N.Delhi-110018,have changed my name to Md. Zuber. 0040513354-3

I, Gurmeet Kaur Sudan W/o-Balvinder Singh Sudan R/o-WZ-22 3rd-Floor, back-side Sant-Nagar Near-Tilak-Nagar New-Delhi-110018. changed my name to Amandeep Kour. 0040513373-6

I, Gulshan Kumar S/o Prem Singh Phool R/o 727, Near Nihal Farm, Tilpat, Faridabad, have changed my father's name to Prem Singh for all purposes. 0040513374-1

I, Gopal Kumar,S/O Shri. Kailash Chand R/O-F-16B, Nanesh Enclave, Jain-Colony,Barwala,Delhi-110039,have changed my name to Gopal Vishwakarma. 0040513373-2

I, Dinesh Kumar S/o Nathu Ram Tiwari R/o H No. B-380, Second Floor, Ram Shukha Camp, Tajpur Pahari, Badarpur, ND-44, have changed my name to Dinesh Kumar Tiwari. 0040513371-1

I, Dhiraj Singh S/o Late Theb Singh Rawat R/o 134, Type-3 (MS), Timarpur Delhi-54 have changed my name to Dhiraj Singh Rawat for all purposes. 0040513318-1

I, Deepanshu S/O Subhash Chander R/O-598, Sector-23, Sonipat, Haryana-131001.Have Changed My Name To Deepanshu Dahiya. 0040513353-3

I, Amit S/O Prem Singh R/O 740, Bankner New Delhi-110040, Have Changed My Name To Amit Khatri. 0040513400-7

I, Chintan Agrawal f/o Nivvaid Agrawal r/o A-28, First Floor, Naraina Vihar, Delhi-110028, have changed my minor son's name to Naived Agrawal for all future purposes. 0040513337-2

I, Charu Lata W/o Kamal Bhardwaj R/o D-109, Surajmal Vihar, Delhi-110092, have changed my name to Charu Bhardwaj for all purposes. 0040513414-1

I, Baisa Dinanath Gaurishankar S/O-Gauri Shankar R/O-C-61-62, Shiv-Gali, Nanak-Chand-Basti, Kotla-Mubarak pur, Delhi-110003.Have Changed My Name To Baisa Dinanath. 0040513352-3

I, Baby W/o Sameer Kumar Gupta R/o-Flat-6/301 Aashiyana Homes, Basai Brahuddin-Nagar, Sector-70, Noida, have changed my name Sadhvi Gupta. 0040513400-1

I, Bablu S/o Khargi Ram R/o RZF-28, Gali No. 38, Sadh Nagar-2, Palam Colony, New Delhi-110045 inform that my name is wrongly mention in my child Karishma Meena (DOB: 20.06.2004) school record as Babloo whereas my actual and correct name is Bablu for all purposes. 0040513339-1

I, Ayub Mohammad S/O Alimuddin R/O-300, Main-Qutub Garh-Road, Ladpur, Delhi-81.Have Changed My Name To Mohd Ayub. 0040513353-2

I, Ashok Kumar Badhwar S/O-Vijay Kumar Badhwar R/O-41-B, Rajpura-Road, Civil-Lines, Delhi-110054,Have Changed My Name To Ashok Badhwar, For All, Future Purpose. 0040513400-3

I, Arpan S/o Hawaldar Singh R/o H.No.51,D-Block, Gali No.3,Brijpuri,Delhi-110094 have changed my name to Arpan Kumar Sisodia. 0040513354-4

I, Anzar Ahmad S/O Abdul Jabbar R/O-H-9, Janta Mazdoor-Colony, Babarpur, Delhi-110053., Changed My Name To Anzar Ahmed. 0040513353-8

I, Anshul Pathak S/o Sh. Chandra Pal Sharma R/o B-66 D, Rajat Vihar, Sector-62, Noida, UP, have changed my name from Anshul Kumar Pathak to Anshul Pathak for all future purposes. 0040513324-1

I, Anil Yadav,S/o Sh.Jai Pal R/o-H.No.86,V.P.O.-Chakkarpur, Gurugram, Haryana, have changed my name to Anil Kumar,for all future purposes. 0040513400-5

I, Anil Kumar S/o Shri Kumar Pal R/o-B-990, Sector-1, Avantika,Rohini, Delhi-110085, have changed my name to Anil Kumar Chauhan,for all purposes. 0040513353-1

I, Amrin W/o Abu Shahma R/o.10-B,West Laxmi Market, Shastri Nagar, KrishanNagar, Delhi-110031 have changed myname to Amreen for allpurpose. 0040513420-1

I, AKHMAD SARIZHAT W/o Mr. Shabbir Ahmad R/o H.No. 23, Jogabai Okhla, New Delhi-110025 have changed my name from Kurbanova Sarizat Gasanovna to AKHMAD SARIZHAT for all future purposes. 0040513328-1

I Darshan Kaur Walia W/O-Sewak Singh Walia,R/O-1/10557 Gali.No-2 Mohan-Park Naveen-Shahdara Delhi-110032.,Have Changed Name To Sudershan Kaur 0040513352-1

I AKANKSHA CHAUDHARY W/o Shajat Kataria D/o Dhare Singh R/oH.No.123,Hewo-Apartments, Sector-15-II, Gurugram, Haryana-122001, have changed my name to AKNKSHA CHAUDARY. 0040513354-2

व्यक्तिगत

मैं मधु जैन W/o स्वराज कुमार जैन निवासी KF-42 Ground Floor सागर रत्ना अपार्टमेंट कविनगर गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) ने अपना नाम मधु रानी जैन से बदलकर मधु जैन रख लिया है। भविष्य में मुझे मधु जैन के नाम से जाना जाए।

मैं संयोगिता गुप्ता पत्नी श्री सन्दीप निवासी हाउस नं.-1315, सैक्टर-4, गुरुग्राम की हूं। मेरे पासपोर्ट नं. B5400593 में मेरा नाम संयोगिता सरद जगदाले है। अब शादी के बाद उसकी जगह संयोगिता गुप्ता किया जाये।

I, Ranbir Singh S/o Sh. Amar Singh R/o A-63, U Block, New Roshanpura, Najafgarh, New Delhi-110043 do hereby solemnly inform that Ranbir, Ranbir Singh, Ranbir Singh khanda, Ranbir Singh Khandelwal are one and same person and hereby known as Ranbir Singh for all future purposes. 0040513319-2

I hitherto known as Yogendra Kumar Yadav Alias Yogendra Kumar S/o-Ram Vir Singh Yadav,Residing at-B-2-2, Sector-15,Rohini, North-West Delhi,Delhi-110089,have changed my name and shall hereafter be known as Yogendra Kumar Yadav. 0040513352-6

I Vinay Maggo S/o Kasturi Lal Maggo R/o-148, Ambika-Vihar, Paschim-Vihar, Delhi-110087 have changed my name to Viney Kumar. 0040513353-10

I Sandeep Jain S/o Sh. Dharam Chand Jain R/o H.No.148, J-Extension, Laxmi Nagar, Delhi-110092 inform that the correct & exact date of birth of my minor daughter Vanshika Jain is 30-03-2005 instead of 30-02-2005. 0040513321-2

I SHAJAT KATARIA S/o Ravinder Kataria R/oH.No.123, Hewo Apartments,Sector-15-II, Gurugram, Haryana-122001, have changed my name to SHAJET KATARRIA. 0040513354-1

I Manish Manjul Dubey R/o F. No. A11, GalaxyApartments, Sector - 43, Chakarpur (74), GurgaonHaryana - 122002 Have Changed My Name To ManishDubey For All Purposes 0070675454-1

Name Change

I,ABHAY KESHAV CHANDRA ANAND S/O SH. KESHIVE CHANDRA ANAND R/O B101B, 2nd Floor, Back Side Green Field Colony, Near NHPC Chowk Faridabad, Have Changed my name to ABHAY ANAND S/O SH. KESHIVE CHANDRA ANAND for future all purpose. In documents My Mother name also show as KIRTI KESHAV CHANDRA ANAND in place of her correct name is KIRTI KESHIVE CHANDRA ANAND

खोया+पाया

I, Prabhjot Kaur Kalra W/o-Bhagat Singh, Have Lost Original-Demand-Letter Wide-File No-J/19(137)82/Gen/VP Of Property No.JG-II/15 ,Vikasuri, New Delhi-18,Finder Contact: 8851013456. 0040513400-9

We,(1)Bhuvnesh Dudeja and(2)Rajat Dudeja, both Sons of Late Jawahar Dudeja We Lost-Original Sale-Deed of.Flat.No.348, Golden-Jublee Apartment, Pkt-10,Sec-11, Rohini Delhi Date-19/08/2019 Finder Contact-99999-30705. 0040513354-10

I, Dolly kumari D/o Rakesh singh R/o-F2/833 pipal-chock sangam-vihar-110080.have lost my original certificate Class-10th Rollno-8743350 Year-2015 CBSE-Delhi. 0040513354-9

I, Akash S/o shri Rajpal R/o-N-71 B/242 old-Chandrawal civil-line Delhi-54.have lost my original-certificates Class-10th Rollno-8607791 Year-2012 CBSE-Delhi. 0040513354-7

I, ANUBHUTI Jain D/o Vishal Jain R/o-X 8/881 chand mohalla gandhi-nagar delhi.have lost my original-certificate class-10th year-2015 Rollno-8126255 CBSE-Delhi. 0040513354-8

PUBLIC NOTICE

Be it known to all that my client Gopal Dass@Gopal Das S/o Suwa Lal R/o House No. J-626, Block-J, Jahangir Puri, Delhi-110033, Aadhaar No. 8046 2711 3490, have severed all the relations with his son Tara Chand S/o Gopal Dass@Gopal Das, Aadhaar No. 6620 9096 2844 and Bhagwati (wife of Tara Chand) and disowned them from all their movable and immovable properties. For all references, my client is not related, interested, concerned or responsible in any manner for the acts, deeds, commitments and liabilities of abve said Tara Chand and Bhagwati as they have gone beyond their control and are living and acting as per their own wishes. Anyone dealing with above said Tara Chand and Bhagwati shall be doing so entirely at his/her own personal risk and liability.

Sd/-
SUMIT GARG (Advocate)
P-190, Krishna Vihar, Delhi-86

PUBLIC NOTICE

FREEHOLD PROPERTY BEARING NO.631, ENTIRE THIRD FLOOR WITH TERRACE RIGHT, JANGPURA-B, NEW DELHI

Public at large is hereby informed that the captioned portion of property is offered as security for Equitable Registered mortgage with **State Bank of India or any Other Bank/ FI**, and the present owner is not able to arrange complete chain of title documents for verification.

It is hereby notified that any person or party, firm / company, Bank, financial institution having claim any charge, interest or lien or claim or otherwise and / or objection to the Equitable Registered Mortgage with **State Bank of India, or any Other Bank/ FI** thereof, he/ she/ they may lodge/ notify the same to the undersigned with documentary proof/ Court Judgment / Decree within 15 days from the day of publication, failing which the title Sale Deed executed dated **29.03.2010** executed in favour of my client i.e. Sh. Vivek Yadav duly registered vide Regd. No.4716, dated 30.03.2010 shall be deemed to be clear and marketable without any defect , encumbrance, lien and impediment and my client is **Sh. Vivek Yadav** alone has to create Equitable / Registered Mortgage by deposit of Chain of available title documents with any person/ firm, company, financial institution/Bank.

NIRMAL KUMAR (Advocate)
Mob.-9818187, Email : n2kumar@gmail.com

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given to public at large that my clients Sh. Harpreet Singh Bhasin S/o Late Bhagat Singh & Smt. Rita Bhasin W/o Sh. Harpreet Singh Bhasin, Both R/o Flat No.316, Laxmi Narayana Villa, Shiv Ram Palli, Aramghar X-Road, Hydrabad, Pin-500052, have disowned their Son Shri Anmol Singh Bhasin and his wife Smt. Nancy Bhasin and their son namely Master Harveer Singh Bhasin, from their all movable and immovable properties, with immediate effect and have severed all connection with them, due to their misbehaviour/misconduct towards my clients, if any person deals with them will do so at his/her/their own risk and consequences and my clients shall not be liable for any of their acts/deeds.

Anybody dealing with them in any manner whatsoever is doing the same at his/her/their own risk and responsibility thereto and my clients will not be responsible for any act, deeds and things done by them.

Sd/-
(ANUUJ AGGARWALL (ADVOCATE)
E-16/391, Ist Floor,
Sector-8, Rohini, Delhi-85.

PUBLIC NOTICE

This is to inform to public at large that my client Sh. Karan Singh S/o Sh. Garib Ram R/o House No.145, Hastsal Uttam Nagar, D.K. Mohan Garden, West Delhi-110059 has disowned and debarred his son Vishnu Dev Solanki from all his moveable and immovable properties because he solemnized his marriage, with Ms. Simran without his knowledge and consent and they are out of control of my client. My client shall not be responsible for their acts, deeds. If any person deals with them then he will be doing on his own risk, cost and consequences.

Sd/-
RAJENDRA PRASAD (Advocate)
Seat No. 32, Near Treasury Gate,
Tis Hazari Courts, Delhi-54

PUBLIC NOTICE

General Public is hereby informed that my clients Sh. Sheelak Ram s/o late Sh. Fateh Singh and Smt. Sunita w/o Sh. Sheelak Ram, both R/o House no. 262, Gali No. 4 Jeewan Park, Siraspur, Delhi-110042 have disowned and disinherited from all their movable and immovable properties, their daughter namely Smt. Pooja and her husband Sh. Dheeraj, being disobedient towards my clients. My clients have severed all relations from them and in future any body dealing with them will do so at his/her own risk and responsibility for which my clients shall not be responsible.

Sd/-
RAJIV Hooda (Advocate)
Ch. No. 229, Western Wing,
Tis Hazari Courts, Delhi-54

PUBLIC NOTICE

Be it known that my client **MRS. RAMA DEVI W/O LATE SH. MALA RAM R/O J/725, JAHANGIR PURI, DELHI-110033,** have been left/debar all relations from her son namely. **SH. RAJENDER** & his wife **SMT. SANTOSH** & their children's namely **SNEHA & MANVI,** due to their misbehavior, from their all movable and immovable properties. Anybody dealing with them in civil and criminal matter shall be doing at his/ her/ their own risk, cost and responsibility.

Sd/-
SURENDER KUMAR
(ADVOCATE)
SHOP NO. 6, RU BLOCK,
DDA MARKET, SUB- REGISTRAR
OFFICE-VI, PITAM PURA,
DELHI

Public Notice

Be it known to all that my client Sh. Hritik Arora S/o Sh. Sanjay Arora R/o C-6, Upper Ground Floor, Hargovind Vihar, Near Sec-4, Rohini Delhi-110085 have disowned and disentitled Movable & Immovable Property and Served off all relation with His Mother Mrs. Sonia Arora W/o Sh. Sanjay Arora R/o A-72, Second Floor, Vijay Vihar Phase-II, Delhi-110085.

For ever and for all purposes.

Sd/ (Shashank Ahuja), Adv.
289-A, Western Wing Tis Hazari
Court Delhi-110054
M-9911245076

PUBLIC NOTICE

Original Share Certificate of 250 Equity Shares of Rs. 10/- each of Gabriel India Ltd. having Folio No. 0002276, Certificate No. 7011, Distinctive No. 75559208 to 75559457 in the name of Late Ram Kishan Husband of Pramila Garg have been lost. Finder may contact Pramila Garg at 011-26964280 or F-26, HAUZ KHAS ENCLAVE, NEW DELHI-110016.

PUBLIC NOTICE

Plot No. U-9/1T, DLF -Phase-3, Gurugram was registered in the name of **Mr. Mukand Sahai Saxena S/o Sh. Gobind Sahai Saxena R/o - E-1024, Netaji Nagar, New Delhi-110023** who has expired on **12-11-2011** leaving behind a following legal heirs **1.) Mr. Arvind Sahai 2.) Mamta Srivastava 3.) Shalini** and accordingly the name of **1.) Mr. Arvind Sahai 2.) Mamta Srivastava 3.) Shalini** is being noted in **DLF's** record I respect of the captioned plot. If anybody has any objection to this, he or she may approach Ms./ DLF Ltd. Or the undersigned within 21 days of publication of this notice.

Name of the lawyer's firm & address
NAVEEN RAGHAV (Advocate)
Ch. No. 55 Near Gate No.1, S.S.S Block, Distt Courts Gurgaon.
Mob: 9818754871

अदालती सूचना

IN THE HIGH COURT OF DELHI AT NEW DELHI
ORDINARY ORIGINAL CIVIL JURISDICTION
CS (OS) No. 231/2017

Mr. Harinder Singh ... Plaintiff
versus
Mrs. Kamaljit Kaur @ Mrs. Suresh Kumar & Anr. ... Defendants
To
Mrs. Dalit Kaur
W/o Late Mr. Jagmohan Singh

Whereas the above named plaintiff has instituted an suit against you for PARTITION.

And whereas it has been shown to the satisfaction of the Court that it is not possible to serve you in the ordinary way, therefore, this notice is given by publication directing you to make appearance before this **Hon'ble Court on 16-10-2019 at 10.30 AM.**

Take notice that in default of your appearance on the day above mentioned, the suit will be heard & determined in your absence.

Given under my hand & the seal of the Court, in terms of order dated 23-08-2019 & 11-09-2019.

Sd/-
Seal
Assistant Registrar (O)
For Registrar General

देश के कई इलाकों में भारी बारिश की आशंका

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 21 सितंबर।

दिल्ली सहित देश के कई राज्यों में मौसम ने करवट बदला और तमाम इलाकों में हल्की व मध्यम दर्जे की बारिश हुई। इससे लोगों को कई दिन से चल रही तेज ऊमस व गर्मी से निजात मिली। भारतीय मौसम विभाग ने करीब दर्जन भर राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। बारिश के बाद अगले करीब दस दिन में मानसून पूरी तरह से विदा हो जाएगा।

दिल्ली में सुबह से ही बादलों की आवाजाही जारी रही। दिन में कुछ इलाकों में तेज हवा भी चली और दोपहर बाद थोड़ी देर के लिए ही, लेकिन बादल झमाझम बरसे। गुरुग्राम, फरीदाबाद सहित कई इलाकों में बारिश देखने को मिली। दिल्ली में सबसे ज्यादा 57 मिलीमीटर बारिश रिज वेधशाला में दर्ज की गई। इसके अलावा पालम में 33 मिलीमीटर, सफदरजंग में 23 मिलीमीटर, आयानगर में 20 मिलीमीटर व लोधी रोड में 21 मिलीमीटर बारिश हुई। दिल्ली का औसत सफदरजंग की बारिश को माना जाता है। इसके साथ ही तापमान में गिरावट भी महसूस की गई। दिल्ली का अधिकतम तापमान 35 डिग्री के आसापास व न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विभाग के वैज्ञानिक ने बताया कि हवा में नमी का फीसद 95 रहा। विभाग ने दिल्ली में रविवार को भी बारिश की संभावना जताई है। विभाग का कहना है कि मौसमी गर्त राजस्थान के ऊपर से गुजर रहा है व उसी ने दिल्ली को बारिश की सौगात व राहत दी है।

PUBLIC NOTICE

General Public is hereby informed that my client **Sh. Mahender Singh** S/o Sh. Mukhia Singh R/o C-903, T-Huts, New TG Camp, Rajkubir Nagar, New Delhi-110027, has disowned his daughter namely **MS Manpreet Kaur** D/o Sh. Mahender Singh R/o **Unknown**, due to misbehavior & dishonesty from all his moveable, immovable assets and ceased all relations with her. Anybody dealing with her will do so at his/her/their own risks. My client will not be responsible for her any act, transaction in any manner.

J.C. Trikha (Advocate) Ch.No. M-4 C.S. Tis Hazari Courts, Delhi-110054

PUBLIC NOTICE

Public at large is hereby informed that my client Smt. Meena Devi W/o Sh. Suresh Kumar R/o F-913, Dakshinpuri, Dr. Ambedkar Nagar, New Delhi-110062, has disowned and debarred her son namely Ravi Mangey @ Bunty (deep cool) and his wife Smt. Kavita from her entire movable/immovable properties due to their adamant, arrogant, and disrespectful behaviour towards my client and has also severed her relations with them. If anybody deals with them in any manner, he/she shall do so at his/her own risks, costs and consequences. My above stated client shall not in any manner be held responsible for the same.

Vasant Kumar (Advocate)
Ch. No. 101 Saket Courts, Delhi-110017

Public Notice

Be it known to all that my client Sh. Devansh Arora S/o Sh. Sanjay Arora R/o C-6, Upper Ground Floor, Hargovind Vihar, Near Sec-4, Rohini Delhi-110085, have disowned And disentitled Movable & Immovable Property and Served off all relation with His Mother Mrs. Sonia Arora W/o Sh. Sanjay Arora R/o A-72, Second Floor, Vijay Vihar Phase-II, Delhi-110085. For ever and for all purposes.

Sd/ (Shashank Ahuja), Adv.
289-A Western Wing Tis Hazari
Court Delhi-110054
M-9911245076

सार्वजनिक सूचना

मेरे मुवक्किल श्री सनत कुमार मंडल उम्र 61 वर्ष, पुत्र स्वर्गीय श्री अनिल कुमार मंडल तथा उनकी पत्नी श्रीमती सुषमा मंडल, निवासी जी-226ए, कालोनी जय विहार फेस-1, नजफगढ़, नई दिल्ली-110043 ने अपने जयेष्ठ पुत्र सौमित्र मंडल तथा पुत्रवधु देवमिता दास पुत्री श्री दीनबंधु दास निवासी कोलकाता जोकि वर्ष 30/05/2016 से ही अलग रह रहे हैं तथा उनके द्वारा मेरे मुवक्किल के प्रति गैर जिम्मेदार रवैया, व्यवहार, धमकियों तथा देखभाल नहीं करने के कारण उन दोनों से अपने सभी संबंध विच्छेद कर लिये हैं तथा अपने समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है तथा मेरे मुवक्किल के कनिष्ठ पुत्र अंकित मंडल तथा पुत्र वधु रोमिया भी अपने बड़े भाई तथा भाभी से सभी संबध विच्छेद कर लिए हैं भविष्य में उन दोनों के किए गए किसी भी कार्य या लेन-देन के प्रति मेरे कोई भी मुवक्किल जिम्मेदार नहीं हैं।

हस्ता./-
संदीप रंजन
अधिवक्ता
सीट नं. 73, सैन्ट्रल हाल,
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली-54

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी मुवक्किला श्रीमती कृष्णा पत्नी स्व. श्री जे.एल. शर्मा, आयु 69 वर्ष, निवासी बी-997, गली नं.-29, संत नगर बुराडी, दिल्ली-110084 ने अपने पुत्र बृजेश कुमार, उसकी पत्नी श्रीमती हेमलता एवं इनके बच्चे, निवासीगण 267-ए, ब्लाक ए-1, निकट परमहंस मंदिर, हरसाल रोड, उत्तम नगर, नई दिल्ली-110059 को उनके अवज्ञाकारी एवं दुर्व्यवहार के कारण अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करके उनसे अपनी सभी पारिवारिक व सामाजिक संबंध-विच्छेद कर लिए हैं। भविष्य में मेरी मुवक्किला इनके किसी भी तरह के लेन-देन एवं कृत्यों के लिए जिम्मेदार नहीं होगी।

हस्ता./-
रवि शर्मा एडवोकेट
चैम्बर नं.-203, सिविल विंग
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली-54

PUBLIC NOTICE

Be it known to all concern that my clientess Smt. Rajeshwari Devi W/O Sh.Brahm Dutt Tiwari R/O House no G-206,Village Gazipur Deputy Colony Delhi 110091, has completely severed her relation with her son namely Suni Tiwari and his wife namely Mrs. Ranu Tiwari with their children namely Sandhya, Shivam, Abhishek as they are out of control of my clientess due to her ill behavior, my clientess has also disowned and debarred them from all her movable and immovable properties. My clientess shall not be responsible for any act of Sunil Tiwari and his wife namely Mrs. Ranu Tiwari with their children namely Sandhya, Shivam, Abhishek in future in any manner and if anybody deals with them, he/she will do on his risk and responsibility.

Sd/-
Mohit Aggarwal (Advocate)
418, Patiala House
Courts Delhi-110001
Mob.: 9911441868

PUBLIC NOTICE

We it known to all that sh. S.k. Jain, s/o sh. S.P. Jain, R/o flat number 10A Bharat Apartment, who was allotee and register share holder as per share certificate no. 703 /member of kohinoor co-operative group housing society Limited, 31 –I.P. Extension Delhi-110092 has expired on 07.10.2013 intestate. On behalf of my client smt. Vijay jain w/o late sh. S.k. Jain r/o flat number 10A Bharat Apartment, kohinoor co-operative group housing society limited, 31 –I.P. Extension Delhi-110092. The undersigned advocate, hereby invites claims or objections from other heir/s or claimant/s or objector/s for the transfer of the said shares and interest of the deceased member in the property of the society in favour of my client within a period of 14 days from the publication of this notice, with copies of proofs to support the claim/objection at below mentioned address. If no claims/objections are received within the period prescribed above, the society shall be at the liberty to transfer the share of the deceased in the manner provided under the bye laws.

MUKESH AGGARWAL ADVOCATE
CH. NO. X25-A, CIVIL WING,
TIS HAZARI COURT, DELHI-54

"IMPORTANT"

Whilst care is taken prior to acceptance of advertising copy, it is not possible to verify its contents. The Indian Express (P) Limited cannot be held responsible for such contents, nor for any loss or damage incurred as a result of transactions with companies, associations or individuals advertising in its newspapers or Publications. We therefore recommend that readers make necessary inquiries before sending any monies or entering into any agreements with advertisers or otherwise acting on an advertisement in any manner whatsoever.

सात साल में पाकिस्तान ने की 6942 बार गोलाबारी

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 21 सितंबर।

- इसमें 90 सुरक्षाकर्मी शहीद हुए, गृह मंत्रालय ने 2013 से अगस्त 2019 के बीच का आंकड़ा जारी

पाकिस्तान से लगती अंतरराष्ट्रीय सीमा और नियंत्रण रेखा पर पड़ोसी मुल्क ने 6942 बार संघर्षविराम उल्लंघन किया है। गृह मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, इन घटनाओं में 90 सुरक्षाकर्मी शहीद और 454 घायल हुए।

गृह मंत्रालय के अनुसार, वर्ष 2013 से अगस्त 2019 के बीच जम्मू- कश्मीर के नियंत्रण रेखा और अंतरराष्ट्रीय सीमा पर पाकिस्तानी सैनिकों द्वारा गोलाबारी और संघर्षविराम उल्लंघन की कुल 6942 वारदातें रिकॉर्ड की गईं। यह जान

दिल्ली सरकार ने नई शिक्षा नीति पर साफ किया नजरिया, कहा

कॉलेजों को स्वायत्तता व राष्ट्रीय शिक्षा आयोग की जरूरत नहीं

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 21 सितंबर।

नई शिक्षा नीति पर शनिवार को राजधानी दिल्ली में हुई केंद्रीय सलाहकारी शिक्षा बोर्ड की बैठक में दिल्ली सरकार ने अपना नजरिया साफ करते हुए कॉलेजों को स्वायत्तता देने, निजी शिक्षा बोर्ड बनाने, देश के मौजूदा शिक्षण संस्थानों में मल्टी फेकेल्टी सेंटर स्थापित करने जैसे प्रावधानों का विरोध किया है। इसमें देश के शिक्षा मंत्रियों ने भी शिरकत की। उपमुख्यमंत्री व शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया ने बोर्ड की बैठक के बाद बुलाई प्रेस कान्फ्रेंस में कहा कि शिक्षा पर राष्ट्रीय आयोग की जरूरत नहीं है। जरूरत है तो जीडीपी का कम से कम छह फीसद बजट शिक्षा पर रखना

जीडीपी का छह फीसद बजट शिक्षा पर अनिवार्य आबंटन के लिए कानून बनाए केंद्र सरकार
– मनीष सिसोदिया

अनिवार्य करने के लिए कानून बनाने की। उन्होंने कहा–समय आ गया है कि ऐसा कानून बनाया जाए ताकि देश में जीडीपी का कम से कम छह फीसद बजट शिक्षा पर रखना अनिवार्य हो। इसके अलावा उन्होंने दावा किया कि नई शिक्षा नीति में इस बात पर कोई प्रस्ताव नहीं है कि देश के बच्चों की शिक्षा सरकार का काम है। इसके उलट कई ऐसे प्रस्ताव हैं जिसमें निजी शिक्षा व्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा। देश में सरकारी स्कूल बंद होते जा रहे हैं और जो चल रहे हैं उनकी गुणवत्ता पर लोगों का भरोसा कम होता जा रहा है।

सिसोदिया ने कहा कि नई शिक्षा नीति में निजी शिक्षा बोर्ड बनाने की बात कही गई है। यह बेहद घातक कदम होगा। शिक्षा देना सरकार का काम है और शिक्षा बोर्ड भी सरकारी ही होने चाहिए। प्राइवेट स्कूलों को अपना बोर्ड बनाने की इजाजत देना शिक्षा के निजीकरण को और बढ़ावा देगा। इसी तरह नई शिक्षा नीति में कॉलेजों को अपनी अपनी डिग्री देने का अधिकार देने की बात कही गई है। इससे फर्जी डिग्री का धंधा खुले आम चलने लगेगा और हम चाह कर भी कुछ नहीं कर सकेंगे।

आज से शुरू होगा 'भाजपा करेगी न्याय' अभियान

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 21 सितंबर।

कच्ची कॉलोनियों में आम आदमी पार्टी (आप) सरकार के काम की पोल खोल के लिए रविवार से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जमीनी स्तर पर लड़ाई शुरू करेगी। इसके लिए रविवार को भाजपा दिल्ली भर में 'भाजपा करेगी–न्याय' अभियान की शुरुआत करेगी। अभियान के लिए विशेषतौर पर 22 जगहों को चुना गया है और एक ही समय पर इन जगहों से 'आप' के खिलाफ हल्ला बोला जाएगा। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मनोज तिवारी समेत पार्टी के अन्य नेता इस अभियान की अगुआई करेंगे।

कच्ची कॉलोनियों पर 'आप' ने मनाया 'धोखा दिवस'

कच्ची कॉलोनियों को पक्का करवाने के लिए शनिवार को आम आदमी पार्टी (आप) ने 'धोखा दिवस' मनाया। इन कॉलोनियों को हक दिलाने के लिए 'आप' ने आइटीओ स्थित पार्टी कार्यालय से लेकर भाजपा मुख्यालय तक पैदल मार्च किया। इसकी अगुआई पार्टी प्रदेश संयोजक गोपाल राय ने की। गोपाल राय ने कहा कि कांग्रेस की तरह ही भाजपा भी आम जनता को कच्ची कॉलेनियों के मामले में जनता को धोखा देने की कोशिश कर रही है। एक तरफ प्रदेश भाजपा जमीन पर उतर कर कच्ची कॉलोनियों के लिए लड़ाई लड़ रही है।

वसंत कुंज में शुरू हुआ 'नो प्लास्टिक' अभियान

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 21 सितंबर।

वसंत कुंज में शनिवार को सांसद रमेश बिधूड़ी ने 'नो प्लास्टिक' अभियान की शुरुआत की। प्लास्टिक का इस्तेमाल रोकने के लिए आम जनता को प्लास्टिक प्रयोग नहीं करने की शपथ दिलाई। उन्होंने लोगों से अपील की कि ऐसी प्लास्टिक जिसका केवल एक ही बार किया जा सकता है, उस प्लास्टिक का प्रयोग बंद करें। इससे पर्यावरण को होने वाले नुकसान को कम किया जा सकेगा।

यूनियन बैंक Union Bank
शुद्धि पत्र
[illegible]
प्राधिकृत अधिकारी, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र
दिल्ली अग्निशमन सेवा
मुख्यालय, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली–110001

जनसूचना

हाल ही में करोल बाग, दिल्ली में हुई आगजनी में 17 लोगों की जान गई और यह पाया गया कि वहां के निवासियों और होटल में कार्यरत कर्मचारियों को वहां से निकलने में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा और आग की प्रारंभिक अवस्था में भी अग्निशमन नहीं कर पाए।

सार्वजनिक हित में भवन अधिभोग के सभी व्यवसायी और कर्मचारियों को जहां सोने का जोखिम हो जैसे होटल/अतिथि गृह/नर्सिंग होम/अस्पताल में आग से सुरक्षित निकलने और अग्निशमन प्रक्रिया के बारे में बुनियादी प्रशिक्षण दिया जाएगा।

दिल्ली अग्निशमन सेवा, रोहिणी दिल्ली की अग्नि सुरक्षा प्रबंध अकादमी में तीन दिवसीय प्रारंभिक अग्निशमन प्रशिक्षण का आयोजन कर रही है। यह प्रशिक्षण दिल्ली अग्नि सेवा नियम 2010 के अन्तर्गत निर्धारित शुल्क पर, पहले आएं पहले पाएं के अनुसार, विभिन्न संगठनों द्वारा नामांकनों पर निर्भर करेगा। यह प्रशिक्षण विभिन्न समूहों में दिया जाएगा जिसमें अधिकतम 40 व्यक्ति होंगे।

इसलिए सभी सार्वजनिक इमारतों जहां सोने की व्यवस्था हो जैसे होटल/अतिथि गृह/नर्सिंग होम/अस्पताल उनके मालिकों/निवासियों को सूचित किया जाता है कि वे अपने कर्मचारियों/अधिकारियों का नामांकन उप–मुख्य अग्निशमन अधिकारी, दिल्ली अग्नि सुरक्षा प्रबन्ध अकादमी रोहिणी, सैक्टर–14, दिल्ली–110085 (दूरभाष–01127552155, मोबाइल नं. 9811032931 और ई–मेल sstdfs@gmail.com)को भेज सकते हैं।

हस्ता/–
निदेशक, दिल्ली अग्निशमन सेवा

दिल्ली अग्निशमन सेवा द्वारा जनहित में जारी

DIP/Shabdarth/0687/19-20

कार्पोरेशन बैंक
आंचलिक कार्यालय, आर.पी.जी. टॉवर, 495/1, गणेश पांडे नगर, मेरठ–250001

कब्जा सूचना (अचल सम्पत्ति के लिए)
[नियम - 8(1)]

प्रतिभूति हितों का प्रवर्तनीकरण व पुनर्संरचना तथा प्रतिभूति ब्याज का प्रवर्तनीकरण अधिनियम 2002 के अन्तर्गत तथा प्रतिभूति ब्याज (प्रवर्तनीकरण) नियम 2002 के नियम 8 के साथ पठित धारा 13 (12) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कार्पोरेशन बैंक अधोहस्ताक्षरी ने निम्नित्त कर्जदार/ऋणियों एवं गारन्टरों को नोटिस में वर्णित राशि, नोटिस मिलि के 60 (साठ) दिनों के अन्दर जमा करने हेतु मांग नोटिस जारी की थी। ऋणियों एवं गारन्टरों के द्वारा इस राशि की अदायगी में विफल रहने पर एतद्द्वारा आम जनता को एवं ऋणी व गारन्टरों को विशेष रूप से सूचना दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरी ने नीचे वर्णित सम्पत्तियों का अधिकृत प्रवर्तक अधिनियम की धारा 13 (4) एवं नियमों के उपनियम 8 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्नलिखित सम्पत्तियों का कब्जा उनके सम्मुख अंकित तिथि को कर लिया है। एतद्द्वारा ऋणियों/गारन्टरों को विशेषतः और जन साधारण को सामान्यतः सूचित किया जाता है कि उक्त सम्पत्तियों का अधिग्रहण कर लिया गया है अतः इस सम्पत्ति से किसी प्रकार का कोई सौदा/व्यवहार बैंक के अतिरिक्त अन्य किसी से न करें एवं ऐसा कोई भी सौदा/व्यवहार कार्पोरेशन बैंक को देय राशि व सम्बन्धित ब्याज हेतु उसका कि नीचे खाते के सम्मुख उल्लेखित किया गया है के अध्यधीन होगा।

शाखा का नाम	ऋणी और जमानती के नाम	कब्जा नोटिस की तारीख	मांग नोटिस की तारीख	मांग नोटिस के अनुसार बकाया राशि
कार्यालय	ऋणकर्ता: (ए) मैसर्स दिनेश चंद एंड सन्स प्रो. श्री अंबुल टंडन, माता मंदिर के पास, कांधला जिला शामली–247775 (बी) श्री अंबुल टंडन पुत्र श्री दिनेश चंद, मौहल्ला रामजादगान, कांधला जिला शामली–247775 गारन्टर: 2. (ए) श्री दिनेश चंद पुत्र श्री लाला प्रसाद, मकान नंबर 9/197 ए, मौहल्ला रामजादगान, कांधला, जिला शामली–247775 (बी) श्री अनिल कुमार जैन पुत्र श्री जयचंद जैन, मकान नंबर 12, मौहल्ला सर्वेशन, कांधला, जिला शामली–247775	17.09.2019	19.06.2019	रूपये 5,33,665.00 (रुपये पांच लाख तैंतीस हजार छः सौ पैंसठ केवल)
बंधक रखी गयी सम्पत्ति का विवरण– वाणिज्यिक संपत्ति के सभी भाग और पार्सल क्षेत्रफल 128 वर्गगज (107 वर्गमी.) स्थित मौहल्ला सर्वेशन, कांधला तहसील कैराना जिला शामली, संपत्ति श्री दिनेश चंद पुत्र श्री लाला प्रसाद के नाम पर दीवारें– पूर्व–प्रार्थक के बाद राजेन्द्र कुमार का मकान, पश्चिम–रास्ता, कूड़ा और मंदिर, उत्तर– प्रार्थक के बाद प्यारे लाल का मकान और दक्षिण– रास्ता			
कार्यालय	ऋणकर्ता: 01. जे. के. एजुकेशनी सुसिटी जे के चैरिटेबल ट्रस्ट, पता–खसरा नंबर –373 से 378, ग्राम दुर्गनपुर खेड़ा, परगना–कांधला, तहसील–कुराना जिला जोड़–247775 गारन्टर्स: 2. (ए) वीरपाल सिंह पुत्र राज सिंह 223, जेएफ गंगा नगर, भाजीपुरी कुंज, मेरठ –250001 (बी) जितेंद्र कुमार पुत्र रोहताश सिंह ग्राम हरियाखेड़ा, तहसील जिला शामली–247775 (सी) प्रमोद कुमार पुत्र राज कुमार ग्राम नीलोखेड़ी, सागा–58 जिला करनाल, पिन 132001 (डी) रोहताश पुत्र सरजीत ग्राम हरियाखेड़ा तहसील और जिला शामली पिन 247775	21.09.2019	19.06.2019	रूपये 20,71,711.00 (रुपये बीस लाख इकहत्तर हजार सात सौ ग्यारह केवल)
बंधक रखी गयी सम्पत्ति का विवरण– खेवट के खाता संख्या नंबर–ए –4 (बी) संपत्ति के सभी भाग और पार्सल, क्षेत्रफल 390 वर्ग मीटर (36.23 वर्ग मीटर), बिना छत के स्थित प्लॉट नंबर–एम, पापुलिया एन्क्लेव आवासीय कालोनी अब को पेटमाउट आर्बन्ड के रूप में जाना जाता है। जौजामौ तहसील और जिला मोरादाबाद संपत्ति वीरपाल सिंह पुत्र स्वर्गीय राज सिंह के नाम। सीमायें– उत्तर–सीढ़ियां/ 24 एम चौड़ी रोड, दक्षिण– संपत्ति नंबर 39, पूर्व– खेत नंबर ए 3, पश्चिम– संपत्ति नंबर–एन			
कार्यालय	ऋणकर्ता: 01. जे. के. एजुकेशनी सुसिटी जे के चैरिटेबल ट्रस्ट, पता–खसरा नंबर –373 से 378, ग्राम दुर्गनपुर खेड़ा, परगना–कांधला, तहसील–कुराना जिला जोड़–247775 गारन्टर्स: 2. (ए) वीरपाल सिंह पुत्र राज सिंह 223, जेएफ गंगा नगर, भाजीपुरी कुंज, मेरठ –250001 (बी) जितेंद्र कुमार पुत्र रोहताश सिंह ग्राम हरियाखेड़ा, तहसील जिला शामली–247775 (सी) प्रमोद कुमार पुत्र राज कुमार ग्राम नीलोखेड़ी, सागा–58 जिला करनाल, पिन 132001 (डी) रोहताश पुत्र सरजीत ग्राम हरियाखेड़ा तहसील और जिला शामली पिन 247775	17.09.2019	19.06.2019	रूपये 20,71,711.00 (रुपये बीस लाख इकहत्तर हजार सात सौ ग्यारह केवल)
बंधक रखी गयी सम्पत्ति का विवरण– दीवार भूमि और भवन के सभी भाग और पार्सल स्थित खसरा नं 373 से 378 ग्राम दुर्गनपुर, ग्राम दुर्गनपुर खेड़ा, परगना–कांधला, तहसील–कुराना, पिन कोड–247775 संपत्ति जे. के. एजुकेशनी सुसिटी जे के चैरिटेबल ट्रस्ट ट्रस्टी श्री जितेंद्र कुमार पुत्र रोहताश सिंह के नाम।			
देवबंद	ऋणकर्ता: 1 (ए) कमल कुमार पुत्र नेमचंद, पता: सी/ओ नरेश कुमार बीनी, कैलाश पुरम, देवबंद सहारनपुर–247554 1 (बी) नेमचंद पुत्र आर सिंह, पता: सी/ओ मनमोहन सरदार वाले डाले, पानी की टंकी के सामने, मौहल्ला जिला, देवबंद, सहारनपुर–247554	19.09.2019	24.08.2019	रूपये 2,15,345.00 (रुपये दो लाख पंद्रह हजार तीन सौ पैंतालिस और आठ पैसे मात्र)
बंधक रखी गयी सम्पत्ति का विवरण– ईएमजी आवासीय प्लॉट क्षेत्रफल 67.72 वर्ग मीटर (69.03 वर्ग गज) – चकबंदी नंबर 640/4 और 640/5 का भाग स्थित नूरपुर एंडर हदूद, प्रभात नगर कॉलोनी के पास, देवबंद, सहारनपुर। संपत्ति के मालिक श्री कमल सिंह पुत्र मेनमंद संपत्ति की सीमायें– पूर्व– श्री विनोद कुमार का प्लॉट पश्चिम जेएमएन का मकान उत्तर– रोड 10 फीट 8 इंच, दक्षिण– विकेश के प्लॉट बाकी भाग अब मेनमंद और अन्य का प्लॉट।			
देवबंध	ऋणकर्ता: श्री लोकेश कुमार पुत्र सुखबीर सिंह पता: मौहल्ला– नवेलगढ़ मिला रोड, देवबंद सहारनपुर, यूपी–247554 सह–ऋणकर्ता: 2. श्री सुखबीर सिंह पुत्र कुंदन लाल पता: मौहल्ला– नवेलगढ़ मिला रोड, देवबंद, सहारनपुर, यूपी–247554	19.09.2019	06.07.2019	रूपये 1,19,505.00 (रुपये एक लाख उन्नीस हजार पांच सौ पांच केवल)
बंधक रखी गयी सम्पत्ति का विवरण–ईएमजी आवासीय भवन मापने क्षेत्रफल 46.88 वर्ग मीटर का भाग एमपीएल 316–317 स्थित मौहल्ला नवेलगढ़, मिला रोड, देवबंद, सहारनपुर। संपत्ति का मालिक श्री सुखबीर सिंह पुत्र कुंदन लाल संपत्ति की सीमायें– पूर्व– श्री बाबी सिंघल की संपत्ति पश्चिम–श्री अशोक कुमार की संपत्ति उत्तर–मिला रोड दक्षिण– सतबीर श्री दुर्गा प्रसाद की जायदाद।			
कार्यालय	1. ऋणकर्ता: मैसर्स मलिक बुक स्टोर प्रोपराइटर नितिन मलिक पुत्र श्री जगपाल सिंह, पता: हिन्दू इंटर कॉलेज के सामने रेलवे रोड, कांधला जिला शामली–247775 02. गारंटर:– सोनू सिंह पुत्र श्री पलवा ग्राम किराला थाना कांधला तहसील और जिला शामली–247775	17.09.2019	06.07.2019	रूपये 4,58,073.50 (रुपये चार लाख अट्ठावन हजार तिहत्तर और पचास पैसे केवल)
बंधक रखी गयी सम्पत्ति का विवरण–ईएमजी आवासीय दुकान नंबर 11/109/(6 और 7) मौहल्ला मुगलान, कोई चारा रोड कांधला शामली श्री महिंद्र सिंह पुत्र श्री जरवा के नाम पर क्षेत्रफल 37.3 वर्गमीटर। संपत्ति की सीमायें– पूर्व– जिंकेता की दुकान, पश्चिम– मुन्ना जिल्ली की दुकान, उत्तर–कोई पास रोड और दक्षिण– जेरा की दुकान, थाना कांधला तहसील और जिला शामली।			
देवबंध	ऋणकर्ता: 1 (ए) मूल पद पुत्र फरमान सिंह, पता: मकान नं. 241/4, मौहल्ला बाहमनवदी, देवबंद, सहारनपुर–247554 1 (बी) शकुंतला पत्नी मूल पद पता: मकान नं 241/4, मौहल्ला बाहमनवदी,सड–2 देवबंद, सहारनपुर–247554 गारंटर: 2 (ए) नरेश कुमार पुत्र श्याम सिंह पता: मकान नं. 31/71, मौहल्ला और पोस्ट बाहमनवदी, देवबंद, सहारनपुर–247554	19.09.2019	01.05.2019	रूपये 8,58,509.00 (रुपये आठ लाख अट्ठावन हजार पांच सौ नौ केवल)
बंधक रखी गयी सम्पत्ति का विवरण –आवासीय मकान के सभी भाग और पार्सल स्थित मौहल्ला जालवाला रोड, बाहमनवदी, बैरन हदूद (गांधी नगर), देवबंद सहारनपुर कुसुम देवी के नाम पर। कुल क्षेत्रफल 55.95 वर्ग मीटर। संपत्ति की सीमायें:–पूर्व– श्री मकान सिंह का घर, पश्चिम–रास्ता, उत्तर– श्री राज पाल सैनी का मकान और दक्षिण–सड़क। उल्लेखित संपत्ति बहि संख्या 1, खाता संख्या 3302, पृष्ठ 119/124, बिक्री विलेख संख्या 9288 दिनांक 26.07.2006 को उप पंजीयक देवबंद, सहारनपुर में पंजीकृत है।			
देवबंध	ऋणकर्ता: 1 श्री नितिन कुमार गुप्ता पुत्र अशोक कुमार गुप्ता पता: मकान नं.–566, मिलरगंज, माता सिंदी मंदिर के पास, देवबंद, सहारनपुर, यूपी– 247554 सह–ऋणकर्ता: 2 श्रीमती संध्या गुप्ता पत्नी नितिन गुप्ता पता: मकान नं.–566, मिलरगंज, माता सिंदी मंदिर के पास, देवबंद, सहारनपुर, यूपी– 247554	19.09.2019	06.07.2019	रूपये 17,34,934.00 (रुपये सत्रह लाख चौंतीस हजार नौ सौ चौंतीस केवल)
बंधक रखी गयी सम्पत्ति का विवरण –आवासीय प्लॉट क्षेत्रफल 108.80 वर्ग मीटर खसरा नंबर 591, 592, 594, 595, 596, 752 का भाग स्थित नूरपुर अंदर हदूद, दीपक विहार कॉलोनी, देवबंद, सहारनपुर। संपत्ति के मालिक श्री नितिन कुमार गुप्ता और संध्या गुप्ता। संपत्ति की सीमायें–पूर्व– 20 फीट चौड़ी सड़क, पश्चिम– सड़क 14 फीट चौड़ी, उत्तर– विक्रेता की संपत्ति, दक्षिण– दूसरी की संपत्ति (खाली)			
देवबंध	ऋणकर्ता: 1 श्री शहजाद पुत्र शब्बीर पता: मौहल्ला– खोजा काजी, देवबंद, सहारनपुर, यूपी–247554 गारंटर–2. श्री मोहम्मद आसफाक पुत्र मोहम्मद इकबाल पता: मौहल्ला अब्दुल हक, देवबंद, सहारनपुर,	19.09.2019	06.07.2019	रूपये 1,24,098.06 (रुपये एक लाख चौबीस हजार अठानवे और छः पैसे केवल)
बंधक रखी गयी सम्पत्ति का विवरण–ईएमजी आवासीय प्लॉट क्षेत्रफल 30.3013 वर्ग मीटर एमबीडी 379 का भाग स्थित मौहल्ला दीवान, देवबंद, सहारनपुर। संपत्ति के मालिक श्री शहजाद पुत्र शब्बीर संपत्ति की सीमायें – पूर्व: सड़क 7 फीट चौड़ी पश्चिम: दाखल जतुम देवबंद की संपत्ति, उत्तर: शाहीद का मकान दक्षिण: श्री राशीन का मकान			

दिनांक – 21.09.2019 स्थान– कांधला, देवबंध, गाजियाबाद प्राधिकृत अधिकारी कार्पोरेशन बैंक

मौसम

तापमान	नोएडा	गाजियाबाद	गुरुग्राम	फरीदाबाद
अधिकतम	35.2 डि.से.	35.2 डि.से.	34.6 डि.से.	35.3 डि.से.
न्यूनतम	26.3 डि.से.	26.3 डि.से.	26.2 डि.से.	26.3 डि.से.

सरकार ने मानी 15 में से पांच मांगें

पश्चिमी यूपी से आए किसानों का आंदोलन खत्म

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 21 सितंबर।

गन्ने का निर्धारित समय पर भुगतान, पूरे देश भर में किसानों की कर्ज माफी, सस्ती बिजली समेत 15 मांगों को लेकर सैकड़ों की संख्या में पश्चिमी उत्तर प्रदेश के किसानों ने दिल्ली के किसान घाट पर पहुंचने के लिए पदयात्रा शुरू की थी, जिसे उन्होंने शनिवार को समाप्त कर दी।

बीती 11 सितंबर को भारतीय किसान संगठन (बीकेएस) के बैनर तले किसानों ने सहारनपुर से दिल्ली के लिए कूच किया था। किसानों की 15 में से पांच मांगें मान ली गई हैं। वहीं, एहतियातन दिल्ली पुलिस ने शनिवार सुबह किसानों को यूपी गेट, गाजपुरी में फ्लाइओवर के पास रोक दिया। इसके बाद किसानों के 11 सदस्यों का प्रतिनिधि मंडल कृषि मंत्रालय पहुंचा, जहां सदस्यों ने कृषि मंत्रालय के संयुक्त सचिव विवेक अग्रवाल के साथ लंबी वार्ता की और अपनी सभी मांगों से उन्हें अवगत कराया। अधिकारी ने तुरंत 15 में से पांच मांगों को मान लेने की बात कही।

प्रतिनिधि मंडल के लौटने के बाद भारतीय किसान संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर पूरन सिंह ने कहा कि शनिवार को पदयात्रा समाप्त कर दी गई है। दस दिन बाद संगठन के पदाधिकारी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलेंगे और बाकी के दस मांगों के बारे में उन्हें अवगत कराएंगे। यदि किसानों की बाकी बची मांगें नहीं मानी गईं तो दस दिन बाद एक बार फिर से वे सहारनपुर में आंदोलन करेंगे।

प्रतिनिधि मंडल में शामिल किसान नेता ठाकुर यशपाल सिंह ने कहा कि देश की सभी प्रदूषित नदियों को जीवनदायिनी बनाया जाए और उन्हें प्रदूषित करने वाली इकाइयों को बंद किया जाए, किसान बीमा योजना में किसान मुखिया सहित परिवार के सभी सदस्यों को शामिल किया जाए, गन्ने का भुगतान 14 दिनों के निर्धारित समय पर हो, जो पिछला बकाया है किसानों को दिया जाए और फसलों की कीमत निर्धारण करते समय किसान संगठन से जुड़े प्रतिनिधियों को भी समिति में शामिल किया जाए। ये पांच मांगें कृषि मंत्रालय के आधिकारी ने तुरंत मान ली हैं।

पूरन सिंह ने बताया कि इसके साथ ही पूरे देश भर में किसानों के कर्ज माफ किए जाएं, सभी किसानों को 60 साल की उम्र के बाद प्रति महीने 5000 रुपए पेंशन के तौर पर मिले, खेती के प्रयोग में लाने जाने वाली बिजली की कीमतें कम की जाएं और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में हाई कोर्ट की स्थापना करने की मांग समेत कुल दस मांगें अभी नहीं मानी गई हैं।

किसान बोले, हर बार चुनावी मुद्दा न बने कर्ज माफी

निर्भय कुमार पांडेय
नई दिल्ली, 21 सितंबर।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई जिलों से आए किसानों को दिल्ली पुलिस ने गाजीपुर के पास उत्तर प्रदेश और दिल्ली की सीमा पर रोक दिया था। इसके बाद किसान सड़क पर ही जम गए। कुछ घंटे बाद किसानों का एक प्रतिनिधिमंडल कृषि मंत्रालय गया। उनके लौटने के बाद किसानों ने अपनी पद यात्रा समाप्त करने की घोषणा कर दी।

इस पद यात्रा में शामिल किसानों की मांग है कि केंद्र और राज्य सरकार मिलकर पूरे देश भर के किसानों का कर्ज एक बार में पूरा माफ कर दे, ताकि चुनावों के दौरान पार्टियों कर्ज माफी को चुनावी मुद्दा नहीं बना सकें। भारतीय किसान संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर पूरन सिंह ने कहा कि सभी राजनीतिक दल चुनाव पूर्व वादा करते हैं कि सत्ता में आने के बाद किसानों का कर्ज माफ कर देंगे। पर ऐसा होता नहीं है। किसान उनके वादों को सही मान लेता है और कर्ज का भुगतान नहीं करता, जिसके बाद कर्ज पर ब्याज बढ़ता जाता है।

पुलिस की ओर से गाजीपुर में जब किसानों की पद यात्रा रोक दी गई तो कुछ किसानों ने वहीं बीच सड़क पर अपना हुक्का रखकर चर्चा शुरू कर दी।

सहारनपुर से आए किसान ठाकुर वेदपाल सिंह का कहना था कि गन्ना मिल संचालक किसानों का हर तरह से शोषण करते हैं। मिल का संचालक तो किसानों को भुगतान करने के लिए समय देने के बाद भी बहाने बना कर भुगतान नहीं करता। किसान विनोद पुंढीर का आरोप था कि चुनाव पूर्व भाजपा के नेताओं ने वादा किया था कि सत्ता में आए तो कुछ ही दिनों में बकाया गन्ने का भुगतान कर दिया जाएगा। पर तीन साल बाद भी इस दिशा में कुछ नहीं हुआ। किसान राम बीर सिंह का आरोप है कि गन्ना मिल संचालक बकाया भुगतान करने को लेकर हमेशा से लापरवाही बरतते हैं। किसान कुनाल शर्मा का कहना था कि बिजली का बिल किसानों के लिए समस्या बनती जा रही है। पहले 500-700 रुपए महीने भर का बिल आता था। पर अब प्रति महीने 2200-2500 रुपए बिल आ रहा है। किसान 11 सितंबर को किसान सहारनपुर से चले थे, जिसके बाद बडगांव, मुजफ्फरनगर, खतौली, मोदी नगर, मेरठ, गाजियाबाद, नोएडा होते हुए गाजीपुर के पास पहुंचे थे। किसानों की कूच से राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-9 पर सुबह से ही जाम लगने लगा था। पुलिस ने गाजियाबाद से आने वाले मार्ग को पूरी तरह से बंद कर दिया था। इस कारण नोएडा और दिल्ली आने वाले लोगों को खासी दिक्कत हुई।

सीमा पर बढ़ा दी गई थी सुरक्षा

सहारनपुर से आए किसान शुक्रवार रात को नोएडा सेक्टर-63 स्थित ट्रांसपोर्ट नगर में रुके थे। वहां, पर गौतमबुध नगर जिला प्रशासन ने किसानों से बात की थी, लेकिन किसान केंद्र सरकार के प्रतिनिधि से मिलना चाह रहे थे। उत्तर प्रदेश पुलिस और दिल्ली पुलिस ने सुरक्षा बढ़ा दी थी। आला अधिकारी मौके पर पहुंचे थे।

मंदिर के बाहर कार में महिला को मारी गोली, फरार

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 21 सितंबर।

- पति का इलाज कराकर घर लौटते समय मंदिर में पूजा करने रुके थे दंपति
- माना जा रहा है कि लूट की कोशिश सफल न होने पर गोली मारकर फरार हो गए

मधु विहार इलाके में शनिवार सुबह मोटरसाइकिल सवार बदमाशों ने 59 साल की महिला की गोली मारकर हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देने के बाद बदमाश मौके से फरार हो गए। वारदात के समय महिला का पति मंदिर दर्शन के लिए गए थे और महिला मंदिर के बाहर कार में पति का इंतजार कर रही तभी उसे बदमाशों ने गोली मार दी और उसकी मौत हो गई। मारी गई ऊषा चालक सीट पर बैठी थी। उनके सिर में गोली लगी थी।

मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए पास के अस्पताल में सुरक्षित रखवा दिया है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज भी खंगाल रही है और परिजनों से पूछताछ कर मामले की गुत्थी सुलझाने की कोशिश कर रही है। जिला पुलिस अधिकारी के मुताबिक ऊषा पति के साथ उत्तर-पूर्वी जिले के जगतपुरी में रहती थीं। वह एक बड़ी इंश्योरेंस कंपनी में सहायक प्रबंधक थीं। उनके पति कुछ समय पहले एक कंपनी के बड़े पद से सेवानिवृत्त हुए थे। कुछ दिनों से वे बीमार चल रहे हैं। शनिवार सुबह ऊषा पति को लेकर पटपड़गंज के एक निजी अस्पताल में इलाज के लिए घर से निकली थीं। अस्पताल में पति का डायलिसिस होना था। घर और अस्पताल के बीच रास्ते में एक शनि मंदिर पड़ता है। दंपति जब कार से निकला तो पति मंदिर में तेल चढ़ाने के लिए गए और ऊषा मंदिर नहीं जाकर कार में ही बैठी रहीं। इसी दौरान मोटरसाइकिल सवार बदमाशों ने ऊषा को गोली मार दी। शुरुआती जांच में पुलिस को आपसी रंजिश का भी संदेह दिख रहा है। माना जा रहा है कि संभव है बदमाशों ने लूट की कोशिश की हो लेकिन सफल नहीं होने पर गोली मारकर फरार हो गए। पुलिस ऊषा के परिजनों से पूछताछ कर मामले को सुलझाने की कोशिश कर रही है।

खबरों में शहर

रविदास मंदिर मामले में जंतर मंतर पर जनसभा

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 21 सितंबर।

जंतर मंतर पर जुटे संत रविदास के सैंकड़ों अनुयायियों को तुगलकाबाद में रविदास के मंदिर की ओर नहीं जाने दिया गया। पुलिस के रोके जाने पर उन्होंने जंतर मंतर पर ही जनसभा की। आंदोलन के प्रवक्ता अशोक भारती ने कहा- तुगलकाबाद मार्च के लिए कूच करने वाले सभी आंदोलनकारियों को पुलिस ने जंतर मंतर पर ही रोक दिया, आंदोलनकारियों ने वहीं गुरु रविदास की आरती की और दस अक्तूबर को तुगलकाबाद चलो का आह्वान किया।

सरकारी स्कूल में सांप निकलने से दहशत

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 21 सितंबर।

दिल्ली के जौनापुर के सरकारी स्कूल के कमरे में जहरीला सांप मिलने से स्कूल के छात्र और इलाके के लोग दहशत में है। मामला प्रकाश में आने के बाद दक्षिणी दिल्ली नगर निगम की शिक्षा समिति के अध्यक्ष डॉ नंदिनी शर्मा ने कहा कि वे इस मामले की जांच कराएंगी।

भाई से मिलकर लौटीं तो घर में हो चुकी थी चोरी

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 21 सितंबर।

द्वारका दक्षिण थाना क्षेत्र के श्री अग्रसेन अपार्टमेंट में परिवार के साथ रहने वाले एक पूर्व सरकारी कर्मचारी के घर लाखों के आभूषण और नकदी की चोरी का मामला सामने आया है। जानकारी के मुताबिक पूनम गोयल अपने परिवार के साथ श्री अग्रसेन अपार्टमेंट के प्लॉट नंबर 10 में रहती हैं। सभी लोग 17 सितंबर को काम पर चले गए थे। वह भी सुबह करीब साढ़े 11 बजे पर अपने भाई से मिलने चली गईं। दोपहर करीब ढाई बजे लौटी तो पता चला कि घर में रखा लाखों के आभूषण और करीब 22 हजार रुपए नकदी गायब है। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

संगम विहार की दुर्दशा बताती फोटो प्रदर्शनी

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 21 सितंबर।

दिल्ली के पूर्व विधायक विजय जौली के खींचे संगम विहार दुर्दशा के फोटो की चित्र प्रदर्शनी का आयोजन जनपथ सब-वे, पालिका बाजार के सामने कनॉट प्लेस में किया गया। वायु प्रदूषण, पानी की कमी, टूटी सड़कें, गंदगी के ढेर, सीवर अभाव में सड़कों पर जमा गंदा पानी, तथा प्लास्टिक मुक्त जागरूकता अभियान के अंतर्गत तीन दिवसीय चित्र प्रदर्शनी भाजपा नेता विजय जौली की पहल पर 20 से 22 सितंबर तक लगाई गई है। प्रदर्शनी का उद्घाटन दिल्ली भाजपा अध्यक्ष मनोज तिवारी ने किया।

शिक्षा समिति की बैठक में छात्रों की सुरक्षा पर बात

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 21 सितंबर।

पूर्वी दिल्ली नगर निगम कार्यालय में पूर्वी दिल्ली शिक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। इसमें बच्चों की सौ फीसद उपस्थिति, पठन-पाठन, मिड-डे मील सहित कई अन्य बिंदुओं पर चर्चा हुई। वहीं छात्रों की सुरक्षा पर भी पूर्ण रूप से ध्यान देने को कहा गया।

सफदरजंग अस्पताल में डॉक्टरों और सुरक्षाकर्मियों से फिर मारपीट, मामला दर्ज

हथियार लेकर अस्पताल में घुसे 40 तीमारदार

प्रतिभा शुक्ल
नई दिल्ली, 21 सितंबर।

- रेजीडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन की ओर से पुलिस में दर्ज कराई गई है शिकायत
- कुछ सुरक्षाकर्मियों को चोट पहुंची है, पुलिस पर कार्रवाई न करने का आरोप

सफदरजंग अस्पताल में तीमारदारों की ओर से हमलों का सिलसिला थम नहीं रहा है। अस्पताल के रेजीडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन की ओर से पुलिस में दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार दो दिन पहले ही एक बड़ी घटना अस्पताल में हुई है।

करीब 40 तीमारदार लाठी, डंडा व अन्य हथियार लेकर डॉक्टरों व सुरक्षाकर्मियों को मारने आए थे। इसमें कई सुरक्षाकर्मी घायल हुए हैं। उनको इलाज देकर चिकित्सा अवकाश पर भेज दिया गया है। डॉक्टरों की ओर से इस मामले में थाना सफदरजंग एन्क्लेव में शिकायत दर्ज कराई गई है। सफदरजंग अस्पताल के रेजीडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन (आरडीए) के महासचिव डॉ जॉय उत्पल बोस ने बताया कि शराब की वजह से महिला को पैदा हुई दिक्कत का इलाज कराने शराब के नशे में कुछ लोग इमरजंसी में आए और जब उनको गार्ड ने दो लोगों को ही मरीज के साथ जाने को कहा तो नशे में धुत लोग गार्डों से बहस करने लगे।

करीब 40 लोगों के साथ हथियार लेकर वापस आए, जिसमें वे बर्फ तोड़ने वाले धारदार हथियार के अलावा लाठी डंडा भी लिए थे। उन्होंने सुरक्षाकर्मियों पर हमला बोल दिया। इसके बाद आसपास से सुरक्षाकर्मी भाग कर आए। हमले में छह सुरक्षाकर्मी घायल हुए। डॉ जॉय ने कहा कि इसके बाद 100 पर कॉल करके पुलिस बुलाई गई। लेकिन वे दोषियों को पकड़ नही पाए। डॉक्टरों ने आरोप लगाया कि पुलिस को देखकर उस समूह में शामिल महिला अभद्रता व यौन उत्पीड़न का आरोप लगाने लगी, जबकि सीसीटीवी फुटेज में ऐसा कुछ भी नहीं था।

बताया जा रहा है कि सुरक्षाकर्मियों को चोट आई है और उनको उपचार के बाद चिकित्सा अवकाश पर भेज दिया गया है। डॉ उत्पल ने आरोप लगाया कि पुलिस मामले में सही से पेश नहीं आई बल्कि बयान दर्ज कराने के नाम कर सुरक्षाकर्मियों को शाम तक थाने में ही रोके रखा। रेजीडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन के उपाध्यक्ष आशु कुमार मीणा ने कहा कि यहां आए दिन डॉक्टरों पर हमले या हमले जैसी नौबत आती रहती है।

संदेश मानवता का संदेश देने के लिए दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की ओर से 5500 स्कूली बच्चों ने इंडिया गेट के पास सवा दो किमी की मानव श्रृंखला बनाई।

सांस्कृतिक गतिविधियों से सुधरेंगे भारत और चीन के रिश्ते : हरिवंश

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 21 सितंबर।

'चीन और भारत प्राचीन संस्कृतियों वाले देश हैं और दोनों के संबंध बहुत पुराने रहे हैं। इन संबंधों को प्रगाढ़ बनाने में ची श्येनलिन जैसे भारतविद् विद्वानों की बड़ी भूमिका रही है। यह कहना है राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश का। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक गतिविधियों से दोनों देशों की नजदीकियों को बढ़ाने में मदद मिलेगी। भारत ने भी ची श्येनलिन को अपने प्रतिष्ठित नागरिक सम्मान पद्मभूषण से सम्मानित कर इस संबंध की गहराई को मान दिया है। हिंदी में ऐसे भारतविद् विद्वान की जीवनी का आना निश्चय ही संबंधों को नई आत्मीयता प्रदान करेगा।

राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश जेएनयू में आयोजित प्रकाशन संस्थान द्वारा प्रकाशित 'ची श्येनलिन : एक समालोचनात्मक जीवनी' किताब का हिंदी अनुवाद के लोकार्पण कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस दौरान उन्होंने व्यक्तिगत रूप से अपनी चीन यात्राओं को बार-बार याद किया और कहा कि सांस्कृतिक गतिविधियों से दोनों देशों की नजदीकियों को बढ़ाने में मदद मिलेगी। हरिवंश ने ची श्येनलिन की जीवनी के हिंदी अनुवाद का लोकार्पण भी किया। अंग्रेजी संस्करण का भी समारोह में लोकार्पण हुआ जिसे पेंटागन प्रेस ने प्रकाशित किया है। समारोह में चीनी दूतावास के

उप प्रमुख ली पीच्येन ने चीनी ग्रंथों के अनुवाद के संबंध में चीन सरकार द्वारा चलाई जा रही परियोजनाओं का उल्लेख करते हुए बताया कि अब तक पचास से अधिक चीनी ग्रंथों का हिंदी में अनुवाद हो चुका है। ली पीच्येन ने कहा कि दोनों देशों का निकट आना सभी दृष्टियों से लाभप्रद और आवश्यक है। जेएनयू के कुलपति प्रो एम जगदीश कुमार ने संस्कृत की दो पुरानी सूक्तियों 'एकम सत्य बहुदा वदन्ति' और 'वसुधैव कुटुम्बकम' का उदाहरण दिया और कहा कि संस्कृति और सभ्यता से देशों के बीच में समन्वय स्थापित किया जा सकता है। पुस्तक पर हुई चर्चा में प्रो स्वर्ण सिंह, हिंदू कॉलेज के डॉ पल्लव, भारतीय भाषा केंद्र के अध्यक्ष प्रो ओम प्रकाश सिंह ने भी भाग लिया। संचालन रवींद्र त्रिपाठी और धन्यवाद ज्ञापन हरीशचंद्र शर्मा ने किया। आयोजन में बड़ी संख्या में लेखक, प्राध्यापक और विद्यार्थी उपस्थित थे।

भारत बने कागज निर्यातक देश : ओम बिरला

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 21 सितंबर।

'आधुनिक तकनीक के इस युग में हमारे देश में कागज उद्योग को नई प्रतिस्पर्धा से संघर्ष करना पड़ रहा है। सरकार का प्रयास है कि भारत कागज के मामले में निर्यातक देश बने। व्यापार और उद्योग जब तक आगे नहीं बढ़ेगा तब तक देश तरक्की नहीं करेगा'।

यह बात लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने पूर्वी दिल्ली के सीबीडी ग्राउंड के एक होटल में आयोजित कागज व्यापारियों के संगठन फेडरेशन ऑफ पेपर ट्रेडर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के तीन दिवसीय 58वें गोल्डन जुबली अधिवेशन का उद्घाटन करते समय कही। बिरला ने कागज व्यापारियों से वादा किया कि सरकार उनके भरोसे को टूटने नहीं देगी। वह स्वयं समस्याओं को सरकार तक पहुंचाएंगे। सरकार का प्रयास है कि भारत का कागज व्यापार निर्बाध आगे बढ़े। मौके पर एसोसिएशनस के अध्यक्ष सज्जन गोयनका, महामंत्री हिरेन कारिया, कागज मर्चेंट्स के प्रधान पदमचंद जैन व अन्य शामिल रहे।

चिकित्सा व्यवस्था पर माकन ने दिल्ली सरकार को घेरा

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 21 सितंबर।

पूर्व केंद्रीय मंत्री अजय माकन ने कहा कि दिल्ली की आम आदमी पार्टी (आप) सरकार स्वास्थ्य के क्षेत्र में जनता को गुमराह कर रही है। दिल्ली में स्वास्थ्य व्यवस्था चौपट है। अस्पतालों में ठेकेदारी प्रथा लाकर गरीबों के साथ अन्याय किया जा रहा है।

माकन ने कहा कि इस समय कांग्रेस को सशक्त विपक्ष की भूमिका निभाने की जरूरत है। माकन किराड़ी जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा महर्षि बाल्मीकि अस्पताल के सामने पूंठ खुर्द में आयोजित धरने को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर पूर्व विधायक और किराड़ी जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार, एआइसीसी सदस्य चतर सिंह, आदर्श नगर जिला कांग्रेस अध्यक्ष हरी किशन जिंदल सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे। माकन ने कहा कि यह दुखद है कि 'आप' सरकार स्वास्थ्य के क्षेत्र में पैसे खर्च नहीं कर रही है, लेकिन जगह-जगह लगे विज्ञापनों में मुफ्त दवाई और जांच का दावा कर रही है।

बैंक से साढ़े 15 लाख का कर्ज लेकर फरार दंपति गिरफ्तार

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 21 सितंबर।

दीवान हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (डीएचएफएल) को फर्जी कागजात देकर 15.40 लाख रुपए का चूना लगाने के आरोपी दंपति को दक्षिण-पश्चिम पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। दंपति भगोड़ा घोषित थे। गिरफ्तारी से बचने के लिए वे अपने ठिकाने बदल रहे थे। गिरफ्तार विजय बंसल और उनकी पत्नी पूजा बंसल स्टेट बैंक नगर पश्चिम विहार के रहने वाले हैं।

जिले के पुलिस उपायुक्त देवेंद्र आर्य के मुताबिक सफदरजंग एन्क्लेव थाना में दंपति के खिलाफ मामला दर्ज था। शिकायतकर्ता बैंक से पीरागढ़ी में एक संपत्ति लेने के नाम पर आरोपियों ने कर्ज लिया था। संपत्ति के कागजात फर्जी थे। इस संपत्ति के असली मालिक अनूप अग्रवाल और उनकी पत्नी उषा अग्रवाल हैं। वे पीरागढ़ी के रहने वाले हैं। अग्रवाल दंपति की इस संपत्ति को खरीदने के समय बंसल की पत्नी पूजा एक सह गवाह के रूप में थीं।

जांच में ता चला कि शुरू में विजय और पूजा ने जब बैंक से कर्ज लिया तो कुछ ईएमआइ भी अदा किए। बाद में ईएमआइ देना बंद कर बिना बैंक को बताए फरार हो गए। बैंक ने पहले उनकी तलाशी की लेकिन जब कहीं नहीं मिले तो उस संपत्ति पर जाकर देखा गया। पता चला कि यह संपत्ति अग्रवाल दंपति के हाथों बेची जा चुकी है। दरअसल, यह संपत्ति अग्रवाल दंपति की थी और वह भी मीनू गुप्ता नाम की महिला को बेच चुके थे। जांच और डीडीए सत्यापन से पता चला कि बंसल ने जो कागजात देकर कर्ज लिया था वह फर्जी हैं।

निशुल्क कोचिंग से मजदूर के बेटे का हुआ एनआइटी मे दाखिला

डीएचएफसी प्रमुख उठाएंगे मेधावी की पढ़ाई का जिम्मा

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 21 सितंबर।

अमरजीत अपने माता-पिता के साथ धरमपुर के छोटे से घर में रहते हैं

छात्र ने 'जय भीम मुख्यमंत्री प्रतिभा विकास योजना' में दाखिला लिया था

दिल्ली आवास एवं वित्त निगम (डीएचएफसी) के अध्यक्ष राजेश गोयल ने एक मजदूर के 17 साल के बेटे की इंजीनियरिंग की पढ़ाई का खर्च उठाने की घोषणा की है। छात्र ने दिल्ली सरकार की योजना के तहत निशुल्क कोचिंग पाकर नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एनआइटी) में दाखिला सुनिश्चित किया है। शनिवार को वित्त निगम की ओर से यह जानकारी दी गई।

अमरजीत और उनके माता-पिता सोहन लाल तथा कविता धरमपुर के छोटे से घर रहते हैं और प्रवेश परीक्षा के लिए वे निजी कोचिंग का खर्च उठाने में असमर्थ थे। अमरजीत ने दिल्ली सरकार की ओर से चलाई जा रही निशुल्क कोचिंग योजना 'जय भीम मुख्यमंत्री प्रतिभा विकास योजना' में दाखिला लिया। इस योजना की शुरुआत 2017 में की गई थी।

जानकारी के मुताबिक, अमरजीत की हर साल की पढ़ाई का खर्च एक लाख रुपए के करीब आएगा। वे भारतीय प्रशासनिक सेवा में जाना चाहते हैं। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इससे पहले घोषणा की थी कि राष्ट्रीय राजधानी के एक निवासी ने निशुल्क कोचिंग योजना का लाभ लेकर आइआइटी दिल्ली में अपनी सीट सुरक्षित करने वाले विजय कुमार की पढ़ाई का खर्च वहन करने का फैसला किया है।

'जय भीम मुख्यमंत्री प्रतिभा विकास योजना' का लक्ष्य आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को विभिन्न प्रतियोगी एवं प्रवेश परीक्षाओं के लिए निशुल्क कोचिंग की सुविधा उपलब्ध कराना है। इससे पहले सिर्फ प्रतिभावान दलित छात्र ही निशुल्क कोचिंग की सुविधा प्राप्त कर सकते थे। लेकिन सरकार ने हाल में इसके दायरे में पिछड़े एवं सामान्य श्रेणी से आने वाले आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को भी शामिल किया है।

आज के कार्यक्रम

सभा संगोष्ठी

आइडिया कम्युनिकेशन : देश की सांस्कृतिक विविधता पर केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान का व्याख्यान, सभागार, कमलादेवी ब्लॉक, इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, सुबह 11:30 बजे से।

वंदेभारत से भी बेहतर होंगे तेजस में खानपान के इंतजाम

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 21 सितंबर।

- सुबह जाने वाली में नाश्ता तो शाम की ट्रेन में मिलेगा पूरा भोजन
- दिल्ली-लखनऊ रूट पर 4 अक्तूबर से शुरू होगा सफर

लखनऊ से दिल्ली के बीच चलने वाली नई ट्रेन 'तेजस' के लिए रेल मंत्रालय ने टिकट बुकिंग शुरू कर दी है। नवरात्र के दौरान 4 अक्तूबर से इस ट्रेन का सफर शुरू होगा। इस ट्रेन का सफर 'वंदे भारत' से भी बेहतर हो, इसके लिए आइआरसीटीसी ने खानपान के बेहतरीन इंतजाम किए हैं। ट्रेन में सुबह की ट्रेन में नाश्ता और रात के सफर के लिए खाने का पूरा इंतजाम उपलब्ध रहेगा।

ट्रेन का लखनऊ से गोरखपुर के बीच सफल ट्रायल हो चुका है। आइआरसीटीसी इसका संचालन कर रहा है, लिहाजा ट्रेन में यात्रियों के खानपान के लिए विशेष इंतजाम रहेंगे। जैसे ही यात्री ट्रेन में बैठेंगे उनके लिए स्वागत के तौर पर सबसे पहले चाय, कॉफी व नींबू पानी का बंदोबस्त रहेगा। इसके तुरंत बाद नाश्ते में पोहा, सेवई और उपमा का इंतजाम किया गया है।

सफर में यात्रियों को खाने में सबसे बड़ी मांग रहती है कि उनके लिए जो भी खाने के लिए सब्जियां उपलब्ध कराई जाएं, उसमें तरी वाली सब्जी होनी चाहिए, इसका खास ख्याल भी आइआरसीटीसी ने रखा है। ट्रेन में शाकाहारी व मांसाहारी दोनों ही खाने की सुविधा उपलब्ध रहेगी। मांसाहारी खाने में मसाला आमलेट दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त यात्रियों के लिए शाकाहारी कटलेट और उबली सब्जियां भी उपलब्ध रहेंगी।

शाम के खाने में यात्रियों के लिए पनीर टिक्का, मसाला चिकन, लच्छा पराठा, मसला पूरी, तवा रोटी, दाल, जीरा राइस, दही, आइसक्रीम और गुलाब जामुन उपलब्ध रहेगा। इसमें से यात्रियों को अपना विकल्प तय करना होगा। इस खाने को एक पैकेज के तहत उपलब्ध कराया जाएगा। यात्री इस खाने को घर भी ले जा सकेंगे। यह भी योजना है कि यात्रियों की मांग के अनुसार चाय, कॉफी व नींबू पानी उपलब्ध होगा।

तेजस में सफर करने वालों को लखनऊ से दिल्ली के लिए एससी चेयर कार के लिए 1125 रुपए का भुगतान करना होगा। जबकि एक्जक्यूटिव चेयर कार के लिए 2310 रुपए का शुल्क होगा। इसी तरह दिल्ली से लखनऊ के लिए एसी चेयर कार के लिए 1280 रुपए का शुल्क होगा। जबकि एक्जक्यूटिव चेयर कार के लिए 2450 रुपए देने होंगे। तेजस ट्रेन अधिकतम 160 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से दौड़ सकती है। इसका निर्माण रेल फैक्ट्री कपूरथला में किया गया है। यह 20 डिब्बे की ट्रेन है। इसमें सभी डिब्बे स्वचालित हैं।

ताजमहल का दीदार कराएगी 'राजस्थान मैजेस्टिक'

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 21 सितंबर।

- राजस्थान मैजेस्टिक सेवा के लिए आइआरसीटीसी ने शुरू की बुकिंग प्रक्रिया
- करवाचौथ के लिए चलाई जाएगी यह विशेष ट्रेन

शाही ट्रेन 'राजस्थान मैजेस्टिक' अब ताजमहल का भी दीदार कराएगी। राजस्थान की शानो शौकत और ताजमहल का दीदार कराने के लिए विशेषतौर पर 'करवाचौथ पर यह स्पेशल' ट्रेन शुरू होगी। एक विशेष पैकेज में डिलक्स ट्रेन से पटर्यकों को राजस्थान - आगरा घुमाया जाएगा। टूर 14 से शुरू होगा और 18 अक्तूबर तक चलेगा। देशी - विदेशी मेहमानों के लिए आइआरसीटीसी ने विशेष कोच तैयार किया है। इस ट्रेन को सफदरजंग स्टेशन से संचालित किया जाएगा।

आइआरसीटीसी के मुताबिक करवाचौथ पर यह टूर पैकेज एक पति की तरफ से पत्नी के लिए विशेष तोहफा हो सकता है। इस पैकेज में यात्रियों को जैसलमेर किला, पटवों की हवेली, गड़ीसर झील, महाराजगढ़ किला, जसवंत हाडा किलाल, अम्बर किला और अन्य शहरी क्षेत्रों का भ्रमण कराया जाएगा। कोशिश की गई है कि यह पैकेज देश - विदेश से आए मेहमानों को राजस्थान के राजसी ठाठ दिखा सके। करवाचौथ से राजस्थान में रंगारंग कार्यक्रमों की शुरुआत होती है। ट्रेन में ए.सी. प्रथम श्रेणी के लिए 1,02,960 और ए.सी. 2 के लिए 90,090 रुपए खर्च करने होंगे।

इस विशेष ट्रेन में पैलेस ऑन वील की तुलना में तीन गुना कम खर्च पर शाही सफर का आनंद लिया जा सकता है। पैकेज में यात्रियों के तीन या चार सितारा होटल में ठहरने की व्यस्था, ए.सी. बसों के माध्यम से शहर का भ्रमण, अम्बर किला में जीप - ऊंट की सवारी, खानपान, विभिन्न जगहों पर जाने के लिए लगने वाले शुल्क आदि का भुगतान नहीं करना होगा।

सफर करने वाले यात्रियों को आइआरसीटीसी 10 लाख रुपए तक का यात्रा बीमा भी देगी। 5 से 12 साल के बच्चों के साथ सफर करना चाहते हैं तो 50 फीसद किराए का अतिरिक्त भुगतान करना होगा। इसके लिए रेलवे ने टिकट के लिए बुकिंग प्रक्रिया शुरू कर दी है।

दंतेवाड़ा विधानसभा सीट पर मतदान कल

रायपुर, 21 सितंबर (भाषा)।

- सुरक्षा के कड़े इंतजाम, केंद्रीय बलों के 8 हजार कर्मी तैनात

छत्तीसगढ़ में नक्सल प्रभावित दंतेवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव के लिए 23 सितंबर को मतदान होगा। शांतिपूर्ण मतदान के लिए 18 हजार से अधिक बलों को तैनात किया गया है। इस विधानसभा सीट के लिए होने वाले उपचुनाव के लिए प्रचार शनिवार दोपहर तीन बजे चुनाव समाप्त हो गया।

दंतेवाड़ा विधानसभा सीट (अनुसूचित जनजाति आरक्षित) पर इसलिए उपचुनाव कराया जा रहा है क्योंकि यहां से भारतीय जनता पार्टी के विधायक भीमा मंडावी की इस वर्ष अप्रैल में नक्सलियों ने हत्या कर दी थी। तब से यह सीट रिक्त है। इस क्षेत्र में शांतिपूर्ण मतदान सुरक्षा बलों के लिए चुनौती है।

राज्य के नक्सल विरोधी अभियान से जुड़े पुलिस उप महानिरीक्षक सुंदरराज पी ने बताया कि दंतेवाड़ा विधानसभा उपचुनाव को देखते हुए क्षेत्र में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। सुरक्षा बलों के 18 हजार जवानों को तैनात किया गया है। इसमें बड़ी संख्या में केंद्रीय बलों के जवान भी शामिल हैं। क्षेत्र में लगातार नक्सल विरोधी अभियान जारी है।

सुंदरराज ने बताया कि उपचुनाव के लिए सात हजार केंद्रीय बलों को भेजा गया है। क्षेत्र में अर्धसैनिक बलों और राज्य पुलिस के 11 हजार जवान यहां पहले से मौजूद हैं। ये जवान लगातार अभियान में जुटे हैं। पुलिस अधिकारी ने बताया कि उपचुनाव वाले क्षेत्र में सुरक्षा बलों को सतर्क कर दिया गया है तथा नक्सलियों की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए ड्रोन का भी सहारा लिया जा रहा है। मतदान केंद्रों पर भी सुरक्षा बढ़ाई गई है। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में नक्सली 21 से 27 सितंबर के मध्य स्थापना दिवस मना रहे हैं। इसे ध्यान में रखते हुए क्षेत्र में सुरक्षा बलों को सतर्क कर दिया गया है।

देश के अलग अलग क्षेत्रों में सक्रिय नक्सलियों ने 21 सितंबर 2004 को माओवादी कम्युनिस्ट सेंटर (एमसीसी) और पीपुल्स वार ग्रुप (पीडब्लूजी) का विलय कर भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) का गठन कर लिया था। तब से नक्सली 21 सितंबर को स्थापना दिवस मनाते हैं।

राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय के अधिकारियों के अनुसार दंतेवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में 188263 मतदाता हैं।

एयू स्मॉल फाईनेन्स बैंक लिमिटेड (पूर्व में ए.यू. फाईनेंशियल (प्रोडक्ट) लिमिटेड के नाम से ज्ञात)
रजिस्टर्ड ऑफिस: 19-A, भूपेश्वर गार्डन, अजमेर रोड, जयपुर-302001 (CIN:L36911RJ1996PLC011381)

सिक्युरिटाईजेशन अधिनियम 2002 की धारा 13 (2) के अन्तर्गत मांग सूचना पत्र

कर्जदार/सह-कर्जदार/ गारन्टर का नाम | धारा 13(2) के अन्तर्गत नोटिस की दिनांक व राशि | बंधक सम्पत्ति का विवरण
मैसर्स अग्रवाल किराना स्टोर जरिए प्रोपराइटर सुनिल कुमार अग्रवाल, सुनिल कुमार अग्रवाल, श्रीमती नेहा अग्रवाल (खाता नं.) 190010601167 0384 | 12 सितम्बर 2019 ₹33321109/- रु. तेतीस लाख बत्तीस हजार एक सौ नौ मात्र दिनांक 12 सितम्बर 2019 तक | पी-1010/1, खसरा नं. 396/49, बाबरपुर, गली नं. 1, जाफ्राबाद नगर, शाहदरा, दिल्ली

स्थान: जयपुर दिनांक: 21-09-2019 प्राधिकृत अधिकारी एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड

बैंक ऑफ इंडिया Bank of India BOI
संसद मार्ग शाखा
पीटीआई बिल्डिंग, 4 संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001, फोन नं.: 23322479, 2335601, 28844069 फैक्स नं.: 23357310
ईमेल: parliamentstreet.NewDelhi@bankofindia.co.in

संदर्भ सं. पीएसटी/एआरडी/एनएस/19 तिथि: 20.09.2019

कब्जा सूचना
(अचल सम्पत्ति के लिये)

जैसा कि, वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन (अधिनियम), 2002 के अंतर्गत बैंक ऑफ इंडिया पीटीआई बिल्डिंग, 4 संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001, के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्त्तन) नियमावली, 2002 के नियम 8 के साथ पठित धारा 13 (12) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी ने मांग सूचना तिथि 03.01.2019 जारी कर ऋणधारकों श्री वीरेन्दर सिंह तथा श्री सुरिन्दर सिंह, पताः बी-201, वेलकम सीजीएचएस, प्लॉट नं. 32, सेक्टर-9, रोहिणी, नई दिल्ली-110085 को नीचे वर्णित रूप में सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के भीतर सूचना में वर्णित राशि रु. 67,19,163/- (रुपये सड़सठ लाख उन्नीस हजार एक सौ तिड़ेसठ मात्र) तथा 21.12.2018 से आगे का ब्याज वापस लौटाने का निर्देश दिया था।

ऋणधारक इस राशि को वापस लौटाने में विफल रहे, अतः एतद्द्वारा ऋणधारक तथा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आज, 20 सितम्बर, 2019 को अधोहस्ताक्षरी ने उक्त प्रतिभूति हित प्रवर्त्तन नियमावली 2002 के नियम 8 के साथ पठित अधिनियम की धारा 13 (4) के अंतर्गत उन्हें प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी ने यहां नीचे वर्णित सम्पत्ति का कब्जा कर लिया है।

विशेष रूप से ऋणधारकों तथा आम जनता को एतद्द्वारा सतर्क किया जाता है कि वे यहां नीचे वर्णित सम्पत्ति का व्यवसाय न करें तथा इन सम्पत्तियों का किसी भी तरह का व्यवसाय रु. 67,19,163/-(रुपये सड़सठ लाख उन्नीस हजार एक सौ तिड़ेसठ मात्र) तथा उस पर ब्याज के लिये बैंक ऑफ इंडिया, पीटीआई बिल्डिंग, 4 संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001 के चार्ज के अधीन होगा।

ऋणधारक का ध्यान प्रतिभूत परिसम्पत्तियों को विमोचित करने के लिए उपलब्ध समय के संदर्भ में अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के प्रावधानों के प्रति आकृष्ट की जाती है।

अचल सम्पत्ति का विवरण

क्रम सं.	सम्पत्ति का विवरण	एरिया	स्वामी
1.	फ्लैट नं. बी-201, प्लॉट नं. 32, सेक्टर-9, वेलकम सीजीएचएस, रोहिणी, नई दिल्ली	124.36 वर्ग मी.	श्री बीरेन्दर सिंह, श्री सुरिन्दर सिंह

तिथि: 20.09.2019, स्थान: नई दिल्ली प्राधिकृत अधिकारी, बैंक ऑफ इंडिया

POWER OF 3
बीओ: डीएलएफ फेज-1, गुड़गाँव, ई-मेल: vb8313@vijayabank.co.in
वेब: www.vijayabank.com, फोन: 0124-2565865

परिशिष्ट के कब्जा सूचना (अचल सम्पत्ति/त्तियों के लिए)
(प्रतिभूति हित (प्रवर्त्तन) नियमावली, 2002 के नियम 8(1) के साथ पठित परिशिष्ट IV के अनुसार)

जैसा कि, वित्तीय परिसम्पत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अंतर्गत **बैंक ऑफ बड़ौदा (ई-विजया बैंक)** के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्त्तन) नियमावली, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13 (12) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी ने मांग सूचना तिथि 3.6.2019 जारी कर ऋणधारक मै. श्री बालाजी एण्टरप्राईजेज, प्रॉप्राईटर श्री मोहित सिंह, पंजीकृत कार्यालयः भूजल, शॉप नं. 331, रॉयल रेजेन्सी के सामने, कल्लूपुरा, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश-201001 को सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के भीतर सूचना में वर्णित राशि 31.5.2019 को रु. 30,61,441.39 (रुपए तीस लाख इकसठ हजार चार सौ इकतालिस एवं पैसे उन्तालिस मात्र) के साथ भुगतान की तिथि तक अनुबंधित दर पर उस पर आगे के ब्याज, लागत, चार्जेज एवं खर्चे वापस लौटाने का निर्देश दिया था।

ऋणधारक इस राशि को वापस लौटाने में विफल रहे, अतः एतद्द्वारा ऋणधारक तथा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आज **17 सितम्बर, 2019** को अधोहस्ताक्षरी ने उक्त प्रतिभूति हित प्रवर्त्तन नियमावली 2002 के नियम 8 के साथ पठित अधिनियम की धारा 13 (4) के अंतर्गत उन्हें प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी ने यहां नीचे वर्णित सम्पत्ति का कब्जा कर लिया है।

विशेष रूप से ऋणधारकों/गारन्टरों/मार्टगैजरों तथा आम जनता को एतद्द्वारा सतर्क किया जाता है कि वे यहां नीचे वर्णित सम्पत्ति का व्यवसाय न करें तथा इन सम्पत्तियों का किसी भी तरह का व्यवसाय रु. 30,61,441.39 (रुपए तीस लाख इकसठ हजार चार सौ इकतालिस एवं पैसे उन्तालिस मात्र) तथा अनुबंधित दर पर उस पर आगे के ब्याज, लागत, चार्जेज तथा भुगतान की तिथि तक खर्चे की राशि के लिये बैंक ऑफ बड़ौदा (ई-विजया बैंक), डीएलएफ फेज-1, गुड़गाँव शाखा के चार्ज के अधीन होगा।

ऋणधारक का ध्यान प्रतिभूत परिसम्पत्तियों को विमोचित करने के लिए उपलब्ध समय के संदर्भ में अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के प्रावधानों के प्रति आकृष्ट की जाती है।

अचल सम्पत्ति का विवरण

बीरपाल सिंह के नाम में आवासीय कॉलोनी दुर्गा एन्क्लेव, ग्राम हरसौन, परगना डासना, तहसील एवं जिला गाजियाबाद, उ.प्र. में स्थित खसरा नं. 74/2 में आवासीय प्लॉट नं. 40, माप 84.81 वर्ग यार्ड्स की सम्पत्ति का सभी भाग तथा हिस्सा।

चौहद्दीः उत्तर-प्लॉट नं. 41 पूर्वः अन्य सम्पत्ति दक्षिण-प्लॉट नं. 39 पश्चिमः 25 फीट चौड़ी सड़क।

तिथि: 17.9.2019, स्थान: गाजियाबाद प्राधिकृत अधिकारी

बैंक ऑफ बड़ौदा Bank of Baroda
आरओएसएआर शाखा, विजया बिल्डिंग
17 बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली-110001

ई-नीलामी बिक्री सूचना

वित्तीय परिसम्पत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्त्तन अधिनियम (यहाँ के बाद अधिनियम वर्णित) के अंतर्गत प्रतिभूत अचल/चल परिसम्पत्तियों की बिक्री

एतद्द्वारा आम जनता तथा विशेष रूप से ऋणधारकों तथा गारन्टरों को सूचित किया जाता है कि बैंक ऑफ बड़ौदा के पास गिरवी नीचे वर्णित सम्पत्तियों जिसका अधिनियम की धारा 13(4) के अंतर्गत बैंक के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा कब्जा किया गया है, की लागू होने वाले ब्याज, लागत, चार्जेज आदि के साथ बैंक के बकाये की वसूली के लिये नीचे वर्णित शर्तो के अनुसार मेगा ई-नीलामी द्वारा बिक्री की जायेगी प्रतिभूति हित (प्रवर्त्तन) नियमावली (यहाँ के बाद नियमावली के रूप में वर्णित) के नियम 9 के अंतर्गत "जैसा है जहाँ है जो कुछ भी वहाँ है तथा उपचार-रहित आधार" पर नीचे वर्णित सम्पत्तियों की बिक्री की जायेगी।

क्रम सं.	शाखा	ऋणधारक/ गारन्टर का नाम	सम्पत्ति के स्वामी	सम्पत्ति का विवरण (सभी सम्पत्ति बैंक के भौतिक कब्जे में है)	बकाया देयता / धारा 13(2) के अंतर्गत मांग सूचना की तिथि	आरक्षित मूल्य / ईएमडी / बोली बृद्धि राशि	ई-नीलामी की तिथि एवं समय/खाता नं. आईएफएससी कोड	प्राधिकृत अधिकारी तथा सम्पर्क नं.
1.	आरओ एसएआरबी नई दिल्ली	मंजूला मिश्रा श्रीकान्त मिश्रा सुनीता मिश्रा उमाकान्त मिश्रा	मंजूला मिश्रा पत्नी श्रीकान्त मिश्रा तथा सुनीता मिश्रा पत्नी उमाकान्त मिश्रा	प्लॉट नं. 701, सेक्टर-7, सोनीपत, हरियाणा-131001, क्षेत्रफल लगभग 201 वर्ग मी. में स्थित सम्पत्ति का सभी भाग तथा हिस्सा।	रु. 36,01,148/- तथा 1.10.2018 से दंड ब्याज के रूप में रु. 14,49,718/- तथा खर्चे एवं उस पर अन्य चार्जेज / 5.10.2018	रु. 63,00,000/- / रु. 6,30,000/- / रु. 25,000/-	31.10.2019 को 11.00 बजे पूर्वा. से 1.00 बजे अप. तक, खाता नं. 06860400000353, खाता नामः बैंक ऑफ बड़ौदा, आरओएसएआरबी, नई दिल्ली, आईएफएससी-BARB0PUSARO (आईएफएससी में 5वाँ कैरेक्टर 'शून्य' है)	श्री एस.पी. सिंह मो.: 8929031261 011-23312309
2.	आरओ एसएआरबी नई दिल्ली	मै. श्री बालाजी बर्तन भंडार एंड होम एप्लिएंसेस (पार्टनरः श्री गोपाल मित्तल, पुत्र मोहन लाल मित्तल एवं श्रीमती नीतू मित्तल, पत्नी गोपाल मित्तल, गारन्टर श्री संजय गुप्ता, पुत्र श्री याद राम गुप्ता)	श्री संजय गुप्ता पुत्र श्री याद राम गुप्ता	सम्पत्ति सं. ए-79/3, भू तल, डीएलएफ दिलशाद एक्स्टेंशन-2, साहिबाबाद, गाजियाबाद एरिया लगभग 15.05 वर्ग मी. के इक्विटैबल मार्टगैज का सभी भाग तथा हिस्सा	रु. 27,92,530/- तथा उस पर ब्याज खर्चे एवं अन्य चार्जेज / 29.3.2017	रु. 18,75,000/- / रु. 1,87,500/- / रु. 25,000/-	31.10.2019 को 11.00 बजे पूर्वा. से 1.00 बजे अप. तक, खाता नं. 06860400000353, खाता नामः बैंक ऑफ बड़ौदा, आरओएसएआरबी, नई दिल्ली, आईएफएससी-BARB0PUSARO (आईएफएससी में 5वाँ कैरेक्टर 'शून्य' है)	श्री एस.पी. सिंह मो.: 8929031261 011-23312309
3.	आरओ एसएआरबी नई दिल्ली	मै. श्री कृष्णा एण्टरप्राईज, प्रॉप्राईटरः श्री मिथलेश कुमार, गारन्टर श्री रवि कुमार सिंह	श्री रवि कुमार सिंह	फ्लैट नं. 215, जैस्मिन ब्लॉक नं. 6, अमरावती अपार्टमेन्ट्स, साई रोड, बड्डी, तहसील बड्डी, जिला सोलन, हिमाचल प्रदेश, एरिया लगभग 865 वर्ग फीट	रु. 14,20,146 तथा अप्रयुक्त ब्याज एवं अन्य चार्जेज / 5.9.2016	रु. 12,00,000/- / रु. 1,20,000/- / रु. 10,000/-	31.10.2019 को 11.00 बजे पूर्वा. से 1.00 बजे अप. तक, खाता नं. 06860400000353, खाता नामः बैंक ऑफ बड़ौदा, आरओएसएआरबी, नई दिल्ली, आईएफएससी-BARB0PUSARO (आईएफएससी में 5वाँ कैरेक्टर 'शून्य' है)	श्री एस.पी. सिंह मो.: 8929031261 011-23312309
4.	आरओ एसएआरबी नई दिल्ली	मै. विभा एण्टरप्राईजेज	श्री हरदीप शाह सिंह, पुत्र श्री राजिन्दर शाह सिंह	दौनकलॉन, गुलमोहर रेजीडेन्सी में स्थित प्लॉट खेवत/खाता नं. 238/432, खसरा नं. 92/3/2 (4-5), 5/1 मिन (2-6), 8/1 (2-18), 8/2 (2-18), 8/3 (2-4), 13/1 (6-4), कित्ते 6, कुल भूमि माप (20-15) में (0-6) मरला।	रु. 10,35,301.31/- तथा अप्रयुक्त ब्याज एवं अन्य चार्जेज / 01.03.2018	रु. 3,90,000/- / रु. 39,000/- / रु. 10,000/-	31.10.2019 को 11.00 बजे पूर्वा. से 1.00 बजे अप. तक, खाता नं. 06860400000353, खाता नामः बैंक ऑफ बड़ौदा, आरओएसएआरबी, नई दिल्ली, आईएफएससी-BARB0PUSARO (आईएफएससी में 5वाँ कैरेक्टर 'शून्य' है)	श्री एस.पी. सिंह मो.: 8929031261 011-23312309
5.	आरओ एसएआरबी नई दिल्ली	मै. नफीस ट्रेडर्स पार्टनरशिप फर्म, श्री शफीक अहमद पुत्र रफीक अहमद तथा श्री नफीस, पुत्र रफीक अहमद	श्री शफीक अहमद पुत्र श्री रफीक अहमद	वार्ड नं. 21, मोहल्ला नाजिम कॉलोनी, खसरा नं. 672, परगणा तथा तहसील-गढ़मुक्तेश्वर	रु. 34,36,751/- तथा अप्रयुक्त ब्याज एवं अन्य चार्जेज / 19.02.2018	रु. 18,00,000/- / रु. 1,80,000/- / रु. 10,000/-	31.10.2019 को 11.00 बजे पूर्वा. से 1.00 बजे अप. तक, खाता नं. 06860400000353, खाता नामः बैंक ऑफ बड़ौदा, आरओएसएआरबी, नई दिल्ली, आईएफएससी-BARB0PUSARO (आईएफएससी में 5वाँ कैरेक्टर 'शून्य' है)	श्री एस.पी. सिंह मो.: 8929031261 011-23312309
6.	आरओ एसएआरबी नई दिल्ली	श्री आनंद प्रकाश घोंडियाल पुत्र कालेराम घोंडियाल	श्री आनंद प्रकाश पुत्र श्री काले राम घोंडियाल	पंजीकरण सं. DL1CV2107 पंजी. तिथिः 10.2.2015 हाइपोथेकेशनः बैंक ऑफ बड़ौदा व्हीकल मैक तथा मॉडलः स्कोडा रैपिड एम्बिशन प्लस वैरिएटः RAPID निर्माण वर्षः 2015, व्हीकल क्लास-LMV, प्रयुक्त इंधन-पेट्रोल, सीटिंग क्षमताः 5, फिटनेस 27.9.2031 तक वैध	रु. 7,80,815/- तथा अप्रयुक्त ब्याज एवं अन्य चार्जेज / 01.05.2018	रु. 3,29,000/- / रु. 32,900/- / रु. 1,000/-	31.10.2019 को 11.00 बजे पूर्वा. से 1.00 बजे अप. तक, खाता नं. 06860400000353, खाता नामः बैंक ऑफ बड़ौदा, आरओएसएआरबी, नई दिल्ली, आईएफएससी-BARB0PUSARO (आईएफएससी में 5वाँ कैरेक्टर 'शून्य' है)	श्री एस.पी. सिंह मो.: 8929031261 011-23312309

टिप्पणीः आरक्षित मूल्य के बराबर तथा उससे कम में कोई बोली स्वीकार नहीं की जायेगी।
बोली जमा करने की अंतिम तिथि एवं समयः 29.10.2019 के 5.00 बजे अप. तक।
सम्पत्ति के निरीक्षण की तिथि एवं समयः 1.10.2019 से 15.10.2019, 10 बजे पूर्वा. से 5 बजे अप. तक

यह बिक्री नीचे वर्णित नियमों एवं शर्तों के अधीन होगी।

1. यह ई-नीलामी "जैसा है जहां है" तथा "जो भी वहां है आधार" पर आयोजित की जाएगी।
2. प्राधिकृत अधिकारी की सर्वश्रेष्ठ ज्ञान एवं जानकारी में सम्पत्ति के प्रति अधिभार नहीं है। लेकिन, इच्छुक क्रेता अपनी बोली जमा करने से पूर्व नीलामी की जाने वाली सम्पत्ति पर किसी अधिभारों, टाईटल तथा सम्पत्ति को प्रभावित करने वाले दावे/ अधिकारों/ बकायों के विषय में स्वयं की स्वतंत्र जांच कर लें। ई-नीलामी विज्ञापन को बैंक की किसी प्रतिबद्धता अथवा किसी प्रतिनिधित्व का द्योतक नहीं है अथवा उसे उसका द्योतक नहीं माना जाएगा। सम्पत्ति को बैंक को ज्ञात अथवा अज्ञात वर्तमान तथा भविष्य के सभी अधिभारों के साथ बेचा जा रहा है। प्राधिकृत अधिकारी/ प्रतिभूत क्रेडीटर किसी भी थर्ड पार्टी दावे/ अधिकारों/ बकायों के लिए किसी भी रूप में उत्तरदायी नहीं होंगे।
3. नीलामी-सह-बिक्री का आयोजन आधिकारिक पोर्टल https://bob.auctiontiger.net द्वारा ई-नीलामी पद्धत्ति द्वारा होगी।
4. यहां ऊपर अनुसूची में प्रतिभूत परिसंपत्तियों के पर्याप्त विवरणों को शामिल करने का प्रयास किया गया है। इस उद्घोषणा में किसी त्रुटि, कमी अथवा गलत विवरणों के लिए प्राधिकृत अधिकारी उत्तरदायी नहीं होंगे।
5. इच्छुक बोलीदाता को सलाह दी जाती है कि अपनी बोली जमा करने तथा ई-नीलामी बिक्री में भाग लेने से पूर्व ई-नीलामी के विस्तृत नियमों एवं शर्तों के लिए पोर्टल https://bob.auctiontiger.net देखें तथा उपरोक्त वर्णित संबंधित संपत्तियों के लिए संबंधित प्राधिकृत अधिकारी से संपर्क करें।
6. प्रतिभूत परिसंपत्ति की बिक्री आरक्षित मूल्य से नीचे या उसके बराबर की राशि में नहीं की जाएगी। नीलामी आरक्षित मूल्य से ऊपर एक इन्क्रीमेंट पर शुरू होगी तथा बोलीदाता यहां ऊपर वर्णित न्यूनतम् इन्क्रीमेंटल राशि से अपने प्रस्ताव में सुधार कर आपस में बोली करने के लिए स्वतंत्र होंगे।
7. 10% धरोहर राशि (ईएमडी) का भुगतान विनिर्दिष्ट खाता जिसका विवरण ऊपर तालिका में दिया गया है जिसमें तालिका में कॉलम नं. 8 में आईएफएससी कोड का 5वाँ कैरेक्टर 0 "शून्य" है में 29.10.2019 के 5 बजे अप. या पूर्व एनईएफटी/आरटीजीएस/तिथि अंतरण द्वारा या डिमांड ड्राफ्ट (दिल्ली में भुगतान योग्य) द्वारा किया जाएगा।
8. ईएमडी जमा किए होने वाले इच्छुक बोलीदाता पोर्टल में उपलब्ध कॉलम/ फिल्ड्स के अनुसार आधिकारिक पोर्टल https://bob.auctiontiger.net पर 29.10.2019 को या उससे पूर्व निम्न दस्तावेजों को अपलोड करें:
   क) ईएमडी जमा करने का प्रमाण
   ख) विधिवत भरी गई बोली प्रपत्र
   ग) भारत सरकार द्वारा जारी इच्छुक बोलीदाता के फोटोग्राफ तथा आवासीय पते तथा पैन कार्ड से शामिल पहचान का प्रमाण। इन दस्तावेजों का ऑरिजिनल संबंधित प्राधिकृत अधिकारी द्वारा निरीक्षण के लिए उपलब्ध कराया जाएगा।
   घ) बोली प्रक्रिया में भाग लेने के लिए लागिन आईडी तथा पास्वर्ड जारी करने के लिए अनुरोध
   इच्छुक बोलीदाता पोर्टल https://bob.auctiontiger.net पर अपना लागिन आईडी तथा पास्वर्ड बना सकते हैं। यदि लागिन आईडी, पास्वर्ड बनाने, डैटा अपलोड करने, बोली जमा करने, ई बोली प्रक्रिया पर प्रशिक्षण आदि के लिए इच्छुक बोलीदाता को सहयोग की आवश्यकता हो तो वे मै. ई-प्रॉक्योर्मेन्ट टेक्नोलॉजीज लि., बी-704-5, वाल स्ट्रीट-II, ऑरिएन्ट क्लब के सामने, गुजरात कॉलेज के निकट, एलिस ब्रिज, अहमदाबाद, संपर्क व्यक्ति श्री राम शर्मा- 06351896834, ई-मेलः Delhi@auctiontiger.net, ramprasad@auctiontiger.net, नितिशि झा- 7982880393, हेल्प लाइन नं.: 079-61200595/ 520/ 548, हेल्पलाइन ईमेल id: support@auctiontiger.net से सम्पर्क करें। ऑन लाइन वेब पोर्टल https://bob.auctiontiger.net पर अपलोडिंग तथा सम्पत्ति से संबंधित किसी पूछताछ के लिये आप संबंधित प्राधिकृत अधिकारियों से सम्पर्क कर सकते हैं जिनके सम्पर्क का पता ऊपर दिया गया है किसी भी कार्य दिवस को कार्यावधि के दौरान।
9. केवल ऐसे बोलीदाताओं को ही ऑनलाइन ई-नीलामी में भाग लेने की अनुमति दी जाएगी जिनके पास वैध यूजर आईडी तथा पास्वर्ड एवं एनईएफटी/ आरटीजीएस/ डीडी द्वारा ईएमडी के भुगतान का निश्चित प्रमाण होगा। प्राधिकृत अधिकारी को किसी या सभी बोलियों को स्वीकार या निरस्त करने का अधिकार प्राप्त है। पुनः, प्राधिकृत अधिकारी को उसका कोई भी कारण बताए बिना नीलामी प्रक्रिया की पूर्णता से पूर्व किसी भी समय नीलामी को निलंबित या रद्द या स्थगित या डिस्कंटीन्यू करने अथवा नीलामी की शर्तों में परिवर्तन करने का अधिकार प्राप्त है तथा इस संदर्भ में उनका निर्णय अंतिम होगा।
10. यदि कोई बोली नीलामी के समापन समय के अंतिम 5 मिनट में प्रस्तुत की जाती है तो समापन का समय अगले 5 मिनट के लिए आगे बढ़ जाएगा।
11. यदि बोली प्रक्रिया की समाप्ति पर अन्य कोई बोली प्राप्त नहीं होती है तो उच्चतम राशि कोट करने वाले बोलीदाता (आरक्षित मूल्य से कम अथवा बराबर नहीं) को सफल बोलीदाता घोषित किया जाएगा। सफल बोलीदाता को तत्काल अथवा अधिकतम अगले कार्य दिवस तक) उनके पक्ष में बिक्री की घोषणा होने पर 25% क्रय मूल्य का भुगतान करना होगा, अन्यथा ईएमडी राशि जब्त कर ली जाएगी।
12. केवल 25% बिक्री का भुगतान कर देने मात्र से ही सफल बोलीदाता अपने पक्ष में बिक्री की पुष्टि करने के लिए अधिकृत नहीं होंगे। यह बिक्री ई-नीलामी के नियमों एवं शर्तों तथा इस आशय के लिए प्रतिभूत क्रेडीटर की पुष्टि के अधीन होगी।
13. यहां ऊपर क्रम सं. 10 के अनुसार राशि के भुगतान के बाद सफल बोलीदाता को प्राधिकृत अधिकारी द्वारा बिक्री की पुष्टि के 15 (पंद्रह) दिनों के भीतर प्राधिकृत अधिकारी के पास शेष बिक्री मूल्य का भुगतान करना होगा। यदि वे उक्त राशि के भुगतान में विफल होते हैं तो उनके द्वारा जमा की गई राशि जब्त कर ली जाएगी तथा प्राधिकृत अधिकारी संपत्ति के संदर्भ में अधिनियम की धारा 13 (4) के अनुसार उन्हें उपलब्ध एक या अधिक अधिकारों का प्रयोग करने के लिए स्वतंत्र होंगे।
14. यदि सभी लागतों, चार्जेज तथा ऋणधारकों अथवा गारंटरों की ओर से बैंक द्वारा वहन किए गए खर्चे के साथ बैंक की बकाया का बिक्री के लिए निर्धारित तिथि को या उससे पूर्व किसी भी समय भुगतान कर दिया ज

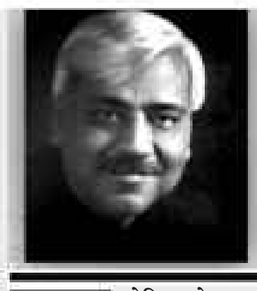

तीरंदाज

■ अश्विनी भटनागर

सहमा हुआ अमेरिकी समाज

अमेरिका के मध्य पश्चिमी इलाके में प्रवास जारी है। इस देश के पूर्वी तट, यानी वाशिंगटन, न्यूयॉर्क आदि की राजनीतिक गहमगहमी से यह इलाका दूर है। सड़क से बॉस्टन या न्यू जर्सी जैसे शहरों तक जाने में सोलह घंटे लगते है। हवाई मार्ग से भी जाने के लिए सीधी उड़ानें कम हैं। अमूमन पांच घंटे लग जाते हैं। पश्चिमी तट, जहां पर लॉस एंजेल्स, सैन फ्रांसिस्को स्थित है, का भी कमोबेश इतना ही फासला है। एक तरह से केंटकी, इल्लिनोई, इंडिआना, टेनेसी आदि पूर्वी अमेरिका के पश्चिमी छोर पर है। शिकागो इस इलाके का सबसे बड़ा शहर है और एटलांटा भी।

केंटकी राज्य अमेरिका के सोलहवें राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन की जन्मस्थली है। छोटी-सी लकड़ी की झोपड़ी, जिसमें उनका जन्म 1806 में हुआ था, आज भी मेमोरियल के रूप में सुरक्षित है। लिंकन का नाम इस देश में बड़े आदर से लिया जाता है। अमेरिका को जोड़ने और उसे यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका का रूप देने में उनका उल्लेखनीय योगदान था। साथ में दास प्रथा का समाप्त करने के लिए उन्होंने ऐतिहासिक कदम उठाए थे। वे समानता, बंधुत्व और स्वतंत्रता के मूल मूल्यों के महानायक थे। उनकी दूरगामी सोच और राजनीतिक बीनाई अमेरिकी मूल्यों की आधारशिला है। लिंकन रिपब्लिकन पार्टी से संबद्ध थे। डोनाल्ड ट्रम्प भी इसी पार्टी के हैं।

केंटकी का सबसे बड़ा शहर लुईविल है। अमेरिका के बड़े शहरों की सूची में इसका सोलहवां नंबर है। विश्व प्रसिद्ध बड़े कॉरपोरेट हाउस जैसे यू, पीएस, यम, केंटकी फ्राइड चिकन (केएफसी), हुमाना इंश्योरेंस आदि के मुख्यालय यहां पर स्थित है। जैक डैनिएल व्हिस्की भी यहीं की ईजाद है। यहां का तंबाकू दुनिया भर में मशहूर है और यहां के घोड़े भी। केंटकी की डर्बी विश्व प्रसिद्ध है, ठीक वैसे ही जैसे बॉक्सिंग में यहां के मोहम्मद अली प्रसिद्ध थे। यह एक अमीर शहरों में से है, जहां खानदानी रईस अपने ऐश्वर्य का भोग शालीनता से करते रहे हैं। लुईविल में न तो न्यूयॉर्क जैसी अफरातफरी है और न ही कैलिफोर्निया की सिलिकॉन वैली जैसी संभावनाएं। शहर पूरी तरह से एक शांत और समृद्ध जीवन शैली के लिए व्यवस्थित है।

पर पिछले दो साल के अंदर ही इस शहर और केंटकी राज्य में बेचैनी उत्पन हो गई है। एकात्मता के प्रतीक लिंकन की जन्मस्थली विभाजित होती चली जा रही है। चाहे वह प्रवासी भारतीय हो या खानदानी केंटकीवासी या फिर अश्वेत नागरिक, सब डोनाल्ड ट्रम्प के व्याख्यानों से उद्वेलित हैं। पढ़े-लिखे उच्च वर्ग के लोग अचानक अपने उदार विचारों और जीवनशैली को खत्म होता देख रहे हैं। ट्रम्प उवाच से प्रेरित श्वेत खेतिहर मजदूर और श्रमिक कभी धर्म के नाम पर तो कभी रंग की दुहाई देकर आक्रामक होते चले जा रह हैं। हर स्तर पर संवाद खत्म हो गया है और वाद अपने पूरे खुमार पर है।

ट्रम्प के 'लेट्स मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' नारे का मतलब सिर्फ एक ही रह गया है- 'जो गोरा नहीं है, क्रिश्चियन नहीं है और जो ट्रम्प नीति का समर्थक नहीं है, वह देश और समाज का अपराधी है।' लुईविल के एक पुराने निवासी के अनुसार, 'राज्य के बहुत सारे गिरजाघरों में अचानक ऐसे पादरी प्रकट हो गए हैं, जिनका प्रवचन दो सौ साल पुराने पादरियों जैसा है। वे हाथ में जहरीले सांप लेकर श्रद्धालुओं को नर्क का भय दिखाते हैं, जादू-टोना दिखा कर विज्ञान को मुंह चिढ़ाते हैं और बाइबिल के जमाने के उदाहरण देकर गांव-देहात में रह रहे गोरों को उनके 'स्वर्णिम काल' में लौटने के लिए प्रेरित करते हैं।'

'ऐसा लगने लगा है जैसे हम आज की रोशन खयाली छोड़ कर मध्यकालीन अंधेरे से युक्त अमेरिका की तरफ बढ़ने लगे हैं। अपने देश में ही डर लगने लगा है। मैंने अपने साठ साल के जीवन में कभी भी ऐसा भयावह दुस्साहस नहीं देखा है। मुझे अपने क्रिश्चियन होने पर शक होने लगा है।' उन्होंने अफसोस से सिर झुकाते हुए कहा- 'अपने विवेक पर शक होने लगा है। ऐसा लगने लगा है कि मैं 'एलिस इन वंडरलैंड' कहानी का पात्र बन गया हूं. जो एक लंबे अंधेरे गड्ढे में गिरता चला जा रहा है।'

शहर से कुछ दूर ग्रामीण क्षेत्र शुरू हो जाता है। कुछ गांवों में लोग खेती करते हैं (जैसे कि लिंकन के गांव में) तो आगे चल कर अधिकतर लोग कोयले की खदानों में मजदूरी करते हैं। अधिकतर खदानें बंद हो चुकी हैं। मजदूर बेरोजगार हो गए हैं। ऐसे ग्रामीण अंचलों में धार्मिक और सामाजिक पुनरुत्थानवाद हावी है। रूढ़िवाद, रंगभेद और दक्षिण पंथी विचारधारा अपने चरम पर है। ऐसा लगता है जैसे पूरा ग्रामीण समाज भयभीत होने की वजह से आक्रामक हो गया है और उसके आक्रमण का निशाना उदारवादी विचारधारा बन गई है। किसी भी रूप की उदारता को वह शत्रु भाव से देखने लगा है।

वास्तव में अमेरिका का ज्यादातर समाज आज बेहद सहमा हुआ है। उदारवादी दक्षिणपंथियों से सहमे हुए हैं तो दक्षिणपंथी उदरवादियों से सशंकित हैं। दो एजेंडे- डेमोक्रेट और रिपब्लिकन, जो अमेरिका की विविधता को परिभाषित करते थे, आज अपने समर्थकों को वैचारिक रूप से लज्जित कर रहे हैं। रिपब्लिकन नेतृत्व का बड़बोलापन और डेमोक्रेटिक पार्टी के नेताओं की उदासीनता आम शहरियों का मनोबल तोड़ रही है। रिपब्लिकन पार्टी का एक वर्ग बेहद हर्षित है कि अमेरिका फिर से महान बनने की राह पर लंबे डग भर रहा है। हर बातचीत में वे बताते हैं कि जब से ट्रम्प राष्ट्रपति बने हैं, तब से विश्व का हर राष्ट्र उनके आगे नतमस्तक हो गया है। वे ट्रम्प को ऐसा सुपरमैन मानते हैं, जिसने उत्तर कोरिया और चीन जैसी शक्तियों को नाको चने चबवा दिए हैं। वे जहां जाते हैं- देश में या विदेश में, उनका विजयघोष स्वयं होने लगता है। उनके अकेले की वजह से महज तीन साल में ही अमेरिका 'विश्व गुरु' बन गया है। ट्रम्प का जयगान वे एक सांस में करते हैं और तथ्यपरख दलीलों के आते ही आंखें तरेरने लगते हैं।

दूसरी तरफ, डेमोक्रेट खेमा उद्देश्यविहीन हो चुका है। उसकी समझ में नहीं आ रहा है कि अतर्क या कुतर्क से खिलाफ वे क्या तर्क रखें। लगातार प्रहार की वजह से उसकी सोच को लकवा मार गया है। उसकी निशब्दता से आम नागरिक स्तब्ध है। उसके सामने एक तरफ कुआं तो दूसरी तरफ खाई वाली स्थिति उत्पन हो गई है। उसकी समझ में नहीं आ रहा है कि अमेरिका को फिर से महान बनाने के लिए ऐसी स्थिति क्या एक ऐतिहासिक जरूरत है? या फिर यह सिर्फ एक राजनीतिक छलावा है? वे अपना सब कुछ खो रहे हैं या फिर जो गैरजरूरी था, उसको हटा कर जरूरी को प्राप्त कर रहे हैं? शायद यह ऊहापोह अमेरिका को वैसा अमेरिका अब नहीं रहने देगी, जैसा उसे हम अब तक जानते थे।

पलायन विकल्प नहीं

वंदना यादव

संयुक्त परिवारों से एकल परिवार की ओर बढ़ते हुए हम किस दौर में आ पहुंचे हैं जहां परिवार के साथ रहने के बावजूद व्यक्ति 'एकल' हो गया है! व्यस्तताओं से भरे जीवन में परिवार का हर सदस्य अपनी जीवनचर्या में डूबा है और अपने-अपने संघर्षों से मुकाबला कर रहा है। ऐसे में किसी के पास वक्त नहीं है। आधुनिक समाज में परिवार नाम की संस्था गौण होती जा रही है। परिवार का वह सदस्य जो पिछड़ रहा है या जिसे मानसिक परेशानी ने घेर लिया है, क्या उसके लिए परिजन थोड़ा-सा भी वक्त नहीं निकाल सकते? यह गंभीर सवाल है जिस पर समाज को सोचना होगा।

समाज का वह पहला व्यक्ति जिसकी वजह से समूचा देश और सभ्यता भरपेट रोटी खाती है, वही किसान जब आत्महत्या करता है तब उसे गरीबी का नाम दे दिया जाता है। गरीबी उसका निजी चुनाव नहीं है। यह विकास की दौड़ में उसका पिछड़ना है, ऐसा विकास जो हाड़तोड़ मेहनत के बाद उसे सुख के साथ दो वक्त की रोटी तक मुहैया नहीं करवा पा रहा है। उसकी हार किसी से छिपी नहीं रहती, वह सबके बीच हर समय फटे कपड़ों से झांकती भूख से बेजार, इलाज के अभाव में मरती दिखती रहती है, फिर भी सामाजिक स्तर पर यह पराजय नकार दी जाती है। उस आत्महत्या को हम 'व्यक्तिगत आत्महत्या' करार दे देते हैं।

शहरी समाज का वह व्यक्ति जो हर क्षेत्र में अपनी उपस्थिति दर्ज करवाता है, जिसका बहुत से लोगों के साथ मिलना-जुलना होता है, वह जरूरत के समय मददगार होता है या जिसकी वजह से रोजगार पाकर कई घरों में दोनों वक्त चूल्हा जलता है, जब वह पिछड़ने लगता है तब भी क्या किसी को खबर नहीं होती? परेशानी के समय सामाजिक जीवन जीने वाले लोगों की मानसिकता कैसे छिपी रह जाती है? क्या हम पारिवारिक स्तर पर और सामाजिक जीवन में इतने आत्मकेंद्रित हो गए हैं कि हमें आसपास की परेशानियां दिखाई ही नहीं देतीं? अगर यही सच है तो यकीनन यह स्थिति बहुत भयानक है। हम विस्फोट की ओर बढ़ रहे हैं। इससे पार पाने के उपाय हमें ही करने होंगे। हमें हर हारते हुए को संभालने वाला हाथ बनना होगा। गिरते को थामने वाला और आघात झेलने वाले मनुष्य के लिए विश्वसनीय चरित्र हमें अपने अंदर गढ़ना होगा, जिससे घबरा कर पीछे हट रहा व्यक्ति पलायन से पहले अपने आसपास के किसी ऐसे व्यक्ति के बारे में सोचे जरूर। एक ऐसा सामाजिक या पारिवारिक व्यक्ति जो उस थके इंसान को जीवन की ओर वापस लौटने का कारण बनेगा, उसे ही यह पहल करनी होगी।

आपाधापी भरे जीवन में हर व्यक्ति के अपने संघर्ष हैं, जिनसे वह जूझ रहा है। कम समय में मंजिल तक पहुंचने की बैचेनी से मुकाबला कड़ा होता जा रहा है। 'हार ना जाऊं' का डर दिमाग पर हावी हो रहा है। यह अपने भीतर बैठा भय है जिसे हमने चींटी जितने आकार को बढ़ा कर हाथी जितना विशाल बना लिया है। यह किसी लिहाज से ठीक नहीं है।

देर तक मोबाइल देखता सातवीं-आठवीं का बच्चा, माता-पिता की डांट से नाराज होकर फंदे पर झूल जाने की राह चुन लेता है। युवा होती उम्र में युवक-युवती का एक-दूसरे की अनदेखी करना बर्दाश्त नहीं होता और मौत को गले लगा लेना जैसा रास्ता उन्हें आसान लगने लगता है। पति-पत्नी की आपसी टकराहट में दो समझदार वयस्क, परिवार और बच्चों की जिम्मेदारी तक से मुंह मोड़ कर क्षणिक क्रोध के आवेग में जान देने का फैसला कर लेते हैं। व्यवसाय या नौकरी के दबाव न झेल पाने के चलते ऊंची इमारत से कूद कर मौत को गले लगा लेने या पुल से नदी की गहराई में जीवन को डुबा देने जैसी घटनाएं अब रोजाना की नियति बन गई हैं। सवाल है कि हम जा किस ओर रहे हैं? क्या सच में जीवन इतना पेचीदगियों भर गया है? क्या परेशानियों से बाहर आने के सारे रास्ते बंद हो गए हैं?

वर्तमान समय में हमारी सामाजिक सोच क्या इतनी नकारात्मक हो गई है या हम निराशा से घिर गए हैं? ऐसा कैसे हो सकता है कि जीवन से आशाएं रूठ जाएं और किसी तरह के सुधार की गुंजाइश ही न रहे। हालात इतने खराब कभी नहीं होते कि उन्हें ठीक न किया जा सके। स्थिति का डट कर मुकाबला करने से हालात बदलने की पूरी उम्मीद रहती है और अगर स्थिति नहीं बदली तो परेशानी से निकलने का कोई और रास्ता जरूर निकलेगा। पलायन विकल्प नहीं होता। किसी के भाग जाने से परेशानी खत्म नहीं होती, वह वहीं रहती है, बल्कि व्यक्ति विशेष के पलायन के बाद जो लोग पीछे रह जाते हैं, उन्हें उस 'विकट' परेशानी को भी झेलना होता है और जो व्यक्ति अपने स्थान को खाली छोड़ गया है, उस व्यक्ति के 'अपनों' को अपने बहुत खास रिश्ते से जुड़ी भावनाओं, सामाजिक स्थिति, आर्थिक परेशानियों और अन्य अनेक तकलीफों से भी जूझना होता है।

संदर्भ

> क्या हम पारिवारिक स्तर पर और सामाजिक जीवन में इतने आत्मकेंद्रित हो गए हैं कि हमें आसपास की परेशानियां दिखाई ही नहीं देतीं? यदि यही सच है तो यकीनन यह स्थिति बहुत भयानक है। हम विस्फोट की ओर बढ़ रहे हैं। इससे पार पाने के उपाय हमें ही करने होंगे। हमें हर हारते हुए को संभालने वाला हाथ बनना होगा।

पलायन से पहले सोचना होगा कि क्या प्रकृति ने कभी किसी को सिर्फ आसान रास्ते पर चल कर जीवन जीने का विकल्प दिया है? क्या जीवन का मूल्य इतना ही है? ऐसा मुमकिन ही नहीं है कि जो व्यक्ति लगातार आगे बढ़ता रहे, कोई परेशानी उसका मार्ग अवरुद्ध करने न आई हो। फिर वह इंसान जो समाज की तरक्की में अपना योगदान देने जा रहा है, उसे परेशानियां नहीं मिलेंगी, यह असंभव है। सच्चाई यह है कि जो व्यक्ति सफलता की जितनी सीढ़ियां चढ़ता है, उसे उतनी ही कठिनाइयों से मुकाबला करना पड़ता है। सच यह है कि सफलता उन्हें ही मिलती है जो उसको पाने लिए कठोर परिश्रम करते हैं, सुविधाओं को छोड़ कर कठोर मार्ग चुनते हैं और सफल होने के लिए असफलताओं से सबक लेकर अपने कदम लगातार आगे बढ़ाते हैं।

कोचिंग कक्षाओं में सहपाठियों के साथ प्रतिस्पर्धा के चलते माता-पिता के सपनों को पूरा करने के दबाव में विद्यार्थी जीवन में भविष्य की कल्पना करते अधिकतर बच्चों के मन में घबराहट होती है। उनके मन में पिछड़ जाने का डर कभी-कभी खौफ पैदा कर देता है। ऐसे समय में परिवार का भावनात्मक साथ, स्कूल-कॉलेज में, कोचिंग सेंटर में मनोचिकित्सक की भूमिका बहुत महत्त्वपूर्ण होती है। बच्चे जब पलायन की ओर कदम बढ़ा रहे होते हैं, उसी समय किसी अपने का संबल उन्हें भयंकर भूल करने से रोक सकता है। परंतु सवाल यह है कि सही समय पर वह साथ मिले कैसे?

युवा डॉक्टरों का मौत को गले लगाना क्या आसान है? जो युवा पढ़ाई के समय की प्रतिस्पर्धा झेल गए, उन्हें नौकरी का दबाव या साथी कर्मचारियों का व्यवहार इतना विचलित कर देता है कि वे अपनी जान देने से भी नहीं हिचकिचाते। इसका मतलब यह है कि हम ध्यान रखें कि कहीं हम ही सामाजिक स्तर पर हालात खराब करने वालों की गिनती में तो नहीं आ रहे या हमारे आसपास का माहौल किसी के लिए धर्म, संप्रदाय, क्षेत्र या आर्थिक स्तर पर पेचीदगियां तो खड़ा नहीं कर रहा। स्थिति जो भी हो, सुधरेगी तभी जब हम चौंकन्ने रहेंगे। यह हमारी सामाजिक जिम्मेदारी है कि हम इस तरह के पलायन को रोकने में अपने-अपने स्तर पर महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएं। हम समाज को आत्महत्या से हटा कर सकारात्मकता और तरक्की की ओर ले जाएं।

सम्मान पर बेमानी सवाल

वक़्त की नब्ज़

■ तवलीन सिंह

नरेंद्र मोदी जब अगले हफ्ते अमेरिका पहुंचेंगे तो उनका एक बार फिर उनके प्रवासी भारतीय प्रशंसक ऐसा स्वागत करने जा रहे हैं जैसा 2014 में किया था जब प्रधानमंत्री बन जाने के बाद मोदी पहली बार अमेरिका गए थे। इस बार न्यूयॉर्क में नहीं, ह्यूस्टन में तैयारियां हो रही हैं उनके स्वागत सम्मेलन की, जिसमें अनुमान है कि साठ हजार लोग शामिल होंगे। इतना बड़ा सम्मेलन करने की तैयारी देख कर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प भी इसमें शामिल होने की घोषणा कर चुके हैं। बड़ी बात यह है और खूब उछाली गई है भारत के मीडिया में। खुशियों के इस माहौल में लेकिन एक छोटा-सा काला बादल मंडराने लग गया है।

मोदी के प्रशंसक बहुत हैं अगर अमेरिका में तो आलोचक भी काफी हैं और इतने ताकतवर हैं यह आलोचक कि उन्होंने मोदी को अमेरिका आने से रोक रखा था एक पूरे दशक तक। गुजरात के 2002 वाले दंगों के बाद इन लोगों ने अमेरिकी प्रशासन के ऊंचे हिस्सों में इतना बदनाम किया मोदी को कि उनको इस देश का वीजा नहीं मिला था जब तक प्रधानमंत्री नहीं बने। मोदी की जैसे-जैसे इज्जत बढ़ी है विदेशों में प्रधानमंत्री बनने के बाद वैसे-वैसे उनके आलोचकों की ताकत कम होती गई है पिछले पांच सालों में, लेकिन वे अब फिर से अपनी ताकत का प्रदर्शन करने में लग गए हैं।

अगले हफ्ते जब मोदी न्यूयॉर्क में होंगे तो उनको बिल एंड मिलिंडा गेट्स फाउंडेशन ने अपना 'गोल्कीपर्ज ग्लोबल अवार्ड' देकर सम्मानित करने की तैयारी की है। यह सम्मान ऐसे लोगों को दिया जाता है, जिन्होंने स्वास्थ्य या शिक्षा के क्षेत्र में परिवर्तन लाने का काम किया है। मोदी को दिया जा रहा है 'स्वच्छ भारत' अभियान की सफलता को देख कर। वास्तव में उनको निजी तौर पर इस अभियान की सफलता का श्रेय मिलना चाहिए। इसलिए कि वे पहले प्रधानमंत्री हैं पिछले सत्तर सालों में, जिहोंने खुले में शौच करने की पुरानी और खतरनाक आदत को रोकने की बात खुल कर की है।

बिल गेट्स ने हाल में एक अंग्रेजी अखबार को एक इंटरव्यू देते हुए कहा कि यह ऐसी चीज है जिसका जिक्र तक करना नहीं चाहते हैं विश्व के राजनेता। बावजूद इसके कि वह जानते हैं कि इसके कारण खतरनाक बीमारियां फैलती हैं। भारत में इसके कारण लाखों बच्चे पांच साल की उम्र तक पहुंचने के पहले ही मर जाते हैं। जो जिंदा रहते हैं, अक्सर जिंदगी भर ऐसी बीमारियों के शिकार रहते हैं जो उनको बचपन में मिली हैं खुले में शौच करने की वजह से।

> गुजरात के 2002 वाले दंगों के बाद लोगों ने अमेरिकी प्रशासन के ऊंचे हिस्सों में इतना बदनाम किया मोदी को कि उनको इस देश का वीजा नहीं मिला था जब तक प्रधानमंत्री नहीं बने। मोदी की जैसे-जैसे इज्जत बढ़ी है विदेशों में प्रधानमंत्री बनने के बाद वैसे-वैसे उनके आलोचकों की ताकत कम होती गई है

मोदी ने अपने पहले शासनकाल में सबसे बड़ी सफलता इस अभियान को लेकर हासिल की है। और इस अभियान की सफलता का सबसे बड़ा कारण है कि प्रधानमंत्री बनने के बाद मोदी ने लालकिले से अपने पहले भाषण में स्वच्छता की बात की थी। उन्होंने कहा था कि हमें प्रयास करना चाहिए कि दो अक्तूबर 2019 को भारत सरकार ऐलान कर सके कि भारत के हर जिले में अब खुले में शौच करने की प्रथा रोक दी गई है। इस घोषणा की तैयारियां शुरू हो गई हैं साबरमती आश्रम में। इसलिए मोदी की आलोचना कई अन्य चीजों को लेकर हो सकती है, लेकिन स्वच्छ भारत को लेकर नहीं।

मगर उनके आलोचक इस बात को मानने को बिल्कुल तैयार नहीं हैं, इसलिए उन्होंने कई हफ्तों से बिल गेट्स फाउंडेशन पर हर तरह से दबाव डाला है मोदी का यह सम्मान वापस लेने के लिए। आरोपनामा भेजा है जिस पर एक लाख भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिकों के हस्ताक्षर हैं। महत्त्वपूर्ण अमेरिकी अखबारों में लेख लिखवाए गए हैं, जिनमें कहा गया है कि मोदी इस सम्मान के लायक नहीं हैं, इसलिए कि मानव अधिकार के क्षेत्र में उनकी छवि बहुत खराब है। इन लोगों ने मुसलिम, दलित युवकों पर गौरक्षकों की हिंसा का हवाला दिया है और कश्मीर में अनुच्छेद 370 के हटाए जाने के बाद आम लोगों की नजरबंदी का भी। यानी पूरी कोशिश हो रही है मोदी की इस अमेरिकी यात्रा पर छाए उस काले बादल को बड़े तूफान में तब्दील करने की।

इन आलोचकों की हरकतों को देख कर मुझे याद आया कि 2013 से मैंने नरेंद्र मोदी का खुल कर समर्थन क्यों किया है। याद आया मुझे कि उस साल जब मोदी ने इशारा किया पहली बार कि वे प्रधानमंत्री पद के दावेदार हैं, किस तरह मेरे कुछ वामपंथी पत्रकार बंधुओं ने चिल्ला-चिल्ला कर कहना शुरू कर दिया था कि मोदी इस पद के लायक नहीं हैं 2002 में हुए दंगों के कारण। तब मुझे उस समय गुस्सा इस बात को लेकर आया था कि ये वही लोग थे, जिन्होंने कभी राजीव गांधी के बारे में नहीं कहा था सिखों के नरसंहार के बाद कि वह भारत के प्रधानमंत्री बनने के लायक नहीं हैं। मोदी के साथ मुझे हमदर्दी उस वक्त इसलिए भी हुई थी कि उन्हें जिन दंगों को लेकर बदनाम किया जा रहा था, उस तरह के दंगे बहुत बार हुए हैं कई राज्यों में, कई शहरों में और जो मुख्यमंत्री थे उस समय, उनके नाम तक लोगों को याद नहीं हैं।

मोदी के साथ अन्याय हुआ था उस समय और अन्याय अब भी होगा अगर उनके अमेरिकी आलोचक सफल हो जाते हैं इस सम्मान को वापस करवाने में। मोदी के राज में कई गलत चीजें हुई हैं। मेरी फेहरिस्त में सबसे ऊपर है अर्थव्यवस्था को कमजोर करना नोटबंदी करके। उसका खमियाजा अभी तक हम भुगत रहे हैं। दूसरे नंबर पर इस फेहरिस्त में डालती हूं गौ-रक्षकों की हिंसा, जो शुरू में ही रोकी जा सकती थी। लेकिन जहां तक 'स्वच्छ भारत' की बात है, वहां यह कहना जरूरी समझती हूं कि मोदी पूरी तरह सम्मानयोग्य हैं।

भज गोविंदम मूढ़मते

बाखबर

■ सुधीश पचौरी

इस बार का 'हिंदी दिवस' ही हिंदी की पिटाई कराता अवतरित हुआ। अगले सात दिन तक अंग्रेजी चैनलों में हिंदी पिटती रही, फिर भी बेशर्म अपने पीटने वालों पर हंसती रही। इसे कहते हैं बड़ी भाषा का बड़प्पन!

गृहमंत्री जी ने 'हिंदी दिवस' के अवसर पर जो कहा, वह एकदम 'रस्मी' था। उसमें कुछ भी अनर्गल न था। लेकिन हिंदी की बात आते ही पहले अंग्रेजी चैनलों को मिर्ची लगी और जब अंग्रेजी चैनलों को लगी तो कुछ देसी अंग्रेजों को भी लगी!

सबसे पहले ओवैसी जी ने 'हिंदी' को 'हिंदू' बना कर इस 'हिंदी कूट-कथा' का श्रीगणेश किया और ऐसा करके उन्होंने सिर्फ 'सर सैयद' वाला ही काम किया। जबकि ओवैसी अक्सर हिंदी में ही बोलते हैं! फिर डीएमके नेता स्टालिन जी ने 'ये इंडिया है, हिंदिया नहीं' कह कर धमकाया कि अगर हिंदी को तमिल और दक्षिणी राज्यों पर लादा गया तो सहन न किया जाएगा। वाइको जी बोले कि इससे 'बल्कनाइजेशन' हो जाएगा, यानी हिंदी की वजह से देश टुकड़े-टुकड़े हो जाएंगे! 'टुकड़े-टुकड़े गैंग' को आए दिन कोसने वाले एक भी एंकर ने इनको 'टुकड़े-टुकड़े गैंग' नहीं कहा!

कई अंग्रेजी एंकर बहसें आयोजित कराने लगे। एक अंग्रेजी चैनल पर डीएमके के एक प्रवक्ता ने सीधे कहा कि हिंदी संपर्क भाषा नहीं हो सकती। अंग्रेजी संपर्क भाषा है और रहेगी, उसे कोई नहीं हटा सकता।

अंग्रेजी के कई भक्त एंकर ऊपर से हिंदी के प्रति हमदर्दी जताते दिखते हैं, लेकिन चर्चा में वे हिंदी को प्रेमपूर्वक पिटने देते हैं। एक कथित 'राजनीतिक विश्लेषक' जो अब टीएमसी प्रवक्ता कहने से शर्माते हैं, हिंदी को कूटते हुए चीखते रहे कि हिंदी आपकी मां हो सकती है, लेकिन वह मेरी मां नहीं हो सकती। मेरी मां तो बंगाली है। इसके आगे वे हिंदी की 'जेनेटिक इकोनॉमिक्स' पर पिल पड़े कि उत्तर भारतीय यानी हिंदी वाले ज्यादा बच्चे पैदा करते हैं और दक्षिण के राज्यों को उनको खिलाना पड़ता है। दक्षिण के राज्य उनका बोझ क्यों उठाएं?

और उस अंग्रेजी महिला एंकर की समझदारी देखिए कि हिंदी के पक्ष में बोलने के लिए जिसे लाईं, वह हिंदी का लेखक या विद्वान न होकर एक बिजनेसमैन टाइप या वकील टाइप कुछ था जो हिंदी के इन विरोधियों का सटीक जवाब देने की जगह बंगाली वाले की चापलूसी में लगा रहा कि बंगाली बड़ी प्यारी भाषा है... कि टैगोर हुए हैं... कि हम तो बंगाली में लिखे 'राष्ट्रगान' को गाते हैं जी...! वह जितनी चापूलसी करता जाता, बंगाली बंधु उतना ही भड़कता जाता था और एंकर जी को समझ न आता था कि हिंदी का क्या करे!

बात हिंदी की रही, लेकिन उसकी पिटाई अंग्रेजी रही और अपने हिंदी से कमाने वाले हिंदी चैनल! वे तो हिंदी के नाम पर सिर्फ कवि सम्मेलन कराने में लगे थे। वे हिंदी से कमाने के लिए बने हैं, हिंदी को बचाने के लिए थोड़े ही बने हैं! इसीलिए किसी ने न कहा कि भैये, हिंदी को इतना भी मत गरियाओ! हिंदी भी एक भाषा है और अगर वह तुम्हारी चार-पांच करोड़ वाली से दस ग्यारह गुनी बड़ी है तो इसलिए कि तुम्हारी तरह वह किसी भाषा को दुश्मन नहीं समझती।

> बात हिंदी की रही, लेकिन उसकी पिटाई अंग्रेजी रही और अपने हिंदी से कमाने वाले हिंदी चैनल! वे तो हिंदी के नाम पर सिर्फ कवि सम्मेलन कराने में लगे थे। वे हिंदी से कमाने के लिए बने हैं, हिंदी को बचाने के लिए थोड़े ही बने हैं!

सबसे उच्चकोटि की फजीहत चिदंबरम जी की हुई। एक चैनल ने दिखाया कि एक वक्त में गृहमंत्री रहे चिदंबरम जी ने भी हिंदी को लेकर कुछ ऐसी ही बातें कहीं थीं जो आज के गृहमंत्री ने कही हैं। तब किसी ने शोर न मचाया था। इसे देख तुरंत चिदंबरम जी ने कह दिया कि वे हिंदी को थोपने के खिलाफ हैं। अरे भैया! थोप कौन कर रहा है हिंदी को? हां, हिंदी विरोध की आड़ में कुछ तमिल नेता जरूर अंग्रेजी को देश पर थोपे हुए हैं!

एक दोपहर कुछ भक्त एंकर अचानक गदगदायमान होते दिखे, मानो 'मन की चीती' पूरी हुई हो और लाइन लगाने लगे कि मंदिर का फैसला तो हो चुका है! लगा कि वक्त से पहले ही कुछ भक्त एंकरों ने कुछ ज्यादा ही बक दिया, लेकिन जल्द ही उन्होंने इस मुद्रा से तौबा कर ली! जरूर 'बॉस' ने कान मरोड़े होंगे!

और हे साथी! जब से 'हाउडी मोदी' हुआ है, तब से हर अंग्रेजी चैनल लहालोट है और लाइन पर लाइन दिए जा रहा है कि हम दिखाएंगे आपको 'जीरो ग्राउंड' से यानी ह्यूस्टन से 'हाउडी मोदी' वाला दिव्य भव्य ग्लोबल शो! यह एक युग प्रवर्तक घटना होने वाली है। अमेरिका और इंडिया की मित्रता प्रगाढ़ होगी। पाकिस्तान जलेगा, चीन हाथ मलेगा!

एक अंग्रेजी चैनल पर शशि थरूर की हिंदू-धर्म विषयक नई किताब पर एक शाम पंचों की परिचर्चा देखने-सुनने का सौभाग्य हुआ। इनमें एक सज्जन बौद्ध थे, बाकी सब 'हिंदू' थे। आरएसएस के एक सीनियर विचारक भी थे, जिन्हें अपने को 'हिंदू' के रूप में 'शो ऑफ' करने की जरूरत नहीं थी। बाकी को सुन-देख कर ऐसा लगता था कि मानो उनको इन्हीं दिनों इलहाम हुआ है कि वे भी 'हिंदू' हैं! चर्चा चली तो हमारा ज्ञानवर्धन हुआ कि हिंदू धर्म में न कोई एक पोप है, न कोई एक किताब है, न वह न एक सिस्टम है। तरह-तरह के हिंदू हो सकते हैं। नास्तिक भी हिंदू है, चार्वाक हिंदू थे और हम सब भी हिंदू हैं।

इन नए-नए हिंदुओं को देख कर हमारे कानों में तो संघ के एक विचारक वह मंत्र गूंजता रहा जो कहता है कि 'भज गोविंदम भज गोविंदम भज गोविंदम मूढ़मते!'

कोलकाता के जादवपुर विवि में केंद्रीय मंत्री बाबुल सुप्रियो के विद्यार्थियों द्वारा किए गए तीन घंटे लंबे घेराव के सीधा-प्रसारण से मालूम हुआ कि 'राइट' कह रहा था कि यह 'लेफ्ट' का 'फासिज्म' है। इससे पहले लेफ्ट चिल्लाया करता था कि यह 'राइट' का 'फासिज्म' है!

'फासिज्म' से 'फासिज्म' की लाइव टक्कर में अगर कोई जीतता दिखा तो 'फासिज्म' ही!

epaper.jansatta.com

किताबें मिलीं

इस जिंदगी के उस पार

इस संग्रह में किन्नरों, थर्ड जेंडर और समलैंगिकों की जिंदगी से जुड़ी दिलचस्प कहानियां हैं। कुल ग्यारह कहानियों के इस संकलन की खासियत यह है कि इनमें न सिर्फ किन्नर के दर्द को ही बयान किया गया है, बल्कि हर कहानी किसी न किसी सामाजिक मुद्दे के इर्द-गिर्द घूमती है। पहली कहानी 'मेरे बालम चले गए' सुशीला (किन्नर) और प्रदीप के बीच प्रेम की एक किस्सागोई है जो यह बताती है कि प्रेम के लिए किसी समाज के नियम से कोई फर्क नहीं पड़ता, वह तो मन से मन का मिलन है। 'ट्रांसजेंडर' कहानी यह संदेश देती है कि समाज में आप अन्य लोगों के साथ जैसा व्यवहार करते हैं, प्रकृति पलट कर कभी न कभी ठीक वैसा ही व्यवहार आपके साथ भी करती है। 'तीन रंडिया' एक किन्नर द्वारा पाली गई एक लड़की की कहानी है, जिसे एक वेश्या जन्म देकर उस किन्नर के पास छोड़ कर चली गई थी। 'रामवृक्ष दादा की याद में' एक पोते और दादा के बीच समलैंगिक सबंध की कथा है, वहीं 'बधिया' और 'इस जिंदगी के उस पार' किन्नर के दर्द को प्रकट करती हैं।

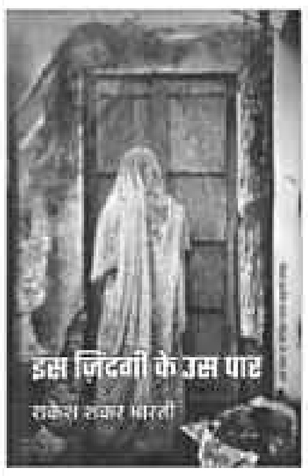

किताब की भाषा बहुत ही सरल है। क्लिष्ट शब्दों के प्रयोग से बचा गया है। शैली रोचक है। हर कहानी पाठक को आखिर तक पढ़ने को बाध्य करती है। सबसे खास बात यह है कि किन्नर समाज पर आधारित होने के बावजूद संग्रह की कोई भी कहानी किसी एक समस्या का दोहराव नहीं करती।

इस जिंदगी के उस पार: राकेश शंकर भारती; अमन प्रकाशन, 104-ए/80 सी, रामबाग, कानपुर; 225 रुपए।

अपने अपने कुरुक्षेत्र

मीनाक्षी नटराजन की ख्याति एक राजनीतिक व सामाजिक कार्यकर्ता के साथ ही इतिहास को नई आंख से देखने वाली दृष्टिसंपन्न इतिहासकार की रही है। उनका यह उपन्यास 'अपने अपने कुरुक्षेत्र' उन्हें एक सिद्धहस्त उपन्यासकार के रूप में भी प्रतिष्ठित करता है। नरेंद्र कोहली और प्रतिभा राय सरीखे उपन्यासकारों से प्रेरणा लेकर ही नहीं, पूर्व व पश्चिम के अनेक महाभारत आधारित ग्रंथों का गंभीर पाठ करने के बाद ही उन्होंने इस उपन्यास के माध्यम से पदार्पण किया है।

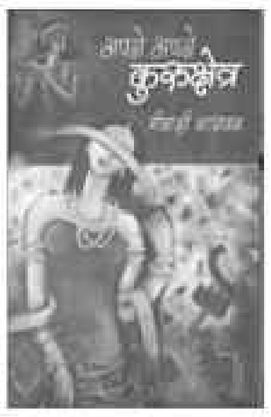

'अपने अपने कुरुक्षेत्र' का यह कुरुक्षेत्र सत्यवती, गांधारी, कुंती, शिखंडी, द्रौपदी के अंतर्प्रकोष्ठों के कुरुक्षेत्र पर ही नहीं है- पितामह के पद पर प्रतिष्ठित गंगापुत्र, ब्रह्मचर्यव्रती भीष्म के हृदय का भी कुरुक्षेत्र है, जहां उनके सिद्धांतों की गर्वोन्नत मीनारों की ईंटों का गारा पिघलने लगता है, जब उनसे राजमाता सत्यवती हस्तिनापुर से अपने प्रस्थान के विषय में बताती है कि शेष जीवन वह ऋषि पाराशर से जन्मे ज्येष्ठ पुत्र कृष्ण द्वैपायन के आश्रम में बिताएगी। तब, जब राजमाता सत्यवती उन्हें अवगत कराती है उन अंतर्सत्यों से, जो उन सत्यों से भिन्न थे और धारणा बने उनके मन में उनके प्रति कुंडली मारे बैठे रहे थे, तो गंगापुत्र अनायास विचलित हो उठते हैं कि राजमाता वैसी नहीं है, जैसा वह उनके विषय में सोचते चले आए थे। समय काल के अनुसार मीनाक्षी का भाषा वैभव विलक्षण है। जिस प्रकार से वह पढ़ने वाले के साथ अपनी घनिष्ठता बढ़ाती हुई उसे अपने लावण्य में बांधती है, 'अपने अपने कुरुक्षेत्र' उनके हाथ से छूट नहीं पाता।

अपने अपने कुरुक्षेत्र: मीनाक्षी नटराजन; सामयिक प्रकाशन, 3320-21, जटवाड़ा, नेताजी सुभाष मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली; 400 रुपए।

जल

'जल' उद्भ्रांत की कुछ चयनित कविताओं का संग्रह है। पूरी पृथ्वी पर जल संकट का जो खतरा मंडरा रहा है और कहा तो यह भी जा रहा है कि अगला विश्व युद्ध अगर हुआ तो उसका कारण यही जल संकट होने वाला है। ऐसे विकट समय में उद्भ्रांत अपनी रचनात्मक जिम्मेदारी को महसूस करते हैं और अपनी कविता में जल और उसके जंवार को व्यक्त करते हैं। इसकी बानगी 'जल' कविता में उद्धृत कुछ पंक्तियों में देखी जा सकती है- 'जीवन का/ सबसे जरूरी तत्त्व/ यही है सत्त्व/ ईश्वर की तरह/ धरे/ रूप अनेक/ भावना-सा तरल/ ...सरल/ जैसे नदी/ ...प्राणिता के निचले स्तर पर/ न ले जाना उसे/ भरेगा क्रोध में/ जिसका शोधन करेगा प्रलय से/ जल उठेगा जीवन/ ...रहेगा कुछ नहीं भू पर/ ...आंख में पानी ही नहीं जहां/ सृष्टि बच पाएगी वहां-/ कैसे?/ और कब तक।'

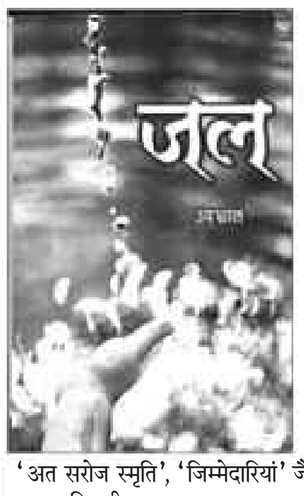

संग्रह में मात्र जल पर ही कविताएं नहीं हैं, बल्कि जल और जीवन के संवेदन सूत्र को 'आनंद', 'खेल', 'आद्यंत', 'तोता', 'सूप', 'अत सरोज स्मृति', 'जिम्मेदारियां' जैसी अनेक कविताओं में देखा जा सकता है।

कवि की रचनात्मकता का एक महत्त्वपूर्ण स्वरूप दार्शनिक अभिव्यक्ति का है, जो 'सेंध', 'नारियल', 'गणित' और 'ईश्वर एक विचार है' आदि कई कविताओं में दिखता है और इस संग्रह को बृहत्तर फलक प्रदान करता है।

जीवन के छोटे-छोटे लेकिन महत्त्वपूर्ण क्षणों, दृश्यों, घटनाओं और परिस्थितियों पर कवि की पैनी नजर है और संवेदना की सतर्क अभिव्यक्ति कविताओं को मानवीयता तथा प्राणिमात्र के प्रति आत्मीय बनाती है।

जल: उद्भ्रांत; यश पब्लिकेशंस, 1/10753, सुभाष पार्क, नवीन शाहदरा, दिल्ली; 140 रुपए।

फागूदास की डायरी

यह अद्भुत डायरी फागूदास नामक बिहार के एक अज्ञात व्यक्ति की है, जिसने 1954 में सारे भारत की यात्रा की। तिब्बत की पैदल यात्रा तीन बार, दो बार नेपाल, हिमाचल व कश्मीर और कई बार उत्तराखंड की यात्रा साधनहीन अंदाज में की गई। इस डायरी से पता चलता है कि फागूदास सब कुछ थे। एक गरीब असहाय बालक, गायक, जेबकतरे, भिखारी, दुकानदार, हुनरमंद, आस्तिक और नास्तिक भी, प्रेमी, संत, दार्शनिक, कवि और ज्योतिष भी। यानी जो भी एक एक इंसान हो सकता है।

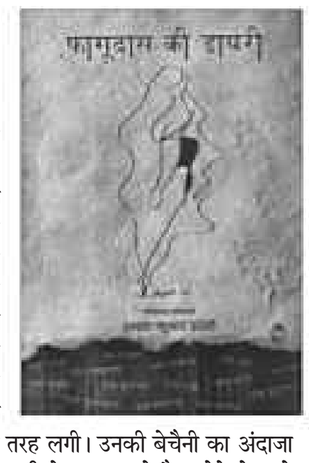

संचयक को यह डायरी उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में फागूदास के मित्र रहे सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य और लोक के जानकार पद्मादत्त जी के पास मिलीं। तब यह बेहद खराब हालत में थी। सधुक्कड़ी भाषा में लिखी इस डायरी के पन्नों पर अक्षर अस्पष्ट थे, कहीं वाक्य गायब, भाषा में काफी अशुद्धियां, लेकिन अपने विषय-वस्तु और उसकी गुणवत्ता के स्तर पर संचयक को यह एक महान यात्रा की तरह लगी। उनकी बेचैनी का अंदाजा इस टिप्पणी से लगाया जा सकता है कि समाज की बेरहम मार से पैदा होने से मरने तक जूझता इंसान, क्या इंसान था, जो अनजाने मर गया!

दरअसल, यह डायरी दिखाती है कि सामाजिक, राजनीतिक व्यवस्थाएं किस तरह से जीने की चाह में हजार मौतें आदमी को झेलने पर मजबूर करती है, हंसने की चाह में आदमी कितना रोता है। बीमार समाज कितनों को जीते-जी नरक दिखा देता है। डायरी में एक संवेदनशील यात्रा से गुजरने के बाद लेखक को लगा कि एक खास तरह लेखन और अनुभव को पाठकों के बीच रखा जाए और इसी के नतीजे में 'फागूदास की डायरी' एक किताब की शक्ल में पाठकों के सामने है।

फागूदास की डायरी: संचयन/संपादन- प्रभात कुमार उप्रेती, समय साक्ष्य, 15 फालतू लाइन, देहरादून; 110 रुपए।

जल-जमीन की फिक्र

हाल ही में संयुक्त राष्ट्र मरुस्थलीकरण रोकथाम सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुनिया भर के देशों से एक ही बार इस्तेमाल में आने वाले प्लास्टिक को अलविदा कहने और 'वैश्विक जल एजेंडा' तैयार करने का आह्वान किया। यह किसी से छिपा नहीं है कि एक ही बार इस्तेमाल में आने वाले प्लास्टिक की वजह से जमीन से लेकर समूचे पर्यावरण के सामने कैसी चुनौती खड़ी हो चुकी है। प्लास्टिक का कचरा दरअसल जमीन को बंजर बना रहा है। दूसरी ओर, यह भी जगजाहिर है कि दुनिया भर में जल संकट किस स्तर तक गहराता जा रहा है। जबकि वर्षा जल का संरक्षण इस गंभीर समस्या से निपटने में काफी सहायक हो सकता है। पर्यावरण और जीवन बचाने से जुड़े इन्हीं मुद्दों पर केंद्रित इस बार की चर्चा। - संपादक.

प्लास्टिक क्रांति का खमियाजा

सुविज्ञा जैन

कुछ दशक पुरानी बात है जब प्लास्टिक क्रांति के कसीदे पढ़े जाते थे। आज वही प्लास्टिक गले पड़ गया है। पूरी दुनिया में मुहिम चलानी पड़ रही है कि प्लास्टिक के इस्तेमाल को काबू में किया जाए। इधर, सस्ते के चक्कर में प्लास्टिक पर इतनी निर्भरता बढ़ गई है कि आज प्लास्टिक विरोधी खेमा पूरी तरह से प्लास्टिक का विरोध तक नहीं कर पा रहा है। भारी संकट को देखते हुए अभी सिर्फ एक बार इस्तेमाल होने वाली प्लास्टिक चीजों (सिंगल यूज प्लास्टिक) का विरोध ही शुरू हुआ है। यानी प्लास्टिक से बनी वे चीजें जो एक बार इस्तेमाल के बाद फेंक दी जाती हैं। मसलन, पॉलिथीन की थैलियां या सस्ती बरसाती पन्नीयां, एक बार उपयोग के बाद फेंक दिए जाने वाले चम्मच-गिलास आदि। बहरहाल, अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं ने इस चिंता पर अपनी मुहर लगा दी है। इसलिए अब प्लास्टिक के विरोध को लेकर कोई विवाद नहीं बचा। बड़ा सवाल तो यह है कि एक बारगी इस्तेमाल वाले प्लास्टिक का इस्तेमाल बंद या कम करवाएं तो कैसे?

दुनियाभर में 'सिंगल यूज प्लास्टिक' के इस्तेमाल पर कानूनी पाबंदी का तरीका अपना कर देखा जा चुका है। भारत में पिछले एक दशक में कई राज्यों में पॉलिथीन की थैलियों पर पाबंदी का ऐलान होता रहा। लेकिन इस सरकारी तरीके के अमल में नाकामी भी जगजाहिर है। कोई कह सकता है कि अब तक उतनी कड़ाई नहीं बरती गई। कोई यह भी कह सकता है कि इस मुहिम में जनता का सहयोग नहीं मिला। सवाल उठना चाहिए कि ज्यादा कड़ाई क्यों नहीं बरती गई और जनता का सहयोग क्यों नहीं मिला?

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक देश के अइठारह राज्यों में प्लास्टिक थैलियों पर पाबंदी है। जबकि पांच राज्यों के धार्मिक और ऐतिहासिक स्थलों पर प्लास्टिक की चीजों के इस्तेमाल पर रोक है। पिछले एक दशक में परचून की दुकानों, फल-सब्जी वालों पर कुछ-कुछ दिनों का डंडा चला भी है। लेकिन कुछ ही दिनों बाद फिर पन्नी चलने लगती है। बीच-बीच में अदालती कोशिशों से और कभी राजनीतिक पहल पर रह-रह कर पाबंदी लगती जरूर है, लेकिन फिर वही ढर्रा शुरू हो जाता है। आज जब फिर से इस मुहिम को जोर पकड़वाया जा रहा है तो क्या यह नहीं सोचा जाना चाहिए कि सिंगल यूज प्लास्टिक से छुटकारे के लिए कानूनी तरीके और जागरूकता के अलावा और क्या-क्या उपाय हो सकते हैं।

दरअसल समस्याओं के समाधान ढूंढ़ते समय उसके कारणों को सबसे पहले जानना पड़ता है। क्या यह सबसे बड़ा कारण नहीं कि प्लास्टिक सस्ती चीज है। शुरुआत में इसके जो गुण गाए गए थे, उनमें कहा गया था यह वजन में हल्की चीज है, मुड़ने-तुड़ने में आसान है, वाटर प्रूफ है। लेकिन इसे प्रचारित करने का सबसे बड़ा कारण इसका सस्ता होना था। गौर किया जाना चाहिए कि सिंथेटिक रासायनिक पदार्थ होने के कारण रसायनशास्त्रियों ने इसके भारी मात्रा में बनाने के तरीके जल्दी खोज निकाले। पूरी दुनिया में आज कुल जितना प्लास्टिक है, उसका आधा पिछले पंद्रह साल में ही उत्पादित हुआ। अनुमान है कि प्लास्टिक का वैश्विक उत्पादन 2050 तक दुगना हो जाएगा।

बरतने के लिहाज से प्लास्टिक टिकाऊ चीज है। लेकिन यह इतना भयानक टिकाऊ है कि सदियों तक गलता-घुलता नहीं है यानी खत्म नहीं होता। प्लास्टिक रसायनों से तैयार ऐसा पदार्थ है जो प्रदूषणकारी भी है और गंभीर रोगों को जन्म दे रहा है। इसलिए पृथ्वी पर प्लास्टिक की बढ़ती मौजूदगी और इसकी भारी मात्रा की मौजूदगी डरा रही है।

प्लास्टिक ने कांच, लकड़ी, कागज, पकी मिट्टी के बर्तन, कपड़े के झोले, जूट की बोरियां और धातु के डिब्बे जैसे पारंपरिक उत्पादों को लगभग बेदखल कर दिया है। ऊपर से घरेलू इस्तेमाल की मशीनों और कंप्यूटर युग की शुरुआत ने तो इसके इस्तेमाल की सारी हदें पार कर दीं। प्लास्टिक में दूसरे रसायन मिला कर इसे और ज्यादा मजबूत बनाने की खोजें हुईं। यह इतना मजबूत बनने लगा है कि आज के कई प्लास्टिक तो सैकड़ों साल तक नष्ट नहीं होंगे। इसकी यही मजबूती आज और ज्यादा गले पड़ गई है।

चर्चा

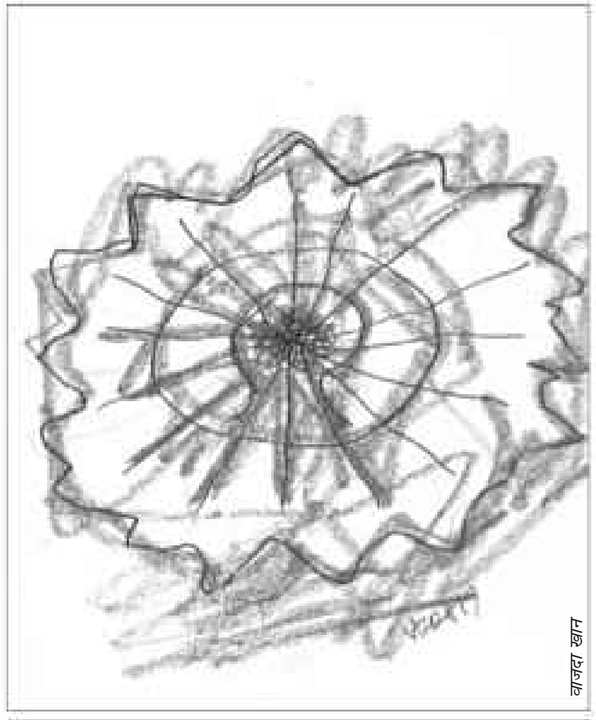
वाजदा खान

बरतने के लिहाज से प्लास्टिक टिकाऊ चीज है। लेकिन यह इतना भयानक टिकाऊ है कि सदियों तक गलता-घुलता नहीं है यानी खत्म नहीं होता। प्लास्टिक रसायनों से तैयार ऐसा पदार्थ है जो प्रदूषणकारी भी है और गंभीर रोगों को जन्म दे रहा है। इसलिए पृथ्वी पर प्लास्टिक की बढ़ती मौजूदगी और इसकी भारी मात्रा की मौजूदगी डरा रही है।

प्लास्टिक के एक भौतिक रसायनिक गुण ने तो बड़ी आफत कर दी है। इस पदार्थ का अणु इस किस्म का है कि इसकी चाहे जितनी पतली झिल्ली या पन्नी बन सकती है। इसलिए बहुत ही कम वजन की यानी सस्ती पॉलिथीन की थैलियां बनने लगीं। बाजार को सस्ते बारदाने यानी सस्ती बोरियां, झोले, बरसाती वगैरह मिलने शुरू हुए तो उसके बाद कुछ और सोचने की जरूरत ही नहीं पड़ी। आज जब इसके खिलाफ मुहिम चलाने की जरूरत आ पड़ी है तो प्लास्टिक का सस्ता होना ही सबसे बड़ी बाधा बन कर सामने खड़ा है। इसलिए जब तक प्लास्टिक का कोई ऐसा विकल्प तैयार नहीं होता जो सस्ता हो तब तक प्लास्टिक से छुटकारा पाने में भारी अड़चन है। बाजार और ग्राहक दोनों ही इसे अपने लिए ज्यादा फायदेमंद मानते हैं। इसलिए उन्हें मुहिम में शामिल करने में दिक्कत तो आएगी ही। अब ये और बात है कि कानूनी डंडा जोर से मारा जाए।

लोग यह भी पूछते हैं कि दुकानदारों और ग्राहकों को कानूनी तौर पर धमकाने की बजाय प्लास्टिक उत्पादों के उत्पादन पर ही पाबंदी क्यों नहीं लग सकती। यह सुझाव सुनने में अच्छा लग सकता है, लेकिन लागू करने की सोचेंगे तो यह उपाय बाजार और यहां तक कि देशों की अर्थव्यवस्थाओं को भी हिला सकता है। अभी तो सही सही पता तक नहीं है कि अपने देश में इसकी वास्तविक खपत कितनी है और प्लास्टिक पर हमारी निर्भरता किस पैमाने की है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक देश में प्रतिदिन छब्बीस हजार टन प्लास्टिक कचरा निकलता है। इसमें से सिर्फ बीस फीसद ही रिसाइकिल हो पाता है। बाकी बचे प्लास्टिक में उनतालीस फीसद प्लास्टिक को जमीन में दबा कर नष्ट करने का मुगालता पाला जा रहा है। उससे भी भयानक अनुमानित आंकड़ा यह है कि पंद्रह फीसद प्लास्टिक कचरा जलाया भी जाता है। हमें इस हकीकत से मुंह नहीं मोड़ना चाहिए कि कचरे को जलाने पर पाबंदी के बावजूद इसे रोकने का कोई कारगर इंतजाम हो नहीं पा रहा है।

भारत विशालकाय देश है। इसमें असंख्य गली-कूचे हैं। हर जगह निगरानी किसी भी सरकार के बस की बात नहीं है। नगर पालिकाओं और नगर निगमों को कूड़ा फेंकने की जगह कम पड़ने लगी है। ऐसे में यह अनुमान लगाना मुश्किल नहीं है कि कूड़े से छुटकारा पाने के लिए नजर छुपा कर आग लगा दी जाती हो या खुद ब खुद लग जाती हो। वैसे कूड़े के ढ़ेरों में आग लगने की ढेरों दुर्घटनाएं देखने, सुनने, पढ़ने में तो आती ही हैं, लेकिन इस बात पर कोई विवाद नहीं है कि कचरे में ज्यादातर हिस्सा आजकल प्लास्टिक का ही होता है और उसका जलना पर्यावरण के लिए सबसे ज्यादा घातक है।

आखिर में सवाल यही है कि प्लास्टिक कचरे का निस्तारण कैसे हो? अब तक जितने उपाय सुझाए गए हैं, उनमें अपने लिए व्यावहारिक और निरापद उपाय एक ही दिख रहा है कि प्लास्टिक कचरे को पुनर्चक्रण करके फिर से काम का बना लिया जाए। लेकिन मुश्किल यह है कि प्लास्टिक का पुनर्चक्रण भी जब तक आर्थिक रूप से लाभकारी न हो तब तक वह करेगा कौन? जाहिर है, प्लास्टिक का सस्ता होना ही दुख दे रहा है। जब और कुछ न सूझ रहा हो तब तक इसके महंगे किए जाने के उपाय क्यों नहीं सोचे जा सकते?

वर्षा जल की जगह

दीपक कुमार त्यागी

जल जीवन के लिए अमृत है और इसके बिना पृथ्वी पर जीवन की कल्पना करना संभव नहीं है। आज समय की मांग है कि हम सभी को वर्तमान और भावी पीढ़ियों के लिए जल संरक्षण और उसके उचित प्रबंधन पर तेजी से कार्य करना होगा। आज देश में प्राकृतिक स्वच्छ जल स्रोतों का अस्तित्व तेजी से सिमटता जा रहा है और देश में अंधाधुंध भूजल दोहन के चलते अब यह स्थिति हो गई है कि नदियों की गोद में आबाद क्षेत्रों में भी स्वच्छ पेयजल की किल्लत होने लगी है। यों हमारे देश में भविष्य में भीषण पेयजल संकट और लातूर जैसे हालत पैदा न हों, इसके लिए केंद्र और राज्य सरकारों के स्तरों पर देश में विभिन्न जल परियोजनाएं शुरू की हैं। लेकिन अभी ये प्रयास नाकाफी हैं।

हालात पर नजर डालें तो पिछले लगभग सौ वर्ष के दौरान विश्व में जल संचयन और प्रबंधन के मामले में लोगों की आदत में दो बड़े बदलाव समय के साथ हुए हैं। पहला, आम लोगों और समुदायों ने अब जल संचयन और उसके उचित प्रबंधन से अपने हाथ खींच लिए है और सरकार को यह जिम्मेदारी सौंप दी गई है। जबकि पहले आम लोग पानी का संचयन और इंतजाम खुद करते थे। यह चलन विश्व भर में अब पूरी तरह समाप्त हो गया है। दूसरे, वर्षा जल के इस्तेमाल और इकट्ठा करने के आसान तरीकों में अब काफी कमी आई है, जबकि अब बांधों के माध्यम से नदियों, नल और नलकूपों के माध्यम से भूजल का बहुत तेजी के साथ रोजमर्रा के इस्तेमाल के लिए दोहन किया जाने लगा और इन्हें ही सभी लोगों को जल प्रदान करने का मुख्य स्रोत बना दिया गया। आकड़ों के अनुसार नदियों और जलाशयों का जल वर्षा के जल का एक छोटा-सा हिस्सा भर है। जबकि उन पर सभी को पानी पिलाने का दबाव दिनोंदिन बढ़ता जा रहा है, जो भविष्य के लिए ठीक नहीं हैं। लेकिन हम अव्यवस्थित विकास की आंधी दौड़ में लगातार प्राकृतिक संतुलन को अपने ही हाथों से बिगाड़ते जा रहे हैं।

भारत में हालत यह है कि देश में तेजी से बढ़ती जनसंख्या के चलते पानी की मांग बहुत तेजी से बढ़ रही है। बढ़ती मांग के चलते भारत में भी पानी का संकट हर वर्ष नई चुनौतियां पैदा कर रहा है, जिस पर अगर तत्काल ध्यान नहीं दिया गया तो स्थिति बेहद भयावह और विस्फोटक हो सकती है। आकड़ों पर नजर डालें तो भारत में विश्व की अठारह फीसद से अधिक आबादी है, लेकिन विश्व का केवल चार प्रतिशत नवीकरणीय जल संसाधन और विश्व के भूक्षेत्र का 2.4 प्रतिशत भूक्षेत्र उपलब्ध है। आज यहां लगभग पचपन प्रतिशत कुएं पूरी तरह सूख चुके हैं। पिछले दस वर्षों में भूजल स्तर में बहुत तेजी से कमी दर्ज की गई है, जलाशय सूख रहे हैं और नदियों में पानी के बहाव में दिनोंदिन कमी आ रही है। यह स्थिति तब है, जब देश में प्रतिवर्ष 1170 मिमी औसतन वर्षा होती है, जो विश्व के बहुत सारे देशों से बहुत अधिक है और पश्चिम अमेरिका से छह गुना अधिक है।

भारत के शहरी क्षेत्रों की दशा यह है कि अधिकतर लोगों को पीने का साफ पानी मुहैया करना सरकार के सामने एक बड़ी चुनौती है। वहां बढ़ते जल प्रदूषण के चलते ग्रामीण क्षेत्रों में भी सत्तर फीसद लोग प्रदूषित जल पीने के लिए विवश हैं। लगभग तैंतीस करोड़ लोग देश में ऐसी जगह रहने को मजबूर हैं जहां हर साल सूखा पड़ता है। देश में होने वाली कुल वर्षा के पांच प्रतिशत जल का भी अगर संचयन कर लिया जाए तो करोड़ों लोगों, कृषि और उद्योगों की साल भर की पानी की आवश्यकता को पूरा किया जा सकता है। जल संचयन और उसके प्रबंधन के लिए आज हमें इजराइल जैसे छोटे देश से सीखना होगा, जहां वर्षा का औसत बहुत कम है, वहां भी सरकार और आम जनता के जागरूक होने और उन्नत तकनीक के इस्तेमाल के चलते लोगों का जीवन सुचारू रूप से चल रहा है। तो अंतरिक्ष तक अपनी तकनीक का डंका बजवाने वाला भारत यह काम क्यों नहीं कर सकता!

धीरज जैन

विश्व भर में जल की कमी एक बड़ा संकट बनती जा रही है। इसका सबसे बड़ा कारण भूजल के स्तर का लगातार नीचे जाना भी है। इसके लिए बारिश के समय जो वर्षा जल बह कर सागर में मिल जाता है, उसका संचयन करके और उचित प्रबंधन करके भूजल का पुनर्भरण किया जाना बहुत आवश्यक है।

वर्षा जल संचयन की आवश्यकता इसलिए है कि आज भारत ही नहीं, बल्कि विश्व भर में जल की कमी एक बड़ा संकट बनती जा रही है। इसका सबसे बड़ा कारण भूजल के स्तर का लगातार नीचे जाना भी है। इसके लिए बारिश के समय जो वर्षा जल बह कर सागर में मिल जाता है, उसका संचयन करके और उचित प्रबंधन करके भूजल का पुनर्भरण किया जाना बहुत आवश्यक है, ताकि भविष्य के लिए भूजल संसाधनों का संवर्धन हो पाए। आज अकेले भारत में ही व्यवहार्य भूजल भंडारण का आकलन 214 बिलियन घनमीटर (बीसीएम) के रूप में किया गया है, जिसमें से 160 बीसीएम की फिर से प्राप्ति हो सकती है। इस जल संकट की ज्वंलत समस्या का एकमात्र समाधान है जल संचयन और उसका उचित प्रबंधन। पशुओं के पीने के पानी की उपलब्धता, फसलों की सिंचाई के विकल्प के रूप में वर्षा जल संचयन प्रणाली को विश्वव्यापी तौर पर अपनाया जाता रहा है। यह उन सभी स्थानों के लिए उचित है, जहां प्रतिवर्ष न्यूनतम 200 मिमी वर्षा होती हो, जिसके संचयन के लिए भारत में अपार संभावनाएं हैं।

हम वर्षा जल का संचयन ज्यादा से ज्यादा अलग-अलग जगहों में इकट्ठा करके कर सकते हैं, जैसे बांधों, कुओं और तालाबों आदि में। अलग-अलग जगहों में पानी का संचयन करने के कारण जमीन पर बह कर व्यर्थ जाने वाले वर्षा जल की मात्रा में कमी आती है, जिससे बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदा को रोकने में और भूजल को रिचार्ज करने में स्वाभाविक रूप से मदद मिलती है। देश के औद्योगिक संस्थानों में संचयन किए हुए वर्षा जल का उपयोग कंपनी में करके हम भविष्य के लिए स्वच्छ भूजल की बचत कर सकते हैं।

गांवों में वर्षा जल संचयन के द्वारा ज्यादा से ज्यादा पानी एकत्र किया जा सकता है, जिससे सिंचाई करके किसान अपने काफी खर्च को बचा सकते हैं। इसकी मदद से साथ ही ज्यादा बोरवेल वाले क्षेत्रों में भूजल के स्तर को गिरने से रोका जा सकता है। सबसे अधिक जल कृषि क्षेत्र में ही इस्तेमाल होता है। वर्षा जल संचयन किसानों के लिए सबसे कारगर साबित हो सकता है, क्योंकि वर्षा के पानी को बचा कर ज्यादातर किसान गरमी के महीने में बहुत ही आसानी से पानी की किल्लत को दूर कर सकते हैं।

आज दुनिया आधुनिक टेक्नोलॉजी से जुड़ चुकी है। ऐसे में लोगों के बढ़ती जनसंख्या के कारण आज विश्व के हर एक क्षेत्र मे बड़ी-बड़ी इमारतों का निर्माण हो रहा है। यह बात तो साधारण है कि इन इमारतों के निर्माण के लिए सबसे ज्यादा पानी का उपयोग हो रहा है। ऐसे में वर्षा जल संचयन के माध्यम से बचाए हुए पानी को इन इमारतों के निर्माण में लगा कर कई प्रतिशत स्वच्छ पानी को बचा सकते हैं। पूरे वर्ष लोग आसपास की जमीन पर कचरा फेंकते हैं और बड़ी-बड़ी फैक्ट्रियां अपने कारखानों से निकली हुई जहरीली या रासायनिक पानी को पास के क्षेत्रों में निकाल देते हैं। लेकिन मुश्किल तब आती है जब बारिश का महीना आता है, क्योंकि बारिश होने पर वही रासायनिक पदार्थ और कचरा जमीन पर बहते हुए पानी से मिलता है और लोगों के खेतों, तालाबों और कुओं में जाकर गिरता है। ऐसे में ज्यादा से ज्यादा वर्षा के पानी को जमीन पर न बहने देकर उसे किसी अन्य स्थान पर इकट्ठा करके हम उपयोग में ला सकते हैं और अपने आसपास के जल स्रोतों को भी इन जहरीले रासायनिक तत्त्वों से दूर रख सकते हैं। हमें समझना होगा कि आज वर्षा जल के संचयन, उचित प्रबंधन और उसका ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल करके भविष्य के लिए स्वच्छ जल के स्रोतों और भूजल को बचा सकते हैं।

epaper.jansatta.com

सेवानिवृत्त जज पर बहू को पीटने का आरोप

पेज 1 का बाकी

कि वह 2012 में न्यायाधीश के पुत्र वशिष्ट के साथ विवाह के बाद से ही दहेज के लिए प्रताड़ना झेल रही है। उसने पति द्वारा तलाक मांगे जाने के बाद सीसीटीवी फुटेज जारी किया है।

शर्मा ने कहा, 'आपने उसे (वीडियो) देखा है, वीडियो और बाकी चीजें.... स्पष्ट दिख रहा है कि वे (ससुराल के लोग और पति) कैसे मुझे पीट रहे हैं। मैंने इतना लंबा इंतजार सिर्फ इसलिए किया क्योंकि मैं आशा कर रही थी कि मेरे पति लौटेंगे, मेरे लिए न सही लेकिन हमारे बच्चों के लिए'। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि महिला ने पुलिस को इसकी सूचना दी है। उनसे सीसीटीवी फुटेज साझा करने को कहा गया है। उन्होंने कहा, 'उन्होंने हमें पहले भी बताया था कि उनके पास वीडियो साक्ष्य है... अगर वह मिलता है तो वह अतिरिक्त साक्ष्य होगा। हमने उनसे इसे पुलिस के साथ साझा करने का अनुरोध किया है, लेकिन उन्होंने अभी तक ऐसा नहीं किया है।'

सिंधू की शिकायत पर हैदराबाद पुलिस के 'सेंट्रल क्राइम स्टेशन' ने राव, उनकी पत्नी और बेटे के खिलाफ अप्रैल में घरेलू हिंसा का मामला दर्ज किया। वशिष्ट के भाई ने कहा कि वे बीमार होने के कारण प्रतिक्रिया देने में असमर्थ हैं। इससे पहले हाई कोर्ट ने शर्मा को उनके बच्चों की देखरेख का अधिकार सौंपा। उससे पहले दोनों बच्चे राव और उनकी पत्नी के साथ रह रहे थे।

पुलिस का कहना है कि इस मामले में उन्होंने कुछ गवाहों से पूछताछ की है और न्यायाधीश के बेटे और पत्नी सहित कई लोगों को नोटिस जारी किया है। पुलिस ने न्यायाधीश राव के मकान की तलाशी लेने के लिए अदालत में अर्जी देकर वारंट जारी करने का अनुरोध किया है।

पुंछ, राजौरी में पाक ने फिर की गोलाबारी

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 21 सितंबर।

पाकिस्तानी सैनिकों ने जम्मू-कश्मीर के पुंछ और राजौरी जिलों में नियंत्रण रेखा के पास अग्रिम चौकियों और गांवों का निशाना बनाते हुए संघर्षविराम का उल्लंघन किया, जिसमें कम से कम 16 मवेशियों की मौत हो गई। रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता के मुताबिक, सीमा पार से हुई भीषण गोलाबारी के कारण पुंछ जिले में आधा दर्जन सरकारी स्कूलों में कक्षाएं रोकनी पड़ीं। कई मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं। हालांकि किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है।

प्रवक्ता ने बताया कि पाकिस्तान ने राजौरी के नौशेरा सेक्टर, मेंढर के बालाकोट इलाके और पुंछ जिले के शाहपुर और केरन सेक्टर में बिना किसी उकसावे के संघर्ष विराम का उल्लंघन किया, जिसका भारतीय सेना ने मुंह तोड़ जवाब दिया। इससे पहले पाकिस्तानी सैनिकों ने शुक्रवार रात आठ बजे से 10 बजे के बीच नौशेरा में, जबकि रात करीब पौने बारह बजे से देर रात दो बजे के बीच बालाकोट में छोटे हथियारों से गोलीबारी की और गोले दागे। शनिवार सुबह करीब पौने दस बजे पाकिस्तान की ओर से एक बार फिर पुंछ जिले में शाहपुर और केरनी सेक्टर में संघर्ष विराम का उल्लंघन किया गया। अंतिम सूचना मिलने तक दोनों ओर से गोलीबारी जारी थी। पुंछ के उपायुक्त राहुल यादव ने बताया कि बालाकोट इलाके में रातभर हुई पाकिस्तानी गोलाबारी में 16 मवेशी मारे गए हैं।

जैश आतंकियों के गुर्गे गिरफ्तार

नई दिल्ली, 21 सितंबर। दक्षिणी कश्मीर के पुलवामा जिले में पुलिस ने छापेमारी की और आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के आतंकवादियों के लिए काम करने वाले इसके दो सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया। कठुआ में गिरफ्तार किए गए तीन आतंकवादियों से पूछताछ के बाद हासिल की गई जानकारियों के बाद ये गिरफ्तारियां हुई हैं।

अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तार किए गए जैश-ए-मोहम्मद के सदस्यों में संबंधित ट्रक का मालिक भी शामिल है। पिछले गुरुवार को पंजाब से कश्मीर आ रहे इस ट्रक में आतंकी सवार थे और इसमें एके-श्रेणी के कई राइफल मिले थे। गिरफ्तार किए गए आतंकियों के सहयोगियों में ट्रक मालिक सुहेल अहमद लाटू और बशीर अहमद लोन शामिल हैं। दोनों को रिमांड पर भेज दिया गया है। (जनसत्ता ब्यूरो)

आजाद ने श्रीनगर में कई जगहों का दौरा किया

श्रीनगर, 21 सितंबर (भाषा)।

संविधान के अनुच्छेद 370 के तहत मिले विशेष दर्जे को खत्म किए जाने के बाद घाटी की स्थिति के आकलन के लिए शनिवार को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गुलाम नबी आजाद ने यहां लालदेद अस्पताल का दौरा किया और मरीजों से बात की। राज्यसभा में विपक्ष के नेता जम्मू कश्मीर के विशेष दर्जे को समाप्त किए जाने के बाद पहली बार श्रीनगर पहुंचे थे। अधिकारियों के मुताबिक अपनी चार दिवसीय यात्रा के दूसरे दिन आजाद शनिवार दोपहर अस्पताल गए और मरीजों से उनका हाल-चाल जाना। कांग्रेस नेता यहां पर्यटक स्वागत केंद्र भी गए और कश्मीर हाउसबोट ऑनर्स एसोसिएशन के सदस्यों के साथ बातचीत की।

867 करोड़ की धोखाधड़ी में कंपनी का सीएमडी गिरफ्तार

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 21 सितंबर।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शनिवार को कहा कि उसने करोड़ों रुपए की कथित बैंक धोखाधड़ी से जुड़े धनशोधन के एक मामले में अहमदाबाद की एक कंपनी के मुख्य प्रबंध निदेशक को गिरफ्तार किया है। ईडी के मुताबिक, उसने अपनी कंपनियों के माध्यम से बैंकों से बतौर कर्ज 867.43 करोड़ रुपए अर्जित किए और उस धन का धनशोधन कर विदेश भेजा।

ईडी के मुताबिक, साई इंफोसिस्टम (आई) लिमिटेड के मुख्य प्रबंध निदेशक सुनील सुरेंद्रकुमार कक्कड़ को धनशोधन रोकथाम अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया गया है। उससे पहले उसे लाईबेरिया में इंटरनेशनल पुलिस एजंसी ने पकड़ा था। वह दुबई होते हुए लाईबेरिया भाग गया था, लेकिन इंटरपोल की मदद से उसे भारत वापस लाया गया। ईडी के अधिकारियों के मुताबिक, कक्कड़ अपने परिवार को पहले ही अमेरिका के शिकागो पहुंचा चुका है।

ईडी का आरोप है कि कई बार समन जारी किए जाने के बाद भी वह जांच में शामिल नहीं रहा था। कक्कड़ ने अमदाबाद की अपनी कंपनियों- साई इंफोसिस्टम (आई) लिमिटेड, आत्रियम इंफोकॉम प्राइवेट लिमिटेड और क्लिक टेलीकॉम प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से अवैध रूप से 867.43 करोड़ रुपए अर्जित किए और उसने उस पैसे का धनशोधन भी किया। कक्कड़ के खिलाफ बैंक कर्ज धोखाधड़ी के मामले में सीबीआइ द्वारा 2015 में दर्ज की गई प्राथमिकी पर गौर करने के बाद पिछले साल उसके खिलाफ धनशोधन का आपराधिक मामला दर्ज किया था। ईडी ने कहा है कि जांच से पता चला है कि 1992 में कक्कड़ ने एक साझेदारी कंपनी बनाई और फिर उसने तीन पब्लिक लिमिटेड कंपनियां बनाईं व धोखाधड़ी से बैंक से कर्जा लिया।

सहजीवन वाली महिलाओं से ज्यादा खुश हैं विवाहिताएं

नई दिल्ली, 21 सितंबर (भाषा)।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत संगठन से जुड़ी एक संस्था द्वारा किया गया सर्वेक्षण मंगलवार को जारी करेंगे जिसमें दावा किया गया है कि विवाहित महिलाएं सहजीवन (लिव-इन-रिलेशनशिप) में रहने वाली महिलाओं के मुकाबले ज्यादा खुश हैं।आरएसएस के सूत्रों ने बताया कि यह सर्वेक्षण पुणे की संस्था 'दृष्टि अध्ययन प्रबोधन केंद्र' ने की है। सर्वेक्षण के निष्कर्ष पर राजस्थान के पुष्कर में इसी महीने आयोजित आरएसएस की अखिल भारतीय समन्वय बैठक में भी चर्चा हुई थी।

मंगलवार को सर्वे जारी करेंगे मोहन भागवत

उन्होंने बताया कि सर्वेक्षण के मुताबिक विवाहित महिलाओं में खुशी का स्तर बहुत ज्यादा है, जबकि सहजीवन में रहने वाली महिलाओं में खुशी का स्तर सबसे कम है। इस सर्वेक्षण का निष्कर्ष मंगलवार को विदेशी मीडिया के साथ भागवत की बातचीत के बाद जारी किया जाएगा। आरएसएस के प्रचार प्रभारी अरुण कुमार ने शनिवार को जारी आधिकारिक बयान में कहा कि विदेशी मीडिया के साथ भागवत की बातचीत नियमित कार्यक्रम है। उन्होंने कहा कि यह मुलाकात जीवन के विभिन्न क्षेत्रों से ताल्लुक रखने वालों के साथ बातचीत की आरएसएस की सतत प्रक्रिया का हिस्सा है।

चार हाई कोर्ट में कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश नियुक्त

नई दिल्ली, 21 सितंबर (भाषा)।

चार हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीशों को सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीश नियुक्त किए जाने के बाद इन न्यायालयों में कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीशों की नियुक्ति की गई है। विधि मंत्रालय ने यह जानकारी दी।

न्यायमूर्ति राजीव शर्मा, न्यायमूर्ति मोहम्मद रफीक, न्यायमूर्ति सी वी के अब्दुल रहीम और न्यायमूर्ति धरम चंद चौधरी को क्रमशः पंजाब व हरियाणा, राजस्थान, केरल और हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट का कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया है। गौरतलब है कि दो दिन पहले न्यायमूर्ति कृष्णा मुरारी, न्यायमूर्ति एस आर भट, न्यायमूर्ति ऋषिकेश रॉय और न्यायमूर्ति वी रामासुब्रमण्यम को सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीश नियुक्त किया गया था।

चिन्मयानंद मामले में विधि छात्रा पर भी मामला दर्ज

शाहजहांपुर (उप्र), 21 सितंबर (भाषा)।

पूर्व केंद्रीय गृह राज्यमंत्री स्वामी चिन्मयानंद की गिरफ्तारी के बीच विशेष जांच दल (एसआइटी) ने भाजपा नेता पर बलात्कार का आरोप लगाने वाली विधि छात्रा और उसके तीन मित्रों पर रंगदारी के प्रकरण में मामला दर्ज किया है।

एसआइटी सूत्रों ने बताया कि चिन्मयानंद पर गंभीर आरोप मढ़ने वाली लड़की पर भी रंगदारी, आपराधिक धमकी व साक्ष्य गायब करने के आरोपों में मामला दर्ज किया गया है। चिन्मयानंद के वकील के मुताबिक चिन्मयानंद की जमानत अर्जी शनिवार अदालत में नहीं दी जा सकी, क्योंकि स्थानीय वकील हड़ताल पर थे। ये वकील शाहजहांपुर को इलाहाबाद हाई कोर्ट के लखनऊ पीठ से संबद्ध करने की मांग कर रहे हैं। एसआइटी सूत्रों ने बताया कि शुक्रवार को संजय सिंह, सचिन सेंगर और विक्रम उर्फ दुर्गेश के साथ जिस अनाम व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था, वह दरअसल खुद विधि की छात्रा ही है।

सूत्रों ने बताया कि एसआइटी ने तीन युवकों को गिरफ्तार किया था। एसआइटी ने इसी मामले में संदिग्ध के रूप में एक अनाम महिला का जिक्र किया था, लेकिन सुप्रीम कोर्ट के दिशानिर्देशों के अनुरूप उसके नाम का खुलासा नहीं किया गया था। एसआइटी प्रमुख नवीन अरोड़ा ने बताया कि संजय, सचिन और विक्रम ने रंगदारी मामले में अपने शामिल होने की बात स्वीकारी है। रंगदारी मामले में नाम शामिल होने के बाद युवती ने कहा कि मेरा रंगदारी मामले से कोई लेनादेना नहीं है। मुझे लगता है कि बलात्कार के आरोप को हल्का करने के लिए ये सब नाटक किया जा रहा है।

अरोड़ा ने बताया कि एक जनवरी, 2019 से लड़की ने संजय से लगभग 4200 बार बात की। उसने चिन्मयानंद से लगभग दो सौ बार बात की। लड़की और संजय के बीच मैसेज के आदान प्रदान की भी पड़ताल की गई है। उन्होंने बताया कि विवेचना अभी जारी है। हमारे पास 90 दिन का समय है। हम कोई साक्ष्य छोड़ना नहीं चाहते हैं। नियमित विवेचना जारी रहेगी। चिन्मयानंद के वकील ओम सिंह ने बताया कि स्थानीय वकीलों की हड़ताल के कारण जमानत की अर्जी अदालत में शनिवार को नहीं लगाई जा सकी।

जिला कारागार अधीक्षक राकेश कुमार ने बताया कि चिन्मयानंद को कोई विशिष्ट सुविधा नहीं दी गई है। उन्होंने आम कैदी की तरह पहली रात बैरक में गुजारी। कुमार ने बताया कि चिन्मयानंद ने शुक्रवार को दोपहर और रात का भोजन किया और रात लगभग साढ़े दस बजे सोने चले गए।

शिवकुमार की जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 21 सितंबर।

धनशोधन के मामले में कांग्रेस नेता डीके शिवकुमार की जमानत याचिका पर अदालत 25 सितंबर को फैसला देगी। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद विशेष जज अजय कुमार कुहर ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया।

इससे पहले प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने जमानत याचिका का विरोध करते हुए शनिवार को कहा कि डीके शिवकुमार गवाहों को प्रभावित कर सकते हैं। प्रवर्तन निदेशालय की ओर से पेश हुए अतिरिक्त महान्यायवादी केएम नटराज ने विशेष जज के सामने आई जमानत याचिका का विरोध किया। उन्होंने कहा कि शिवकुमार सिर्फ टैक्स चुकाकर अपनी दागी संपति को बेदाग नहीं साबित कर सकते।

वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी और मुकुल रोहतगी शिवकुमार की तरफ से उपस्थित हुए। उन्होंने नटराजन की दलीलों का विरोध किया और कहा कि शिवकुमार निर्दोष हैं। ईडी उन्हें जेल में रखने के लिए व्याकुल है। ईडी ने कहा- समाज में शिवकुमार की जितनी गहरी पैठ है, इस मामले में उससे अधिक गहरी साजिश है। साक्ष्यों के साथ छेड़छाड़ की आशंका है। वे एक प्रभावशाली और शक्तिशाली व्यक्ति होने के चलते जांच को नुकसान पहुंचा सकते हैं। जांच एजंसी ने कहा कि उनकी कृषि भूमि के अलावा कई गैर-कृषि भूमि और प्रॉपर्टी भी हैं, जिनकी जांच महत्त्वपूर्ण चरण में है।

मैं दोबारा मुख्यमंत्री बनूंगा : फडणवीस

पेज 1 का बाकी

खारिज कर दिया कि भाजपा 162 जबकि शिवसेना 126 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। उद्धव ठाकरे ने एक दिन पहले कहा था कि दोनों दल गठबंधन कर चुनाव लड़ेंगे और सीटों का बंटवारा अगले कुछ दिनों में होगा। फडणवीस ने एक कार्यक्रम में कहा, 'मैं कह रहा हूं कि इसमें कोई अनिश्चितता नहीं है कि हम शिवसेना के साथ मिलकर चुनाव लड़ेंगे। सीटों के बंटवारे पर बातचीत जारी है, खबरों पर भरोसा मत करिए।'

शिवसेना की बराबर सीटों पर चुनाव लड़ने की मांग के बारे में मुख्यमंत्री ने कहा कि सीटों के बंटवारे के बारे में विस्तृत जानकारी औपचारिक रूप से संवाददाता सम्मेलन में दी जाएगी। शिवसेना के मुखपत्र 'सामना' में सरकार की आलोचनाओं के बारे में फडणवीस ने कहा, 'मैं सामना नहीं पढ़ता हूं।'

हरियाणा और महाराष्ट्र में 21 अक्तूबर को होंगे चुनाव

पेज का बाकी

विधानसभा में सीटों के बड़े हिस्से पर चुनाव लड़ना चाह रही है, जबकि शिवसेना चाहती है कि पहले से तय फॉर्मूले के मुताबिक दोनों दल समान सीटों पर चुनाव लड़ें। दोनों दलों के बीच 2014 के चुनावों के दौरान भी सहमति नहीं बन पाई थी और तब दोनों ने अलग-अलग चुनाव लड़ा था।

न्यायमूर्ति कुरैशी को अब त्रिपुरा का मुख्य न्यायाधीश बनाने की सिफारिश

पेज 1 का बाकी

कोर्ट का मुख्य न्यायाधीश बनाने की सिफारिश की थी। शीर्ष अदालत की आधिकारिक वेबसाइट पर शुक्रवार देर शाम अपलोड किए गए कॉलिजियम के प्रस्ताव में कहा गया कि त्रिपुरा हाई कोर्ट के लिए न्यायमूर्ति कुरैशी के नाम की सिफारिश में संशोधन करने का फैसला पांच सितंबर को हुई कॉलिजियम की बैठक में लिया गया।इससे पहले शीर्ष अदालत ने न्यायमूर्ति कुरैशी को मध्य प्रदेश हाई कोर्ट का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किए जाने की सिफारिश की थी लेकिन केंद्र ने उस पर कुछ आपत्तियां जताई थी। बाद में गुजरात हाई कोर्ट अधिवक्ता संघ (जीएचसीएए) ने एक याचिका दाखिल कर दावा किया था कि न्यायमूर्ति कुरैशी का नाम केंद्र द्वारा अधिसूचित नहीं किया गया जबकि कॉलिजियम ने 10 मई को ही उनके नाम की सिफारिश की थी।

शीर्ष अदालत ने 16 सितंबर को सुनवाई के दौरान कहा कि कॉलिजियम ने न्यायमूर्ति कुरैशी की पदोन्नति पर फैसला ले लिया है और इसे जल्द ही अपलोड कर दिया जाएगा।

हालिया प्रस्ताव में कहा गया है, 'ये कॉलिजियम 10 मई, 2019 की बैठक के कार्य विवरणों के जरिए श्रीमान न्यायमूर्ति एए कुरैशी, गुजरात हाई कोर्ट के वरिष्ठतम न्यायाधीश को मध्य प्रदेश हाई कोर्ट का न्यायाधीश नियुक्त करने की सिफारिश करती है।'

इसमें कहा गया, 'सरकार को भेजी गई उक्त सिफारिश को सहायक सामग्री के साथ ही दो पत्रों दिनांक 23 अगस्त, 2019 और 27 अगस्त, 2019 के जरिए प्रधान न्यायाधीश को वापस भेजा गया। न्याय विभाग की ओर से प्राप्त इन पत्रों और सामग्री को इस कॉलिजियम के समक्ष रखा गया। इसमें कहा गया कि उक्त पत्रों और प्राप्त सामग्री पर फिर से विचार करने पर कॉलिजियम अपनी पूर्व की सिफारिश में संशोधन करता है और न्यायमूर्ति एए कुरैशी को त्रिपुरा हाई कोर्ट का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किए जाने की सिफारिश करता है।

पटाखा कारखाने में विस्फोट, महिला सहित छह की मौत

पेज 1 का बाकी

गया। इस घटना में दर्जनभर लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। उन्होंने बताया कि घायलों में से कुछ की हालत बहुत ही नाजुक है और इसलिए मरने वालों की संख्या में इजाफा हो सकता है।

हादसा शनिवार को करीब सुबह 11 बजे हुआ। मिरहची कस्बा के तकिया मोहल्ला निवासी लालराम दलित की पत्नी मुन्नी देवी और पड़ोसी गिरराज के नाम आतिशबाजी का लाइसेंस है। इनका अपने ही घर में पटाखों का कारखाना था।

दिवाली को देखते हुए भारी मात्रा में पटाखे बनाने का काम चल रहा था। इसी बीच वहां आग लग गई और कारखाने के परखच्चे उड़ गए। हादसा कैसे हुआ इसकी वजह साफ नहीं हो पाई है। धमाका इतना जबर्दस्त था कि कई किलोमीटर तक उसकी आवाज सुनाई दी।

शिवसेना-भाजपा का दावा, 220 से ज्यादा सीटें जीतेंगे

पेज 1 का बाकी

'युति' (गठबंधन) पटाखे छोड़ेगा। हमारी तैयारी पूरी है।'

भाजपा के वरिष्ठ नेता विनोद तावड़े ने कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में भाजपा के नेतृत्व वाला गठबंधन एक बार फिर विजेता बनकर उभरेगा। स्कूली शिक्षा मंत्री ने कहा कि हम अगले एक महीने में यह सुनिश्चित करेंगे कि कांग्रेस और राकांपा गठबंधन के 15 सालों के पूर्ववर्ती शासन के मुकाबले हमारे पिछले पांच सालों के काम का रिपोर्ट कार्ड लोगों तक पहुंचे।

यह पूछे जाने पर कि क्या शिवसेना और भाजपा के बीच सीटों के बंटवारे की घोषणा रविवार को केंद्रीय मंत्री और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह द्वारा यहां के दौरे के दौरान की जाएगी, पाटील ने कहा, 'मुझे इस बारे में जानकारी नहीं है'। उन्होंने कहा कि भाजपा फडणवीस के नेतृत्व में चुनाव लड़ेगी और ठाकरे तथा फडणवीस के बीच गठबंधन को लेकर बातचीत जारी है। इस संबंध में घोषणा जल्द ही होगी।

बताते चलें कि सीटों के बंटवारे के फॉर्मूले को लेकर तरह-तरह की अटकलें लग रही हैं। शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने शुक्रवार को कहा कि 'फॉर्मूला' लोकसभा चुनाव के दौरान तय हुआ था, जहां दोनों दलों के बीच चुनावपूर्व गठबंधन था। भाजपा ने 2014 के विधानसभा चुनाव में 288 सीटों में से सबसे ज्यादा 122 पर जीत हासिल की थी। शिवसेना के खाते में 63 सीटें गई थीं। यह चुनाव दोनों दलों ने अलग-अलग लड़ा था।

केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने शनिवार को कहा कि महाराष्ट्र में भाजपा, शिवसेना और कई छोटे दलों का सत्तारूढ़ गठबंधन 21 अक्तूबर को होने वाले विधानसभा चुनावों में 240 से 250 सीटों पर जीत हासिल करेगा। अठावले की रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (ए) केंद्र और राज्य में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की घटक है।

भाजपा सरकार किसानों को बोलने नहीं देती : प्रियंका

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 21 सितंबर।

अपनी मांगों को लेकर दिल्ली पहुंच रहे किसानों को राष्ट्रीय राजधानी के बाहर रोके जाने को लेकर कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने शनिवार को आरोप लगाते हुए कहा कि किसानों की भलाई का प्रचार करने वाली भाजपा सरकार अन्नदाताओं को बोलने नहीं देती है। उन्होंने ट्वीट कर यह सवाल भी किया कि क्या कारण है कि किसानों को दिल्ली आकर अपनी मांग उठाने से रोक दिया जाता है?

भाजपा सरकार अपने प्रचार में तो किसानों की भलाई बताती फिरती है? प्रियंका ने पूछा कि जब उप्र का किसान कहता है कि उन्हें गन्ने का बकाया चाहिए, कर्जमाफी और बिजली के दाम में कटौती चाहिए तो उन्हें बोलने क्यों नहीं दिया जाता?

मद्रास हाई कोर्ट की मुख्य न्यायाधीश का इस्तीफा मंजूर

पेज 1 का बाकी

पुनर्विचार करने के उनके अनुरोध को खारिज कर दिया था जिसके बाद न्यायाधीश ने इस्तीफा दे दिया। एक अन्य अधिसूचना में बताया गया है कि न्यायमूर्ति वी कोठारी को मद्रास हाई कोर्ट का कार्यवाहक न्यायाधीश नियुक्त किया गया है। न्यायमूर्ति ताहिलरमाणी का मद्रास हाई कोर्ट से मेघालय हाई कोर्ट में तबादले को लेकर चेन्नई सहित उनके गृह राज्य महाराष्ट्र के वकीलों ने सुप्रीम कोर्ट के कॉलिजियम के फैसले का विरोध किया। इसके बाद 12 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि विभिन्न उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों एवं न्यायाधीशों के तबादले की प्रत्येक सिफारिश 'ठोस वजहों' पर आधारित होती है।

न्यायमूर्ति ताहिलरमाणी का नाम लिए बगैर ही सुप्रीम कोर्ट के सेक्रेटरी जनरल संजीव एस कलगांवकर के कार्यालय की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि न्यायाधीशों के तबादले के कारणों का खुलासा संस्थान हित में नहीं किया जाता लेकिन शीर्ष अदालत का कॉलिजियम, ऐसी परिस्थितियों में जहां यह जरूरी हो जाएगा, इसका खुलासा करने से नहीं हिचकिचाएगा।

यह बयान मीडिया में चल रही खबरों और न्यायमूर्ति ताहिलरमाणी के तबादले पर लगाई जा रही अटकलों की पृष्ठभूमि में जारी किया गया था। दरअसल न्यायमूर्ति ताहिलरमाणी ने कॉलिजियम द्वारा उनके तबादले के फैसले पर पुनर्विचार करने का अनुरोध खारिज किए जाने के बाद अपना इस्तीफा राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को भेज दिया था। इसकी एक प्रति प्रधान न्यायाधीश रंजन गोगोई को भी भेजी गई थी। उनके तबादले को लेकर मद्रास हाई कोर्ट और बंबई हाई कोर्ट के वकीलों ने बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किए हैं।

सेक्रेटरी जनरल की ओर से जारी बयान में कहा गया था, 'उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीशों/न्यायाधीशों के तबादले के संबंध में कॉलिजियम द्वारा हाल में की गई सिफारिशों से जुड़ी कुछ खबरें मीडिया में आई हैं।' बयान में कहा गया, 'निर्देशानुसार, यह स्पष्ट किया जाता है कि तबादले की प्रत्येक सिफारिश ठोस कारणों पर आधारित होती है जो न्याय के बेहतर प्रशासन के हित में जरूरी प्रक्रिया का अनुपालन करने के बाद की जाती है।' बयान में कहा गया है, 'भले ही तबादले के कारणों का खुलासा संस्थान के हित में नहीं किया जाता हो, लेकिन अगर जरूरी लगा, तो कॉलिजियम को इसको सार्वजनिक करने में कोई संकोच नहीं होगा।' बयान के अनुसार प्रत्येक सिफारिश 'पूर्ण विचार-विमर्श' के बाद की जाती है और इस मामले में कॉलिजियम ने सर्वसम्मति जताई।

प्रधान न्यायाधीश गोगोई की अध्यक्षता वाले कॉलिजियम ने न्यायमूर्ति ताहिलरमाणी का तबादला मेघालय हाई कोर्ट में करने की सिफारिश की थी। उन्हें पिछले साल आठ अगस्त को मद्रास हाई कोर्ट का मुख्य न्यायाधीश बनाया गया था। कॉलिजियम ने 28 अगस्त को उनके तबादले की सिफारिश की थी जिसके बाद उन्होंने एक प्रतिवेदन देकर प्रस्ताव पर पुनर्विचार करने का अनुरोध किया था।

उन्होंने मेघालय हाई कोर्ट में उनका तबादला किए जाने के खिलाफ अनुरोध पर विचार नहीं करने के कॉलिजियम के फैसले का विरोध किया था। शीर्ष अदालत कॉलिजियम ने सिफारिश की थी कि मेघालय हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति एके मित्तल को मद्रास हाई कोर्ट स्थानांतरित किया जाए। कॉलिजियम में न्यायमूर्ति एसए बोबडे, न्यायमूर्ति एनवी रमण, न्यायमूर्ति अरुण मिश्रा और न्यायमूर्ति आरएफ नरीमन भी शामिल हैं। न्यायमूर्ति ताहिलरमाणी को 26 जून, 2001 को बंबई हाई कोर्ट का न्यायाधीश नियुक्त किया गया था। वह दो अक्तूबर, 2020 में सेवानिवृत्त होने वाली थीं।

'नमो' के स्वागत के लिए ह्यूस्टन तैयार

पेज 1 का बाकी

को एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि समारोह से क्या उम्मीद करनी चाहिए और क्यों ह्यूस्टन को इस भव्य समारोह के लिए चुना गया। डावरा ने कहा, 'यह समारोह अमेरिका और भारत की संस्कृति तथा एकता का भव्य जश्न है, जहां मौजूद लोग मोदी से अमेरिका में 30 लाख से अधिक भारतीय-अमेरिकियों की मौजूदगी से मजबूत हुए अमेरिका-भारत के संबंधों और वह दूसरी बार सत्ता में आने के बाद सतत विकास के अपने दृष्टिकोण को रेखांकित करेंगे।

उन्होंने कहा, 'इतिहास में पहली बार विश्व के दो बड़े लोकतांत्रिक देशों के नेता मजबूत साझेदारी को विकसित करने के अपने संकल्प को पूरा करने के लिए ऐसे समारोह में एक साथ शिरकत करेंगे।'

एनआरजी स्टेडियम के सभी दरवाजे सुबह छह बजे खोल दिए जाएंगे और सुबह नौ बजे तक 50 हजार लोगों को अपने स्थान पर बैठना होगा। इसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम शुरू किया जाएगा जो सुबह साढ़े 10 बजे तक चलेगा। इसका प्रसारण हिंदी, अंग्रेजी और स्पेनिश भाषा में किया जाएगा। इसके बाद दोनों नेता सभा को संबोधित करेंगे। समारोह साढ़े 12 बजे तक चलेगा।

बीस साल बाद एक और आरोपी गिरफ्तार

पेज 1 का बाकी

किया। 22 जनवरी, 1999 को क्योंझर जिले के मनोहरपुर गांव में स्टेंस और उनके दो बेटे फिलिप (10) और टिमोथी (7) गिरजाघर के बाहर अपनी गाड़ी में सो रहे थे। उसी दौरान नाइक सहित अन्य लोगों ने कथित रूप से गाड़ी में आग लगा दी। घटना में तीनों की जलने से मौत हो गई। एसडीपीओ ने बताया कि घटना के बाद से ही नाइक फरार था। सीबीआइ ने मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर उसे गिरफ्तार किया। मामले के मुख्य आरोपी दारा सिंह को सीबीआइ अदालत ने 2003 में तिहरे हत्याकांड का दोषी करार देते हुए मौत की सजा सुनाई। ओड़ीशा हाई कोर्ट ने मौत की सजा को 2005 में उम्रकैद में बदल दिया और 2011 में सुप्रीम कोर्ट ने इस फैसले को बरकरार रखा।

64 विधानसभा सीटों पर भी उपचुनावों का एलान

पेज 1 का बाकी

प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना, मध्य प्रदेश, मेघालय, ओड़ीशा और पुडुचेरी की एक-एक सीट पर उपचुनाव होगा। असम की चार, बिहार की पांच, गुजरात की चार, हिमाचल प्रदेश की दो, केरल की पांच, पंजाब की चार, राजस्थान एवं तमिलनाडु की दो-दो और सिक्किम की तीन सीटों पर भी उपचुनाव होंगे।

उपचुनावों के लिए 23 सितंबर को अधिसूचना जारी होगी और उसी दिन नामांकन प्रक्रिया भी शुरू होगी। एक सवाल पर अरोड़ा ने कहा कि सतारा लोकसभा सीट पर उपचुनाव 21 अक्तूबर को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के साथ नहीं होगा। सतारा से राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के सांसद उदयनराजे भोंसले इस्तीफा देकर भाजपा में शामिल हुए हैं।

इसके अलावा पश्चिम बंगाल में भी उपचुनाव नहीं होंगे, क्योंकि राज्य सरकार ने दुर्गा पूजा के मद्देनजर इसे टालने की मांग की थी। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में पंचायत चुनाव की प्रकिया चल रही है और राज्य प्रशासन उसमें व्यस्त है इसिलए यहां भी उप चुनाव नहीं कराए जा रहे हैं। कुछ अन्य सीटों पर भी उपचुनाव नहीं कराए जा रहे हैं क्योंकि उच्च न्यायालयों में मामला विचाराधीन है।

वित्त आयोग का जीएसटी परिषद को एक या दो दरें रखने का सुझाव

पणजी, 21 सितंबर (भाषा)।

15वें वित्त आयोग ने माल व सेवाकर (जीएसटी) परिषद को जीएसटी के तहत एक या ज्यादा से ज्यादा दो दरें रखने पर विचार करने का सुझाव दिया है। आयोग ने बढ़ती राजस्व जरूरतों को पूरा करने के लिए कर दर बढ़ाने पर भी जोर दिया है। सूत्रों ने यह जानकारी दी है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में यहां शुक्रवार को हुई जीएसटी परिषद की बैठक में वित्त आयोग के चेयरमैन एनके सिंह ने परिषद को जीएसटी के तहत चार से अधिक दरें रखने के बजाय एक या ज्यादा से ज्यादा दो दरें रखने पर विचार करने का सुझाव दिया। आयोग ने कहा कि परिषद को 12 और 18 फीसद की दर को मिलाकर एक दर पर सहमति बनानी चाहिए। यह कदम वैश्विक मानकों के अनुरूप होगा। साथ ही जीएसटी के तहत दी जा रही विभिन्न छूट व रियायतों को भी खत्म किया जाना चाहिए।

वित्त आयोग ने पेट्रोलियम उत्पादों, अल्कोहल और इलेक्ट्रिसिटी को भी जितना जल्दी हो सके, उतनी जल्दी जीएसटी के दायरे में लाने का सुझाव दिया है और इसके लिए राज्यों के बीच सहमति बनाने पर जोर दिया है। बैठक के दौरान जीएसटी परिषद ने जीएसटी करदाताओं के पंजीकरण के साथ आधार को जोड़ने का सैद्धांतिक रूप से फैसला किया। परिषद ने रिफंड का दावा करते हुए आधार संख्या के उल्लेख को अनिवार्य बनाने की संभावना पर भी विचार किया। परिषद ने जून में जारी उस परिपत्र को भी वापस लेने का फैसला किया है जिसमें कहा गया था कि एक कंपनी द्वारा किसी डीलर को दी गई अतिरिक्त छूट पर भी जीएसटी लगेगा।

बैठक के बाद जारी सरकारी बयान के अनुसार परिषद ने फर्जी रसीदों और धोखाधड़ी से रिफंड लेने के मामलों से निपटने के लिए जोखिम वाले करदाताओं द्वारा क्रेडिट का लाभ उठाने पर कुछ हद तक प्रतिबंध लगाने का भी फैसला किया है। परिषद ने रोजगार सृजन करने वाले एमएसएमई क्षेत्र को राहत देने का भी फैसला किया है। इसके तहत रोजगार सृजित करने वाली एमएसएमई इकाइयों को 2017-18 और 2018-19 के लिए वार्षिक जीएसटी कंपोजिशन रिटर्न भरने से राहत दी गई है। जीएसटी परिषद ने एक अन्य महत्त्वपूर्ण फैसला लेते हुए कहा कि जीएसटी रिटर्न की नई व्यवस्था को अब अप्रैल 2020 से लागू किया जाएगा।

परिषद ने फैसला किया कि वार्षिक रिटर्न भरने के लिए फार्म को सरल बनाने के लिए अधिकारियों की एक समिति बनाई जाएगी। करदाताओं द्वारा की गई आपूर्ति की जानकारी समय पर उपलब्ध कराने पर जोर देने के लिए परिषद ने माल प्राप्त करने वाले कारोबारी के लिए इनपुट टैक्स क्रेडिट लेने पर प्रतिबंध लगाने का भी फैसला किया है।

'वाहन उद्योग को मांग बढ़ाने के लिए खुद करने होंगे प्रयास'

नई दिल्ली, 21 सितंबर (भाषा)।

वाहन निर्माताओं के संगठन सियाम ने शनिवार को कहा कि जीएसटी परिषद की ओर से वाहनों पर कर में कटौती से इनकार करने के बाद अब मांग को बढ़ावा देने के लिए उद्योग को अपने स्तर पर ही प्रयास करने होंगे।

सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के अध्यक्ष राजन वढेरा ने एक बयान में कहा कि वाहन उद्योग जीएसटी में कटौती को लेकर काफी आशान्वित था। लेकिन वाहनों पर जीएसटी को 28 से घटाकर 18 फीसद नहीं किया गया है। अब वाहन उद्योग को मांग बढ़ाने के लिए अपने स्तर पर ही विकल्प ढूंढ़ने होंगे।

जीएसटी परिषद ने शुक्रवार को गोवा में हुई बैठक में वाहनों पर जीएसटी दर में कटौती नहीं की है। वाहन उद्योग बिक्री में तेजी के लिए जीएसटी की मौजूदा 28 फीसद की दर को घटाकर 18 फीसद करने की मांग कर रहा था।

कंपनी कर घटाने का अमेरिकी उद्योग जगत ने किया स्वागत

वाशिंगटन, 21 सितंबर (भाषा)।

अमेरिका के उद्योग जगत ने भारत में कंपनी कर में करीब 10 फीसद कटौती की सराहना की है। अमेरिकी उद्योग जगत का कहना है कि यह आर्थिक नरमी को पलट देगा और वैश्विक कंपनियों को भारत में विनिर्माण का केंद्र शुरू करने में मदद करेगा।

भारत सरकार ने शुक्रवार को कॉरपोरेट कर की प्रभावी दर में करीब 10 फीसद की कटौती करने की घोषणा की। मौजूदा कंपनियों के लिए यह दर अब 25.17 फीसद और नई विनिर्माण कंपनियों के लिए 17.01 फीसद पर आ गई है। सरकार ने देश की आर्थिक वृद्धि दर को छह साल के निचले स्तर से उबारने और निवेश व रोजगार सृजन को बढ़ावा देने के लिए ये राहतें दी हैं।

अमेरिका-भारत रणनीतिक व भागीदारी फोरम के अध्यक्ष मुकेश अघी ने कहा कि कॉरपोरेट कर दरें कम करने की हमारी पुरानी मांग पर सुनवाई करने के लिए हम सरकार की सराहना करते हैं। यह कदम भारतीय कंपनियों को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाएगा और भारत को विनिर्माण का बड़ा केंद्र बनाने का विकल्प उपलब्ध कराएगा। उन्होंने कहा कि आर्थिक नरमी को पलटने के लिए उठाया गया यह कदम स्वागत योग्य है। अघी ने कहा कि न्यूनतम वैकल्पिक कर कम करने, शेयरों की पुनर्खरीद पर कर खत्म करने और एफपीआइ पूंजीगत लाभ पर बढ़ा हुआ अधिभार कर खत्म करने के फैसलों से अमेरिका समेत वैश्विक निवेशकों का भारतीय बाजार में

विदेशी मुद्रा भंडार 64.9 करोड़ डॉलर घटा

मुंबई, 21 सितंबर (भाषा)।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 14 सितंबर को समाप्त सप्ताह में 64.9 करोड़ डालर बढ़कर 429.96 अरब डालर हो गया। विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां बढ़ने से सकल विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि हुई। रिजर्व बैंक के शुक्रवार को जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। इससे पिछले सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार एक अरब डालर बढ़कर 429.608 अरब डालर हो गया था।

देश का सकल विदेशी मुद्रा भंडार अगस्त में 430.572 अरब डालर के अब तक के सर्वोच्च स्तर को छू चुका है। समीक्षाधीन अवधि के दौरान स्वर्ण आरक्षित भंडार 24.9 करोड़ डालर घटकर 27.103 अरब डालर रह गया। आंकड़ों के मुताबिक अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास विशेष आहरण अधिकार इस दौरान 20 लाख डॉलर घटकर 1.432 अरब डालर रह गया।

आन्धा बैंक — कब्जा सूचना

(भारत सरकार का उपक्रम)

प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली के नियम 8 (1) (अचल सम्पत्ति हेतु)

वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण व पुनर्निर्माण एवं प्रतिभूति हित का प्रवर्तन (द्वितीय) अधिनियम 2002 (अधिनियम 54 सन 2002) के अन्तर्गत अधोहस्ताक्षरी ने आन्ध्रा बैंक के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 के नियम 3 के साथ पठित अनुबंध 13 (12) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए निम्न उधारकर्ता को एक मांग नोटिस जारी किया था तथा उसे उक्त नोटिस की प्राप्ति से (60) दिन के भीतर बैंक को भुगतान करने को कहा था। ऋणी द्वारा बैंक को उक्त राशि अदा करने में असफल रहने पर, निर्देशक ऋणी तथा सामान्यतः जनता को नोटिस दिया जाता है कि अधिनियम 8 के साथ पठित धारा 13(4) के अन्तर्गत दिये गये अधिकार का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी ने निर्दिष्ट की गई निम्नलिखित सम्पत्ति को कब्जे में ले लिया है। सम्बंधित व्यक्तियों को, विशेषतः तथा सामान्यतः जनसाधारण को, सावधान किया जाता है कि वे निम्नांकित सम्पत्ति के सम्बंध में कोई लेन-देन न करें। उक्त सम्पत्ति के विषय में कोई लेन-देन उधारकर्ता से देय राशि तथा उस पर ब्याज हेतु आन्ध्रा बैंक के भार के अधीन होगा। सुरक्षित परिसंपत्तियों को छुड़ाने के लिए उपलब्ध समय के अन्तर्गत, अधिनियम की धारा 13 (8) के प्रावधानों के लिए उधारकर्ताओं का ध्यान आकर्षित किया जाता है।

शाखा/ऋणधारी का नाम	बंधक सम्पत्ति/सम्पत्तियों का विवरण	मांग नोटिस की तिथि एवं बकाया राशि	कब्जा होने की तिथि
1) अलीगढ़ शाखा- श्रीमती रीना श्रीवास्तव पत्नी श्री बंटी श्रीवास्तव 2. श्री बंटी श्रीवास्तव पुत्र श्री सुरेश चंद्र श्रीवास्तव	भूमि और भवन- ग्राउंड फ्लोर आवासीय भवन स्वामिनी श्रीमती रीना श्रीवास्तव पत्नी श्री बंटी श्रीवास्तव, स्थित खसरा नंबर 49 गांव निहार परौली, परगना, जाफराबाद, अलीगढ़ यूपी-202001, क्षेत्रफल 52.67 वर्ग मीटर सीमायें- पूर्व- रेखा शर्मा का मकान और अन्य का प्लॉट, पश्चिम-रास्ता 15 फीट चौड़ा, उत्तर-श्याम सुंदर का मकान, दक्षिण-अन्य का प्लॉट	मांग नोटिस की तिथि 01.07.2019 रु0 20,52,434.00 (बीस लाख बावन हजार चार सौ चौंतीस रुपये मात्र) दिनांक 01.07.2019 को	17.09.2019
2. अलीगढ़ शाखा - मैसर्स नावेद अहसान कंस्ट्रक्टर (द्वारा पार्टनर श्री नावेद अहसान पुत्र जावेद अहसान और श्रीमती नाजिया नावेद पत्नी नावेद अहसान गारंटर: श्री नावेद अहसान पुत्र जावेद अहसान, श्रीमती नाजिया नावेद पत्नी नावेद अहसान, श्री मोहम्मद जाकिर अली पुत्र शब्बीर अहमद	ए) भूमि और भवन - आवासीय मकान स्वामित्व श्री नावेद अहसान पुत्र श्री जावेद अहसान, स्थित आवासीय डबल स्टोरी मकान नगर निगम नं. 4/1202 (पुराना 4/565) बड़ी मस्जिद के पास जन्नतपुर, परगना और तहसील कोइल, जिला अलीगढ़ यूपी-202002, क्षेत्रफल 83.61 वर्ग मीटर सीमायें-पूर्व- रास्ता 6 फीट चौड़ा, पश्चिम- रास्ता 16 फीट चौड़ा, उत्तर- सिद्दीक का मकान, दक्षिण-जफसारी का मकान बी) पैर कृषि खाली प्लॉट के भाग और पार्सल खेत नंबर 273/1, क्षेत्रफल 4132.04 वर्ग गज = 3454.80 वर्ग मीटर। स्थित ग्राम रामलपुर कोटा, 10 बी कोएप्स रतौन के पास, बरौली रोड, परगना कोइल, तहसील गभाना, जिला अलीगढ़ उत्तर प्रदेश स्वामित्व श्री नावेद अहसान पुत्र श्री जावेद अहसान के नाम, क्षेत्रफल 3454.80 वर्ग मीटर सीमायें-पूर्व- बरौली रोड, पश्चिम-नीरज शर्मा का खेत, उत्तर- रघुवीर सिंह का खेत, दक्षिण- छोटेलाल का खेत	मांग नोटिस की तिथि 28.06.2019 रु0 79,12,326.75 (उनासी लाख बारह हजार तीन सौ छब्बीस रुपये व पिचहत्तर पैसे मात्र) दिनांक 28.06.2019 को	17.09.2019
3. धनुपुरा शाखा - श्री संजय शर्मा पुत्र स्वर्गीय हेमचंद शर्मा सह-ऋणकर्ता: श्रीमती उषा शर्मा पत्नी संजय शर्मा, सह-ऑब्लिगेंट: श्री हर्षित त्यागी पुत्र राजीव कुमार	भूमि और भवन- आवासीय स्वामिनी श्रीमती उषा शर्मा पत्नी श्री संजय शर्मा (संपत्ति के मालिक), आवासीय भूमि का क्षेत्रफल 106.66 वर्ग मीटर, गाटा संख्या 39, जसवीरपुर परिसम, परगना और जिला मुरादाबाद, यूपी, 244102 सीमायें-पूर्व- रघुवीर सिंह का मकान, पश्चिम-जगदेव की सम्पत्ति, उत्तर- रास्ता 14 फीट चौड़ा, दक्षिण- अन्य व्यक्ति की संपत्ति	मांग नोटिस की तिथि 12.06.2019 रु0 7,09,124.00 (सात लाख नौ हजार एक सौ चौबीस रुपये मात्र) दिनांक 12.06.2019 को	19.09.2019
4. धनुपुरा शाखा - श्री अनुज कुमार शर्मा पुत्र श्याम कुमार शर्मा सह-ऋणकर्ता: श्रीमती ममता शर्मा पत्नी अनुज कुमार शर्मा, सह-ऑब्लिगेंट: श्री प्रशांत माथुर पुत्र नरेश चंद्र माथुर	भूमि और भवन-आवासीय स्वामिनी श्रीमती ममता शर्मा पत्नी श्री अनुज कुमार शर्मा और श्री अनुज शर्मा पुत्र श्री श्याम कुमार शर्मा (संपत्ति के मालिक), आवासीय मकान प्लाट्स प्लॉट नंबर 33 और 37 खसरा नंबर 667 (भूमि का क्षेत्रफल 50.00 वर्गमी.) स्थित मोहल्ला पैक कॉलोनी (शाहपुर टोगरी) वेद नं. 1, जिला मुरादाबाद, यूपी 244102 सीमायें-पूर्व- श्रीमती ममता सिंह का मकान, पश्चिम-श्री मकान गुप्ता का मकान, उत्तर-रास्ता 4.00 मीटर चौड़ा, दक्षिण- श्रीमती देवकी जोशी का मकान	मांग नोटिस की तिथि 12.06.2019 (04.07.2019 को प्रतिस्थापित मांग) रु0 21,64,530.95 (इक्कीस लाख चौंसठ हजार पांच सौ तीस और पिचानवे पैसे) दिनांक 12-06-2019 को	19.09.2019
5. धनुपुरा शाखा - श्री सन्नी पौल पुत्र संजयन पौल सह-ऋणकर्ता: श्रीमती रेखा पत्नी सन्नी पौल, सह-ऑब्लिगेंट: श्रीमती सुनीता सैनी पत्नी पुत्र	भूमि और भवन- आवासीय स्वामिनी श्रीमती रेखा पत्नी श्री सन्नी पौल (संपत्ति का मालिक), आवासीय भूमि क्षेत्रफल 35.00 वर्ग मीटर, मौहल्ला निजाम विहार, राजस्व ग्राम खड़ौली गाटा 248, परगना और जिला मुरादाबाद,यूपी 244102 सीमायें-पूर्व-भटनागर का मकान, पश्चिम-जगदीश चंद्र तिवारी का मकान, उत्तर- रास्ता 3.66 मीटर चौड़ा, दक्षिण- मोहियाल का मकान	मांग नोटिस की तिथि 12.06.2019 रु0 9,34,801.00 (नौ लाख चौंतीस हजार आठ सौ एक रुपये मात्र) दिनांक 12.06.2019 को	19.09.2019

दिनांक-22.09.2019 — मुख्य प्रबन्धक एवं प्राधिकृत अधिकारी, आन्ध्रा बैंक

Syndicate Bank — POSSESSION NOTICE (For Immovable Property) Rule-8(1)

जैसा कि प्रतिभूतिकरण व वित्तीय आस्तियों का पुनर्निर्माण और प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 3 के साथ पढ़ते हुए अनुच्छेद-13 (2) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए सिंडिकेट बैंक के प्राधिकृत अधिकारी ने सम्बन्धित ऋणी के नाम के सामने दर्शाये गये खाते में उनके नाम के सामने दी गई तारीखों पर नोटिस की तारीख/उक्त नोटिस की तारीख से 60 दिनों में बकाया राशि अदा करने के लिए मांग नोटिस जारी किया गया था। ऋणियों/गारन्टरों द्वारा राशि अदा करने में असफल रहने पर ऋणी और जन सामान्य को नोटिस दिया जाता है कि खाते के सामने दी गई तारीख को उक्त नियमों के नियम-8 के साथ पढ़ते हुए उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के अंतर्गत उन्हें प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नीचे दी गई सम्पत्ति का कब्जा नीचे लिखी तिथि को ले लिया गया है। उधारकर्ता(ओं) का ध्यान सुरक्षित परिसंपत्तियों के संबंध में उपलब्ध समय के संबंध में अधिनियम की धारा 13 (8) के प्रावधानों के लिए आमंत्रित किया है। ऋणियों/गारन्टरों को विशेष रूप से एवं जन सामान्य को यह चेतावनी दी जाती है कि वे उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में किसी प्रकार का लेन-देन न करें। इन सम्पत्तियों में किसी प्रकार का लेन-देन सिंडिकेट बैंक, संबंधित शाखाओं को देय राशि एवं उस पर अर्जित ब्याज के भार के पूर्ण भुगतान के अध्यधीन ही किया जा सकता है।

क्र. सं.	शाखा का नाम एवं ऋणी/गारन्टर के नाम	बंधक सम्पत्ति का विवरण एवं सम्पत्ति स्वामी का नाम	मांग नोटिस की तिथि	कब्जा लेने की तिथि	बकाया राशि
1.	ऋणी: कृष्ण कुमार, रविन्द्र कुमार। शाखा: फारूखनगर।	फ्लैट जिसकी माप 102 स्क्वेयर मीटर, खसरा नं0, 890, गांव जिला शहबाजपुर, परगना लोनी, तहसील लोनी और जिला गाजियाबाद मालिक श्री कृष्ण मुरारी। जिसकी सीमाएं- उत्तर में जिला मोड से सिंतोनी 60 फिट चौड़ा रोड, दक्षिण में अंकुश सिंह की सम्पत्ति, पूर्व में कृष्ण पाल का प्लॉट और पश्चिम में देवेन्द्र सिंह का प्लॉट।	09.07.2019	19.09.2019	रु0. 270266.67 + ब्याज एवं अन्य व्यय
2.	ऋणी: श्री सुनील कुमार पुत्र श्री श्यामलाल शर्मा, गली नं0. 3, सुभाष नगर, मोदीनगर, गाजियाबाद – 201204। गारन्टर: श्री आलोक कुमार मिश्रा पुत्र श्री कैलाश नाथ मिश्रा, कैलाश कॉलोनी मोदीनगर, गाजियाबाद – 201204 शाखा: सिकरी कला, गाजियाबाद।	इन्डिपेन्डेन्ट प्रॉपर्टी जिसकी माप 273 स्क्वेयर यार्डस (228.26 स्क्वेयर मीटर) खसरा नं0 1279 का हिस्सा, गांव किठौरी खुर्द, परगना लोनी, तहसील मोदीनगर, जिला गाजियाबाद। मालिक श्री सुनील कुमार शर्मा पुत्र श्री श्याम लाल शर्मा। जिसकी सीमाएं- उत्तर में रास्ता 12 फिट चौड़ा मुआ 20-9 फिट 1/2 इंच, दक्षिण में गनीज और मौरज का प्लॉट मुआ 20-9 फिट 1/2 इंच, पूर्व में मुकेश गर्ग का प्लॉट मुआ 118 फिट 3 इंच और पश्चिम में राकेश देवी का प्लॉट मुआ 118 फिट 3 इंच।	09.07.2019	19.09.2019	रु0. 2217436.33 + ब्याज एवं अन्य व्यय दिनांक 01.07.2019

दिनांक: 19-09-2019 — क्षेत्रीय कार्यालय: गाजियाबाद। — प्राधिकृत अधिकारी

कार्पोरेशन बैंक Corporation Bank

अचल सम्पत्तियों की बिक्री के लिए बिक्री सूचना (ई-नीलामी द्वारा)

वित्तीय सम्पत्तियों के सुरक्षा और पुनर्निर्माण और सुरक्षा ब्याज अधिनियम, 2002 के प्रवर्तन के तहत अचल सम्पत्तियों की बिक्री के लिए ई-नीलामी बिक्री नोटिस सुरक्षा ब्याज (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8(6) के प्रावधान के साथ पढ़ा गया

इस प्रकार आम तौर पर जनता को और विशेष रूप से उधारकर्ता(ओं) और गारंटीकर्ता(ओं) को नोटिस दिया जाता है कि नीचे वर्णित अचल सम्पत्ति सुरक्षित बंधक को बंधक/ चार्ज किया गया है, जिसका वास्तविक कब्जा प्राधिकृत अधिकारी द्वारा लिया गया है कार्पोरेशन बैंक (सुरक्षित लेनदार) के अधिकारी, नीचे बताए गए दिनांक पर 'जैसा है जैसा जो कुछ भी है' पर बेचा जाएगा, जैसा कि कार्पोरेशन बैंक से पाना उल्लिखित बकाया राशि की वसूली के लिए नीचे उल्लिखित उधारकर्ता(ओं) और गारंटीकर्ता(ओं) । रिजर्व प्राइस (न्यूनतम मूल्य) और कम से कम जमा किये जाने वाले अर्नेस्ट मनी डिपॉजिट का भी यहां उल्लेख किया गया है।

क्र. सं. 1 शाहजहांपुर शाखा (1160) A/c No. 510101008279808 IFSC Code CORP0001158	ऋणी एवं जमानतदारों के नाम	बकाया धनराशि
	ऋणी: मैसर्स रोहई ऑटो सेल्स, प्रोपराइटर श्री राज किशोर खन्ना, पता: कोतवाली रोड, लाल पीर, शाहजहांपुर -242001 गारन्टर: श्रीमती संकल्पना देवी पत्नी राजकिशोर खन्ना, पता: ग्राम ग्वाड़ा इदीमपुर, परगना जलालाबाद, तहसील शाहजहांपुर जनरल निवासी मकान नं. 2/बी, रेलवे कॉलोनी, पोस्ट रोजा, शाहजहांपुर -242001	रुपये- 28,28,010/- (रुपये अट्ठाईस लाख अट्ठाईस हजार दस मात्र) ब्याज और अन्य खर्च

सम्पत्ति का विवरण :- सम्पत्ति की सभी भाग और पार्सल गैर कृषि भूमि का भाग गाटा संख्या 520, क्षेत्रफल 0.0200 हेक्टेयर। स्थित ग्राम नवादा इदीमपुर, परगना जलालाबाद, एन.एच 24, तहसील सदर, जिला- शाहजहांपुर स्वामिनी श्रीमती मनोरमा देवी। सीमायें -पूर्व मुआई का खेत पश्चिम, सिंचाई का खेत उत्तर राष्ट्रीय राजमार्ग

ई-ऑक्शन की दिनांक और समय: 10.10.2019, प्रातः 11.00 से दोपहर 02.00 बजे तक

रिजर्व मूल्य: 23,06,000/- (रुपये तेईस लाख छः हजार केवल) जमा की जाने वाली अर्नेस्ट मनी की धनराशि: 2,30,600/- (रुपये दो लाख तीस हजार छः सौ केवल) बिक्री एवं विस्तृत नियम एवं शर्तों के लिये दिये गया लिंक का संदर्भ लें: https://corpbank.com/sites/default/files/corpbank-page-files/tender/sai_auto_sales_4.pdf

क्र.सं.-2 शाहजहांपुर (1160) A/C No. 510101008279808 IFSC CODE: CORP0001158	ऋणी एवं जमानतदारों के नाम	बकाया धनराशि रुपये
	उधारकर्ता : मै0 नवाब एंटरप्राइजेज, जो सर्वोमियर के पास, इमरान कुंजुरी, शाहजहांपुर, उत्तर प्रदेश -242001 साझेदार : 1. श्री नवाब खान पुत्र अशोक कुमार खन्ना 2. श्रीमती शीना खन्ना, इमरू पत्नी अशोक कुमार खन्ना पता : जी सर्वोमियर के पास, इमरान कुंजुरी, शाहजहांपुर, उत्तर प्रदेश -242001 गारंटर : श्रीमती शीना खन्ना अमरू पत्नी अशोक किन्ना पता : जी सर्वोमियर के पास, इमरान कुंजुरी शाहजहांपुर, उत्तर प्रदेश -242001	राशि रु 6,20,000/- (रुपये छः लाख मात्र) ब्याज एवं अन्य लागत खर्च

सम्पत्ति का विवरण :- सम्पत्ति सं. 1 गैर कृषि भूमि का एक हिस्सा है गाटा संख्या 773, क्षेत्र लगभग 125.44 वर्ग मीटर ग्राम इमरान कुंजुरी, जिला- शाहजहांपुर में स्थित खाता के नाम पर स्थित है। उक्त संपत्ति इस प्रकार है पूर्व इमरान अंसार कुरैशी का प्लाट, पश्चिम रास्ता, उत्तर मुहम्मद जाहिद की सम्पत्ति, दक्षिण मुनीर की सम्पत्ति।

ई-नीलामी की तिथि और समय 10.10.2019, प्रातः 11.00 से दोपहर 02.00 बजे तक(10 मिनट असीमित ऑटो एक्सटेंशन के साथ) रिजर्व मूल्य रु 29,24,000/- (रुपये उनतीस लाख चौबीस हजार केवल) धरोहर जमा करने के लिए बयाना रु 2,92,400/- (रुपए दो लाख बानवे हजार चार सौ केवल) ई-नीलामी वेबसाइट-https: //www-corpbank-auctiontiger-net

बिक्री के विस्तृत नियमों और शर्तों के लिए दिए गए लिंक को देखें। https://corpbank.com/sites/default/files/corpbank-page-files/tender/madhav_enterprises_2.pdf

क्र.सं.-3 शाहजहांपुर (1160) A/C No. 510101008279808 IFSC Code: CORP0001158	ऋणी एवं जमानतदारों के नाम	बकाया धनराशि
	उधारकर्ता : मै0 उर्जा कार्टीलाइजेस, प्रो0 सुरेन्द्र प्रकाश शर्मा पता मोहल्ला सैनिक कालोनी, निकट अम्बेडकर निगोही रोड, शाहजहांपुर उ0प्र0-242001 2(अ) कमलेश रानी पत्नी स्व0 श्री केशवचन्द्र शर्मा, पता सैनिक कालोनी, निगोही रोड, अशोक विहार शाहजहांपुर-242001 2(ब) कुलदीप शर्मा पुत्री स्व0 श्री सत्यपाल शर्मा, पता सैनिक कालोनी, निगोही रोड, अशोक विहार शाहजहांपुर-242001 2(स) मनोज शर्मा पुत्र स्व0 श्री सत्यपाल शर्मा, पता सैनिक कालोनी, निगोही रोड, अशोक विहार शाहजहांपुर-242001 2(द) वेद प्रकाश शर्मा पुत्र श्री देवकाश शर्मा, पता न्यायल नं0-126, रामनगर कालोनी शाहजहांपुर-242001	

सम्पत्ति का विवरण :- सम्पत्ति का समस्त भाग विद्यापुरी प्लॉट ऑफ आवासीय कॉलोनी बहर पुरी, तहसील सदर, जिला शाहजहांपुर, जिसका क्षेत्रफल पूरब व पश्चिम में 60 फुट व उत्तर दक्षिण में दोनों तरफ 30 फुट कुल क्षेत्रफल 167.22 वर्गमीटर है। सम्पत्ति की सीमाएं :- पूरब में कच्चा रास्ता, पश्चिम में खाली जमीन, उत्तर में बेचने वाले की जमीन, दक्षिण में बेचने वाले की जमीन। सम्पत्ति की स्वामिनी श्रीमती कमलेश रानी, सुपुत्र प्रकाश शर्मा, राजेश शर्मा तथा सुनील शर्मा है।

ई-नीलामी की तिथि और समय 10.10.2019, प्रातः 11.00 से दोपहर 02.00 बजे तक(10 मिनट असीमित ऑटो एक्सटेंशन के साथ) रिजर्व मूल्य रु 30,76,000/- (रुपए तीस लाख छियत्तर हजार केवल) धरोहर जमा करने के लिए बयाना 3,07,600/- (तीन लाख सात हजार छः सौ केवल) ई-नीलामी वेबसाइट https: //www-corpbank-auctiontiger-net

बिक्री के विस्तृत नियमों और शर्तों के लिए, दिए गए लिंक को देखें। https://corpbank.com/sites/default/files/corpbank-page-files/tender/sharma_fertilizers_1.pdf

क्र.सं.4 बुलन्दशहर शाखा (0792) A/c No. 520101008204808 IFSC : CORP0001792	ऋणी एवं जमानतदारों के नाम	बकाया धनराशि
	ऋणी : (1) अनीशा एलाइजेंस, प्रोपराइटर : श्री फुरकान पता : हनुमान मंदिर के सामने, चौक बाजार, बुलन्दशहर (3203)-203001 (2) श्रीमती साजिदा देवी पत्नी स्व0 श्री महमूदाबाद, पता : 481/2, पीपलवाला मोहल्ला, बुलन्दशहर।	रुपये 20,83,941/- (रुपये बीस लाख तिरासी हजार नौ सौ इकतालीस मात्र) + ब्याज एवं अन्य समस्त खर्च

प्रॉपर्टी नं0 1 : (1) आवासीय भवन, क्षेत्रफल 60 वर्ग मीटर का समस्त भाग, सम्पत्ति का क्षेत्रफल : 167.22 वर्गमीटर। सम्पत्ति की सीमायें : पूर्व-5 फीट चौड़ा रास्ता, पश्चिम-श्री नवीन का मकान, उत्तर-श्री इकबाल का मकान, दक्षिण-श्रीमती कुन्तिदेवी का मकान। (2) आवासीय भवन का समस्त भाग, सम्पत्ति का क्षेत्रफल : 32 वर्ग गज। सम्पत्ति की सीमायें : पूर्व-गांव पीपल चौड़ा रास्ता, पश्चिम-नवीन का तीन भाग व अन्य मकान, उत्तर-गिरधी, दक्षिण-श्री अशोक का मकान। दोनों सम्पत्ति संयोगी रूप से बेची जायेंगी, बाकी शेष, पारस्परिक के लिए बुलन्दशहर में स्थित, कार्यालय : श्रीमती साजिदा देवी पत्नी स्व0 श्री महमूदाबाद। ई-ऑक्शन की दिनांक और समय : 10.10.2019, प्रातः 11.00 से दोपहर 02.00 बजे तक (दस मिनट के असीमित ऑटो एक्सटेंशन के साथ) । रिजर्व मूल्य : 80,22,000/- (रुपये अस्सी लाख बाईस हजार केवल) जमा की जाने वाली अर्नेस्ट मनी की धनराशि : 8,27,200/- (रुपये आठ लाख सत्ताईस हजार दो सौ) । ई-ऑक्शन वेबसाइट : https://www.corpbankauctiontiger.net

बिक्री एवं विस्तृत नियम एवं शर्तों के लिये दिये गये लिंक का संदर्भ लें : https://corpbank.com/sites/default/files/corpbank-page-files/tender/avantika_enterprises__0.pdf

क्र.सं. 5 अलीगढ़ शाखा (0561) A/c No. 520101008204808 IFSC : CORP0000561	ऋणी एवं जमानतदारों के नाम	बकाया धनराशि
	ऋणी : (1) मै0 फैयाज खान ट्रेडर्स, प्रोपराइटर श्री फैयाज खान पता : 39, गोविन्दपुर, निकट इस्लामिया मदरसा, बड़ी मस्जिद, मदरसे वाली गली, सीएमओ गेट, अलीगढ़। (2) श्री फैयाज खान पता : 39, गोविन्दपुर, निकट इस्लामिया मदरसा, बड़ी मस्जिद, मदरसे वाली गली, सीएमओ गेट, अलीगढ़। गारन्टर : (1) श्री अजमल खान पुत्र : गोविन्दपुर, निकट इस्लामिया मदरसा, बड़ी मस्जिद, मदरसे वाली गली, सीएमओ गेट, अलीगढ़। (2) श्री दिलकश खान पुत्र श्री मुन्ना खान पता : गोविन्दपुर, निकट इस्लामिया मदरसा, बड़ी मस्जिद, मदरसे वाली गली, सीएमओ गेट, अलीगढ़।	

सम्पत्ति का विवरण :- सम्पत्ति सं 1 सम्पत्ति का समस्त भाग जिसके अन्तर्गत बन्धक सम्पत्ति एक तिमंजिला मकान है जो कि खसरा नं0 12, गांव गोविन्दपुर, अलीगढ़ (उत्तर प्रदेश) में स्थित है। सम्पत्ति का क्षेत्रफल 420.00 वर्गमीटर है। सम्पत्ति की सीमायें इस प्रकार है:- पूरब दिशा में बीच हाईवे खान, पश्चिम दिशा में रेलवे लाईन, उत्तर दिशा में नाला रोड दक्षिण दिशा में नाला रोड।

ई-ऑक्शन की दिनांक एवं समय : 10.10.2019, प्रातः 11.00 से दोपहर 02.00 बजे तक (10 मिनट के असीमित ऑटो एक्सटेंशन के साथ) रिजर्व मूल्य : रुपये 35,70,000/- मात्र (रुपये पैंतीस लाख सत्तर हजार मात्र) जमा किये जाने वाली अर्नेस्ट मनी की धनराशि : रुपये 3,57,000/- (तीन लाख सत्तावन हजार मात्र) ई-ऑक्शन वेबसाइट : https://www.corpbankauctiontiger.net

बिक्री एवं विस्तृत नियम एवं शर्तों के लिये दिये गये लिंक का संदर्भ लें : https://corpbank.com/sites/default/files/corpbank-page-files/tender/hamadha!_kashmir_apple_company_2.pdf

क्र.सं.6 अलीगढ़ शाखा (0561) A/c No. 520101008204808 IFSC : CORP0000561	ऋणी एवं जमानतदारों के नाम	बकाया धनराशि
	ऋणी : (1) मैसर्स जनता ग्लास आर्ट, प्रोपराइटर जनता आलम पता : 82, परसपुर चौमुहानी, इस्लाम नगर, अलीगढ़ (3202)-243001 (2) जनता आलम पता : 82, परसपुर चौमुहानी, इस्लाम नगर, अलीगढ़ (3202)-243001 गारंटर : जमीर शाह पुत्र छोटे शाह पता : 82-ए, परसपुर चौमुहानी, इस्लाम नगर, अलीगढ़ (3202)-243001	रुपये 5,12,652.00 (रुपये पांच लाख बारह हजार छः सौ बावन मात्र) + ब्याज एवं अन्य समस्त खर्च

सम्पत्ति का विवरण : सम्पत्ति सं.1 सम्पत्ति का समस्त भाग जिसके अन्तर्गत बन्धक सम्पत्ति के चतुरा 40.68, 40 एवं 90, ग्राम परसपुर चौमुहानी के भिन्न भौजदा, अलीगढ़ में स्थित है।

ई-ऑक्शन की दिनांक एवं समय : 10.10.2019, प्रातः 11.00 से दोपहर 02.00 बजे तक (10 मिनट के असीमित ऑटो एक्सटेंशन के साथ) रिजर्व मूल्य : रुपये 10,71,000/- मात्र (रुपये दस लाख इकहत्तर हजार मात्र) जमा किये जाने वाली अर्नेस्ट मनी की धनराशि रुपये 1,07,100/- (रुपये एक लाख सात हजार एक सौ मात्र) ई-ऑक्शन वेबसाइट : https://www.corpbankauctiontiger.net

बिक्री एवं विस्तृत नियम एवं शर्तों के लिये दिये गये लिंक का संदर्भ लें : https://corpbank.com/sites/default/files/corpbank-page-files/tender/jafar_zan_art_2

बेटियों को इंसाफ मिलना चाहिए : उमा भारती

जनसत्ता संवाददाता
देहरादून, 21 सितंबर।

पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष उमा भारती ने कहा कि उत्तराखंड में लोहारी नागपाला जल विद्युत परियोजना को फिर से शुरू नहीं करना चाहिए। क्योंकि इस परियोजना के शुरू होने से गंगा की अविरल धारा पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा और गंगा प्रदूषित होगी। वे शनिवार को देहरादून में कश्मीर से धारा 370 और 35ए हटाए जाने के पक्ष में एक विचार गोष्ठी में भाग लेने आई थीं।

उमा भारती ने कहा कि मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली केंद्र की यूपीए सरकार के समय लोहारी नागपाला जल विद्युत परियोजना भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी के हस्तक्षेप के बाद बंद की गई थी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त को लालकिले पर राष्ट्रध्वज फहराते समय अपने भाषण में एलान किया था कि पूर्ववर्ती सरकारों ने जनहितकारी योजनाएं शुरू की थीं, उन्हें बंद नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यूपीए सरकार ने लोहारी नागपाला परियोजना को बंद करके सही कार्य किया था। प्रधानमंत्री को इस मामले में अपनी घोषणा पर अमल करना चाहिए।

भारती ने कहा कि बड़े-बड़े बांध बनाने वाली जो योजनाएं हैं, वे रोजगार नहीं देती हैं, बल्कि एक ऐसा गिरोह सक्रिय है, जो बंद पड़ी जल विद्युत परियोजनाओं को शुरू करवाने के लिए तिगड़म लगाकर पर्यावरण की स्वीकृति करा लेते हैं। उन्होंने कहा कि इस बात की जांच होनी चाहिए कि यह गिरोह किस तरह से अनुमति लाते हैं।

भाजपा की राह आसान कर सकता है बिखरा विपक्ष

चंडीगढ़, 21 सितंबर (भाषा)।

हरियाणा में पांच साल पहले अपने मत फीसद में आए जबरदस्त उछाल के कारण सत्ता में आई भाजपा को इस बार विपक्ष में बिखराव और कलह का लाभ मिल सकता है लेकिन आर्थिक मंदी व बेरोजगारी जैसे मुद्दे 'मिशन 75 प्लस' के उसके लक्ष्य की राह में बड़ी रुकावटें हैं।

- प्रदेश में भाजपा व कांग्रेस में मुख्य मुकाबला हरियाणा
- मंदी, बेरोजगारी व पानी हो सकते हैं विपक्ष के मुद्दे

राज्य में सत्तारूढ़ भाजपा और विपक्षी कांग्रेस के बीच मुख्य मुकाबला है। इन दोनों दलों के अलावा इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो), जननायक जनता पार्टी, आम आदमी पार्टी और स्वराज इंडिया पार्टी भी चुनाव मैदान में है। चुनाव में विपक्ष द्वारा बेरोजगारी, युवाओं, किसानों, कर्मचारियों और पानी के मुद्दों को उठाए जाने की संभावना है।

सत्तारूढ़ भाजपा सरकार में पारदर्शिता, भ्रष्टाचार को बिल्कुल सहन नहीं करने, योग्यता के आधार पर नौकरी देना, हरियाणा में राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) का कार्यान्वयन और राज्य एवं केंद्र सरकार की उपलब्धियों को चुनावी मुद्दा बना सकती है। चुनाव प्रचार के दौरान अनुच्छेद-370 का मुद्दा भी उठाए जाने की संभावना है। भाजपा 2019 के लोकसभा चुनाव में शानदार प्रदर्शन कर उत्साहित है। पार्टी ने लोकसभा चुनाव में प्रदेश की सभी दस सीटों पर जीत दर्ज की थी।

पूर्व उप प्रधानमंत्री दिवंगत देवीलाल द्वारा गठित इनेलो को पिछले एक साल में कई झटके लगे हैं। चौटाला परिवार में आपसी झगड़े के कारण इसका विभाजन भी हो चुका है। इनेलो के अधिकतर मौजूदा विधायक अथवा प्रमुख नेता पार्टी को अलविदा कहकर चुनाव से पहले भाजपा में शामिल हो गए हैं। अभय सिंह चौटाला सहित कुछ ही नेता अब बचे हैं जो पार्टी में हैं।

हरियाणा कांग्रेस भी कथित गुटबाजी से परेशान है। हालांकि, पार्टी की राज्य इकाई में हालिया बदलाव के बाद पार्टी नेताओं का दावा है कि गुटबाजी अब अतीत की बात रह गई है और भाजपा का मुकाबला करने के लिए सभी एकजुट हैं। गुटबाजी को समाप्त करने के उद्देश्य से कांग्रेस ने कुमारी सैलजा को प्रदेश अध्यक्ष बनाया है और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा को कांग्रेस विधायक दल का नेता नियुक्त किया गया है।

दीपावली से पहले बनेगी नई सरकार

चंडीगढ़, 21 सितंबर (जनसत्ता)।

केंद्रीय चुनाव आयोग द्वारा हरियाणा में चुनाव की तारीखों के एलान व नतीजे में आचार संहिता लागू होने के साथ ही आयोग ने सरकार व सरकारी खर्चों की निगरानी शुरू कर दी है। सरकार दीपावली से पहले गठित हो जाएगी।

तारीखों के एलान के बाद हरियाणा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी अनुराग अग्रवाल और संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. इंद्रजीत ने यहां पत्रकार वार्ता में कहा कि अगले 24 घंटे के भीतर सरकारी भवनों, 48 घंटे में सार्वजनिक स्थानों और 72 घंटे में निजी भवनों से पोस्टर-बैनर, नारों सहित तमाम तरह की प्रचार सामग्री हटाने के निर्देश दिए गए हैं। चुनाव अधिकारियों ने प्रदेश में निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण चुनाव के तमाम इंतजाम होने का दावा करते हुए कहा कि सभी 90 विधानसभा क्षेत्रों में रिटर्निंग अधिकारी और दो सहायक रिटर्निंग अधिकारी तैनात किए गए हैं। पिछले चुनाव में रेकॉर्ड 76.5 फीसद मतदान हुआ था जिसे इस बार बढ़ाने का लक्ष्य है।

समूची चुनाव प्रक्रिया के दौरान सोशल मीडिया पर विशेष निगाह रहेगी। कोई भी प्रत्याशी या उसका समर्थक वट्सअप, फेसबुक या अन्य माध्यमों से बल्क मैसेज करता है तो उसका नामांकन रद्द किया जा सकता है। चुनाव खर्च की निगरानी को राज्य स्तर पर 24 अधिकारी लगाए गए हैं। मंत्री या विधायक सरकारी वाहन का इस्तेमाल सिर्फ घर से ऑफिस जाने तक कर सकेंगे। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि वोट बनवाने से वंचित युवा अब भी छह दिन के भीतर वोट बनवा सकते हैं। प्रदेश में 18 से 19 आयुवर्ग के तीन लाख 64 हजार युवा नए जुड़े हैं जो लोकतंत्र के महायज्ञ में आहुति डालेंगे। 1500 से अधिक मतदाताओं वाले 136 बूथों के लिए अलग मतदान केंद्र के लिए आयोग से सिफारिश की गई है।

उन्होंने बताया कि चुनाव तक कोई व्यक्ति एक साथ दस लाख रुपये से अधिक की नकदी नहीं ले जा सकेगा। पचास हजार रुपये से अधिक नकदी अगर साथ रखी तो बताना होगा कि पैसे कहां से आए और इन्हें कहां खर्च किया जाना है। अगर कोई व्यक्ति दस लाख रुपए से अधिक की धनराशि बैंक से निकालता है तो बैंक की ओर से सीधा मैसेज निर्वाचन विभाग को जाएगा। आचार संहिता के उल्लंघन पर कोई भी व्यक्ति सी-विजिल ऐप पर फोटो या वीडियो डाल सकता है। इस पर 100 मिनट के अंदर एक्शन होगा। साथ ही, एनवीएसपी (नेशनल वोटर सर्विस पोर्टल) पर कोई भी व्यक्ति देख सकता है कि उसका नाम मतदाता सूची में दर्ज है या नहीं।

खट्टर ने पेश किया अगले पांच साल का खाका

चंडीगढ़, 21 अक्तूबर (जनसत्ता)।

चुनाव आयोग द्वारा हरियाणा में चुनाव की घोषणा के साथ ही मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने अगले पांच साल का रोड मैप पेश करते हुए साफ कर दिया कि दोबारा सरकार बनने पर भाजपा का फोकस शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा पर रहेगा। मुख्यमंत्री ने शनिवार को चंडीगढ़ में कहा कि एक समय था जब हरियाणा में रोटी,कपड़ा और मकान मुद्दा होता था। भाजपा ने जब 2014 में पहली बार सत्ता संभाली तो यहां बिजली, पानी और सड़क सबसे बड़ा मुद्दा था। इस दिशा में प्रदेश सरकार ने भरपूर काम किया है।

उन्होंने कहा कि पिछले पांच साल के दौरान बिजली के मामले में प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास किया गया है जिससे आज 4300 गांव 24 घंटे बिजली आपूर्ति के साथ जुड़ चुके हैं। अगले छह माह के भीतर प्रदेश के सभी 6600 गांव 24 घंटे बिजली आपूर्ति के साथ जुड़ेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले पांच वर्ष के दौरान सरकार ने सामाजिक सुरक्षा को बढ़ावा देते हुए पेंशन के बजट में भी वृद्धि की है। जिसके चलते वर्ष 2014-2015 में पेंशन का बजट 1700 करोड़ रुपए थे जो वर्ष 2019-2020 तक बढकर 6187 करोड़ तक पहुंच गया है। मौजूदा सरकार के कार्यकाल के दौरान इसमें 252 फीसद की बढ़ोतरी की गई है। उन्होंने फिर से सत्ता में आने का दावा करते हुए कहा कि अगले पांच साल के दौरान भाजपा का मुख्य एजंडा शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा (शी) रहेगा।

कल इमरान से, फिर मोदी से मिलेंगे ट्रंप

वाशिंगटन, 21 सितंबर (भाषा)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ह्यूस्टन में 'हाउडी मोदी' कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ शामिल होने के एक दिन बाद सोमवार को पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान से मुलाकात करेंगे। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि ट्रंप मंगलवार को न्यूयॉर्क में मोदी से दोबारा मुलाकात करेंगे। प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को संवाददाताओं को बताया कि भारत और पाकिस्तान के नेताओं के साथ ये दोनों बैठकें संयुक्त राष्ट्र महासभा के 74वें सत्र से इतर न्यूयार्क में होंगी।

ह्यूस्टन में 'हाउडी मोदी' कार्यक्रम में मोदी के साथ शामिल होने के बाद ट्रंप रविवार की रात न्यूयार्क पहुंच सकते हैं। इसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ओहियो जाएंगे जहां आस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरीसन उनसे मिलेंगे।

अधिकारी ने कहा, 'राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 'हाउडी मोदी' के लिए ह्यूस्टन जाएंगे। उसी दिन वह ओहियो जाएंगे जहां आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री मॉरीसन उनसे मिलेंगे और दोनों प्रैट उद्योग का दौरा करेंगे और ऑस्ट्रेलिया के साथ अमेरिकी आर्थिक संबंधों का जश्न मनाएंगे।' उन्होंने कहा कि सोमवार को, ट्रंप का पहला कार्यक्रम धार्मिक स्वतंत्रता को संरक्षित रखने के लिए वैश्विक अपील करने संबंधी होगा।

'चीन दुनिया के लिए खतरा'

ट्रंप ने शुक्रवार को यहां संवाददाताओं से कहा, 'निश्चित तौर पर चीन दुनिया के लिए इस मायने में खतरा है कि वे किसी की भी तुलना में बहुत तेजी से अपनी सेना बना रहे हैं और सच कहूं तो वे अमेरिकी पैसे का इस्तेमाल कर रहे हैं।' ट्रंप के साथ इस दौरान ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरीसन भी मौजूद थे। उन्होंने कहा कि उनसे पहले के अमेरिकी राष्ट्रपतियों ने चीन को हर साल 500 अरब डॉलर या उससे ज्यादा की राशि लेने की इजाजत दी। ट्रंप ने कहा, 'उन्होंने चीन को हमारी बौद्धिक संपदा एवं संपत्ति अधिकारियों को चुराने की इजाजत दी और मैं ऐसा नहीं करने वाला हूं।' राष्ट्रपति के अनुसार दोनों देश एक व्यापार सौदे को अंजाम देने के काफी करीब थे।

चीनी पर्यटकों को ले जा रही बस दुर्घटनाग्रस्त, चार की मौत

लॉस एंजिलिस, 21 सितंबर (एएफपी)।

चीन पर्यटकों को ले जा रही एक बस के अमेरिका के यूटा राज्य में बायसे कन्योन नेशनल पार्क के निकट दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और 15 लोग गंभीर से घायल हो गए। स्थानीय अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

यूटा राजमार्ग गश्ती दल ने क्षतिग्रस्त बस की एक तस्वीर पोस्ट की है जिसमें बस की छत टूटी हुई है और बस पार्क के प्रवेश द्वार के निकट पलटी हुई है। स्थानीय खबरों में कहा गया है कि दुर्घटना बस शुक्रवार सुबह पार्क के प्रवेश द्वार से सात मील दूर हुई। दुर्घटना के बाद एंबुलेंस और बचाव वाहनों की निर्बाध आवाजाही के लिए इस मार्ग को अन्य वाहनों के लिए बंद कर दिया गया। बस में चालक सहित कुल 30 लोग सवार थे। गारफील्ड काउंटी शेरिफ के कार्यालय ने अपने फेसबुक संदेश में इस दुर्घटना को भयावह बताया साथ ही कहा, 'बस पूर्व की ओर जा रही थी तभी यह सड़क से फिसल कर पलट गई। इस दुर्घटना में चार लोगों के मारे जाने की पुष्टि हुई है और शेष घायलों को क्षेत्र के विभिन्न अस्पतालों में भेजा गया है।'

यूएई में भारतीय महिला दुर्लभ रोग से पीड़ित पाई गई

दुबई, 21 सितंबर (भाषा)।

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में भारतीय मूल की 20 वर्षीय महिला दुलर्भ बीमारी की वजह से पिछले छह महीने से जीवन रक्षक प्रणाली पर है। मीडिया में शनिवार को आई खबरों में यह जानकारी दी गई। खलीज टाइम्स की खबर के अनुसार अपने पति से मिलने शारजाह पहुंची नीतू शाही पनिक्कर के मार्च में ऑटोइम्यून इंसेफलाइटिस से पीड़ित होने का पता चला।

इस बीमारी में शरीर का प्रतिरोधी तंत्र मस्तिष्क की स्वस्थ कोशिकाओं पर हमला करता है जिससे दिमाग में सूजन आ जाती है।

नीतू को तबीयत बिगड़ने के बाद अबूधाबी के शेख खलीफा अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां वह 27 मार्च से जीवन रक्षक प्रणाली पर है। उसकी मां ललिता ने कहा, मैंने दस साल पहले यूएई आने के बाद से अपने बच्चों के पालन-पोषण के लिए कड़ी मेहनत की। मेरी बेटी की पिछले साल दिसंबर में जितिन से शादी हुई थी, जो शारजाह में रहता है। वह जनवरी के आखिर में यूएई आई थी और 17 मार्च को बीमार हो गई।

जयशंकर ने फिनलैंड के शीर्ष नेतृत्व को पाक पोषित आतंक पर दी जानकारी

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 21 सितंबर।

जयशंकर फिनलैंड के तीन दिवसीय दौरे पर पहुंचे और वहां के प्रधानमंत्री प्रधानमंत्री एंटी रिने और विदेश मंत्री पेक्का हाविस्तो से बात की। जयशंकर ने फिनलैंड की संसद का भी दौरा किया।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने फिनलैंड के शीर्ष नेतृत्व के साथ सीमा पार से होने वाले आतंकवाद पर लंबी चर्चा की और पाकिस्तान पोषित आतंकवाद के बारे में विस्तार से जानकारी दी। यूरोपीय समुदाय के इस अध्यक्ष देश ने कश्मीर के मुद्दे पर भारत को समर्थन तो दिया, लेकिन मानवाधिकारों से जुड़ी कुछ आपत्तियां उठाई थीं।

इसके बाद जयशंकर फिनलैंड के तीन दिवसीय दौरे पर पहुंचे और उन्होंने वहां के प्रधानमंत्री प्रधानमंत्री एंटी रिने और विदेश मंत्री पेक्का हाविस्तो से बात की। जयशंकर ने फिनलैंड की संसद का भी दौरा किया और डिप्टी स्पीकर तुला हाताइनेन से बात की। वे वहां के राष्ट्रपति सॉली निनिस्तो से भी मिले। दोनों देशों के शीर्ष नेतृत्व के बीच यह बातचीत जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले संविधान के अनुच्छेद 370 के ज्यादातर प्रावधानों को खत्म करने के भारत के कदम को पाकिस्तान द्वारा अंतरराष्ट्रीय मंच पर उठाए जाने की कोशिशों की पृष्ठभूमि में हुई है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रवीश कुमार ने शुक्रवार को ट्वीट किया कि जयशंकर और हाविस्तो ने आतंकवाद पर लंबी चर्चा की और दोनों नेताओं ने हरित प्रौद्योगिकियों पर विशेष ध्यान के साथ द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा की। उन्होंने क्षेत्रीय मुद्दों पर भी बातचीत की।

कश्मीर में स्थिति पर मंगलवार को यूरोपीय संसद की पूर्ण सत्र में विशेष चर्चा के दौरान यूरोपीय सांसदों रसजार्ड जारनेकी और फुल्वियो मार्तुससिएलो ने आतंकवादियों को पनाह देने के लिए पाकिस्तान की निंदा की थी। यूरोपीय संघ की संसद और पोलैंड में यूरोपीय कंजर्वेटिव्स एंड रिफॉर्मिस्ट ग्रुप के सदस्य जारनेकी ने भारत को दुनिया का बड़ा लोकतंत्र बताया था और कहा था कि भारत में हमले करने वाले आतंकवादी चांद से नहीं आए थे।

उत्तरी दिल्ली नगर निगम

कार्यपालक अभियंता (डीईएमएस)-ओडीएफ
14वां तल, डॉ. एसपीएम सिविक सेंटर, मिन्टो रोड, नई दिल्ली-110002
एनआईटी नं. ई(डीईएमएस)-ओडीएफ/2019-20/आरएफपी-01 दिनांक 18.09.2019

निविदा आमंत्रण सूचना

आरएफपी दस्तावेज जारी/डाउनलोड करने की अंतिम तिथि: 09.10.2019 को अप. 2.00 बजे तक, भावी निविदादाताओं द्वारा पूछताछ जमा करना: 11.10.2019 को अप. 3.00 बजे तक, निविदा-पूर्व बैठक: 14.10.2019 को अप. 3.00 बजे, आरएफपी दस्तावेज जमा/प्राप्त करने की अंतिम तिथि: 08.10.2019 को अप. 3.00 बजे तक, तकनीकी निविदा खुलने की तिथि: 18.10.2019 को अप. 3.30 बजे,

कृपया बोली अधिकृत डाउनलोड/मैनुअल जमा करने के लिए कृपया www.mcdonline.gov.in एवं http://mcdetenders.com देखें।

भवदीय, उत्तरी दिल्ली नगर निगम की ओर से कार्यपालक अभियंता (डीईएमएस)-ओडीएफ/ उत्तरी डीएमसी द्वारा नीचे वर्णित कार्य के लिए आवश्यक कार्य से अधिक "योग्यता मानदंडों" को पूरा करने वाले पंजीकृत एजेंसी, स्वामित्व/साझेदारी फर्म, कम्पनी अधिनियम के अंतर्गत पंजीकृत कंपनियों, संयुक्त उद्यमों के रूप में अनुभवी एजेंसियों/संगठनों से दो निविदा प्रणाली आमंत्रित (1) तकनीकी निविदा एवं (2) वित्तीय निविदा में निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं।

कार्य का नाम: उत्तरी दिल्ली नगर निगम के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत सभी छह जोन में कम्युनिटी टॉयलेट कॉम्पलेक्स (13 ग्रुप) का प्रचालन, प्रबंधन एवं रखरखाव (फ्री यूजर चार्ज बेसिस पर)।

	ग्रुप सं.	अनुमानित लागत (रु.)	धरोहर राशि (रु.)
01	(सिटी-एसपी जोन)	6068517.00	121400.00
02	(सिटी-एसपी जोन)	6849130.00	137000.00
03	(सिटी-एसपी जोन)	6428255.00	128600.00
04	(करोल बाग जोन)	5705242.00	114200.00
05	(करोल बाग जोन)	5446704.00	109000.00
06	(सिविल लाइन जोन)	7695143.00	154000.00
07	(सिविल लाइन जोन)	7357688.00	147200.00
08	(नरेला जोन)	7849943.00	157000.00
09	(नरेला जोन)	9799047.00	196000.00
10	(नरेला जोन)	9568309.00	191400.00
11	(नरेला जोन)	10491261.00	209900.00
12	(नरेला जोन)	8003633.00	180100.00
13	(केशव पुरम एवं रोहिणी जोन)	8952033.00	179100.00

निविदा दस्तावेज की कीमत: रु. 500/- (अ-प्रतिदेय)
दस्तावेज का संशोधन/स्पष्टीकरण, यदि कोई होगा, तो वह केवल उपयोक्ता वेबसाइट पर ही उपलब्ध होगा। निविदा दस्तावेज जमा करने की अंतिम तिथि 18.10.2019 को 15.00 बजे (आईएसटी) तक है। तकनीकी निविदाएं कार्यालय अधीक्षण अभियंता (क्यूसी), 14वां तल, ई-1 ब्लॉक, डॉ. एसपीएम सिविक सेंटर, नई दिल्ली-110002 में 18.10.2019 को 15.30 बजे (आईएसटी) निविदादाता के प्रतिनिधियों, यदि कोई हो, की उपस्थिति में खोली जाएंगी।
आर.ओ. नं. 91/डीसीआई/उनडीएमसी/2019-20 कार्यपालक अभियंता (डीईएमएस)-ओडीएफ

भारतीय स्टेट बैंक

आरएसीपीसी-कम-एसएआरसी फरीदाबाद
एससीओ-98, 1 ला एवं दूसरा तल, सेक्टर-16, मार्केट, फरीदाबाद
फोन: 0129-2289222, फैक्स: 0129-2290222

कब्जा सूचना

जैसा कि, वित्तीय परिसम्पत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्त्तन अधिनियम, 2002 के अंतर्गत भारतीय स्टेट बैंक, आरएसीपीसी- कम -एसएआरसी, फरीदाबाद के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के (नियम 3) के साथ पठित धारा 13 (2) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी ने मांग सूचना तिथि 11.7.2019 जारी कर ऋणधारक (कों) एवं गारन्टर (रों) श्री राजिन्दर कुमार सन्धू तथा श्रीमती नरिन्दर रानी, एच.नं. 1721, गली नं. 04, गोविन्दपुरी एक्स्टेंशन, कालकाजी, नई दिल्ली-110019 को खाता नं. 31394693095 के माध्यम से सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के भीतर सूचना में वर्णित राशि 10.7.2019 को रु. 16,64,386.00 (रुपये सोलह लाख चौंसठ हजार तीन सौ छियासी मात्र) + 11.7.2019 से ब्याज के साथ अनुषांगिक खर्चे, लागत, चार्जेज आदि वापस लौटाने का निर्देश दिया था।

ऋणधारक (कों)/ गारन्टर (रों) इस राशि को वापस लौटाने में विफल रहे, अतः एतद्द्वारा ऋणधारक (कों)/ गारन्टर (रों) तथा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आज, 11 सितम्बर, 2019 को अधोहस्ताक्षरी ने उक्त नियमावली के नियम 8 के साथ पठित अधिनियम की धारा 13 (4) के अंतर्गत उन्हें प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी ने यहां नीचे वर्णित सम्पत्ति का सांकेतिक कब्जा कर लिया है।

विशेष रूप से ऋणधारकों तथा आम जनता को एतद्द्वारा सतर्क किया जाता है कि वे यहां नीचे वर्णित सम्पत्ति का व्यवसाय न करें तथा इन सम्पत्तियों का किसी भी तरह का व्यवसाय 10.09.2019 को रु. 16,74,442.00 (रुपये सोलह लाख चौहत्तर हजार चार सौ बयालिस मात्र) + 11.9.2019 से आगे के ब्याज के साथ अनुषांगिक खर्चे, लागत, चार्जेज आदि के लिये भारतीय स्टेट बैंक के चार्ज के अधीन होगा।

अचल सम्पत्ति का विवरण

राजिन्दर कुमार सन्धू तथा श्रीमती नरिन्दर रानी के नाम में अपार्टमेन्ट नं. डी-102, 10वां तल, साई पार्क 1, अपार्टमेन्ट, सेक्टर- 87, क्षेत्रफल माप 1130 वर्ग फीट, फरीदाबाद की सम्पत्ति।

तिथि: 22.9.2019
स्थान: फरीदाबाद

प्राधिकृत अधिकारी
भारतीय स्टेट बैंक,
आरएसीपीसी-कम-एसएआरसी

बैंक ऑफ बड़ौदा Bank of Baroda

बैंक ऑफ बड़ौदा, अंचल कार्यालय:
4था तल, दीपाली मेडिकल स्टोर,
ए.टी. रोड, जोरहट-785001

वित्तीय परिसम्पत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्त्तन अधिनियम, 2002 के चैप्टर III की धारा 13(2) के अंतर्गत सूचना

सेवा में,
1. मै. शाम्भला ट्रेडर्स ..... ऋणधारक
पीओए धारक श्री सूद्र नबम, ग्राम पिल्ला, पोस्ट मेंजिओ, पी.एस. सगाली, जिला पपुमपारे, अरुणाचल प्रदेश-791112
2. श्री सूद्र नबम ..... (ऋणधारक),
पुत्र श्री नबम टाकम, कमरा सं. 4, एफ-सेक्टर नहरलागुन, जिला पपुमपारे, अरुणाचल प्रदेश-791110
3. श्रीमती नबम नेम लिख ..... गारन्टर,
पत्नी श्री लिखा सोनी, ई-605, सी-सेक्टर, पी.ओ. एवं पी.एस. नहारलगुन, अरुणाचल प्रदेश-791110
4. श्रीमती नबम नेम लिखा ..... (गारन्टर)
पत्नी श्री लिखा सोनी, फ्लैट नं. बी-6/105, 2रा तल, सफदरजंग एन्क्लेव, दक्षिण- पश्चिम दिल्ली, नई दिल्ली-110029

विषय: बैंक ऑफ बड़ौदा (तात्कालिक विजया बैंक), ईटानगर शाखा द्वारा आपको स्वीकृत वित्तीय सहायता-मूलधन, ब्याज आदि की किस्तों के पुनर्भुगतान में आपके द्वारा की गई चूक

हम, बैंक ऑफ बड़ौदा (तात्कालिक विजया बैंक), ईटानगर शाखा ने आपके द्वारा दिये गये पते पर 4.3.2019 को मांग सूचना जारी की थी। आपको वह सूचना सर्व नहीं की जा सकी। उक्त सूचना का विषय वस्तु यहां नीचे वर्णित है:

हम, बैंक ऑफ बड़ौदा (तात्कालिक विजया बैंक), ईटानगर शाखा ने बैंक, ने आप सं. 1 के अनुरोध पर बैंक के पक्ष में विधिवत निष्पादित अनुबंधों/ एवं दस्तावेजों में शामिल नियमों एवं शर्तों पर वित्तीय सहायता के द्वारा विभिन्न साख सुविधाएं स्वीकृत की थीं। उक्त साख सुविधाओं तथा आपके द्वारा देय बकाया राशि का संबंधित विवरण **संलग्नक-I** में वर्णित है।

उक्त वित्तीय सहायता की प्रतिभूति के लिए आप अन्य विषयों के साथ आवश्यक प्रतिभूति दस्तावेजों/अनुबंधों को निष्पादित कर अचल संपत्तियों की गिरवी द्वारा बैंक ऑफ बड़ौदा (तात्कालिक विजया बैंक) ईटा नगर शाखा के पक्ष में प्रतिभूति हित का निर्माण किया है। प्रतिभूत परिसंपत्तियों का विवरण विशेष रूप से **संलग्नक-II** में वर्णित है।

उक्त वित्तीय सहायता/ साख सुविधाओं के संदर्भ में खाताओं का प्रचालन तथा आचरण अनियमित हो गया है तथा मूलधन ऋण तथा उस पर ब्याज के पुनर्भुगतान तथा खाता के अनियमित संचालन में आप सं. 1 द्वारा की गई चूक के कारण आपके ऋण को विजया बैंक द्वारा गैर-प्रचालन परिसंपत्ति के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

तद्नुसार, वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्त्तन अधिनियम, 2002 (यहां के बाद "उक्त अधिनियम" के रूप में वर्णित) की धारा 13(2) के अनुसार प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए विजया बैंक घोषित करता है कि 28.2.2019 को रु. 1,27,80,637.12 (रुपये एक करोड़ सत्ताईस लाख अस्सी हजार छः सौ सैंतीस एवं पैसे बारह मात्र) की कुल राशि तत्काल बकाया एवं 1.3.2019 से आगे के ब्याज के साथ देय है तथा आपको निर्देश दिया जाता है कि इस सूचना की तिथि से 60 दिनों के भीतर भुगतान अथवा उगाही तक लागतों, प्रभारों, अन्य धनों के साथ अनुबंधित दरों पर 1.3.2019 से उस पर आगे के ब्याज के साथ रु. 1,27,80,637.12 (रुपये एक करोड़ सत्ताईस लाख अस्सी हजार छः सौ सैंतीस एवं पैसे बारह मात्र) की कुल राशि का बैंक ऑफ बड़ौदा, (तात्कालिक विजय बैंक) को पृथक तथा संयुक्त रूप से भुगतान करें।

उक्त अधिनियम की धारा 13(13) के प्रावधानों के अनुसार विजया बैंक की पूर्व लिखित अनुमति प्राप्त किए बिना इस सूचना में वर्णित किसी भी प्रतिभूत परिसम्पत्ति की बिक्री, पट्टा या अंतरण (आपके व्यवसाय की सामान्य प्रक्रिया के अतिरिक्त) करने के अधिकार से आपको एतद् द्वारा निषिद्ध किया जाता है।

यह सूचना उक्त अधिनियम की धारा 13(2) के अनुसार आपको जारी की जा रही है

संलग्नक-I

क्रम सं.	सुविधा की प्रकृति	स्वीकृत राशि (रु.)	28.02.2019 को बकाया राशि (रु.)
1.	CCH A/C No. 880106211000048 एनपीए तिथि: 29.12.2016	80,00,000/-	रु. 1,05,26,139.00 (रुपये एक करोड़ पांच लाख छब्बीस हजार एक सौ उन्तालिस मात्र)
2.	सावधि ऋण खाता नं. 880109041000170 एनपीए तिथि: 30.3.2017	19,00,000/-	रु. 22,54,498.12 (रुपये बाईस लाख चौवन हजार चार सौ अन्ठानवे एवं पैसे बारह मात्र)
28.02.2019 को कुल राशि			भुगतान अथवा वसूली तक लागतों, चार्जेज, अन्य धनों के साथ अनुबंधित दरों पर 1.3.2019 से उस पर आगे के ब्याज के साथ रु. 1,27,80,637.12 (रुपये एक करोड़ सत्ताईस लाख अस्सी हजार छः सौ सैंतीस एवं पैसे बारह मात्र)

परिशिष्ट-II

(गारन्टर की गिरवी सम्पत्ति का विवरण)
गारन्टर श्रीमती नबम नेम लिखा के नाम में फ्लैट नं. बी-6/105, 2रा तल, सफदरजंग एन्क्लेव, दक्षिण पश्चिम दिल्ली, नई दिल्ली-110029 में शामिल सम्पत्ति का सभी भाग तथा हिस्सा।

तिथि: 21.09.2019
स्थान- ईटानगर

प्राधिकृत अधिकारी
बैंक ऑफ बड़ौदा, ईटानगर शाखा

इलाहाबाद बैंक

(भारत सरकार का उपक्रम)
मण्डलीय कार्यालय, मेरठ
55, द मॉल, मेरठ कैंट

(सरफेसी अधिनियम प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 के धारा 13 (2) के तहत, सुरक्षा हित शासन 2002 नियम 3 के साथ)

आप सभी को इस मैसर्सिफेक्स रोल के अलावा पूर्व में जारी सूचनाओं के सापेक्ष हुए बिना बकाया आने के बाद, मैं जमानती लेनदार बैंक के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में यह सूचना जारी करता हूं। अतः आप सभी निम्न वर्णित ऋणियों/गारन्टरों को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है और सरफेसी अधिनियम प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 के धारा 13(2) के नियम 3 के अन्तर्गत सार्वजनिक मांग सूचना जारी की जाती है। ताकि आप सभी अपने पक्ष में निम्न वर्णित बकाया का भुगतान इस प्रकाशन के तारीख 60 दिनों के अन्दर करें। कृपया यह नोट करें कि यदि आप सभी गई सम्पूर्ण राशि का 60 दिनों के अंदर भुगतान नहीं करते हैं तो बैंक उक्त अधिनियम के धारा 13(4) के तहत ऋण खाते में बंधक सम्पत्ति/सम्पत्तियों पर कब्जा लेने की प्रक्रिया आरंभ करेगा और उसके बाद उक्त अधिनियम के तहत बकाया सहित बकाया देनदारी की वसूली के लिए उसे बेचेगा। बकाया देनदारी की वसूली के लिए बैंक के पास उपलब्ध सुविधाओं से पक्षपात किए बिना आप सभी के विरुद्ध निम्न सूचनाएं जारी की जाती हैं।

ऋणी /गारंटर का नाम व पता	प्रतिभूति/सम्पत्ति का विवरण	डिमांड नोटिस की तारीख
शाखा: रिठानी, मेरठ ऋणकर्ता- 1. श्रीमती स्वाति कन्या पत्नि श्री भारत वर्मा 2. श्री भारत वर्मा पुत्र श्री राम स्वरूप वर्मा दोनों निवासी ए -602, इरोस बरकली एस्टेट, रोजबुड सिटी, सैक्टर 49, गुड़गांव निदेशक, जलाइन हाइट्स, दिल्ली रोड, राजबाला फार्म हापुड़ के सामने, रिठानी, मेरठ	एक आवास

रेस के दौरान कार से टकराई मोटरसाइकिल, तीन की मौत

जनसत्ता संवाददाता/भाषा
बाड़मेर (राजस्थान), 21 सितंबर।

अर्जुन पुरस्कार विजेता कार चालक गौरव गिल की कार शनिवार को राष्ट्रीय रैली चैंपियनशिप की रेस के दौरान ट्रैक पर आई एक मोटरसाइकिल से टकरा गई जिसमें एक बच्चे समेत तीन लोगों की मौत हो गई। दुर्घटना में गिल को भी चोट आई है और वह अस्पताल में हैं। गिल चिकित्सकों की निगरानी मे हैं और यह पता चला है कि वह खतरे से बाहर हैं।

दुर्घटना एफएमएससीआइ इंडियन रैली चैंपियनशिप 2019 के तीसरे दौर के दौरान हुआ। इसका नाम मैक्सपीरिएंस रैली रखा गया था। अधिकारियों के अनुसार दुर्घटना उस समय हुई जब रेसिंग प्रतियोगिता में शामिल एक कार ने होतरड़ा गांव के पास ट्रैक पर सामने से आ रही बाइक को टक्कर मार दी जो प्रतिबंधित क्षेत्र में घुस गई थी। तहसीलदार राकेश जैन ने बताया कि हादसे में नरेंद्र (पुत्र नेमराम), उसकी पत्नी पुष्पा और उनके बेटे जितेंद्र की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। उन्होंने बताया, 'यह कार एक कार रेसिंग काफिले का हिस्सा थी। इस प्रतियोगिता का आयोजन हरियाणा की एक कंपनी मैक्सपीरियंस कर रही थी।' रेसिंग ट्रैक पर हुई इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बाद शनिवार को इस रैली को रद्द कर दिया गया। रैली के स्थानीय आयोजक अरविंद बालन ने कहा, 'रैली में शामिल एक कार द्वारा मोटरसाइकिल पर सवार तीन लोगों को टक्कर मारे जाने की दुखद घटना के बाद आइएनआरसी इंडियन रैली चैंपियनशिप के तीसरे राउंड को रद्द कर दिया गया। मोटरसाइकिल जबरन बैरिकेटेड एरिया में घुस गई थी। स्टेज जब चालू थी, तब मोटरसाइकिल ने सुरक्षा बैरियर को तोड़ दिया। ड्राइवर काफी तेज रफ्तार में था और वह मोटरसाइकिल को देख भी नहीं सका क्योंकि वह तीखे मोड़ पर उसके सामने आई थी।'

एफएफएससीआइ के अध्यक्ष और इवेंट के सीओसी जे. पृथ्वीराज ने कहा, 'सभी तरह के सुरक्षा मानकों का पालन करने के बावजूद ट्रैक पर यह दुखद घटना हुई। हम इस घटना में मारे गए लोगों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हैं। दुख के इस पल में समूचा मोटरस्पोर्ट्स परिवार उनके साथ खड़ा है।'

कार चालक गौरव गिल। (फाइल फोटो)

भारत दिसंबर 2021 तक अंतरिक्ष में मानव को भेजेगा : सिवन

भुवनेश्वर, 21 सितंबर (भाषा)।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष के सिवन ने शनिवार को कहा कि देश दिसंबर 2021 तक मनुष्य को अंतरिक्ष में भेजने के अपने लक्ष्य को पूरा करने के लिए आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि चंद्रयान-2 के 'लैंडर' विक्रम को चंद्रमा की सतह पर सॉफ्ट लैंडिंग कराने की इसरो की योजना बेशक पूरी नहीं हो सकी हो, लेकिन इसका गगनयान मिशन पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

सिवन ने कहा कि चंद्रयान-2 का ऑर्बिटर साढ़े सात वर्षों तक डाटा देगा। चंद्रमा मिशन की सभी प्रौद्योगिकियां सॉफ्ट लैंडिंग को छोड़कर सटीक साबित हुई हैं। क्या यह सफल नहीं है। सिवन ने आइआइटी, भुवनेश्वर के आंठवे दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि दिसंबर 2020 तक हमारे पास मानव अंतरिक्ष विमान का पहला मानव रहित मिशन होगा। हमने दूसरे मानव रहित मानव अंतरिक्ष विमान का लक्ष्य जुलाई 2021 तक रखा है। इसरो प्रमुख ने कहा कि दिसंबर 2021 तक पहला भारतीय हमारे अपने रॉकेट द्वारा ले जाया जाएगा, यह हमारा लक्ष्य है, जिस पर इसरो काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत के लिए गगनयान मिशन बहुत महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि यह देश की विज्ञान और प्रौद्योगिकी क्षमता को बढ़ावा देगा। इसलिए हम एक नए लक्ष्य पर काम कर रहे हैं।

सिवन ने छात्रों को सोचा-समझा जोखिम उठाने और नवाचार करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि अगर आप जोखिम नहीं उठा रहे हैं, तो जीवन में कुछ भी महत्त्वपूर्ण हासिल करने का कोई मौका नहीं होगा। लेकिन अगर आप सोच-समझकर जोखिम उठाते हो तो आप खुद को समस्याग्रस्त क्षेत्रों से बचा सकते हैं। उन्होंने कहा कि पिछली आधी सदी में हुई प्रगति के बावजूद, गरीबी और भूख, स्वास्थ्य और स्वच्छता और स्वच्छ पेयजल के कई ऐसे मुद्दे, जिनका अभी समाधान किया जाना है। उन्होंने आइआइटी के छात्रों से उन्हें हल करने में मदद करने के लिए आगे आने का आह्वान किया।

ट्रैफिक में फंसने पर मंत्री ने किया ऑटोरिक्शा, किशोर के गाए गाने

मुंबई, 21 सितंबर (भाषा)।

केंद्रीय मंत्री बाबुल सुप्रियो ने ट्विटर पर एक वीडियो पोस्ट किया है। इसमें वह मुंबई में जाम के कारण ऑटोरिक्शा लेते नजर आ रहे हैं।

ट्विटर पर 17 सितंबर को पोस्ट किए गए वीडियो में सुप्रियो ने कहा कि उनकी कार ट्रैफिक में फंस गई है और वह इस 'अवसर' का इस्तेमाल ऑटोरिक्शा से यात्रा करने के लिए कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'मेरी सरकारी कार जाम में फंसी हुई है। मैं इस अवसर का इस्तेमाल मुंबई में ऑटो में बैठने के लिए कर रहा हूं और पुराने दिनों को याद कर रहा हूं। इस शहर में ऑटो से सफर करके मैंने संघर्ष किया है। पुरानी यादें तरोताजा हो गई और मुझे बहुत अच्छा लग रहा है।' सुप्रियो ने कहा कि वह पहली बार 1992 में ऑटोरिक्शा में बैठे थे और अभी वह इस यात्रा का 'लुत्फ' उठा रहे हैं।

गायक ने कहा कि उनके मन में पार्श्व गायक किशोर कुमार का 'मैं हूं घोड़ा, ये है गाड़ी, मेरी रिक्शा सबसे निराली' आया। उन्होंने ट्विटर पर अपने यूजर्स के लिए गाना गाया। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री ने लिखा, 'यह अद्भुत अनुभव है, विश्वास करें। मुंबई में रिक्शा कमाल के हैं।'

मोहपाश में राजनेताओं सहित कई रसूखदारों के फंसने का संदेह

इंदौर, 21 सितंबर (भाषा)।

मध्य प्रदेश पुलिस के हत्थे चढ़े 'हनी ट्रैप' (मोहपाश) गिरोह के जाल में राजनेताओं और आला सरकारी अधिकारियों समेत कई प्रभावशाली लोगों के फंसने का संदेह है। पुलिस ने इस मामले में गिरोह की पांच महिलाओं समेत छह लोगों को इंदौर और भोपाल से गिरफ्तार किया है।

मामले की जांच से जुड़े एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने नाम जाहिर न किए जाने की शर्त पर शनिवार को बताया कि आरोपियों से बरामद ऑडियो-विजुअल सामग्री और उनसे पूछताछ के आधार पर हमें संदेह है कि गिरोह पिछले एक दशक में कई लोगों को मोहपाश में फंसा चुका है। पुलिस अधिकारी ने विशिष्ट जानकारी दिए बगैर तसदीक की कि गिरोह के शिकार लोगों में राजनेता और आला सरकारी अधिकारी भी शामिल हो सकते हैं। इनमें से ज्यादातर लोग भोपाल से ताल्लुक रखते हैं।

पुलिस ने इस मामले में गिरोह की पांच महिलाओं समेत छह लोगों को इंदौर और भोपाल से गिरफ्तार किया है।

उन्होंने आरोपों के हवाले से बताया कि गिरोह खासकर सत्ता प्रतिष्ठानों में बैठे लोगों और नौकरशाहों को महिलाओं के जरिए जाल में फांसता था। फिर खुफिया कैमरों से उनके अंतरंग पलों के वीडियो बनाकर इस आपत्तिजनक सामग्री के बूते उनसे धन उगाही करता था। अधिकारी ने बताया कि गिरोह के खिलाफ इस पहलू पर भी जांच की जा रही है कि क्या उसने निजी पलों के वीडियो के जरिए रसूखदारों को धमका कर कुछ गैर सरकारी संगठनों को शासकीय ठेके दिलाए हैं। पुलिस ने इंदौर नगर निगम के अधीक्षण इंजीनियर हरभजन सिंह की शिकायत पर जांच के बाद बृहस्पतिवार को हनी ट्रैप गिरोह का औपचारिक खुलासा किया था। पुलिस ने गिरोह के छह गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से 14 लाख रुपए नकद, महंगी गाड़ी, पेन ड्राइव, मोबाइल फोन, लैपटॉप आदि सामान बरामद किया है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) रुचिवर्धन मिश्रा ने बताया कि आरोपियों के कब्जे से बरामद उपकरणों को जांच के लिए अपराध विज्ञान प्रयोगशाला भेजा जा रहा है। इन उपकरणों से डिलीट कर दिए गए डाटा को तकनीक के जानकारों की मदद से दोबारा हासिल करने की कोशिश भी की जाएगी। उन्होंने बताया कि लोगों को मोहपाश में फांसने के लिए इस्तेमाल होटलों के अलावा, आरोपियों की पृष्ठभूमि, उनके संपर्कों और बैंक खातों के बारे में विस्तृत जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि पुलिस को संदेह है कि गिरोह में कुछ और महिलाएं शामिल हैं। (नगर निगम अफसर के अलावा) अन्य लोग भी गिरोह के कारण पीड़ित हो सकते हैं।

मित्रा ने जताई राजीव कुमार की हत्या कराए जाने की आशंका

कोलकाता, 21 सितंबर (भाषा)।

पश्चिम बंगाल कांग्रेस के अध्यक्ष सोमेन मित्रा ने शनिवार को आशंका जताई कि कोलकाता के पूर्व पुलिस आयुक्त राजीव कुमार की हत्या कराई जा सकती है ताकि वे सारदा चिटफंड घोटाले में शामिल प्रभावशाली लोगों के बारे में खुलासे नहीं कर सकें। इस बीच, अलीपुर की जिला एवं सत्र अदालत ने चिटफंड मामले में सीबीआइ के सम्मन से बचते फिर रहे कुमार की अग्रिम जमानत अर्जी शनिवार को खारिज कर दी।

सीबीआइ की टीमें शहर में और उसके आसपास विभिन्न स्थानों पर कुमार की तलाश कर रही हैं, क्योंकि एजेंसी द्वारा पूछताछ के लिए कई बार समन भेजे जाने के बावजूद वह पेश नहीं हुए। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (सीआइडी) कुमार पर आरोप है कि उन्होंने उन कुछ अहम सबूतों को दबा दिया जिनकी सीबीआइ को करोड़ों रुपए के पोंजी घोटाले मामले में अंतिम आरोपपत्र दायर करने के लिए जरूरत है।

ब्रह्मपुत्र मेल में आग लगने से अफरा-तफरी

भागलपुर 21 सितंबर (जनसत्ता)।

शनिवार को डिब्रूगढ़ से दिल्ली जा रही ब्रह्मपुत्र मेल की जेनरेटर बॉगी में आग लग जाने से मुसाफिरों के बीच अफरा-तफरी मच गई। हालांकि किसी के जख्मी होने की खबर नहीं है। जिला प्रशासन की मदद से अग्नि शामक दस्ते को मौके पर भेजा गया और आग पर काबू पाया गया। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। सूत्रों के मुताबिक वाकया शनिवार सुबह करीब साढ़े नौ बजे जमालपुर- दशरथपुर स्टेशन के बीच हुआ। जमालपुर से खुलते ही जेनरेटर बॉगी में धुंआ उठने लगा। ट्रेन की रफ्तार तेज होने पर आग की लपटें और तेज हो गई। नतीजतन उससे सटी सामान्य बॉगी के मुसाफिर चीखने चिल्लाने लगे। शोर सुन गार्ड ने फौरन ट्रेन रोकने का निर्देश दिया। जेनरेटर बॉगी अलग करने के बाद ट्रेन को रवाना किया गया।

ऋण वसूली न्यायाधिकरण, देहरादून
(वित्त मंत्रालय, भारत सरकार) (वित्तीय सेवाएं विभाग)
द्वितीय तल, पारस टॉवर, माजरा, सहारनपुर रोड, देहरादून, उत्तराखंड-248171
प्रकाशन नोटिस
मूल आवेदन सं 197 में 2019 के
ऋण वसूली न्यायाधिकरण (प्रक्रिया) नियम, 1993 के नियम 5 के उप नियम 2(ए) के साथ पठित ऋण एवं दिवालिया अधिनियम 1993 की धारा 19 की उप धारा (4) के अंतर्गत जारी सम्मन
डीवाई संख्या ..453 दिनांक : 26/08/2019
कॉर्पोरेशन बैंक बनाम मैसर्स लक्ष्मी मशीनरी स्टोर एवं अन्य
सेवा में,
1. मैसर्स लक्ष्मी मशीनरी स्टोर, प्रोपराइटर संजय सेनी, निवासी शाकुम्बरी विहार कॉलोनी, बेहट रोड, सहारनपुर, यूपी 247001 के माध्यम से।
2. संजय सेनी निवासी शाकुम्बरी विहार कॉलोनी, बेहट रोड, सहारनपुर, यूपी 247001
3. विजय कुमार खारा, पुत्र अतर सिंह, निवासी 70, लक्कर मार्केट, पंजाबी गुरुद्वारा के पास, जिला सहारनपुर, यूपी 247001
चूंकि कि उपरोक्त आवेदक बैंक ने आपके विरुद्ध रुपये 11,98,718.00 के ऋण की वसूली के लिए ओए सं 197 के 2019 को प्रस्तुत किया है जिसमें माननीय न्यायाधिकरण ने आपके विरुद्ध ऋण एवं दिवालिया अधिनियम 1993 की धारा 19(4) के अंतर्गत सम्मन / नोटिस जारी किया था एवं इसे माननीय अधिष्ठाता अधिकारी के समक्ष दिनांक 23.08.2019 को सूचीबद्ध किया गया था।
चूंकि कि न्यायाधिकरण की मान्यता है कि आपको सामान्य माध्यमों से नोटिस दिया जाना संभव नहीं है, अतः इस प्रकाशन के माध्यम से यह नोटिस आपको दी जाती है जिसके द्वारा आपको निर्देशित किया जाता है कि आप दिनांक 15.10.2019 को 10:30 पूर्वाह्न पर व्यक्तिगत रूप से या अपने प्राधिकृत प्रतिनिधि या विधिक व्यवसायी के माध्यम से न्यायाधिकरण के समक्ष उपस्थित हों।
कृपया ध्यान दें कि निर्धारित दिन और समय पर न्यायाधिकरण के समक्ष आपकी उपस्थिति में मूल की स्थिति में आवेदन पर सुनवाई आपकी अनुपस्थिति में की जाएगी एवं उसका निर्णय किया जाएगा।
26 अगस्त 2019 को मेरे द्वारा एवं न्यायाधिकरण की मोहर के तहत जारी।
न्यायाधिकरण के आदेश से
रजिस्ट्रार, ऋण वसूली न्यायाधिकरण, देहरादून

प्रपत्र – 'जी'
अभिरुचि की अभिव्यक्ति हेतु आमंत्रण
दिवाला और ऋण शोध अक्षमता (कॉर्पोरेट व्यक्तियों के लिए ऋण शोध अक्षमता समाधान प्रक्रिया) विनियमावली, 2016 के विनियम 36ए (1) के अधीन
श्री राज महल ज्वैलर्स प्राईवेट लिमिटेड के सम्भावित समाधान आवेदकों के ध्यानार्थ
प्रासंगिक विवरण

1.	कार्पोरेट देनदार का नाम	श्री राज महल ज्वैलर्स प्राईवेट लिमिटेड
2.	कार्पोरेट देनदार के निगमन की तिथि	12.05.2009
3.	प्रशासनिक डिस्क्लोजर अधीन कार्पोरेट देनदार निगमित/पंजीकृत है	रजिस्ट्रार ऑफ कम्पनीज, दिल्ली एण्ड हरियाणा
4.	कार्पोरेट देनदार की कार्पोरेट पहचान संख्या/संस्था पहचान संख्या	U36103DL2009PTC190236
5.	कार्पोरेट देनदार के पंजीकृत कार्यालय तथा प्रधान कार्यालय (यदि कोई) का पता	पंजीकृत कार्यालय: गुलाल महल 1 और 2, लोअर ग्राउंड फ्लोर 26/48, करोलबाग मेन, गुरुद्वारा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली मेट्रो स्टेशन दिल्ली सेंटर 110005 भारत
6.	कार्पोरेट देनदार की ऋण शोध अक्षमता आरंभ की तिथि	24.04.2019
7.	अंतिम/नौ की अभिव्यक्ति के प्रस्तुतन की तिथि	22.09.2019
8.	संहिता की धारा 25(2)(एच) के अधीन समाधान आवेदकों की पात्रता	ईमेल: cirp.rajmahal@outlook.in पर ईमेल भेजकर की जा सकती है। इसके अलावा कॉर्पोरेट आपदा www.shreerajmahaljewelers.in की वेबसाइट पर उपलब्ध है।
9	समाधान के अधीन लागू अवधारणा के समाधान	आईबीबीआई की वेबसाइट (www.ibbi.gov.in) पर उपलब्ध है या ईमेल cirp.rajmahal@outlook.in पर ईमेल भेजकर मांगी जा सकती है।
10	अभिरुचि की अभिव्यक्ति की प्राप्ति हेतु अंतिम तिथि	07.10.2019
11	संभावित समाधान आवेदकों की अनंतिम सूची जारी करने की तिथि	10.10.2019
12	अनंतिम सूची के बारे में आपत्तियां प्रस्तुत करने हेतु अंतिम तिथि	15.10.2019
13	संभावित समाधान आवेदकों की अंतिम सूची जारी करने की तिथि	19.10.2019
14	संभावित समाधान आवेदकों को सूचना ज्ञापन, मूल्यांकन मैट्रिक्स तथा समाधान योजना हेतु अनुरोध जारी करने की तिथि	14.10.2019
15.	समाधान योजना, मूल्यांकन मैट्रिक्स, सूचना ज्ञापन तथा अतिरिक्त सूचना हेतु अनुरोध प्राप्त करने की तिथि	सूचना cirp.rajmahal@outlook.in पर ई-मेल भेजकर प्राप्त की जा सकती है।
16	समाधान योजना प्रस्तुत करने हेतु अंतिम तिथि	13.11.2019
17	समाधान आवेदकों से समाधान योजना सौंपने की तिथि	मेल करें cirp.rajmahal@outlook.in
18	वित्तीय ऋणदाताओं के अनुमोदन हेतु समाधान योजना प्रस्तुत करने हेतु अनुमानित तिथि	26.11.2019
19	समाधान आवेदकों का नाम और रजिस्ट्रीकृत पता	निखिल गौरव गुप्ता IBBI/IPA-002/IP-N00572/2017-18/11739
20.	समाधान आवेदकों का नाम, पता और ई-मेल, जिसके तहत वे पात्रित हैं	निखिल गौरव गुप्ता, समाधान पेशेवर पता: निखिल एसोसिएट्स, कमरा नं. 342, पहली मंजिल, केजीएन इन्फ्राटेक सेंटर, सेक्टर 22, पॉकेट 1, द्वारका, नई दिल्ली-110 077 ईमेल: nishantgaurav@outlook.in
21	पता और ई-मेल जो समाधान आवेदकों के साथ संचार के लिए प्रयुक्त किया जाना है	पता: निखिल एसोसिएट्स, कमरा नं. 342, पहली मंजिल, केजीएन इन्फ्राटेक सेंटर, सेक्टर 22, पॉकेट 1, द्वारका, नई दिल्ली-110 077 ईमेल: cirp.rajmahal@outlook.in nishantgaurav@outlook.in
22	अतिरिक्त विवरण जो समाधान के पास उपलब्ध है	सूचना cirp.rajmahal@outlook.in पर ई-मेल भेजकर प्राप्त की जा सकती है।
23	प्रपत्र 'जी' के प्रकाशन की तिथि	22.09.2019

हस्ता/-
निखिल गौरव गुप्ता
तिथि: 21/09/2019 समाधान पेशेवर, श्री राज महल ज्वैलर्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए
स्थान: नई दिल्ली IBBI/IPA-002/IP-N00572/2017-18/11739

ऋण वसूली न्यायाधिकरण-I, दिल्ली
चतुर्थ तल, जीवन तारा बिल्डिंग संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001
ओ. ए नं. 696/2018
कॉर्पोरेशन बैंक आवेदक
विरुद्ध
श्री सुधवीर सिंह एवं अन्य प्रतिवादी
सेवा में,
1. श्री सुधवीर सिंह पुत्र श्री लाल सिंह, 219वीं, एक्सप्रेस व्यू अपार्टमेंट सैक्ट.-93, नोएडा, यू.पी. -201301, और आर्किटेक्ट अलायन्स इन्फ्राहाउसिंग प्रा. लि., बी-247/20, सैक्टर-63, नोएडा
2. सुश्री गुरप्रीत कौर पत्नी श्री सुधवीर सिंह, 219वीं, एक्सप्रेस व्यू अपार्टमेंट, सैक्टर-93, नोएडा, यू.पी.-201301
3. सुमकामना बिल्डटेक प्रा. लि. (बिल्डर और डेवलपर) इसके प्रबंधन निदेशक द्वारा, 197-ई, पॉकेट-IV, मयूर विहार-I, नई दिल्ली-91
जबकि उपरोक्त आवेदक ने आपके विरुद्ध रु. 40,25,451.00 (रुपए पांतीस लाख पच्चीस हजार चार सौ इकावन मात्र) की वसूली हेतु एक वाद स्थापित किया है तथा जबकि न्यायाधिकरण को संतोषजनक रूप से यह दर्शाया जा चुका है कि आपको साधारण रूप से सूचना दिया जाना संभव नहीं है, इसलिए, विज्ञापन के रूप में इस सूचना के माध्यम से आपको दिनांक 23.09.2019 को पूर्वा. 10.30 बजे माननीय रजिस्ट्रार के समक्ष उपस्थित होने का निर्देश दिया जाता है।
ध्यान दें कि यदि आप उपरोक्त तिथि को इस न्यायाधिकरण के समक्ष उपस्थित नहीं होंगे, बाद की सुनवाई सख्त निर्णय आपकी अनुपस्थिति में किया जाएगा।
मेरे हस्ताक्षर और इस न्यायाधिकरण की मोहर के तहत 21 जून, 2019 को दिया गया।
न्यायाधिकरण के आदेश द्वारा
रजिस्ट्रार

ऋण वसूली न्यायाधिकरण-I, दिल्ली
चतुर्थ तल, जीवन तारा बिल्डिंग संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001
ओ. ए नं. 695/2018
कॉर्पोरेशन बैंक आवेदक
विरुद्ध
श्री आनंद प्रकाश एवं अन्य प्रतिवादी
सेवा में,
1. श्री आनंद प्रकाश पुत्र श्री ओम प्रकाश गुप्ता, ए-29, द्वितीय तल, रामनगरी कॉलोनी, गाजियाबाद, यू.पी.-201010 और 165, पुरानी गंज मुंगेर, आवास-सदर बिहार और सैनफ्लर इंटक इंडिया सौफ्टवेयर सोल प्रा. लि. गोल्फ कोर्स रोड, सेक्टर-53 1 होराइजन सेंटर, गुरुग्राम हरियाणा
2. श्रीमती मनोरमा सरस्वती पत्नी श्री ओम प्रकाश गुप्ता, ए-29, द्वितीय तल, रामनगरी कॉलोनी, गाजियाबाद, यू.पी.-201010, और और 165, पुरानी गंज मुंगेर, आवास-सदर बिहार
3. सुमकामना बिल्डटेक प्रा. लि. (बिल्डर और डेवलपर) इसके प्रबंधन निदेशकों के माध्यम से 197-ई, पॉकेट-IV, मयूर विहार-I नई दिल्ली -91
जबकि उपरोक्त आवेदक ने आपके विरुद्ध रु. 44,36,807.00 (रुपए चौवालीस लाख छत्तीस हजार आठ सौ सात मात्र) की वसूली हेतु एक वाद स्थापित किया है तथा जबकि न्यायाधिकरण को संतोषजनक रूप से यह दर्शाया जा चुका है कि आपको साधारण रूप से सूचना दिया जाना संभव नहीं है, इसलिए, विज्ञापन के रूप में इस सूचना के माध्यम से आपको दिनांक 23.09.2019 को पूर्वा. 10.30 बजे माननीय रजिस्ट्रार के समक्ष उपस्थित होने का निर्देश दिया जाता है।
ध्यान दें कि यदि आप उपरोक्त तिथि को इस न्यायाधिकरण के समक्ष उपस्थित नहीं होंगे, बाद की सुनवाई सख्त निर्णय आपकी अनुपस्थिति में किया जाएगा।
मेरे हस्ताक्षर और इस न्यायाधिकरण की मोहर के तहत 21 जून, 2019 को दिया गया।
न्यायाधिकरण के आदेश द्वारा
रजिस्ट्रार

प्रपत्र ए
सार्वजनिक उद्घोषणा
[भारत दिवाला तथा दिवालिया मंडल (कॉर्पोरेट व्यक्तियों के लिए दिवाला प्रस्ताव प्रक्रिया) विनियमन, 2016 के विनियमन 6 के अंतर्गत]
मस्ताना फूड्स प्राईवेट लिमिटेड के क्रेडीटरों के ध्यानार्थ
संबंधित विवरण

1.	कॉर्पोरेट ऋणधारक का नाम	मस्ताना फूड्स प्राईवेट लिमिटेड
2.	कॉर्पोरेट ऋणधारक के निगमन की तिथि	3.3.1999
3.	वह प्राधिकरण जिसके अंतर्गत कॉर्पोरेट ऋणधारक निगमित/पंजीकृत है	कम्पनी रजिस्ट्रार- दिल्ली
4.	कॉर्पोरेट पहचान संख्या/कॉर्पोरेट ऋणधारक का लिमिटेड लाएबिलिटी पहचान संख्या	U15319DL1999PTC098638
5.	कॉर्पोरेट ऋणधारक के पंजीकृत कार्यालय तथा प्रधान कार्यालय (यदि कोई हो) का पता	2646, 1ला तल, गली रघुनंदन, नया बाजार, दिल्ली-11006
6.	कॉर्पोरेट ऋणधारक के संदर्भ में दिवाला आरंभ होने की तिथि	18.9.2019 (माननीय एनसीएलटी के आदेश से संबंधित ईमेल 19 सितम्बर, 2019 को प्राप्त हुई।)
7.	दिवाला प्रस्ताव प्रक्रिया के समापन की अनुमानित तिथि	16.3.2020
8.	अंतरिम प्रस्ताव प्रफेशनल का नाम, पंजीकरण संख्या, जो अंतरिम प्रस्ताव प्रफेशनल के रूप में कार्यरत है	अशोक कुमार जुनेजा IBBI पंजी. सं. IBBI/IP-N00117/2017-18/10286
9.	बोर्ड में यथा पंजीकृत अंतरिम प्रस्ताव प्रफेशनल का पता एवं ईमेल:	1203, विजया बिल्डिंग, 17, बाराखम्बा रोड, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली-110001 ईमेल आईडी: ashokjuneja@gmail.com
10.	अंतरिम प्रस्ताव प्रफेशनल के साथ पत्राचार के लिये प्रयुक्त होने वाला पता तथा ईमेल	1203, विजया बिल्डिंग, 17, बाराखम्बा रोड, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली-110001 ईमेल आईडी: ip.mastanafoods@gmail.com
11.	दावे जमा करने की अंतिम तिथि	3.10.2019
12.	क्रेडीटर का वर्ग यदि कोई हो, धारा 21 की उप धारा (6ए) के उपबंध (बी) के अंतर्गत, अंतरिम प्रस्ताव प्रफेशनल द्वारा सुनिश्चित किया गया	एन/ए
13.	किसी वर्ग में क्रेडीटर्स के प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में कार्य करने के लिये पहचान किये गये इन्सॉल्वेन्सी प्रफेशनल का नाम (प्रत्येक वर्ग से तीन नाम)	एन/ए
14.	(क) संबंधित प्रपत्र तथा (ख)प्राधिकृत प्रतिनिधियों का विवरण उपलब्ध है	वेबलिंक: https://www.ibbi.gov.in/home/downloads एन/ए

एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि राष्ट्रीय कम्पनी विधि अधिकरण, ने 18 सितम्बर, 2019 को मस्ताना फूड्स प्राइवेट लिमिटेड के संदर्भ में कॉर्पोरेट इन्सॉल्वेन्सी प्रस्ताव प्रक्रिया शुरू करने का आदेश दिया है। एतद्द्वारा मस्ताना फूड्स प्राईवेट लिमिटेड के क्रेडीटरों को निर्देश दिया जाता है कि प्रविष्टि सं. 10 में वर्णित पते पर अंतरिम प्रस्ताव प्रफेशनल के पास 3 अक्टूबर, 2019 को या उससे पूर्व प्रमाण के साथ अपने दावे जमा करें।
फाइनांसियल क्रेडीटर्स केवल इलेक्ट्रॉनिक पद्धति से ही प्रमाण के साथ अपने दावे जमा कर सकते हैं। अन्य सभी क्रेडीटर्स व्यक्तिगत, डाक द्वारा अथवा इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से प्रमाण के साथ अपने दावे जमा कर सकते हैं।
दावे का गलत अथवा भ्रामक प्रमाण जमा करने पर दंडित किया जा सकता है।
हस्ता./-
अशोक कुमार जुनेजा
(एलएल.बी, एफसीएस, एसीएमए, डीबीएफ, एडीआईसीए, एम. कॉम)
अधिवक्ता, इन्सॉल्वेन्सी प्रफेशनल एवं वैल्युअर
(IBBI पंजी. सं.: IBBI/IP-N00117/2017-18/10286)
मस्ताना फूड्स प्रा.लि. (सीआईआरपी के अधीन एक कम्पनी) के अंतरिम प्रस्ताव प्रफेशनल
तिथि: 20.9.2019
स्थान: नई दिल्ली

Samvardhana Motherson International Limited
Proud to be part of samvardhana motherson
पंजी. कार्यालय: यूनिट 705, सी विंग, वन बीकेसी, जी ब्लॉक, बान्द्रा कुर्ला कॉम्प्लैक्स, बान्द्रा ईस्ट, मुम्बई 400051, महाराष्ट्र
Tel: +91-22-61354800 E-mail: smil@motherson.com
CIN: U74900MH2004PLC287011
वार्षिक साधारण सभा, ई-वोटिंग जानकारी तथा पुस्तक बंद होने की तिथि की सूचना
एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि:
1. कम्पनी की 14वीं वार्षिक साधारण सभा (एजीएम) संक्षिप्त सूचना पर शुक्रवार, 27 सितम्बर, 2019 को 2.00 बजे अप. में यूनिट 705, सी विंग, वन बीकेसी, जी ब्लॉक, बान्द्रा कुर्ला कॉम्प्लैक्स, बान्द्रा ईस्ट, मुम्बई 400051, महाराष्ट्र में आयोजित की जायेगी जिसमें एजीएम की सूचना में वर्णित व्यवसायों को निष्पादित किया जायेगा।
2. एजीएम की सूचना, वित्त वर्ष 2018-19 के वार्षिक रिपोर्ट की इलेक्ट्रॉनिक प्रतियाँ ऐसे सभी सदस्यों को भेज दी गई है जिनके ईमेल आईडी कम्पनी/डिपॉजिटरी पार्टिसिपैन्ट्स के पास दर्ज है। ये सभी दस्तावेज कम्पनी की वेबसाईट www.smil.co.in पर भी उपलब्ध है। एजीएम की सूचना तथा वित्त वर्ष 2018-19 के वार्षिक रिपोर्ट सभी सदस्यों को स्वीकृत पद्धत्ति में उनके पंजीकृत पते पर भेज दी गई है। एजीएम सूचना का प्रेषण भौतिक प्रेषण के लिये 17 सितम्बर तथा ईमेल द्वारा 20 सितम्बर को पूरा कर लिया गया है।
3. कट-ऑफ तिथि (13 सितम्बर, 2019) को भौतिक पद्धत्ति अथवा डीमैटेरियलाइज पद्धत्ति में शेयर धारित करने वाले सदस्य एजीएम स्थल के किसी अन्यत्र स्थान से लिंक इन्टाइम इंडिया प्राईवेट लिमिटेड की इलेक्ट्रॉनिक मतदान प्रणाली (''रिमोट ई-वोटिंग'') द्वारा एजीएम की सूचना में वर्णित व्यवसायों पर इलेक्ट्रॉनिक रूप से अपना मतदान कर सकते हैं। सभी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि:
i. एजीएम की सूचना में निर्दिष्ट व्यवसायों को इलेक्ट्रानिक माध्यमों से मतदान द्वारा निष्पादित किया जा सकता है;
ii. रिमोट ई-वोटिंग 24 सितम्बर, 2019 (09.00 बजे पूर्वा. आईएसटी) में शुरू होगी;
iii. रिमोट ई-वोटिंग 26 सितम्बर, 2019 (05.00 बजे अप.आईएसटी) में बंद होगी;
iv. इलेक्ट्रानिक माध्यमों से अथवा एजीएम में मतदान की पात्रता सुनिश्चित करने के लिये कट-ऑफ तिथि 13 सितम्बर, 2019 है।
v. 26 सितम्बर, 2019 को 5.00 बजे अप. आईएसटी के बाद ई-वोटिंग की अनुमति नहीं दी जायेगी।
vi. यदि कोई व्यक्ति एजीएम की सूचना के प्रेषण के बाद कम्पनी का शेयर अर्जित किये हों तथा कम्पनी का सदस्य बने हों तथा कट-ऑफ तिथि अर्थात् 13 सितम्बर, 2019 को शेयर धारित करते हों, वे एनएसडीएल/सीडीएसएल के पास अनुरोध भेजकर लागिन आईडी तथा पास्वर्ड प्राप्त कर सकते हैं। लेकिन, यदि कोई व्यक्ति ई-वोटिंग के लिये एनएसडीएल/सीडीएसएल में पहले से ही पंजीकृत हों तो मतदान करने के लिये वे वर्तमान यूजर आईडी तथा पास्वर्ड का प्रयोग कर सकते हैं।
vii. सदस्यगण ध्यान रखें कि : क) 26 सितम्बर, 2019 को 5.00 बजे अप. आईएसटी के बाद एनएसडीएल/सीडीएसएल द्वारा रिमोट ई-वोटिंग पद्धति निष्क्रिय कर दी जायेगी तथा सदस्य द्वारा किसी प्रस्ताव पर एक बार मतदान कर देने के बाद सदस्य को बाद में उसमें परिवर्तन करने की अनुमति नहीं दी जायेगी; ख) एजीएम में मत पत्र द्वारा मतदान की सुविधा उपलब्ध कराई जायेगी; ग) जिन सदस्यों ने एजीएम से पूर्व रिमोट ई-वोटिंग द्वारा अपना मतदान कर दिये हों वे एजीएम में शामिल हो सकते हैं लेकिन, फिर से मतदान करने के लिये अधिकृत नहीं होंगे; घ) केवल ऐसे व्यक्ति ई-वोटिंग

पंघाल ने विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक जीतकर रचा इतिहास

एकातेरिनबर्ग (रूस), 21 सितंबर (भाषा)।

भारतीय मुक्केबाज अमित पंघाल का पुरूष विश्व चैंपियनशिप में शानदार सफर रजत पदक के साथ समाप्त हुआ। वह 52 किग्रा वर्ग के फाइनल में शनिवार को ओलंपिक चैंपियन उज्बेकिस्तान के शाखोबिदिन जोइरोव से 0-5 से हार गए। हालांकि उन्होंने अपने से कहीं मजबूत प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ कड़ी चुनौती पेश की।

पंघाल ने कहा, 'मुझे लगता है कि आज मेरे पंचों में ताकत की थोड़ी कमी थी, मैं इस पर काम करूंगा। जोइरोव मुझसे अधिक समय से इस भार में रहे हैं, जिसने उनकी मदद मिली।' उन्होंने कहा, 'बहरहाल, यह मेरे करियर का सबसे बड़ा पदक है, मैं इसे अपने देश को समर्पित करता हूं।'

दूसरे वरीय पंघाल इस तरह विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक जीतने वाले पहले भारतीय मुक्केबाज बन गए हैं। देश ने इस बार दो पदक के साथ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी किया। मनीष कौशिक (63 किग्रा) ने सेमीफाइनल में हारकर कांस्य पदक हासिल किया था। इस मुकाबले में दोनों मुक्केबाजों ने ज्यादा से ज्यादा जवाबी हमला करने पर ध्यान दिया। शुरूआती तीन मिनट में पंघाल और जोइरोव ने एक दूसरे के खेल को समझने की कोशिश की। दूसरे दौर में दोनों मुक्केबाजों ने एक दूसरे पर प्रहार करना शुरू किया। पंघाल ने विरोधी खिलाड़ी के 'लो गार्ड' का फायदा उठाने की कोशिश की लेकिन जोइरोव की तेजी का उनके पास कोई जवाब नहीं था।

फाइनल में दीपक

मौजूदा जूनियर विश्व चैंपियन दीपक पूनिया शनिवार को तोक्यो ओलंपिक कोटा हासिल करने के अलावा विश्व कुश्ती चैंपियनशिप के 86 किग्रा फाइनल में पहुंच गए। वह इस तरह तोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाले चौथे भारतीय पहलवान बन गए। अपनी पहली ही सीनियर विश्व चैंपियनशिप में खेल रहे दीपक सेमी फाइनल में स्विट्जरलैंड के स्टेफान रेचमुथ पर 8-2 की जीत से फाइनल में पहुंच गए। एस्तोनिया में पिछले महीने ही जूनियर विश्व चैंपियन बने दीपक ने 2016 में विश्व कैडेट खिताब जीता था।

पेफी राष्ट्रीय पुरस्कार 25 सितंबर को

नई दिल्ली, 21 सितंबर (जनसत्ता)। दिल्ली के प्रगति मैदान में 23 सितंबर से इंडियन एग्जिबिशन सर्विसेज द्वारा स्पोर्ट इंडिया प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। 25 सितंबर तक चलने वाली इस प्रदर्शनी में देश की लगभग 200 कंपनिया भाग ले रही हैं।

भारत की निगाहें श्रृंखला जीतने पर

बंगलुरु, 21 सितंबर (भाषा)।

भारतीय टीम रविवार को एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में तीसरे टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच में दक्षिण अफ्रीका को पस्त कर श्रृंखला 2-0 से जीतने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। धर्मशाला में पहला मैच बारिश की भेंट चढ़ गया था। दूसरे मैच में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन व विराट कोहली की बेहतरीन पारी से भारत ने सात विकेट से जीत हासिल कर 1-0 से बढ़त बनाई। टीम का ध्यान टैस्ट श्रृंखला से पहले शानदार प्रदर्शन करने पर है।

कोहली के चिर परिचित उत्साही और प्रेरणादायी बातों ने ऋषभ पंत को लेकर चल रही चर्चाओं को बंद कर दिया जो पिछले मैच में कुछ नहीं कर सके। बल्लेबाजी में उनका जूझना जारी है लेकिन उनके प्रदर्शन पर निगाहें लगी होंगी। दक्षिण अफ्रीका की टीम में काफी नए खिलाड़ी मौजूद हैं जो पिछले मैच में घरेलू टीम के खिलाड़ियों को रोकने में असमर्थ रहे।

मोहाली में दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों के पास कोहली की बल्लेबाजी का भी कोई जवाब नहीं था। अब यह अंतिम मैच ऐसे मैदान पर हो रहा है जिससे भारतीय कप्तान भली भांति वाकिफ हैं और वह यहां एक और बेहतरीन पारी खेलना चाहेंगे। मध्यक्रम में भारत के पास प्रतिभाशाली श्रेयस अय्यर के बाद हार्दिक पंड्या और रविंद्र जडेजा मौजूद हैं। भारतीय टीम प्रबंधन हालांकि इस बात से संतुष्ट है कि तेज गेंदबाज जैसे दीपक चाहर और नवदीप सैनी ने नियमित जसप्रीत बुमराह और भुवनेश्वर कुमार की अनुपस्थिति में अच्छा प्रदर्शन किया। इन्हें भले ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ज्यादा अनुभव नहीं हो लेकिन वाशिंगटन सुंदर, चाहर और सैनी ने दिखा दिया कि वे दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ियों को चुनौती दे सकते हैं।

मौका-मौका

उप कप्तान रोहित शर्मा और शिखर धवन को कागिसो रबादा की अगुआई वाले तेज गेंदबाजी आक्रमण का सामना करना होगा और ये दोनों सलामी बल्लेबाज मैदान के आकार का पूरा फायदा उठाने की कोशिश करेंगे। रोहित मोहाली में शुरुआत का फायदा नहीं उठा सके तो वह इस मौके को हाथ से निकलने नहीं देना चाहेंगे।

दूसरे अभ्यास मैच में बीपी एकादश की भिड़ंत दक्षिण अफ्रीका से

सूरत, 21 सितंबर (भाषा)।

तेज गेंदबाज पूजा वस्त्राकर और मानसी जोशी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ रविवार को यहां दूसरे अभ्यास मैच में बोर्ड अध्यक्ष एकादश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहेंगी। पहला अभ्यास मैच शुक्रवार को खराब मौसम के कारण रद्द हो गया था। पूजा और मानसी लालभाई कांट्रेक्टर स्टेडियम में अच्छी गेंदबाजी करके मंगलवार से शुरू होने वाले पांच मैचों के टी-20 टूर्नामेंट के लिए खुद को तैयार करना चाहेंगी।

भारत की टी-20 टीम में चुनी गई युवा शेफाली वर्मा के प्रदर्शन पर भी सभी की निगाहें लगी होंगी। 15 साल की शेफाली को इस साल उम्र वर्ग की प्रतियोगिताओं और महिला टी-20 चैलेंज में अच्छे प्रदर्शन को देखते हुए दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी-20 श्रृंखला के लिए भारतीय महिला टीम में शामिल किया गया। अगर अंतिम एकादश में खेलने का मौका मिलता है तो हरियाणा की शेफाली इस अभ्यास मैच का पूरा इस्तेमाल कर रन जुटाना चाहेंगी। अच्छा प्रदर्शन उनका और अन्य खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाएगा। कप्तान सुषमा वर्मा और उप कप्तान देविका वैद्य भी शानदार प्रदर्शन से राष्ट्रीय चयनकर्ताओं को प्रभावित करना चाहेंगी।

रजिस्ट्रेशन नं. डी.एल.-21047/03-05, आरएनआई नं. 42819/83, वर्ष 36, अंक 308, *हवाई शुल्क:* इंफल-पांच रुपए, गुवाहाटी-चार रुपए, रायपुर-दो रुपए और पटना-एक रुपए।
दि इंडियन एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड के लिए आर. सी. मल्होत्रा द्वारा ए-8, सेक्टर 7, नोएडा- 201301, जिला गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित और मेजनीन फ्लोर, एक्सप्रेस बिल्डिंग, 9-10, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002 से प्रकाशित। फोन: (0120) 2470700/2470740, ई-मेल: edit.jansatta@expressindia.com, फैक्स: (0120) 2470753, 2470754, **बोर्ड अध्यक्ष: विवेक गोयनका, कार्यकारी संपादक: मुकेश भारद्वाज***, *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेवार। कापीराइट: दि इंडियन एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड। सर्वाधिकार सुरक्षित। लिखित अनुमति लिए बगैर प्रकाशित सामग्री या उसके किसी अंश का प्रकाशन या प्रसारण नहीं किया जा सकता।

जनसत्ता रविवारी
● 22 सितंबर, 2019 ●

पिघलते हिमनद

पूरी दुनिया में जलवायु परिवर्तन के लक्षण प्रत्यक्ष दिखाई दे रहे हैं। इसमें बढ़ता वैश्विक तापमान और पिघलते हिमनद यानी ग्लेशियर हैं। ग्लेशियरों के पिघलने से जहां एक तरफ समुद्र का जल स्तर बढ़ रहा है, समुद्र के फैलाव में उपयोगी भूखंड आ रहे हैं, वहीं पहाड़ों का बंजर बढ़ रहा है। हमारे यहां भी उत्तराखंड के ग्लेशियरों के पिघलने से वहां के पारिस्थितिकी तंत्र के बिगड़ने और पहाड़ों का जन-जीवन अस्त-व्यस्त होने का खतरा बढ़ता गया है। ग्लेशियरों के पिघलने से मानव जीवन के सामने किस तरह के संकट पैदा हो रहे हैं, बता रहे हैं अभिषेक कुमार सिंह।

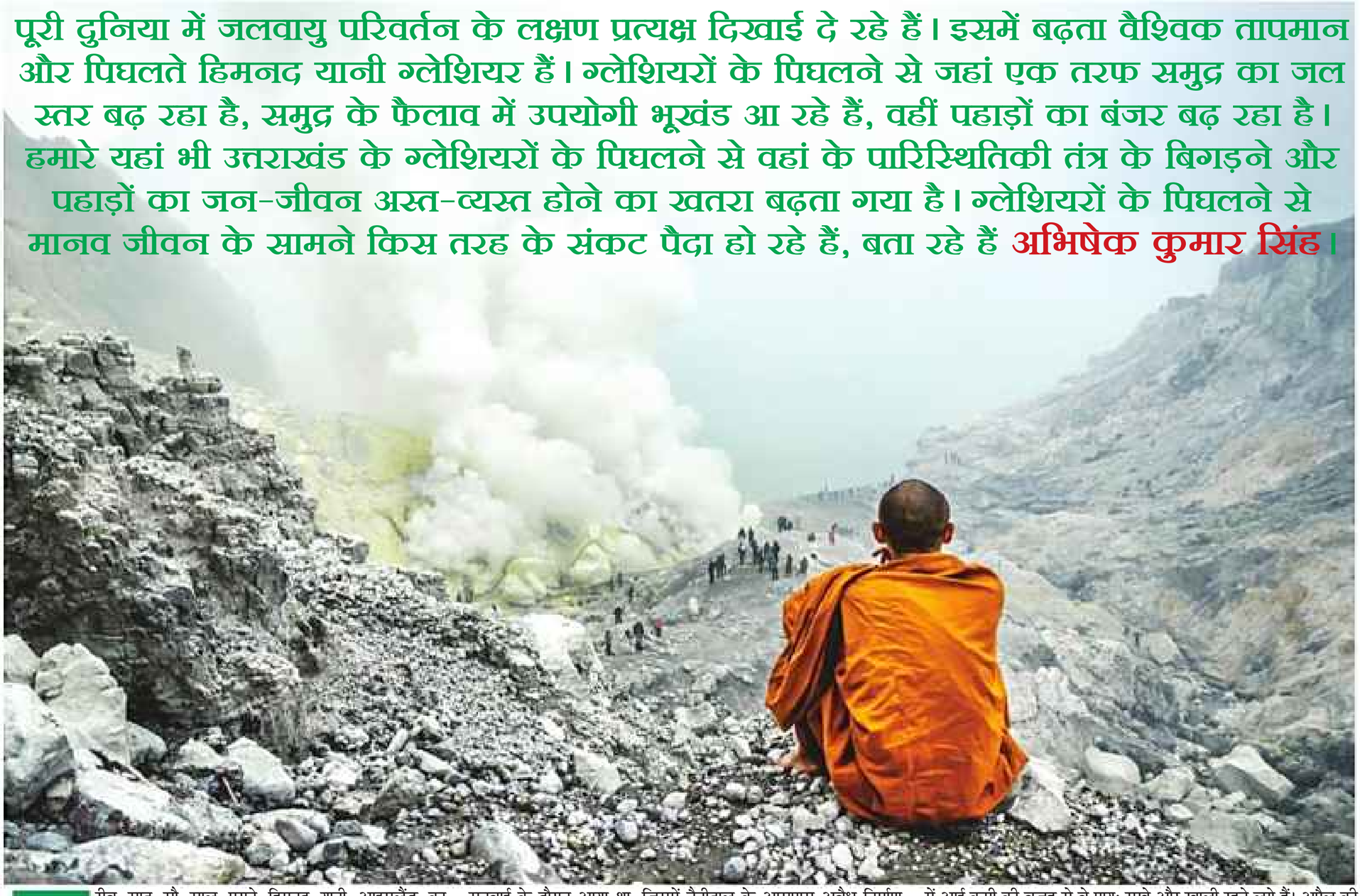

करीब सात सौ साल पुराने हिमनद यानी आइसलैंड का ओकोजोकुल ग्लेशियर जाते-जाते आखिर चला ही गया। दावा है कि यह पहला ऐसा ग्लेशियर है, जो जलवायु परिवर्तन की जानी-मानी समस्या की चपेट में आकर दुनिया के नक्शे से पूरी तरह मिट गया। सात सदी पुराना ग्लेशियर गला, तो दुनिया में पहली बार एक ग्लेशियर की याद में एक शोकसभा हुई। शोक में डूबे आइसलैंड के प्रधानमंत्री कैटरीन जोकोबस्दोतियर की अगुआई में ओकोजोकुल की मौत पर मर्सिया पढ़ा गया और दुआ की गई कि दुनिया का कोई और ग्लेशियर इस तरह हमसे हमेशा के लिए जुदा न हो जाए। करीब तैंतीस बरस तक लगातार पिघलती बर्फ के कारण यह नौबत आई कि अड़तीस वर्ग फीट किलोमीटर से सिकुड़ कर एक किलोमीटर तक रह गए इस ग्लेशियर की अंततः समाधि बन गई और इसके समाधि लेख में दुनिया के बाकी बचे ग्लेशियरों को लेकर शोकसभा में चिंता प्रकट की गई।

ग्लेशियर यानी हिमनद हमारे देश में भी पिघल रहे हैं। हमारे देश में ग्लेशियरों के पिघलने और इस वजह से प्राकृतिक आपदाओं की खबरें तो अरसे से आती रही हैं, पर इसे एक बड़ा खतरा मानते हुए अदालतों का ध्यान भी इधर गया है। तीन साल पहले 2016 में उत्तराखंड हाईकोर्ट ने इस मामले में एक बड़ी पहलकदमी करते हुए राज्य के सभी हिल स्टेशनों और ग्लेशियरों को तीन महीने में 'इको सेंसिटिव' घोषित करने और ग्लेशियरों के पच्चीस किलोमीटर के क्षेत्र में सभी प्रकार के निर्माण कार्यों पर रोक लगाने के आदेश दिए थे। इसके अलावा ग्लेशियर घूमने जाने वाले पर्यटकों पर टैक्स लगाने और उनकी संख्या नियंत्रित करने का आदेश भी अदालत ने दिया था। उत्तराखंड हाई कोर्ट का यह आदेश एक जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान आया था, जिसमें नैनीताल के आसपास अवैध निर्माण और वृक्षों के अवैध रूप से कटाई पर रोक लगाने के लिए अदालत से दखल का अनुरोध किया गया था। हाई कोर्ट ने भीमताल, सातताल, नौकुचियाताल, नैनीताल और खुरपाताल के चारों ओर दो किमी और पांच किमी के क्षेत्र में सभी प्रकार के निर्माण और वृक्षों की कटाई पर रोक लगा दी थी। यह आदेश भी दिया था कि गंगोत्री और यमुनोत्री ग्लेशियरों के पच्चीस किमी के क्षेत्र में कोई नया निर्माण नहीं होगा, जबकि दस किमी के क्षेत्र में कोयला या अन्य किसी प्रकार का जीवाश्म ईंधन नहीं जलाया जाएगा। अदालत के ऐसे आदेशों-निर्देशों पर कितना अमल किया जाता है, यह तो समय बताएगा, पर यह जरूर है कि अब ऐसे ही उपायों से ग्लेशियरों को बचाया जा सकता है। पर सवाल यह है कि आखिर ग्लेशियरों के संरक्षण के लिए ऐसे उपायों की जरूरत क्यों पड़ रही है।

छह साल पहले 16-17 जून, 2013 की रात को केदारनाथ में जो प्राकृतिक विपदा आई थी, उसके वास्तविक कारणों पर यों तो अब भी बहस होती रहती है। इस अरसे में पर्यावरणविदों, वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और सरकार ने इसके जवाब अलग-अलग ढंग से तलाशने की कोशिश की है और प्रायः सभी अलग नतीजों तक पहुंचे। लेकिन इसी दौरान पहाड़ में सूखती नदियों और खाली होती झीलों और ग्लेशियरों ने सबका ध्यान खींचा। पिघलते-सूखते ग्लेशियरों की चर्चा पिछले कुछ वर्षों में तब ज्यादा बढ़ी, जब वर्ष 2016 में नैनीताल की प्रसिद्ध नैनी झील का जलस्तर तेजी से नीचे चला गया और उसके सूखने का संकट पैदा हो गया था। नैनीताल झील का जलस्तर 1977 के बाद सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया था। सिर्फ नैनी झील ही नहीं, दावा किया गया कि उत्तराखंड में पांच सौ से अधिक पेयजल योजनाओं को आपूर्ति करने वाले जलस्रोतों और झीलों में पचास फीसद तक पानी की कमी हो गई है। टिहरी बांध तक में जलस्तर घटने और पानी का दबाव कम होने से टर्बाइन नहीं चल पाए, जिसका असर जलविद्युत उत्पादन पर पड़ा।

झील आदि जलस्रोतों के सूखने के अलावा भूगर्भशास्त्रियों का दावा यह भी है कि पिछले कुछ वर्षों में पहाड़ के जंगलों की आग ने जो रौद्र रूप धरा है, उसके पीछे ग्लेशियरों का पतन भी है। दरअसल, शीतकाल में जो ग्लेशियर और पहाड़ बर्फ से भरे रहते थे, अब सर्दियों के दौरान बर्फबारी और बारिश में आई कमी की वजह से वे प्रायः सूखे और खाली रहने लगे हैं। अप्रैल की चमकती धूप में इन्हीं ग्लेशियरों की तेजी से पिघलती बर्फ नदियों और झीलों में जल भरती रही है, पर अब ग्लेशियरों से वह जरूरी बर्फ नदारद है।

पर यह त्रासदी महज आज की नहीं है, ऐसा लगता है कि इसकी भूमिका काफी पहले से लिखी जा रही थी, पर हमारे मौसम विज्ञानी यह बात जानने में विफल रहे। ऐसे एक अहम कारण का खुलासा अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी- नासा ने 2013 में किया था। नासा ने केदारनाथ त्रासदी से करीब बीस दिन पहले 25 मई, 2013 को अपने उपग्रह- लैंडसेट-8 से केदार घाटी के कुछ चित्र लिए थे, जिनके विश्लेषण से इस केदारनाथ में हुए विनाश के कुछ कारणों का पता चला था। चित्रों में दिखा था कि केदार घाटी के ऊपर स्थित दो मुख्य हिमनदों (ग्लेशियरों)- चूराबारी और कंपेनियन- की कच्ची बर्फ तेजी से पिघल कर बहने लगी थी और मार्ग में आने वाले चट्टानी अवरोधों के कारण रिस कर आया पानी बड़ी मात्रा में केदारनाथ के ऊपर आकर जमा हो गया था। दावा है कि तेजी से पिघले हिमनदों से ही इतना भारी विनाश हुआ था। पर सवाल है कि हिमनदों के तेजी से पिघलने का आज के सूखे से क्या संबंध है?

असल में एक दौर में ग्लेशियरों के तेजी से पिघलने का एक असर यह होता है कि नदियों में पानी का प्रवाह बढ़ जाता है और कई बार जल संकट से फौरी राहत या निजात मिल जाती है। पर हमेशा यह काम नियंत्रित ढंग से नहीं होता है। इस बारे में डब्ल्यूडब्ल्यूएफ के 'ग्लोबल क्लाइमेट चेंज प्रोग्राम' की निदेशक जेनिफर मॉर्गन ने करीब पंद्रह साल पहले एक चेतावनी दी थी। उन्होंने 2005 में कहा था कि हिमनदों के पिघलने से जाहिर है कि शुरुआत में नदियों-झीलों में ज्यादा पानी आएगा। इससे पहले तो भयानक सैलाब आएंगे, जो भारी विनाश का कारण बन सकते हैं। जैसा कि केदारनाथ में हुआ। पर बाद में खाली हो चुके ग्लेशियर नदियों-झीलों को पानी की अपूर्ति करने में असमर्थ हो जाएंगे, जिससे सूखा एक त्रासदी बन जाएगा।

गौरतलब है कि हमारे देश में सिंधु, गंगा और ब्रह्मपुत्र- इन तीन बड़ी नदियों पर 38039 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल में 5220 छोटे-बड़े हिमनद हैं और सभी के सिकुड़ते जाने से यह संकट ज्यादा गहरा रहा है। भारत के हिस्से में पड़ने वाली सिंधु पर सबसे ज्यादा हिमनद हैं। वहां इनकी संख्या 3538 है, जबकि गंगा बेसिन में 1020 और ब्रह्मपुत्र में 662 हिमनद हैं। देश के पांच राज्यों- जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश- में स्थित इन सभी हिमनदों का पर्यावरण संतुलन की दृष्टि से खासा महत्त्व है। हिमालय के हिमनदों के पिघलने की रफ्तार पर हमारे पड़ोसी नेपाल के सेंटर फॉर इंटिग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट (आईसीआईएमओडी) की भी नजर रही है। इस सेंटर ने अपनी रिपोर्ट- 'फॉरमेशन ऑफ ग्लेशियल लेक इन द हिंदूकुश-हिमालय ऐंड जीएलओएफ रिस्क असेसमेंट' में कहा है कि हिंदूकुश के हिमालय क्षेत्र के चारों तरफ जो आठ हजार हिमनद हैं, उनमें से दो सौ से ज्यादा इस क्षेत्र के लिए वाकई खतरनाक हैं।

समस्या इनका खतरनाक होना भर नहीं है, बल्कि यह है कि इनके पिघलने की दर पर निगाह रख कर चेतावनी जारी करने वाली कोई माकूल व्यवस्था उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में मौजूद नहीं रही है, जबकि यही राज्य इनसे सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं। गौरतलब है कि उत्तराखंड सरकार ने बीते पांच-छह वर्षों में चार धाम यात्रा का मजबूत आधारभूत ढांचा खड़ा करने में दिलचस्पी ली है। इसी तरह आपदा प्रबंधन के नाम पर सड़कें बनाने, यात्रियों की संख्या सीमित करने, उनका मेडिकल टेस्ट कराने, आपदा की सूरत में बचाव के रास्तों को चिह्नित करने आदि के सब काम किए हैं, लेकिन कहीं इसका जिक्र नहीं मिला कि हिमनद के तेजी से पिघलने की जानकारी लेने और उसकी समय पर सूचना देने का प्रबंध भी किया गया हो।

हिमनदों के पिघलने-सिकुड़ने की समस्या दुनिया के किसी एक हिस्से तक सीमित नहीं है, बल्कि चौतरफा है। हमारे देश में गंगोत्री के अलावा पिंडारी और शिगरी नाम के दूसरे बड़े हिमनद पिघले हैं। जम्मू-कश्मीर का पिंडारी हिमनद 1848 से 1957 के बीच एक सौ आठ वर्षों में 1350 मीटर सिकुड़ चुका था। इसी तरह, तंजानिया (अफ्रीका) में किलिमंजारो के ग्लेशियर लगभग गायब हो चुके हैं। पेरू की दक्षिणी एंडेस पर्वतमाला में स्थित क्युलस्सया बर्फ टोपियां 1963 के बात बीस फीसद पिघल गईं। अमेरिका में ओहियो स्थित बायर्ड पोलर रिसर्च सेंटर के विज्ञानियों ने दो दशकों के दौरान किए गए शोध में पाया कि अफ्रीका के अलावा, दक्षिणी अमेरिका, चीन, तिब्बत, भारत और दूसरी जगहों पर ग्लोबल वॉर्मिंग आदि अनेक पर्यावरणीय कारणों से हिमनद पिघल रहे हैं। निश्चय ही पर्यावरण हितैषी उपाय ही इन्हें बचाने में कारगर हो सकते हैं।

अगर हम हिमालय के पर्यावरण से छेड़छाड़ न करें, नदियों का प्राकृतिक प्रवाह न रोकें और सीमित दायरे में रह कर तीर्थयात्रा और पर्यटन करें, तो ही प्रकृति की ये सौगातें वरदान के रूप में मौजूद रहेंगी और इनसे ऐसा विनाश नहीं होगा। कोशिश होनी चाहिए कि हिमनदों के रूप में प्रकृति के इस ठंडे और श्वेतवर्णी वरदान को हमेशा के लिए बचा कर रखा जा सके। ■

ग्लेशियर हैं तो हम हैं

समुद्रों को पानी से भरा रखने वाली नदियों में पानी आता है हिमनदों यानी ग्लेशियरों से। दो साल पहले 2017 में जब उत्तराखंड हाईकोर्ट ने पहले गंगा-यमुना नदियों को इंसान की जीवित इकाई का दर्जा दिया था, तो शायद यह सवाल अदालत के मन में भी रहा होगा कि इस हक से ग्लेशियर वंचित क्यों रहें। जबकि वे यानी ग्लेशियर हैं, तभी तो नदियां हैं, समुद्र हैं, यह सारा जीवन है। यही वजह रही है कि गंगा-यमुना के साथ उत्तराखंड हाईकोर्ट ने जीवित व्यक्ति मानने के दायरे में गंगोत्री-यमुनोत्री ग्लेशियर्स, झीलों, हवा, जंगलों, झरनों और घास के मैदानों को भी शामिल कर लिया और इन्हें भी जीवित इंसान जैसे कानूनी हक दिए जाने की बात कही। लेकिन इस फैसले में भी अदालत का ज्यादा जोर गंगोत्री और यमुनोत्री ग्लेशियरों पर ही रहा।

अदालत के ऐसे आदेशों-निदेर्शों पर कितना अमल किया जाता है, यह तो समय बताएगा, पर अब ऐसे ही उपायों से ग्लेशियरों को बचाया जा सकता है। आखिर ग्लेशियरों के संरक्षण के लिए ऐसे उपायों की जरूरत क्यों पड़ रही है। इसकी एक फौरी वजह केदारनाथ त्रासदी और उत्तराखंड की सूखती झीलें हैं। करीब छह साल पहले 16-17 जून, 2013 की रात को केदारनाथ में जो प्राकृतिक विपदा आई थी, उसके वास्तविक कारणों पर यों तो अब भी बहस होती रहती है। पर्यावरणविदों, वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और सरकार ने इसके जवाब अलग-अलग ढंग से तलाशने की कोशिश की है और प्रायः सभी अलग नतीजों तक पहुंचे। मगर इसी दौरान पहाड़ में सूखती नदियों और खाली होती झीलों और ग्लेशियरों ने सबका ध्यान खींचा। देश के बाहर कई मुल्कों में ग्लेशियरों को पिघलने से बचाने के लिए कहीं उन्हें लंबे-चौड़े तिरपाल से ढंका गया है, तो कहीं तीखी धूप से उन्हें बचाने के लिए सूरज की किरणों को वापस मोड़ने के लिए दर्पण आदि लगाने के प्रबंध किए गए हैं। यकीन मानिए, अगर ग्लेशियर सूख गए तो न नदियां हरी रहेंगी और न बादलों को जन्म देने वाले सागरों का कोई वजूद बचेगा। ■

धधक रही धरती

हाल में जिस एक अन्य खबर ने दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है, वह आर्कटिक इलाके से जुड़ी है। आर्कटिक को धरती का फ्रीजर कहा जाता है। यहां सदियों से जमी बर्फ धरती का तापमान नियंत्रित करने में काम आती रही है, पर इधर दावा किया गया है कि आर्कटिक शेष दुनिया की तुलना में दोगुनी रफ्तार से गर्म हो रहा है, जिससे इसमें जमी बर्फ भयानक गति से गायब होने लगी है। बर्फ पिघलने के दो असर हुए हैं। पहले यहां के बड़े इलाके में मौजूद बर्फ सूरज की किरणों को वायुमंडल में वापस ठेल देती थी, लेकिन बर्फ का दायरा सिकुड़ते जाने से अब वह काम नहीं हो पा रहा है। यही नहीं, बर्फ के पिघल जाने से आसपास के समुद्र का दायरा बढ़ गया है, जिसका पानी सूर्य की ऊष्मा को अपने अंदर सोख लेता है। जज्ब की हुई यह ऊष्मा आर्कटिक इलाके में गर्मी और बढ़ा रही है। इससे आर्कटिक की बर्फ और तेजी से पिघल रही है।

उल्लेखनीय है कि पर्यावरणविद् अरसे से चेतावनी दे रहे थे कि अगर वक्त रहते ठोस उपाय नहीं किए गए तो आर्कटिक को गायब हो जाने से रोका नहीं जा सकेगा। अमेरिका पर्यावरणविद फिलिफ हिगुएरा की भविष्यवाणी इस मामले में खासतौर से रेखांकित की जाती है, जिन्होंने 2016 में ग्रीनलैंड, कनाडा और साइबेरिया के आर्कटिक इलाकों में आग लगने की घटनाओं में इजाफे की बात कही थी। यह वास्तव में एक विचित्र बात है कि सदियों से जो इलाके पूरी तरह बर्फ में जज्ब थे, अब वहां गर्मी अपना असर दिखा रही है और तापमान बढ़ने के कारण बार-बार बिजली गिरने से वहां के कई इलाकों में आग तक लग रही है। एक खतरा और है। भीषण ठंड के कारण आर्कटिक में अभी तक कीटाणु नहीं पनपते थे, लेकिन अब वहां का माहौल गर्म होने से कीटाणुओं के प्रकोप की समस्या भी पैदा हो सकती है। ऐसा होने पर पूरी धरती का इको-सिस्टम प्रभावित होगा और धरती पर जीवन और मुश्किल में पड़ जाएगा। ■

समुद्र

कहानी

अमरेंद्र मिश्र

चित्र: नरेंद्र यादव

एक डरावने ख्वाब के साथ नींद खुल गई थी। अचकचा कर टेबल घड़ी की ओर देखा- तीन बज रहे थे। मुझे जरा अचरज हुआ कि रात को कैसे मैं बत्ती गुल करना भूल गया! मैं उठ कर बैठ गया और महसूस करता रहा कि कल पूरे दिन की थकान शायद अभी उतरी नहीं है। मन भारी-भारी-सा था और शरीर सुस्त। मैं फिर से सो जाना चाहता था, लेकिन फिर से सो जाने का कोई औचित्य अब रह नहीं गया था। लेकिन इस समय जबकि तीन बज रहे हैं, अब से सुबह तक क्या किया जाए। मैंने अपनी आंखें बंद कर ली और सोचता रहा कि क्या पता फिर नींद आ जाए! पर मेरी कोशिश व्यर्थ गई। चारों ओर सन्नाटा था और शांति बिछी हुई थी। ऐसे में अगर कुछ सुनाई पड़ती थी तो सिर्फ कुत्तों के भौंकने की आवाजें- एक आवाज के समानांतर दूसरी आवाज का सवाल-जवाब।

मैंने अपनी आंखें बंद कर ली और इंतजार करता रहा कि क्या पता कहीं से पुरवाई का हल्का झोंका आ जाए और नींद की खुमारी छा जाए। पर मन पर पिछली रात का एक बोझिल सफर था। मेरे मानस पर पिछली रात का भयानक ख्वाब जैसे चिपक गया था। मेरी आंखें फिर खुल गईं और शून्य में टंग गईं, जो निश्शब्द था। इस मनःस्थिति के बीच भी उस शून्य में मैंने कोई हसीन ख्वाब तलाशने की कोशिश की, तो वहां से जैसे गोल-गोल अंगारे बरसने लगे थे और सबके सब मेरे शरीर पर गिर रहे थे। मैं फिर उठ बैठा। अपनी ही देह को हिलाता-डुलाता रहा, पर सब कुछ ठीक-ठाक ही तो था! लेकिन इस बीच अचानक ऐसा लगा, मानो मेरी देह भारी हो गई है, हिल-डुल नहीं रही है। मैंने अपनी गर्दन घुमाई, पर वह सीधा तन गई थी। मेरी आंखें उसी तरह शून्य में टंगी थीं, जहां किसी हसीन ख्वाब की जगह कई-कई लाल अंगारे लगातार बरस रहे थे।

मैं रात के उस ख्वाब के विषय में फिर से सोचने लगा। वह कुछ ऐसा था मानो मैं समुद्र किनारे मीलों घूमते-घूमते एक निर्दिष्ट जगह पर खड़ा कॉफी ले रहा था। वहां कई सैलानी हैं। दूरदराज से आए हजारों सैलानी। वे सबके सब अपरिचित हैं मेरे लिए। उन्हें देख कर भला किस तरह की आश्वस्ति मिल रही थी मुझे! उन्हें देख-देख कर मैं बोर हो रहा हूं, क्योंकि सागर-तट पर उन सैलानियों के बीच न तो सुरक्षित हूं, न प्रसन्न। मैं सिर्फ तटस्थ हूं, कहीं दूर खड़ा उनके बीच हूं या फिर उस भीड़ में होता हुआ भी उसमें शामिल नहीं हूं।

मॉरीशस का यह बेहद आकर्षक समुद्र तट है, जिसे स्थानीय लोग 'ग्रांब वे' कहते हैं। मैं देखता हूं कि सैलानी किस तरह की मस्ती कर रहे हैं। अपने आप में सब मस्त हैं। एक एंग्लो इंडियन युवती रेत पर औंधे मुंह लेटी है- बिलकुल निश्चेष्ट, मदहोश, बेहोश और अर्धनग्न। एक भारतीय जोड़ा दिख जाता है। उनकी नई-नई शादी हुई है। दोनों की उम्र कोई बीस-बाईस के आसपास होगी। इस माहौल में, जबकि दूर-दूर तक रौरव नाद करती समुद्र की लहरें हैं, हजारों अपरिचित चेहरे हैं, और है एक खूबसूरत दिन! लड़का लड़की से एकदम उन्मुक्त होने की जिद करता है। लड़की 'ना' कहती है। लड़का कसम दे रहा है। लड़की तैयार हो जाती है, पर किसी कसम या जिद पर नहीं। वह भारतीय पहनावा उतारना नहीं चाहती। यहां जबकि सभी पर्यटक लगभग आधे हैं, औरतें और लड़कियां आधी हैं, लड़का भी आधा हो चला है, पर लड़की आधा नहीं होना चाहती।

'यह लबादा ओढ़े यहां क्या करने चली आई? हम किसी फैशन शो के लिए यहां नहीं आए हैं। होटल छोड़ते वक्त क्या मैंने कहा नहीं था कि अपने हनीमून को यादगार बनाने के लिए हम एकदम उन्मुक्त होकर खूब घूमेंगे-फिरेंगे। मगर एक तुम हो कि हमेशा कपड़ों को लेकर ही सतर्क रहा करती हो।'

लड़की संयत थी। समझाते हुए बोली- 'बात दरअसल वह नहीं रवि। तुम समझने की कोशिश क्यों नहीं करते कि मैं किसी तरह वह नहीं कर सकती जैसा सब करते हैं।'

'लेकिन तुम्हें वैसा करने को कह कौन रहा है, मैं तो बस तुमसे एक खुलापन चाहता हूं।'

'छीः यह क्या कह दिया? इतने गंदे हो तुम, यह तो मैं सोच भी नहीं सकती हूं। क्या खुलापन सिर्फ शरीर का होता है? सोचना तो यह चाहिए कि हमारा मन कितना खुला है!'

रेत पर चलते हुए रवि आगे की ओर बढ़ता रहा। उसकी पत्नी कहती जा रही थी- 'खुलापन तो हमारे विचारों में होना चाहिए रवि। सब कुछ सामने रख कर खुल कर जीना चाहिए। ये आवाजें रवि तक मद्धिम-मद्धिम पहुंच रही थीं, क्योंकि रवि की चाल तेज होती जा रही थी। वह तेज गति से आगे बढ़ता जा रहा था, जबकि उसकी पत्नी उसके पीछे-पीछे चलती रेत के गह्वर में धंसती जा रही थी। अचानक वह जोर-जोर से चीखने लगी- 'बचाओ, बचाओ, बचाओ, बचाओ...' समुद्र की सहस्त्र लहरों ने पहले उसे नहलाया-धुलाया और फिर उसके भंवर में लिपट-लिपट डूबती-उतराती, उगती-उमगती लड़की समाधिस्त हो गई अतल गहराई में। लड़का बेतहाशा हांफता-भागता जब तक लड़की तक पहुंच पाता, काफी देर हो गई थी।

स्वप्न बड़ा ही खौफनाक था और मैं पसीने में तरबतर था। मैंने याद करने की कोशिश की, 'हां, यह ख्वाब ही है- निखालिस ख्वाब। इसी ने मुझे जगा दिया है और मैं भटक रहा हूं। मेरी आंखें भी शून्य में टंगी हैं। और मैं शिथिल तथा स्तब्ध यह सब देख रहा हूं।

कल तो ऐसा कुछ नहीं घटा था।

नहीं, ऐसा कुछ भी नहीं घटा था। कल मैं 'ग्रांब-वे' समुद्र तट गया था और ऐसा तो कुछ भी नहीं हुआ था। न तो कोई लड़की रेत में धंसी थी और न किसी लड़के ने किसी प्रकार की जिद की थी।

सुबह होने को आई थी और मैं दिन भर के अपने कार्यक्रम पर सोच रहा था। मुझे याद आया कि सबसे पहले मुझे बोबांसा जाना है। वहां जाकर शास्त्री जी से मिलना है। पिछले पच्चीस-तीस बरस से शास्त्री जी मॉरीशस में सपरिवार रह रहे हैं। जब मैं भारत में उनसे मिला था, तो उन्होंने आग्रह किया था कि मॉरीशस आने के बाद सबसे पहले मैं उनसे ही मिलूंगा। वहां के लिए वे ही मेरे 'बेस्ट गाइड' हो सकते हैं।

उनसे मिलने जाते वक्त रास्ते में मुझे कई पथरीले पहाड़ मिले। जंगल की शक्ल में अनगिनत पेड़ मिले और मिले कुछ तेज झरने। जंगली फूलों के पौधे और अनगिनत वनस्पतियों की दुर्लभ प्रजातियां। इन राहों से गुजरते हुए मुझे अपने देश के मध्यप्रदेश स्थित सतपुड़ा के घने जंगल याद हो आए। सड़कें काफी साफ-सुथरी थीं। उनके दोनों तरफ किनारे-किनारे लंबे पेड़ थे, जिनके लिए मैं तो अनजान था, पर वे मानो अपनी भुजाएं फैलाए मेरा ही स्वागत कर रहे थे। एक सीधी-सपाट खुली राह पर मेरी कार सरपट दौड़ रही थी। कार में म्यूजिक चल रहा था और हिंदी फिल्मों का सदाबहार गीत यहां दो देशों को परस्पर जोड़े हुआ था। मैं देख रहा था कि कार ड्राइवर उस संगीत को बड़ी तन्मयता के साथ सुन रहा था।

'तुम्हारे इस सुंदर देश में हिंदी फिल्में लोग देखते हैं?'

हां, साब जी, बहुत। हिंदी सिनेमा यहां खूब लोकप्रिय है। हिंदी गाने तो यहां दिन-रात चलते ही रहते हैं। हम बोबांसा आ गए हैं साब जी। वह रहा शास्त्री जी का घर, वह लालरंग से पुता। ड्राइवर ने जैसे मुझे आश्वस्त किया।

पर यह क्या? शास्त्री जी के दरवाजे पर ताला बंद पड़ा था। मेरे आश्चर्य का ठिकाना न रहा। कहां गए होंगे शास्त्री जी? आसपास किससे पता करूं कि शास्त्री जी कहां गए होंगे। कहीं कोई दिखाई भी तो नहीं पड़ता!

मैं यह सब सोच ही रहा था कि इस बीच शास्त्री जी दिख पड़े- पश्चिम की दिशा से आते हुए। मैंने उन्हें सादर नमस्कार किया और जवाब में उन्होंने भी नमस्कार किया। कहने लगे- 'अभी-अभी एक सी-बीच से आ रहा हूं। दरअसल, वहां एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना घट गई। हमारे अपने ही देश से शादी के बाद एक जोड़ा समुद्र के किनारे-किनारे घूमता समुद्र की लहरों के भंवर में डूबते-उतराते आखिरकार डूब गया। कारण किसी को नहीं मालूम। खैर, छोड़िए इन बातों को। यहां पर यह सब तो चलता ही रहता है। आप अपना सुनाइए। सब ठीक तो है?

'जी, सब ठीक है। लेकिन आप यह बताइए...'

वे बीच में ही बोल पड़े- 'बस, यही जान लें कि आग और पानी के साथ किसी को मजाक नहीं करना चाहिए।'

सच तो यही है कि वह नवविवाहित जोड़ा वहीं समुद्र में डूब कर मर गया।

इतना कहने के बाद शास्त्री जी दूर-दूर तक फैले गन्ने के खेतों की ओर देखते रहे, जो अपने कटने की प्रतीक्षा कर रहे थे।

मैं पिछली रात के उस भयानक ख्वाब के विषय में सोच रहा था, जिसने मुझे स्तब्ध कर दिया था। मैं जड़वत था।

'दिसंबर महीने में हर साल मेरे परिवार के लोग छुट्टियां मनाने या तो लंदन चले जाते हैं, या फिर इंडिया जाते हैं। इस बार अपने ही देश गए हैं।'

'यह तो अच्छी बात है कि मॉरीशस में पिछले कई बरस रह लेने के बाबजूद भारत के साथ संबंध बरकरार हैं।'

मुझे लगा, शायद यह बात उन्हें अच्छी न लगी हो, क्योंकि वे अचानक बोल पड़े- 'क्या कह रहे हैं आप? अरे साहब, हम इस मुल्क में चाहें कितनी ही शताब्दियां बिता दें, लेकिन इंडिया को हम कैसे भूल सकते हैं? माना कि रोजी-रोटी के लिए हमारे बाप-दादा यहां आए होंगे, अपना देश छोड़ दिया होगा, पर इसका अर्थ यह तो कदापि नहीं कि हम अपने देश को भुला बैठें! यह तो हम सपने में भी नहीं सोच सकते। शादी-विवाह या इस तरह के दूसरे कर्मकांड हम भारत जाकर ही संपन्न करते हैं।... अच्छा, छोड़िए यह सब। यह बताइए कि आगे का क्या कार्यक्रम है?'

'सिर्फ घूमना-फिरना और लोगों से मिलना। महात्मा गांधी संस्थान जाना और अपने शोध कार्य को आगे बढ़ाना।'

'घूमने के लिए तो पूरा देश ही है आपके सामने। इस छोटे-से खूबसूरत देश को आप महज तीन-चार दिनों में घूम सकते हैं। कल सुबह ही मैं अपने ड्राइवर को बुलाता हूं।'

'जी, ठीक है।'

'अभी हम कोदो चलते हैं।'

'जी, यह कोदो क्या है और कहां पर है?'

'यह पोर्ट लुई में है। पोर्ट लुई मॉरीशस की राजधानी है। इसी के पास कोदो है। इसी के पास कोदो है। इसी से सटा ऐतिहासिक आप्रवासी घाट है भी है। स्थानीय लोग इसे कुलीघाट भी कहते हैं।... क्या आपने आप्रवासी घाट का नाम सुना है?'

कुछ पल सोचने के बाद मैंने कहा- 'जी, किताबों में पढ़ा है। वही घाट, जहां हमारे पूर्वज पहली बार उतरे होंगे। जब पानी का जहाज चलता था। भारत से मॉरीशस पहुंचने में चालीस दिन लग जाते थे।'

शास्त्री जी बता रहे थे कि हमारे पूर्वजों को यहां जितनी कठोर यातनाएं दी गई थीं, उन्हें इतिहास की कोई पुस्तक संपूर्ण रूप से व्याख्यायित न कर पाई है। कभी कोई अध्येता काम करे तो बात बने। मुझे ऐसा लगता है कि रिसर्च करने वालों ने समस्याओं को गहराई से महसूस नहीं किया है। कायदे से उन्हें मॉरीशस की वर्तमान पीढ़ी से भी बातचीत करनी चाहिए। उनसे उनके पुरखों के बारे में भी पूछना चाहिए और उनके अनुभवों से लाभ उठाना चाहिए और अपने रिसर्च में शामिल करना चाहिए।

पता नहीं शास्त्री जी कब तक मॉरीशस के विषय में बातचीत करते रहे और सुनते-सुनते मैं सो गया। पर अजीब बात तो यह है कि नींद में वही सपना फिर से चलने लगा-समुद्र, समुद्र का किनारा, सफेद बालुका राशि और छूटे हुए पांवों के निशान... एक नवविवाहित जोड़ा और जल समाधि।

मुझे लगा, शून्य में टंगे हुए लाल अंगारे अब बर्फ की शक्ल में झूल रहे हैं। मैं अगली सुबह की प्रतीक्षा करने लगा। ❑

शास्त्री जी बता रहे थे कि हमारे पूर्वजों को यहां जितनी कठोर यातनाएं दी गई थीं, उन्हें इतिहास की कोई पुस्तक संपूर्ण रूप से व्याख्यायित न कर पाई है। कभी कोई अध्येता काम करे तो बात बने। मुझे ऐसा लगता है कि रिसर्च करने वालों ने समस्याओं को गहराई से महसूस नहीं किया है। कायदे से उन्हें मॉरीशस की वर्तमान पीढ़ी से भी बातचीत करनी चाहिए। उनसे उनके पुरखों के बारे में भी पूछना चाहिए और उनके अनुभवों से लाभ उठाना चाहिए और अपने रिसर्च में शामिल करना चाहिए।

कौन जीता है तेरी जुल्फ के सर होने तक

ललित प्रसंग

सुरेश सेठ

इस देश के भाग्य में इंतजार लिख दिया गया है। हम सब हैं ही अच्छे दिनों के आने के इंतजार की प्रतीक्षा सूची में। अभी खबर मिली है कि इस देश का लगभग हर स्वप्नजीवी इन्सान बेहतर दिनों की तलाश में विदेश पलायन कर जाने की अंतहीन कतार में बरसों से खड़ा है। अगर ईमानदारी से इस कतार में खड़े होकर अमेरिका में जाकर बसने का ग्रीन कार्ड प्राप्त करना है, तो इसमें एक सौ इक्यावन वर्ष लगेंगे। एक आदमी की औसत आयु निकालने वाले आंकड़ाशास्त्री उसे सत्तर बरस बताते हैं। इसका अर्थ यह हुआ कि एक आम आदमी को इस देश से कानूनी तरीके से ग्रीन कार्ड हासिल करने के लिए दो जिंदगी जमा दस वर्ष चाहिए। अब बताइए, 'भला कौन जीता है तेरी जुल्फ के सर होने तक?'

इसलिए हर शहर में कबूतरबाजों के कुनबे पनपने लगे हैं। ये अपने अवैध पंखों पर सवार करवा कर इन दिवास्वप्नशील प्रतीक्षा ग्रस्त नौजवानों को विदेशी धरती तक पहुंचाते हैं। अपने विरसे का सब जमा जत्था बेच कर इन्हें इन अवैध पंखों पर सवारी मिलती है। उम्मीद उड़ान भर कर न्यूयार्क पहुंच जाने की होती है, लेकिन अभागा भगोड़ों की तरह टिंबकटू के जंगलों में उतार दिया जाता है। उम्मीद लकदक चमकदार बड़ी गाड़ियों, और ऊंचे फ्लैटों में जीने की होती है, तोहफा मिलता है तेल देशों में दोयम दर्जे की नागरिकता का या औरत हो तो शेखों के हरमों में यौन शोषण का। मर्द हो तो उनके दड़बों में कैद होकर उनकी ठोकरों से लेकर कोड़ों के बरसने का इंतजार करना पड़ता है। बेशक एक गुमनाम, दोयम दर्जे की जिंदगी उसके इस प्रमाण के बाद उसका इंतजार करती है। पलायन करने वाला डरे, तो चचा हंस कर उसे समझाते हैं कि 'इस देश में तो तुम यह भी नहीं पाते। तुम्हें मिली है यहां सातवें दर्जे की नागरिकता की जिंदगी, जिसमें रोटी, कपड़ा, मकान, रोजी-रोजगार के वादे हैं, जो नेताओं के भाषणों में से उभरते हैं और हवा में जुमले बन कर दम तोड़ देते हैं। हर सर को छत का वादा बार-बार दोहराया जाता है, लेकिन भू-माफिया द्वारा खड़े किए गए बहुमंजिलें भवनों के पिछवाड़े दम तोड़ देता है।

हम गए थे वहां उन दम तोड़ते सपनों की खोज-खबर लेने, लेकिन वहां कोई राजू डफली वाला हमें 'दिल का हाल सुने दिल वाला' गाकर नाचता हुआ दिखाई नहीं दिया।

जब मसीहाओं ने अपने दिल की जगह सोने की ईंटें लगा लीं, तो भला बताओ तुम्हारा हाल उन तक पहुंचेगा कैसे? तुम तो सात समुद्र पार के लोगों को अपना हाल सुनाने के लिए एक चरमराती हुई नौका में ठुंस गए थे। तूफानी थपेड़ों का आघात न सह सकी, वह माल्टा के पास आगाध जल राशि में डूबी। लेकिन केवल एक बार नहीं। यहां बरमूडा त्रिकोण जैसे हम समुद्र में माल्टा उभरते हैं और नौजवानों से भरी नौकाएं डूबती रहती हैं। लेकिन डूबते नौजवानों की हृदय विदारक चीखें कौन सुनता है? एक नौका डूबती है, और दूसरी नौका के लिए सपना जीते युवक कतार लगाए खड़े मिलते हैं। क्या हुआ जो सपने टूट गए? लोगों को तो इनके टूटने की आदत हो गई है।

जुमलेबाज नेता आज भी उन्हें बहलाते हैं, 'हर पेट को रोटी, हर हाथ को काम' और मिलेगा जीवन भर का आराम' आराम तो नहीं मिला, हां, पीढ़ी-दर-पीढ़ी जीना हराम हो गया, काम के अधिकार को सुविधा केंद्रों की बंद खिड़कियों के पीछे से नौकरशाहों के अट्टहास ने छीन लिया, और 'पढ़ोगे लिखोगे बनोगे नवाब' की शिक्षा के मौलिक अधिकार को अंग्रेजी शिक्षा की चमकदार दुकानों ने। आज भी देश की नब्बे प्रतिशत जनता इन दुकानों से वनवास भोग रही है। बताइए निरक्षर भट्टाचार्यों का यह गट्ठर कबूतरबाजों का हाथ पकड़ कर विदेश बिकने के लिए क्यों न चला जाए? बेशक वहां जिंदगी बंधक है, लेकिन मोल तो अच्छा मिलता है। देश के मसीहा अपने नारों में इसकी चिंता करते हैं, अरे देश से प्रतिभा पलायन रोको, क्योंकि यही तो हमारी प्राणशक्ति है।' लेकिन यह प्राणशक्ति निर्जीव होकर देश के हर कोने में कुकरमुत्तों की तरह उग आए आईलैट्स संस्थानों में वीजा बैंडों की तलाश कर रही है। लड़कियों की संख्या इन अकादमियों में बढ़ गई, क्योंकि वे बैंड हासिल करके एक के साथ एक ले जा सकेंगी। एक स्वयं और एक उनका नकली दूल्हा, जिसे वह विदेश तक तस्कर कर पराई धरती पर लापता छोड़ देती है। मुट्ठी भर सिक्कों के बदले। लेकिन अब सुना है विदेशी धरती अपनी मुट्ठियां भींच रही है। नकली दूल्हों को तारणहार नहीं मिल रहे। इन्हें इंतजार करना होगा, अभी और उन एक रात की दुल्हनों के साथ, जिन्हें प्रवासी भारतीय उनकी मांग पर इस धरती पर छोड़ गए, वे भी अपने दूल्हों की वापसी का अंतहीन इंतजार करती हैं।

जी हां, इस अवैध तंत्र को छिन्न-भिन्न करने के लिए बन रहे हैं, सख्त कानून। धीरज रखें उनके लागू होने का इंतजार करें। सिर्फ इंतजार ही तो करना है। आपको इसकी आदत भी हो जानी चाहिए कि अगर कानून बन भी जाएंगे तो उनको लागू करने के जिम्मेदार ही खुद उन्हें तोड़ते नजर न आएं। कानून को तोड़ना कोई दोष नहीं है। ऐसा एक कौव्वे ने हमारे कान में फुसफुसाया है। असल दोष तो है कानून तोड़ कर दंड विधान की गिरफ्त में आ जाना। गिरफ्त के चक्रव्यूह में आ गए और उसे तोड़ना नहीं जानते तो तुम ऐसे अभिमन्यु हो, जिसे इस नए युग में जीने का कोई हक नहीं। मामा शकुनि ने उस युग में कहा था, आज होते तो शायद फिर इसे दोहरा देते। ❑

असल दोष तो है कानून तोड़ कर दंड विधान की गिरफ्त में आ जाना। गिरफ्त के चक्रव्यूह में आ गए और उसे तोड़ना नहीं जानते तो तुम ऐसे अभिमन्यु हो, जिसे इस नए युग में जीने का कोई हक नहीं।

तपस्वी जीवन श्रेष्ठ जीवन

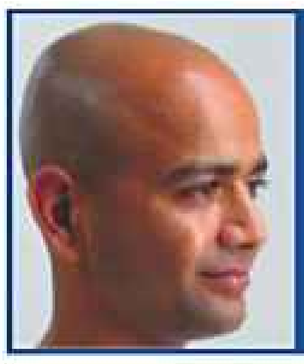

योग दर्शन

डॉ. वरुण वीर

जीवन में तपस्या मनुष्य की सहनशक्ति का अद्भुत विकास करती है। तपस्वी का जीवन न केवल उसके लिए लाभकारी, बल्कि समाज को भी प्रेरणा देने वाला होता है। तपस्या का फल अनेक स्तरों पर अनेक प्रकार से मिलता है। धैर्य, संतोष तथा सरल जीवन तपस्वी को तपस्या करने में अधिक सहायक होते हैं। तपस्या का केवल यह अर्थ नहीं है कि शरीर को तपाया जाए, अनेक प्रकार से कष्ट दिए जाएं, बल्कि शरीर, मन, वचन तथा कर्म अनेक स्तरों पर तपस्या की जा सकती है। सभी का फल भी अलग-अलग स्तरों पर मिलता है। गीता में कृष्ण ने तपस्या को तीन भागों में बांटा है- शरीर, वचन तथा मन।

देवद्विजगुरु प्राज्ञपूजनं शौचमार्जवम ।
ब्रहचर्यामहिंसा च शरीरं तप उच्यते ॥

राष्ट्र सेवा में राष्ट्र द्वारा नियुक्त देवपुरुष अर्थात देश की रक्षा करने वाले सिपाही, पुलिस, सुरक्षाकर्मी आदि देश और समाज की व्यवस्था को बनाए रखते हैं। अगर सुरक्षाकर्मी नहीं होंगे, तो समाज में अराजकता, अनुशासनहीनता होने से हिंसा को बढ़ावा मिलेगा और समाज की सभी व्यवस्थाएं चरमरा जाएंगी। अगर देश की सुरक्षा के लिए सीमा पर जवान नहीं होगा तो शत्रु आपके घर के भीतर घुस कर आपको भयभीत करेगा। जो लोग ब्राह्मण, गुरु और विद्वानों की सेवा करते हैं उनके भोजन, रहन-सहन का सम्मान करते हैं तथा शरीर को स्वच्छ और स्वस्थ बना कर रखते हैं, अपने व्यवहार में सरलता रखते हुए विनम्रता पूर्वक सभी से व्यवहार करते हैं और जो व्यक्ति ब्रह्मचर्य का पालन करता है, शरीर से हिंसा नहीं करता है। ये सब शारीरिक तप की श्रेणी में आते हैं।

ब्रह्मचर्य की रक्षा करना अत्यंत कठोर तपस्या है। सभी तपस्याएं इसके नीचे की श्रेणी में आती हैं। महर्षि पतंजलि ने योग दर्शन में ब्रह्मचर्य का स्पष्ट लाभ बताया है- 'ब्रह्मचर्य प्रतिष्ठां वीर्य लाभः'। ब्रह्मचर्य का पालन करने से वीर्य की वृद्धि तथा रक्षा होती है। यही शरीर तथा मस्तिष्क की शक्ति का आधार है। शरीर की मुख्य और मूल शक्ति है। पांचों इंद्रियों से संबंधित तपस्या करना कठिन है। जो इन इंद्रियों को वश में कर लेता है वह राजा हो जाता है और जो इन इंद्रियों के वशीभूत बना रहता है, वह गुलाम हो जाता है। एक बार मन को कठोर करने से इंद्रियों की गुलामी से छूट सकता है। लेकिन ब्रह्मचर्य का पालन करना सबसे कठिन है। जो ब्रह्मचर्य पर विजय पा लेता है वह भीष्म पितामह और दयानंद सरस्वती की तरह बलशाली हो जाता है।

हिंसा का त्याग कर अपने जीवन को सुख पूर्वक व्यतीत करना चाहिए। आज भारत के शहरों में हिंसा का बोलबाला है। लोग छोटी-छोटी बातों पर हत्याएं तक कर रहे हैं। दूसरों के जीवन को नष्ट कर अपने जीवन को भी बर्बाद कर लेते हैं। शरीर से हिंसा न करना भी बड़ा तप है। हिंसा का मुख्य कारण उचित नैतिक शिक्षा का अभाव तथा पाश्चात्य जीवन-शैली में केवल भोग का स्थान प्रमुख होना है। इस भोगवादी जीवन-शैली ने समूचे विश्व में लालच को जन्म दिया है। यह लालच ही है, जो भौतिक इच्छाओं की पूर्ति के लिए हिंसा को जन्म देता है और जब कभी इच्छाएं पूरी नहीं हो पाती हैं, तब व्यक्ति व्याकुल होकर हिंसा करने लगता है, इसलिए हिंसा का त्याग कर परम आवश्यक है। इससे केवल अपना नहीं, दूसरों का भी लाभ होता है।

अनुद्वेगकरं वाक्यं सत्यं प्रियहित च यत्।
स्वाध्यायाभ्यसनं चैव वाड्मयं तप उच्यते॥

ऐसा बोलना, जिससे किसी को कष्ट न हो। भाषा में मधुरता और विनम्रता पूर्वक बात करना। अक्सर हम देखते हैं लोग बात-बात में गाली का प्रयोग करते हैं और नकारात्मक व्यंग (टोंट) करते हैं। बातों में अपने को बड़ा बताना तथा दूसरों को छोटा दिखाना यह अच्छी बात नहीं है। जैसा व्यवहार हम दूसरों से अपने प्रति चाहते हैं वैसा ही व्यवहार हमें भी दूसरों के प्रति करना चाहिए। अगर कोई हमसे ऐसी वाणी का प्रयोग करे, जिससे कि हमें बुरा लगे तो उसे भी हमारी वाणी का बुरा लग सकता है, इसलिए हमेशा ध्यान से, सोच-समझ कर बोलना चाहिए। हमारी संस्कृति में ध्यान का महत्त्वपूर्ण स्थान है। बचपन से हमें माता-पिता कहते हैं कि ध्यान से बोलो, ध्यान से चलो, ध्यान से पढ़ो आदि। ध्यान से बोलने का अर्थ है कि नपा-तुला बोलना और मीठा बोलना। साथ ही शब्दों की प्रमाणिकता भी होनी आवश्यक है। सत्य बोलना, सुंदर तरीके से बोलना। यह वाचिक तप कहलाता है।

सदा सत्य बोलना उच्च कोटि में आता है। कहते हैं, जीवन पूरी तरह सत्य पर आधारित होकर नहीं चल सकता। यह बात ठीक नहीं है। हां, यह जरूरी है कि जीवन में व्यवहार कुशल तथा वाकचतुर होना चाहिए, लेकिन यह कहना कि बिना झूठ के जीवन नहीं चलता, यह ठीक नहीं है। कर्मफल का सिद्धांत है- जो जैसा कर्म करता है उसे उसका फल भोगना ही पड़ता है। इसलिए जीवन को सरलता, विनम्रता तथा बुद्धिमत्ता पूर्वक चलाने से असत्य से बचा जा सकता है। सत्य के साथ प्रिय और हितकर भी होना चाहिए। समाज में रहने वाले मनुष्य को दूसरों के प्रति प्रिय और हितकर बोलना चाहिए। परिवार के सदस्यों के प्रति तो हम हितकर बोलते हैं। कोई अपना गलत कर रहा होता है या फिर किसी विषय को लेकर समझ नहीं होती कि उसे क्या करना चाहिए तब हम बिना पूछे उसे उसके हित की बात बता देते हैं। ऐसा बोलते हैं जो उसके लिए हितकारी होता है। यह नियम केवल अपने लोगों के लिए नहीं होना चाहिए। अगर कोई अनजान व्यक्ति भी है और उसके हित की बात है, तब बिना उसके पूछे हमें बता देना चाहिए। यह मानवता का श्रेष्ठ गुण है। किसी को बुरा न बोलना तथा सदैव हितकर बोलना भी वाणी का तप है।

स्वाध्याय का अभ्यास भी वाणी की तपस्या में आता है। उच्च स्वर में आध्यात्मिक ग्रंथों का अध्ययन करना चाहिए। प्रतिदिन सोने से पहले या जब भी समय मिले किसी न किसी पुस्तक का अध्ययन करना चाहिए। साथ ही शांत भाव में बैठ कर स्वयं का अध्ययन करना भी स्वाध्याय है। मधुर, सत्य, प्रिय, हितकर आदि वाचिक तप कहलाते हैं।

मनः प्रसादः सौम्यत्वं मौनमात्म विनिग्रहः ।
भावसंशुद्धि रित्येतत्तपो मानसमुच्यते ॥

मन सदा प्रसन्न रखना चाहिए। जीवन में उतार-चढ़ाव बहुत आते हैं। सभी परिस्थितियों में मन को प्रसन्न रखना बड़ा ही कठिन कार्य है। आज भौतिकवादी जीवन में मन संतुष्ट नहीं रहता है। जीवन जितना प्रकृति के निकट और संतोषी होगा, मन उतना ही प्रसन्न होगा। लोकेषणा, वितेषणा, पुत्रेषणा जीवन के आनंद को समाप्त कर देती हैं। तीनों तृष्णाएं व्यक्ति के मूल आनंद से वंचित कर देती हैं और मनुष्य समझता है कि इसी में सुख है, लेकिन जब थोड़ा भी कष्ट आता है तब वह दुखी हो जाता है और शीघ्र ही मन तनाव में चला जाता है। इसलिए कर्म ऐसा हो, जिससे मन प्रसन्न रहे, मन में मधुर भाव रहे, किसी के प्रति घृणा, द्वेष न रखना तथा व्यर्थ न बोलना, मौन रह कर मन को शांत तथा एकांत रखते हुए शून्य की ओर लाना भी मन का तप है। मन में शुद्ध और सात्विक भावना रखते हुए सब कार्य करना मानसिक तप कहलाता है। शारीरिक तथा मानसिक तपस्या मनुष्य का सर्वांगीण विकास करती है। समाज में उसे दिव्य बनाती है। व्यक्ति को तुनकमिजाज नहीं होना चाहिए। सभी स्थितियों में अपने जीवन को चलाने की योग्यता होनी चाहिए। तपस्या से जीवन में धैर्य तथा संघर्ष करने की अद्भुत शक्ति आती है और जीवन का मूल आध्यात्मिक आनंद प्राप्त होता है। ■

एमएस सुब्बुलक्ष्मी

जन्म : 16 सितंबर, 1916
निधन : 11 दिसंबर, 2004

शख्सियत

एमएस सुब्बुलक्ष्मी का जन्म 16 सितम्बर, 1916 को मदुरै, तमिलनाडु के मंदिर में हुआ था। इस नाते उन्हें देवकन्या रूप में कुजम्मा कहा जाता था। उनको भक्ति गायन के संस्कार वहीं से मिले थे। सुब्बुलक्ष्मी का पहला जन कार्यक्रम आठ वर्ष की उम्र में कुंबाकोनम में महामहम उत्सव के दौरान हुआ था। इसी कार्यक्रम के बाद उनका सार्वजनिक दौर शुरू हुआ।

संगीत की शिक्षा

सुब्बालक्ष्मी ने सेम्मानगुडी श्रीनिवास अय्यर से कर्नाटक संगीत की शिक्षा ली। पंडित नारायण राव व्यास उनके हिंदुस्तानी संगीत में गुरु रहे। सुब्बुलक्ष्मी का पहला भक्ति संगीत का एलबम तब आया जब उनकी उम्र केवल दस वर्ष की थी। उसी के बाद वे मद्रास संगीत अकादमी में आ गईं। एमएस सुब्बालक्ष्मी ने जिस दौर में गायन शुरू किया और अपना स्थान बनाया, उसमें पुरुष गायकों का ही दबदबा था, लेकिन सुब्बालक्ष्मी ने उस परंपरा को तोड़ा।

अभिनय

सुब्बुलक्ष्मी ने फिल्मों में अभिनय भी किया। 1945 में उनकी यादगार फिल्म 'भक्त मीरा' आई। इस फिल्म में उन्होंने मीरा के भजन भी गाए थे। इनकी अन्य फिल्मों में 'सेवा सदनम', 'सावित्री' तथा तमिल में 'मीरा' आई। मगर बाद में इन्हें लगा कि गायन ही उनका असली क्षेत्र है, इसलिए फिल्मों में अभिनय छोड़ दिया।

पति का मार्गदर्शन

सुब्बुलक्ष्मी को उनके पति का मार्गदर्शन हमेशा मिलता रहा। ये महान भक्ति गायिका सदैव नम्र बनी रहीं और संगीत में अपनी ख्याति के लिए अपने पति सदाशिवम् का आभार मानती रहीं। सदाशिवम गांधीवादी और स्वतंत्रता सेनानी थे। जबसे उन्होंने सुब्बुलक्ष्मी का हाथ थामा, तबसे हर प्रयत्न करते रहे, जिससे सुब्बुलक्ष्मी की ख्याति बढ़ती रहे। उन्होंने सुब्बुलक्ष्मी की गायन सभाओं का इस प्रकार आयोजन किया कि वे सफलताओं की सीढ़ियां चढ़ती ही गईं। सुब्बुलक्ष्मी को 'नाइटेंगेल ऑफ इंडिया' कहा गया। रामधुन और भक्ति संगीत को गाने की प्रेरणा भी उन्हें सदाशिवम् से ही मिली थी।

प्रशंसा

अनेक मशहूर संगीतकारों ने श्रीमती सुब्बुलक्ष्मी की कला की तारीफ की है। लता मंगेशकर ने उनकी संगीत साधना को देखते हुए 'तपस्विनी' कहा। उस्ताद बड़े गुलाम अली खां ने उन्हें 'सुस्वरलक्ष्मी' कहा, तथा किशोरी आमोनकर ने उन्हें 'आठवां सुर' कहा, जो संगीत के सात सुरों से ऊंचा है। महात्मा गांधी और पंडित नेहरु भी उनके संगीत के प्रशंसक थे। एक अवसर पर महात्मा गांधी ने कहा कि अगर श्रीमती सुब्बुलक्ष्मी 'हरि, तुम हरो जन की भीर' मीरा भजन को गाने के बजाय बोल भी दें, तब भी उनको वह भजन किसी और के गाने से अधिक सुरीला लगेगा।

सुब्बुलक्ष्मी के बारे में कहा जाता है कि जो लोग उनकी भाषा नहीं समझते थे, वे भी उनकी गायकी सुनते थे। उनकी आवाज को परमात्मा की अभिव्यक्ति कहा जाता था और लोग प्रसन्नचित होकर उनका गायन सुनते थे।

सम्मान और पुरस्कार

वे पहली भारतीय हैं, जिन्होंने संयुक्त राष्ट्र की सभा में संगीत कार्यक्रम प्रस्तुत किया। वे पहली स्त्री हैं, जिनको कर्नाटक संगीत का सर्वोत्तम पुरस्कार, संगीत कलानिधि प्राप्त हुआ। संयुक्त राष्ट्र सुब्बुलक्ष्मी की जन्म शताब्दी के उपलक्ष्य में एक डाक टिकट जारी करेगा। उन्हें 1954 में पद्म भूषण, 1956 में संगीत नाटक अकादेमी सम्मान, 1974 में रैमन मैग्सेसे सम्मान, 1975 में पद्म विभूषण, 1988 में कैलाश सम्मान, 1998 में भारत रत्न समेत कई सम्मानों से नवाजा गया। इसके अलावा कई विश्वविद्यालयों ने उन्हें मानद उपाधि से सम्मानित किया।

निधन: 11 दिसंबर, 2004 को अट्ठासी साल की उम्र में उनका उनका निधन हो गया। ■

बाजार का जायका

अनेक लोगों को बाजार के खाने का चस्का होता है। वे घर में भी बाजार जैसा खाना तलाश करते और शिकायत करते रहते हैं कि रेस्तरां या ढाबे जैसा भोजन नहीं बना। कई लोग समझते हैं कि रेस्तरां या ढाबे में भोजन बनाने का नुस्खा कुछ अलग होता है और घर में वैसा भोजन पकाना मुश्किल है। मगर घर में बाजार से बेहर स्वाद वाला और साफ-सुथरा भोजन पकाया जा सकता है। ऐसी ही कुछ चीजों के बारे में इस बार बात करते हैं, जो बाजार में अधिक लोकप्रिय हैं।

दाना-पानी

मानस मनोहर

मलाई कोफ्ता

जब लोग बाहर खाना खाने जाते हैं, तो जो चीजें सबसे अधिक पसंद करते हैं, उनमें मलाई कोफ्ता भी एक है। कई लोगों को लगता है कि बाजार की तरह मुलायम और स्वादिष्ट मलाई कोफ्ता घर में नहीं बन सकता। मगर यह गलत धारणा है। घर में बाजार से अधिक स्वादिष्ट और मुंह में घुल जाने वाला मलाई कोफ्ता तैयार किया जा सकता है। इसे बनाना बहुत मुश्किल भी नहीं है।

मलाई कोफ्ता बनाने में सबसे कौशल का काम कोफ्ते और उसकी ग्रेवी बनाना है। घर में एक बार कोशिश करें, तो अगली बार खुद उसकी कमियों को सुधार कर बेहतर मलाई कोफ्ता बना लेंगे और फिर बाजार का मलाई कोफ्ता भूल जाएंगे।

सबसे पहले इसकी ग्रेवी बनाते हैं। इसकी ग्रेवी बनाने के लिए तीन बड़े प्याज और इतनी ही मात्रा में टमाटर लें। दोनों को अलग-अलग काट लें। पिछली बार ग्रेवी बनाने के तरीके पर बात की थी। इसकी ग्रेवी में भी वही तरीका अपनाया जाता है। थोड़ा भिन्न है, तो सिर्फ इसमें पड़ने वाली सामग्री।

कड़ाही में तेल गरम करें। उसमें आधा चम्मच की मात्रा में जीरा, साबुत धनिया, सौंफ, अजवाइन, चार छह साबुत काली मिर्चें, छोटा टुकड़ा दालचीनी, दो हरी इलाइची, एक बड़ी इलाइची और एक तेजपत्ता लें। इन सारी चीजों का तड़का दें और फिर उसमें पहले कटा प्याज डालें और थोड़ा नमक डाल कर चलाएं और आंच धीमी करके ढक्कन लगा दें। प्याज नरम हो जाए तो उसमें पांच-छह काजू, एक से डेढ़ चम्मच खसखस के दाने और टमाटर डालें और एक बार चला कर ढक्कन लगा दें। टमाटर जब नरम हो जाएं तो उसमें आधा चम्मच हल्दी पाउडर डालें और चला कर थोड़ी देर और पकने दें। ध्यान रखें कि टमाटर और प्याज कड़ाही में चिपकने न पाए।

अब आंच बंद कर दें और टमाटर-प्याज को ठंडा होने दें। जब यह ठंडा हो जाए, तो मिक्सर में डाल कर अच्छी तरह पीस लें। इस पिसे हुए मिश्रण को मोटी छन्नी से छान लें, ताकि उसमें से टमाटर के छिलके, बीज और मसालों की गांठें छन जाएं। मलाई कोफ्ते की ग्रेवी बहुत साफ होनी चाहिए। अब इसे अलग रख दें।

फिर कोफ्ते बनाने की तैयारी करें। सौ ग्राम पनीर और इतनी ही मात्रा में उबले हुए आलू को कद्दूकस कर लें। इसमें दो चम्मच कंडेंस्ड मिल्क या इतनी मात्रा में मावा डालें। अगर ये दोनों चीजें नहीं हैं, तो दो चम्मच मैदा डालें। फिर कुछ हरा धनिया पत्ता, एक हरी मिर्च बारीक काट कर डालें और जरूरत भर का नमक डाल कर सारी चीजों को खूब मसल कर एक सार कर लें। इस सारी सामग्री को रगड़ कर एकसार करना जरूरी है, तभी कोफ्ते मुलायम बनेंगे। फिर इस सामग्री से थोड़े-थोड़े टुकड़े लेकर कोफ्ते बना लें। इन कोफ्तों को सूखे मैदे में लपेट कर चारों ओर से हल्की परत चढ़ा लें, ताकि तलते समय कोफ्ते फटें नहीं।

अब एक कड़ाही में तेल गरम करें। जब तेल ठीक से गरम हो जाए, तो आंच मध्यम कर लें और एक कोफ्ता डाल कर देख लें कि वह फट तो नहीं रहा। फिर सारे कोफ्तों को गुलाबी होने तक तल लें। तलते समय बहुत सावधानी से पलटें, नहीं तो कोफ्ते फट सकते हैं।

अब एक कड़ाही में एक चम्मच देसी घी या मक्खन गरम करें और उसमें लाल मिर्च पाउडर का तड़का लगाएं। तुरंत उसमें ग्रेवी डालें और चलाते हुए मिलाएं। इसी समय एक चम्मच शहद या फिर आधा चम्मच चीनी डाल दें। फिर एक चम्मच कसूरी मेथी को रगड़ कर डालें और थोड़ा पानी डाल कर चलाते हुए उबाल आने तक पकाएं। देख लें, नमक ठीक है या नहीं, तो नमक डाल लें। ऊपर से एक चम्मच सब्जी मसाला या शाही पनीर मसाला है तो डालें और ठीक से मिला कर आंच बंद कर दें।

कोफ्तों को एक बर्तन में डालें और ऊपर से धीरे-धीरे ग्रेवी डालें। कभी ग्रेवी में कोफ्ते न डालें। फिर हरा धनिया और अदरक के लच्छे डाल कर परोसें।

दही भल्ले

दही बल्ले बनाना बहुत आसान है। आमतौर पर उड़द दाल के भल्ले बनाए जाते हैं, पर कुछ लोग सूजी के भी बनाते हैं। आप इसमें बराबर-बराबर मात्रा में उड़द और मूंग की दाल लें। इन्हें रात भर के लिए भिगो दें। सुबह पानी निथार कर पीस लें। न तो इसे अधिक मोटा रखें और न अधिक महीन पीसें। फिर उसे मिक्सर से निकाल कर उसमें एक चम्मच बेसन डालें और एक ही दिशा में चलाते हुए देर तक फेंटें। जितना फेंटेंगे, उतना ही भल्ले नरम बनेंगे। अब इसमें एक चम्मच जीरा और थोड़ा-सा बारीक कटा अदरक डालें और एक बार फिर फेंट लें।

कड़ाही में तेल गरम करें। चाहें, तो इसे इडली मेकर में भी पका सकते हैं। फिर घोल में एक छोटी पुड़िया ईनो या चुटकी भर बेकिंग पाउडर मिलाएं और ठीक से फेंट लें। इस घोल के गोले बनाते हुए तेल में मध्यम आंच पर तल लें या इडली स्टैंड में रख कर पका लें। एक कटोरे में भरपूर गरम पानी लें, उसमें चुटकी भर हींग और आधा चम्मच नमक मिला कर रख लें। भल्लों को तलने के बाद सीधा पानी में डालते जाएं। अगर भाप में पकाया है, तो भी इसी पानी में डालें।

खाते समय इन भल्लों को हल्के हाथों से निचोड़ कर प्लेट मे डालें और ऊपर से फेंटा हुआ दही, हरी चटनी, इमली की मीठी चटनी और कुछ अनार दाने डाल कर परोसें। चाहें तो इसमें हरा धनिया पत्ता और अदरक का लच्छा भी डाल सकते हैं। नरम-नरम दही भल्ले बाजार से ज्यादा स्वादिष्ट लगेंगे। ■

बीमारियों का मौसम

सेहत

जाती बरसात के मौसम में कई बीमारियां हमला करती हैं। इस मौसम में अनेक तरह के बैक्टीरिया और वायरस पैदा होते हैं, जो गले, नाक, आंख आदि में संक्रमण पैदा करते हैं। इसके अलावा मच्छरों के काटने से भी बीमारियां होती हैं, जिनमें मलेरिया, डेंगू आदि का खतरा बना रहता है। वायरल बुखार की भी आशंका रहती है। जिन इलाकों में बाढ़ या जलजमाव की समस्या रहती है, उन इलाकों में ऐसी बीमारियों की आशंका अधिक रहती है। इसलिए इस मौसम में कुछ सावधानियां बरतना जरूरी है।

खानपान में सावधानी

इस मौसम में किसी भी तरह का कोई बासी भोजन न करें। जहां तक हो सके, गरम भोजन करें। बाजार के खाने से परहेज करें। खासकर बच्चों को बाजार की चाजें खाने से रोकें। उन्हें जहां तक हो सके ताजा भोजन ही खाने को दें।

इस मौसम में पत्तेदार सब्जियों जैसे पत्ता गोभी, पालक आदि और गोभी, मूली जैसी सब्जियों को भोजन में शामिल न करें। इस मौसम में कीड़े इन सब्जियों में छिप जाते हैं, जो गंभीर बीमारियों का कारण बनते हैं। बाजार में चाइनीज खाने में पत्ता गोभी का इस्तेमाल जरूर होता है, इसलिए बच्चों को ऐसा भोजन खाने से रोकें।

पानी हमेशा साफ ही इस्तेमाल करें। अगर बाहर पानी पीना हो, तो भरोसेमंद बंद बोतल का पानी ही पीएं, क्योंकि गंदा या दूषित पानी पेट संबंधी बीमारियामं पैदा करता है।

साफ-सफाई है जरूरी

इस मौसम में घरों की दीवारों में नमी आ जाती है। फर्श पर गंदगी जमा होती रहती है। इस तरह नमी की वजह से घर के भीतर बैक्टीरिया जमा होते रहते हैं। अगर घर में गमले और पौधे रखे हैं, तो वहां मच्छर भी पैदा होने शुरू हो जाते हैं। इस तरह घर के भीतर सफाई का विशेष ध्यान रखना होता है। घर में रोज फिनायल या बैक्टीरिया नाशक किसी भी रसायन वाला पोंछा जरूर लगना चाहिए।

घर में अगर कूलर इस्तेमाल करते हैं, तो उसके पानी में लाल दवा या मिट्टी का तेल जरूर डालें। इसी तरह गमलों के आसपास मिट्टी के तेल का छिड़काव करें, ताकि मच्छर न पनपने पाएं। अगर घर के भीतर मच्छर अधिक हो गए हैं, तो शाम को घर में कपूर को मच्छर भगाने वाली मैट की जगह जलाएं। इसके अलावा एक तेजपत्ता पर नीम का तेल और लौंग डाल कर जलाएं, ताकि उसका धुआं घर में भर जाए। इससे मच्छर बहुत तेजी से घर से भागते हैं। इसके अलावा दूसरे तरह के बैक्टीरिया भी नष्ट होते हैं। रोज सुबह-शाम अगरबत्ती जलाने से भी बैक्टीरिया रोकने में मदद मिलती है।

भोजन पकाने के बाद बहुत ध्यान से चूल्हे और फिर बर्तन धोने की जगह की सफाई करें। आमतौर पर लोग बर्तन धोने की सिंक और उसके नीचे की जाली और पाइप का ध्यान नहीं रखते, जबकि वहीं बैक्टीरिया पैदा होते रहते हैं। इसलिए इन जगहों की सफाई बहुत जरूरी है।

भोजन से पहले और बाद में ठीक से हाथों की सफाई तो जरूरी है ही, जब भी बाहर से आएं, पूरे शरीर को गीले कपड़ से पोंछें या नहाएं, नहीं तो बाहर के बैक्टीरिया पसीने में चिपक कर घर तक पहुंच जाते हैं।

इस मौसम में अपने पीने के पानी में अगर तुलसी के रस का उपयोग करें, तो वह बहुत तरह के बैक्टीरिया को नष्ट कर देता है। इस तरह कई तरह के संक्रमण से बचा जा सकता है। इसके लिए पानी के जग या बोतल में पानी में तुलसी के कुछ पत्ते डाल कर रखें और वही पानी पीएं।

सार्वजनिक वाहनों में सफर करते समय

अक्सर सार्वजनिक वाहनों में सफर करने से भी संक्रमण की आशंका रहती है। सार्वजनिक बसों, मेट्रो आदि में आप सफर करते हैं, तो जरूरी नहीं कि आपकी साफ-सफाई पर ध्यान देने की वजह से बैक्टीरिया दूर रहें, उसमें सफर कर रहे दूसरे लोगों से भी बैक्टीरिया फैल सकते हैं। इसलिए जहां तक हो सके, नाक ढंक कर सफर करें।

अगर सार्वजनिक वाहन में सफर करते हैं, तो दफ्तर या घर पहुंच कर सबसे पहले साबुन से हाथ जरूर धोएं, क्योंकि उसके हैंडिलों में चिपके बैक्टीरिया आपके हाथों में चिपक कर आपके भोजन और फिर शरीर के भीतर प्रवेश कर सकते हैं।

अगर संक्रमण हो जाए

अगर तमाम सावधानियों के बावजूद संक्रमण हो जाता है, तो घरेलू नुस्खों पर अधिक भरोसा न करें, तुरंत डॉक्टर की सलाह लें और जांच करा कर उचित निदान की प्रक्रिया अपनाएं। ■

छोटा घर बड़ी सजावट

बड़े शहरों में छोटे घरों का चलन बढ़ रहा है, इसलिए कि बड़े घर खरीदना सबके वश की बात नहीं। मगर जब घर की साज-सज्जा करने की बात आती है तो अक्सर लोग बड़े घरों की साज-सज्जा की नकल करते हैं। बड़ी मेजें, सजावट की भारी वस्तुएं और रौशनी के आधुनिक उपकरण ही जेहन में घूमते रहते हैं। छोटे घरों में बेतरतीब साज-सज्जा और बेवजह सामान जमा करने से उनमें उठने-बैठने, चलने-फिरने तक की जगह काफी संकरी रह जाती है। ऐसे में छोटे घर की साज-सज्जा के बारे में पेश हैं रवि डे के सुझाव।

बड़े शहरों में जमीन-जायदाद की कीमतें बढ़ती जाने की वजह से बहुत सारे लोगों को छोटे घर घर खरीदना मजबूरी है। बरसात के बाद बहुत सारे लोग दशहरे ये दीवाली के बीच अपने नए घर में प्रवेश करना पसंद करते हैं। उससे पहले घर की आंतरिक साज-सज्जा कराते हैं। मगर घर की आंतरिक साज-सज्जा यानी इंटीरियर डिजाइनिंग के समय अक्सर लोग बड़े मकानों की व्यवस्था की नकल करते हैं। छोटे घर खरीदने वाले ज्यादातर लोगों के पास आंतरिक सज्जाकार या वास्तुविद की सलाह लेने की क्षमता नहीं होती, इसलिए वे बाजारों में घूम कर अपनी पसंद की चीजें खरीदते हैं। ऐसे में कई चीजें घर के आकार से मेल नहीं खातीं और बेवजह अधिक जगह घेरती हैं।

छोटे घरों में सबसे बड़ी समस्या जगह की होती है, इसलिए उनमें कैसे कम से कम जगह में अधिक से अधिक सुविधाएं बिठाई जाएं, उसके लिए बहुत सोच-समझ कर फैसला करने की जरूरत होती है। आंतरिक सज्जाकार थोड़े पैसे जरूर लेते हैं, पर उनकी मदद ली जाए, तो वे इस तरह सारी सुविधाओं को बिठा देते हैं कि छोटा घर भी खुला-खुला लगता है। अगर आप खुद अपने घर की सज्जा कर रहे हैं, तो कुछ बातों का ध्यान जरूर रखें।

घर में कुछ जगहें ज्यादा महत्त्वपूर्ण होती हैं, जिनकी सज्जा में विशेष ध्यान देने की जरूरत होती है।

बच्चों का कमरा

घर में बच्चों के कमरे पर सबसे पहले ध्यान देने की जरूरत होती है, क्योंकि वे उसी में खेलते भी हैं, पढ़ते भी हैं, बहुत सारी चीजें फैलाते भी हैं। वहीं उनके कपड़े रखे जाते हैं, वहीं उनकी किताब-कॉपियां रखी जाती हैं। इसलिए बच्चों के कमरे की सज्जा करते समय अगर फर्नीचर फोल्डिंग रखे जाएं, मेजें और अलमारियां इस तरह की रखी जाएं कि वे जरूरत पड़ने पर पढ़ने-लिखने और किताब-कॉपियां रखने के भी काम आएं और जरूरत न हो तो समेटी भी जा सकें। आजकल दीवारों के साथ लग कर खुलने और समेटी जा सकने वाली मेजें और अलमारियां आने लगी हैं। उनका उपयोग होना चाहिए। बिस्तर भी समेटे जा सकने वाले होने चाहिए, ताकि बच्चे जब चाहें, उन्हें समेट कर अपने खेलने की जगह बना सकें। इसी तरह बच्चों के कपड़े रखने की अलमारी स्लाइडिंग यानी खिसका कर खोली जा सकने वाली बनवाएं, जिसमें दो या तीन परतें और कई खाने हों। भीतरी खानों में कपड़े, निचले खानों में जूते और सामने की कांच लगी स्लाइड में किताबें जमाई जा सकती हैं।

रसोई

इसी तरह रसोई घर का महत्त्वपूर्ण हिस्सा होता है। आजकल माड्युलर किचेन का जमाना है। सो रसोई बड़ी हो या छोटी, उसकी सज्जा और जरूरतों के अनुसार उसे ढालने की वस्तुएं बाजार में सहज उपलब्ध हैं। मगर रसोई में अगर दरवाजा हटा दें और उसे बैठक यानी ड्राइंग रूम के साथ खुला छोड़ दें, तो जगह बड़ी लगने लगती है। इस तरह बैठक और रसोई मिल कर काफी जगह हो जाएगी, जिससे बैठ कर खाने की अधिक जगह मिल सकेगी।

बैठक

घर में बैठक का उपयोग आमतौर पर मेहमानों के आने पर या फिर फुरसत के समय बैठने के लिए होता है। इसलिए अगर बैठक को खुला रखें, उसमें सोफे वगैरह का चुनाव इस तरह करें कि वे बैठक के काम भी आ सकें और जरूरत पड़ने पर बिस्तर की तरह भी उपयोग हो सकें या डाइनिंग टेबल की जगह इस्तेमाल हो सकें, तो काफी जगह की बचत होगी। भारी सोफे और डाइनिंग टेबल काफी जगह घेरते हैं, इसलिए छोटे घरों में इनका विकल्प ही उपयोग किया जाना चाहिए। इसके अलावा दीवारों का रचनात्मक उपयोग किया जाना चाहिए। जैसे किताबें रखने, सजावटी वस्तुएं रखने, पुरस्कार-सम्मान आदि रखने के लिए जगह बनाई जा सकती है। बैठक को इस तरह खुला रखना चाहिए कि जरूरत पड़ने पर उसका उपयोग मेहमानों के सोने के लिए भी किया जा सके। ऐसे में सोफे की जगह फोल्डिंग सोफे रखने चाहिए, जिन्हें खोल कर बिस्तर का रूप दिया जा सके।

खिड़कियां और परदे

छोटे घरों में में खिड़कियां बड़ी रखनी चाहिए, ताकि रोशनी भरपूर आए। अगर आवश्यक नहीं है, तो बालकनी के हिस्से को भी कमरे के भीतर लिया जा सकता है। वहां की दीवार हटाई जा सकती है। खिड़की एक ही दीवार में रखें और हो सके, तो पूरी दीवार की लंबाई की खिड़की रखें। स्लाइड डोर का इस्तेमाल करें। इस तरह घर बड़ा लगता है और धूप-हवा भी भरपूर आती है।

खिड़कियों पर परदों का रंग हल्का ही रखें। गाढ़े रंग के परदे से घर भरा-भरा लगता है। अगर परदे सादा हों यानी जिन पर बहुत फूल-पत्ते, डिजाइन न हो, तो कमरे का आकार बड़ा लगता है। परदे खींच कर ऊपर चढ़ाने वाले लगाएं, तो इससे कमरे का आकार और बढ़ गया है।

फर्नीचर और अलमारियां

छोटे घरों में भारी फर्नीचर रखने से बचना चाहिए। कुछ फर्नीचर, जैसे बिस्तर ऐसे रखें, जिसमें बॉक्स बना हो और उसका उपयोग, कंबल, रजाइयां वगैरह रखने में हो सके। इसी तरह कुछ फर्नीचर ऐसे होने चाहिए, जिन्हें समेट कर किनारे रखा जा सके। अब तो इस तरह के फर्नीचर भी आने लगे हैं, जो मोड़ कर दीवारों में चिपका कर रखे जा सकते हैं। उनमें कलात्मक डिजाइन भी बनी होती है।

रोशनी और रंगरोगन

घर की सुंदरता बढ़ाने के लिए उसके रंग-रोगन और रोशनी का विशेष ध्यान रखना चाहिए। छोटे घरों में बहुत गाढ़े रंगों का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। इससे घर और छोटा लगने लगता है। रंगाई के लिए सफेद या फिर बहुत हल्के रंगों का उपयोग किया जाए, तो घर आकार में बड़ा लगने लगता है। इसी तरह लाइटिंग यानी रोशनी के लिए बल्बों और फिटिंग का चुनाव इस तरह करना चाहिए कि वे भरपूर रोशनी भी दे सकें और जगह भी अधिक न घेरें। आजकल बहुत कलात्मक और हल्की लाइटें बाजार में उपलब्ध हैं।

वास्तु

अगर आपको वास्तु में विश्वास है, तो किसी वास्तुविद से भी साज-सज्जा के लिए मदद अवश्य ले लें। ❑

नन्ही दुनिया

जन्मदिन का उपहार

दीप्ति मित्तल

कहानी

बारह साल का मोक्ष स्कूल से आकर अपनी विज्ञान की कॉपी ढूंढ़ रहा था। 'मम्मी मेरी विज्ञान की कॉपी नहीं मिल रही है, आपने कहीं देखी क्या?'

'नहीं मैंने तो नहीं देखी, तुमने अपनी अलमारी में अच्छे से देखा?'

'हां मम्मी, पर वह नहीं मिली।'

'ऐसा करो, एक बार अपने दादाजी के कमरे में जाकर देखो। उनके कमरे में तुम्हारी पिछले साल की कॉपियां पड़ी हुई हैं, कहीं उनमें न जा मिली हो।'

'पिछले साल की कॉपियां! पर दादाजी उनका क्या करते हैं?'

'पता नहीं क्या करते हैं।... मैंने अक्सर उन्हें उनमें कुछ लिखते देखा है।'

मोक्ष दादा जी के कमरे में पहुंचा। वे हफ्ते भर के लिए उसकी बुआ के घर गए हुए थे। मोक्ष पुरानी कॉपियों के ढेर में विज्ञान की कॉपी खोजने लगा। खोजते हुए उसने यों ही एक पुरानी कॉपी खोली तो देखा, उसके बाकी बचे पन्नों पर दादा जी ने बड़ी अच्छी लिखावट में कुछ लिख रखा था।

मोक्ष ने पढ़ कर देखा तो दादा जी ने उसमें एक बड़ी सुंदर बाल कहानी लिखी हुई थी। पढ़ कर उसे बहुत अच्छा लगा, क्योंकि दादा जी ने अपनी कहानी का हीरो उसे ही बनाया हुआ था। अब तो उसने वहां रखी बाकी कॉपियां भी टटोलनी शुरू कर दी। सभी के शेष बचे पन्नों पर दादा जी ने बहुत सुंदर बाल कहानियां लिख रखी थी।

मोक्ष की खुशी की कोई सीमा न रही। उसे लगा जैसे उसके हाथ कोई छिपा खजाना लग गया हो। पर उसे आश्चर्य भी हो रहा था कि दादाजी अपनी कहानियों को यों छिपा कर क्यों रखते हैं, इन्हें तो किताबों की शक्ल में बच्चों की लाइब्रेरी में होना चाहिए।

मोक्ष ने वहां से चुपचाप वे कॉपियां उठाई और अपने बैग में रख ली। शाम को उसने वे कहानियां अपने दोस्त अरूल को भी पढ़वाई, तो वह कहने लगा, 'यार ये तो बहुत अच्छी कहानियां हैं, इन्हें तो प्रकाशित होना चाहिए।'

मोक्ष बोला, 'सही कह रहे हो अरूल, कहानियां पढ़ कर मैं भी यही सोच रहा था।'

'तो क्या ऐसा हो सकता है कि हम इन कहानियों को प्रकाशित करा दें? अरूल ने आइडिया दिया।

'पर हम कैसे कराएंगे।... हम तो किसी प्रकाशक को जानते तक नहीं।...?' मोक्ष मायूसी से बोला।

'हम नहीं जानते तो क्या हुआ, गूगल बाबा तो सब जानता है। हम उस पर खोज लेंगे।' अरूल ने युक्ति बताई। दोनों ने गूगल पर खोज कर कुछ प्रकाशकों के फोन नंबर और पते ले लिए। उनसे बात करने की जिम्मेदारी अरूल के बड़े भाई रमन भइया को दे दी गई। उन्होंने अपने एक दोस्त की मदद से एक प्रकाशक से बात की। वह दादाजी की कहानियां पढ़ कर बहुत प्रभावित हुआ, 'तुमने फोन पर सही कहा था रमन। इन कहानियों को तो जरूर छपना चाहिए। लेकिन उसके लिए तुम्हें इन्हें अच्छे से टाइप कर मुझे ईमेल से भेजना होगा।' रमन सारी कॉपियां लेकर वापस घर लौट आया और अरूल और मोक्ष को सारी बात बताई। सुन कर अरूल सोच में पड़ गया। 'ये कहानियां तो हिंदी में हैं और हमें तो हिंदी में टाइपिंग नहीं आती।...'

'अरे वह कोई समस्या नहीं है, आजकल ऐसे बहुत से सॉफ्टवेयर हैं, जो अंग्रेजी में टाइप किए गए डेटा को हिंदी में बदल देते हैं। हम यह कर लेंगे।...' रमन भइया की इस बात से उन्हें राहत मिली।

'तो ठीक है, आज से हम शाम को खेलने के बजाय यही काम करेंगे।' अरूल बोला।

'मैं भी तुम्हारी मदद करूंगा।' रमन भइया की बात से दोनों में जोश भर गया। सबने मिल कर हफ्ते भर में सारी कहानियां टाइप कर ली और प्रकाशक को भेज दी। तब तक दादाजी भी घर वापस आ गए थे। मोक्ष ने उनके आने से पहले ही सब कॉपियां वापस जगह पर रख दी थी, इसलिए उन्हें किसी बात की खबर नहीं हुई।

दो महीने बाद दादा जी का जन्मदिन था। घर में छोटी-सी पार्टी रखी गई थी, जिसमें अरूल और रमन भइया भी आए थे। केक कटने के बाद मोक्ष ने दादाजी को उन्हीं की लिखी कहानियों की किताब उपहार में भेंट की। दादा जी ने जब उस किताब पर बतौर लेखक अपना नाम और फोटो देखा तो वे आश्चर्य से भर उठे। मोक्ष के मम्मी-पापा को भी विश्वास नहीं हुआ। फिर मोक्ष ने सबके सामने सारा किस्सा कह सुनाया। वह सुनकर दादा जी की आंखें भर आईं। उन्होंने मोक्ष और अरूल को गले से लगाते हुए कहा, 'यह मेरे जीवन का सबसे अनमोल उपहार है। बोलो, इसके लिए मैं तुम्हे क्या रिटर्न गिफ्ट दूं?'

अरूल तपाक से बोला, 'दादा जी, आपने मोक्ष को कहानियों में हीरो बना कर उसे तो रिटर्न गिफ्ट दे दिया, अगली बार मुझे हीरो बना कर कहानियां लिख दीजिए, यही मेरा रिटर्न गिफ्ट होगा।' अरूल की बात सुन कर सभी ठहाके मार कर हंस पड़े।

दादा जी ने आजकल पुरानी कॉपी के बचे पन्नों पर कहानी लिखना छोड़ दिया है। मोक्ष और अरूल ने उन्हें हाईटेक बना दिया है। अब वे अपनी कहानियां लेपटॉप पर टाइप कर उन्हें ईमेल से सीधे प्रकाशन के लिए भेज देते हैं और उन्हें फेसबुक और अपने ब्लॉग पर भी शेयर करते हैं। देश-विदेश के बच्चे दादा जी की कहानियों के प्रशंसक बन चुके हैं और इसका सारा श्रेय दादा जी मोक्ष और अरूल को देते हैं। ❑

कविता

प्रभुदयाल श्रीवास्तव

बूंदों की चौपाल

हरे-हरे पत्तों पर बैठे,
हैं मोती के लाल।
बूंदों की चौपाल सजी है,
बूंदों की चौपाल।

बादल की छन्नी में छन कर,
आई बूंदें मचल मटक कर।
पेड़ों से कर रहीं जुगाली,
बतियाती बैठी डालों पर।
नवल धवल फूलों पर बैठे,
जैसे हीरालाल।
बूंदों की...

सर-सर हिले हवा में पत्ते
जाते दिल्ली से कलकत्ते।
बिखर-बिखर कर गिर-गिर जाते,
बूंदों के नन्हे से बच्चे।
रिमझिम बूंदों से गीली हुई,
आंगन रखी पुआल।
बूंदों की...

पीपल पात थरर थर कांपा।
कठिन लग रहा आज बुढ़ापा।
बूंदें, हवा मारती टिहुनी,
फिर भी नहीं खो रहा आपा।
उसे पता है आगे उसका,
होना है क्या हाल।
बूंदों की...

शब्द-भेद

कुछ शब्द एक जैसे लगते हैं। इस तरह उन्हें लिखने में अक्सर गड़बड़ी हो जाती है। इससे बचने के लिए आइए उनके अर्थ जानते हुए उनका अंतर समझते हैं।

पट / पटु/ पट्ट

कपड़ा या वस्त्र को पट कहते हैं। पट के तीन-चार अर्थ होते हैं। इसका एक अर्थ किवाड़ का पल्ला भी होता है। इसके अलावा इसका एक अर्थ पेट के बल लेटे होने की अवस्था यानी चित का उल्टा भी होता है। एक पट का अर्थ तुरंत भी होता है, जैसे झटपट।

जबकि पटु का अर्थ होता है होशियार, चतुर, प्रवीण, कुशल, तेज। वह उनका पटु शिष्य है। मगर पट्ट के भी दो-तीन अर्थ होते हैं। इसका एक अर्थ है पीढ़ा या बैठने का पटरा, पाट, पटरी, तख्ता। इसी से श्यामपट्ट बना है जिसे अंग्रेजी में ब्लैक बोर्ड कहते हैं। इसके अलावा ढाल, पगड़ी, दुपट्टा आदि के लिए भी पट्ट शब्द का प्रयोग होता है। पट्ट का एक अर्थ प्रधान, मुखिया भी होता है।

नटखट

अनूठे सच